सूर्योदय : 6:35
सूर्यास्त : 5:12
अधिकतम तापमान : 25.0
न्यूनतम : 12.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-163 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, बुधवार, 04 दिसम्बर 2024
01 जमादिउस्सानी 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

पीएम मोदी ने तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को राष्ट्र को किया समर्पित

'तारीख पे तारीख' के दिन खत्म : मोदी

- देश को औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर आना होगा
- नए आपराधिक कानूनों से जल्द न्याय मिलेगा : प्रधानमंत्री

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि नये आपराधिक कानूनों के तहत त्वरित न्याय संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के लिए 'तारीख पे तारीख' या लंबे समय तक चलने वाले मुकदमे के दिन अब खत्म हो गए हैं।

पीएम मोदी ने मंगलवार को यहां तीन नए आपराधिक कानूनों के सफल क्रियान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया। उनके साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी थे। मोदी ने कहा कि न्याय संहिता समानता, सद्भाव और सामाजिक न्याय के आदर्शों से बुनी गई है। समय पर न्याय मिलने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि 'तारीख पे तारीख' के दिन अब खत्म हो चुके हैं। अपने भाषण में मोदी ने हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया ताकि कानून नागरिक सशक्तीकरण का माध्यम बन सके। उन्होंने कहा कि ऐसे कई कानून हैं जिन पर चर्चा और विचार-विमर्श का अभाव है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 और तीन तलाक को हटाने पर काफी चर्चा हुई। मोदी ने कहा कि इन दिनों वक्फ बोर्ड से जुड़े कानून पर बहस चल रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों की गरिमा और आत्मसम्मान बढ़ाने के लिए बनाए गए कानूनों को भी समान महत्व दिए जाने की जरूरत है। इस बीच, मोदी ने कहा कि न्याय की कसौटी समय पर न्याय प्रदान करना है। उन्होंने नये कानूनों के तहत समय पर न्याय सुनिश्चित करने की ओर इशारा करते हुए कहा, हम सुनते आ रहे हैं कि न्याय में देरी होती है, न्याय नहीं मिलता।

उन्होंने कहा कि किसी विशेष मामले में प्रत्येक कदम के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। मोदी ने चंडीगढ़ में वाहन चोरी के एक मामले में एक आरोपी को महज दो महीने में सजा मिलने का उदाहरण दिया।

तीन साल में मिलेगा न्यायः शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चंडीगढ़ ने इन कानूनों को पूरी तरह लागू करके एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज होने के तीन साल के भीतर पीड़ितों को न्याय मिलेगा। गृह मंत्री ने कहा कि ये कानून भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली को दुनिया की सबसे आधुनिक प्रणाली बनाएंगे। उन्होंने चंडीगढ़ प्रशासन को इन कानूनों के क्रियान्वयन में उनके प्रयासों के लिए सराहा।

बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त तलब वीजा और काउंसलर सेवाएं निलंबित

- बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर तोड़फोड़ मामले में सात गिरफ्तार
- दिल्ली में स्थित बांग्लादेश के उच्चायोग की भी बढ़ा दी गई है सुरक्षा

बांग्लादेश मिशन के प्रथम सचिव एमडी अल-अमीन ने कहा कि सुरक्षा स्थिति को देखते हुए अगरतला स्थित बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में सभी वीजा और काउंसलर सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित रहेंगी। यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

नई दिल्ली। अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग के बाहर हिंदू नेता चिन्मय दास की गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को पूछताछ के लिए भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया गया।

इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। उन पर बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास में घुसने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया। सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) ने कहा कि भारतीय दूत शाम 4 बजे विदेश मंत्रालय में दाखिल हुए। भारतीय उच्चायुक्त को कार्यवाहक विदेश सचिव रियाज हमीदुल्लह ने तलब किया। बता दें कि 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत आने के बाद से दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। पिछले हफ्ते हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद यह तनाव और बढ़ गया है।

एक अधिकारी ने मंगलवार को यहां बताया कि सुरक्षा कारणों से अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में सभी वाणिज्य दूतावास सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित रहेंगी।

बांग्लादेशी राष्ट्रीय ध्वज को हटाने के कुछ घंटों बाद त्रिपुरा पुलिस ने इस घटना के लिए सात लोगों को गिरफ्तार किया और तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया। यह घोषणा पड़ोसी देश में हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों के एक समूह द्वारा बांग्लादेश मिशन के परिसर में घुसने के एक दिन बाद की गई।

न्यूज डायरी

दक्षिण कोरिया में लगा मार्शल लॉ

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने मंगलवार को देश के विपक्ष पर संसद को नियंत्रित करने, उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और सरकार को राज्य विरोधी गतिविधियों से पंगु बनाने का आरोप लगाते हुए साउथ कोरिया में आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की। दरअसल, उन्होंने साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ने एक टेलीविजन ब्रीफिंग में यह घोषणा की, जिसमें उन्होंने उत्तर कोरिया समर्थक ताकतों को खत्म करने और संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा करने की कसम खाई।

शिंदे से मिलने पहुंचे फडणवीस

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी नेता देवेन्द्र फडणवीस मंगलवार को महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने मुंबई के वर्षा बंगले पहुंचे। यह बैठक बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह से पहले सत्ता-साझाकरण फॉर्मूले को अंतिम रूप देने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सरकार गठन पर गतिरोध शुरू होने के बाद से फडणवीस और शिंदे के बीच यह पहली मुलाकात है। अगली सरकार में गृह मंत्रालय के पद पर शिंदे ने सख्त रुख अपनाया है जिसे भगवा पार्टी भी अपने पास रखना चाहती है।

सुनवाई से सीजेआई हटे

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मंगलवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के चयन के लिए गठित समिति से सीजेआई को बाहर रखने के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। बताया जा रहा है कि अब शीतकालीन अवकाश के बाद इस मामले को किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा। दरअसल, न्यायमूर्ति संजय कुमार के साथ पीठ पर बैठे सीजेआई ने जनहित याचिका दायर करने वालों के वकीलों से कहा कि वह अभी याचिकाओं पर सुनवाई नहीं कर सकते। वहीं, इस मामले में सीजेआई के हवाले से बार एंड बेंच ने जानकारी देते हुए कहा इस मामले को ऐसी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करें जिसका मैं हिस्सा नहीं हूं।

राहुल गांधी संभल में पीड़ित परिवारों से करेंगे मुलाकात

पुलिस प्रशासन की ओर से राहुल को रोकने का प्रयास किया गया तो रास्ते में ही धरना-प्रदर्शन शुरू कर देंगे : अजय राय

संभल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार को संभल जाएंगे। वह नई दिल्ली में हैं। वहां से सुबह संभल के लिए रवाना होंगे। हालांकि उन्हें संभल जाने से रोकने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से पुख्ता तैयारी की गई है। राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, संगठन महासचिव अनिल यादव सहित आदि नेता मंगलवार शाम दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। यह सभी राहुल गांधी के साथ संभल जाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि पुलिस प्रशासन की ओर से उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो रास्ते में ही धरना-प्रदर्शन शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पदाधिकारी हर स्तर पर संघर्ष के लिए तैयार हैं। बता दें कि सोमवार को ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पार्टी नेताओं के साथ संभल जाने की तैयारी में थे। किंतु पुलिस-प्रशासन ने उन्हें प्रदेश मुख्यालय में ही हाउस अरेस्ट कर लिया था। जबकि अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको-गार्डेन भेजा गया था। बताते दे कि संभल में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगी हुई है।

दिव्यांगों के लिए सहानुभूति की जरूरत : मुर्मू

- दिव्यांगों का सशक्तीकरण समाज और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी
- दिव्यांगों की भागीदारी को महत्व दें

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को दिव्यांगों के लिए सहानुभूति, समावेशिता और समान अवसरों की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि उनका सशक्तिकरण समाज और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में दिव्यांगों के कल्याण के लिए काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित किया। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांगों को लेकर नजरिए में बदलाव की जरूरत है। मुर्मू ने कहा, उन्हें दया नहीं, सहानुभूति चाहिए। उन्हें खास ध्यान नहीं, बल्कि स्वाभाविक प्यार चाहिए। राष्ट्रपति ने समाज से आग्रह करते हुए कहा, हम एक ऐसी दुनिया बनाएं, जो दिव्यांगजनों को बराबरी और इज्जत दे। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांग होना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक विशेष परिस्थिति है, जिसके लिए अलग तरह के समर्थन की जरूरत होती है। राष्ट्रपति ने कहा, उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए खास प्रशिक्षण, सलाह और सुविधाएं दी जानी चाहिए। सरकार उनके भले के लिए काम कर रही है। समाज को भी उनकी भागीदारी को महत्व देना चाहिए। उन्होंने दिव्यांगों की विभिन्न क्षेत्रों में अद्वितीय उपलब्धियों की भी सराहना की, खासकर खेलों में। मुर्मू ने कहा, 2012 के पैरालिंपिक में भारत ने केवल एक पदक जीता था। जबकि 2024 में दिव्यांगों के प्रति जागरूकता और समर्थन के कारण हमारे खिलाड़ियों ने 29 पदक जीते। यह प्रगति हमारी दिव्यांगों के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता और उनके सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दिव्यांगो के लिए ऐसी सुविधाएं बनायी जानी चाहिए, जिनका वे आसानी से इस्तेमाल कर सकें। दिव्यांगों के लिए जीवन को आसान बनाना समाज की प्रगति का एक महत्वपूर्ण पैमाना है।

'विश्व दिव्यांग दिवस' के अवसर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह

हमें तेजी के साथ आगे बढ़ना होगा : योगी

- उत्तर प्रदेश में दिव्यांग बच्चों के विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता
- 19 लोगों को राज्य स्तरीय पुरस्कार से किया सम्मानित

लखनऊ। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर लोकभवन में आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 तक प्रदेश में केवल सात से आठ लाख दिव्यांगजनों को हर माह 300 रुपये पेंशन मिलती थी।

छह महीने में एक बार पेंशन आती थी तो उसका आधा पैसा बाबू खा जाता था। हमने पेंशन की राशि को 300 रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये किया है। आज 11 लाख दिव्यांगजन प्रदेश के अंदर 12 हजार रुपये सालाना पेंशन की सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। पैसा उनके खाते में सीधे जाता है और बीच की मध्यस्थता गायब है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में दो दिव्यांग विश्वविद्यालय हैं। दृष्टिबाधित, मूक बधिर व अन्य श्रेणी के दिव्यांग बच्चों के लिए विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है, जिससे हमारे दिव्यांगजनों की पूरी प्रतिभा का लाभ समाज, देश और दुनिया ले सके। वहां अच्छे मानदेय और सुविधाओं के साथ शिक्षक तैनात किए जाएं, जो तकनीक के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को सक्षम बना सकें। दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 19 लोगों को राज्य स्तरीय पुरस्कार, 46 मेधावी छात्रों को सम्मानित और 40 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी कार्य को पूरा करने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए, बाधा समस्या का हल नहीं है। सरकार पैसा देना चाहती है, सरकार संस्थान खोलना चाहती है, लेकिन उस पर समयबद्ध निर्णय लेकर हमें तेजी के साथ आगे बढ़ना होगा। यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्यांग शब्द देकर उनको सम्मान देते हुए एक नई प्रेरणा प्रदान की है। भगवान श्रीकृष्ण पर लिखी गई रचना महाकवि सूरदास के बिना पूरी नहीं हो सकती है। ब्रह्मांड की थ्योरी को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने वाले भौतिक विज्ञानी स्टीफन हाकिन्स, जगदुरु स्वामी रामभद्राचार्य सहित ऐसे अनेक उदाहरण हमारे सामने हैं, जिन्हें मंच और समाज का थोड़ा प्रोत्साहन और संबल मिला तो उन्होंने अपनी प्रतिभा का लाभ देश, दुनिया व मानवता को दिया है। यह साबित किया है कि वह किसी से कम नहीं हैं। पेरिस पैरा ओलंपिक में हमारे दिव्यांगजन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

संभल हिंसा का पाकिस्तान कनेक्शन

बवाल में विदेशी कारतूस का हुआ इस्तेमाल जांच टीम को मिले नौ एमएम के खोखे

संभल। संभल जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में नौ एमएम पिस्टल का भी इस्तेमाल किया गया।

मंगलवार को पुलिस छानबीन के दौरान मोहल्ला कोटगर्वी में टंकी रोड पर कूड़े के अंदर पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी में बने एक कारतूस और एक खोखा मिला है। इसके अलावा 12 बोर का यूएसए में बना खोखा मिला है।

इसी तरह तीन खोखे 32 बोर के भी मिले हैं। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि यह गंभीर तथ्य सामने आया है। इसकी बारीकी से जांच की जाएगी। नौ एमएम कारतूस का इस्तेमाल सरकारी असलहा में ही किया जाता है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जाएंगे। किसने पिस्टल का बवाल में इस्तेमाल किया है। एसपी ने बताया कि मंगलवार को पुलिस की जांच टीम छानबीन कर रही थी। इसी दौरान एक खोखा और एक कारतूस पुलिस को मिला है। इसके पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्टरी का होने का प्रमाण मिला है। इसी तरह यूएसए में बना एक 12 बोर का खोखा भी मिला है। 32 बोर के तीन खोखे मिले हैं। एसपी ने कहा कि अब जांच यह भी की जाएगी कि पाकिस्तान और यूएसए का कारतूस संभल तक कैसे पहुंचा और किस हथियार में इस्तेमाल किया गया।

संसद सत्र — सदन में गिरिराज सिंह व पीयूष गोयल से भिड़े अखिलेश

संभल में भाईचारे को मारी गई गोली: अखिलेश

- संभल हिंसा को अखिलेश यादव ने बताया साजिश
- हिंसा की घटना को सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दिया गया

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को सदन में संभल मामले को लेकर काफी गहमगहमी देखने को मिली. सदन की कार्यवाही के दौरान समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह आपस में भिड़ गिए।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के संभल जिले में पिछले दिनों हुई हिंसा को 'सोची-समझी साजिश' करार देते हुए लोकसभा में मांग की कि घटना के लिए जिम्मेदार पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को निलंबित किया जाए और उन पर हत्या का मुकदमा चलाया जाए। कन्नौज से सपा सांसद अखिलेश यादव ने निचले सदन में शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए कहा, ''संभल में पिछले दिनों अचानक हुई हिंसा की घटना को सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दिया गया। संभल में सालों से लोग भाईचारे से रहते आए हैं। इस घटना से इस भाईचारे को 'गोली मारने' का काम किया गया।'' उन्होंने संभल की शाही जामा मस्जिद में सर्वे का जिक्र करते हुए इस तरह की घटनाओं के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा।

कहा, ''देश के कोने-कोने में भाजपा और उसके सहयोगी, समर्थक और शुभचिंतक बार-बार 'खुदाई' की बात करते हैं जिससे देश का सौहार्द, भाईचारा और गंगा-जमुनी तहजीब खो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि एक बार स्थानीय अदालत के आदेश पर संभल की शाही जामा मस्जिद के अंदर सर्वे का काम पूरा कर चुके पुलिस और प्रशासन के अधिकारी कुछ दिन बाद दोबारा सर्वे के लिए पहुंच गए और उनके पास अदालत का कोई आदेश नहीं था।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि इस दौरान सूचना मिलने पर मस्जिद पहुंच गए स्थानीय लोगों ने जब कार्रवाई का कारण जानना चाहा तो पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बदसलूकी की और नाराज होकर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया जिसके बाद पुलिस गोलीबारी में पांच मासूम मारे गए। संभल का माहौल बिगाड़ने में सर्वे की याचिका दायर करने वाले लोगों के साथ-साथ पुलिस प्रशासन के लोग जिम्मेदार हैं।

यूपी में होगा फेंगल चक्रवात का असर, गिरेगा पारा

लखनऊ। पिछले दिनों दक्षिण भारत में उठे तूफान फेंगल के अवशेष और नए बने वेदर सिस्टम के केरल की ओर खिसकने का असर उत्तर प्रदेश में भी पड़ेगा। बृहस्पतिवार से यूपी के अधिकांश इलाकों में पछुआ हवा जोर पकड़ेगी। इसके असर से प्रदेश में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी और ठंड बढ़ेगी। मंगलवार को प्रदेश के अधिकांश इलाकों में दिन के तापमान में मामूली बढ़त से धूप में गर्माहट महसूस की गई। मौसम विभाग की ओर से मंगलवार के लिए कोहरे का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक फेंगल तूफान के अवशेष के असर से बृहस्पतिवार से यूपी में पछुआ जोर पकड़ेगी।

डीएम ने दिव्यांग बच्चों को प्रदान किया स्वेटर, स्कूल बैग, ऊनी कैप, मोजा, फल, खिले चेहरे

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। अभिव्यक्ति सिर्फ शब्दों से नहीं व्यक्त होती बल्कि सबसे सशक्त और अर्थपूर्ण अभिव्यक्ति तो भावों की होती है। मंगलवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और मूक बधिर दिव्यांग बच्चों के बीच भावों की अभिव्यक्ति के आदान-प्रदान का ऐसा ही अविस्मरणीय नजारा देखने को मिला। डीएम के भावों का संवाद इन बच्चों को भावुक कर गया। डीएम ने शब्दों के माध्यम से भी संवाद किया जिसे शिक्षक ने संकेतों से बच्चों को समझाया। बच्चों के इस आत्मीय उत्साह को देखकर डीएम भी भावुक हो गई और उन्होंने हाथ उठाकर मुस्कुराते हुए सबका अभिवादन स्वीकार किया और बच्चों को खूब आशीर्वाद दिया। संकेतों में बच्चों से उनका कुशलक्षेम जानने के बाद डीएम ने सबको उपहार भेंट किया अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर आदर्श मूक बधिर विद्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मुख्य महाप्रबन्धक बलरामपुर चीनी मिल्स लि0, यूनिट-गुलरिया योगेश कुमार सिंह के साथ दीप जलाकर किया। कार्यक्रम में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने विद्यालय के लिए बलरामपुर फाउंडेशन द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत प्रोजेक्ट नई उम्मीद के तहत प्रदत गीजर, कम्बल विद्यालय को सौंपा। इसके अलावा डीएम ने विद्यालय में नामांकित मूक बधिर बच्चों को स्वेटर, स्कूल बैग, ऊनी कैप, मोजा, फल एवं अन्य सामग्री सामग्री वितरण का वितरण किया। डीएम के हाथों उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर अश्विनी कुमार सिंह, ईओ संजय कुमार, अध्यक्ष महिला क्लब गुलरिया चीनी मिल बबीता सिंह, एचआर हेड गुलरिया अजीत सिंह, वरिष्ठ उप प्रबंधक प्रशासन अविनेश मिश्रा मौजूद रहे।इससे पूर्व डीएम ने विद्यालय परिसर, छात्रावास, क्लासरूम आदि का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। बताते चलें कि डीएम की पहल पर बलरामपुर फाउंडेशन ने विद्यालय के लिए सीएसआर से मदद को आगे आया आदर्श मूक बधिर विद्यालय के दिव्यांग बच्चों की पेंटिंग और उनके हुनर को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर दिव्यांग छात्र-छात्राओं की हौसला अफजाई की।

जिनके हौसले बुलंद होते हैं, उनके रास्तेर में दिव्यांगता भी बाधा नहीं बन सकती। फिर चाहे कोई भी फील्डल हो. वे अपनी मंजिलें खुद बनाते हैं। दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंगसध देखकर डीएम ने बच्चों के हुनर की मुक्तकंठ से सराहना की अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर आदर्श मूक बधिर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने दिव्यांग बच्चों ने कुश नीशू, इच्छा, कस्तूरी ने सुस्वागतम् गीत, मानव, शिवालिंग, कृष्णा ने श्री गणेशा देवा, किस, मानव, शिवालिग, सार्थक, कृष्णा, भानु, अस्तेय मिश्रा ने कोका-कोला,मयंक, अतुल, अनुम, विशाल, आशिंक अली ने जलवा - जलवा देश भक्ति गीत, छोटू मिश्रा, शिवालिंग, अमित, प्रांजल, सिराज, शिवांश, अस्तेय, कृष्णा मौर्य ने बम-बम भोलें पर अपनी प्रस्तुतियां दी।

समाज कल्याण के लिए काम करेगा भावाधस

सहारनपुर। भावाधस के राष्ट्रीय मुख्य संचालक शिव कुमार बिरला व धर्म गुरू स्वामी चन्द्रपाल अनार्य ने भावाधस के पूर्व जिला संयोजक विनोद वैद्य को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रभारी सतीश ढिलोड को राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री मनोनीत किया है। भावाधस के नवनियुक्त राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विनोद वैद्ध व राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री सतीश ढिलोड ने रेलवे स्टेशन स्थित वाल्मीकि मंदिर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि राष्ट्रीय मुख्य संचालक शिव कुमार बिरला व धर्मगुरू स्वामी चन्द्रपाल अनार्य ने चौधरी तिलक राज, रमेश बिरला व रमेश डबराल को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनाया है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही संगठन के निर्देशानुसार जनपद की कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि विगत् 24 नवम्बर को लुधियाना में संपन्न हुए भावाधस के राष्ट्रीय अधिवेशन में सहारनपुर की टीम से प्रसन्न होकर केन्द्रीय संगठन में पांच लोगों को स्थान दिया गया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार व अन्याय के विरुद्ध किया विशाल विरोध प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। हिन्दू समाज ने बांग्लादेशी हिंदू संघर्ष समिति द्वारा आयोजित बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार व अन्याय के विरुद्ध विशाल विरोध प्रदर्शन किया। एक बजे से राजकीय इंटर कालेज मैदान में तमाम हिन्दू संगठन के साथ वंचित शोषित सामाजिक संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ महादलित परिसंघ ने समर्थन और बढ़चढ़ का हिस्सा लिया यह जानकारी देते हुए वरिष्ठ समाजसेवी चंदन लाल वाल्मीकि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष वंचित शोषित सामाजिक संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ ने कहा कि हिंदू संगठनों के प्रदर्शनकारी जीईसी ग्राउंड से गुरु गोविंद सिंह चौक, हीरालाल धर्मशाला, स्टेशन रोड, संकटा देवी चौराहा, सर्राफा बाजार, श्रीराम चौराहा, मैंनरोड, हमदर्द दवाखाना होकर कलैक्ट्रेड पहुंचा जहां चंदन लाल वाल्मीकि ने महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन अपर जिला अधिकारी को दिया वाल्मीकि ने कहा कि भारत ने बांग्लादेश को 1971 में स्वतंत्र और वजूद में लाने के लिए पाकिस्तान से युद्ध से युद्ध तक किया। भारत ने सदैव मित्रता का भाव बांग्लादेश से रखा। पाकिस्तान की नीति नीति से आहत होकर करीब 10 लाख बांग्लादेशी शरणार्थियों को भारत ने स्वीकार किया 5 अगस्त को बांग्लादेश की आंतरिक और राजनीतिक कलहों के कारण बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना की सरकार को जाते देख भारत ने शेख हसीना को बचाया और सुरक्षित भारत में शरण दी इसके अलावा भारत ने मानवता, मित्रता का सदैव भाव रखते हुए मदद की। लेकिन भारत के एहसान को लौटने के बजाय बांग्लादेश ने अब हिंदुओं पर ही हमले कर दिए आज बंग्लादेश में हिंदू सुरक्षित है न संत महात्मा न उनके वकील बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार करना और जमाना न देना बांग्लादेश का कायरता पूर्ण निर्णय है। हालांकि भारत सरकार बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा और धार्मिक संतों पर अत्याचार रोकने की बात कह रही है। बांग्लादेश सरकार पर हिंदुओं के दमन के खिलाफ वंचित शोषित सामाजिक संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए लखीमपुर में राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में एकत्र होकर हिंदू संगठनों के माध्यम से आयोजित बांग्लादेशी हिंदू संघर्ष समिति द्वारा आयोजित विशाल धरना प्रदर्शन में बढ़चढ़ कर सहभागिता कीह्य।

पुलिस ने किया अन्तर्राज्जीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर। कोतवाली सदर बाजार पुलिस ने तीन शातिर चोरो को दबोचकर अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का खुलासा करने में सफलता हासिल कर ली। पुलिस ने दबोचे गये आरोपियों के कब्जे व निशानदेही पर चोरी 09 बाईके व बाईकों का सामान बरामद कर उनका चालान काटकर जेल भेज दिया। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने पुलिस लाइन सभागार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि कोतवाली सदर बाजार पुलिस ने थाना प्रभारी सूबे सिंह के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर छोटी लाईन पर चैकिंग के दौरान आईटीसी रोड से तीन शातिर वाहन चोरों सोनू उर्फ साजिद पुत्र जुल्फान निवासी शक्ति विहार कॉलोनी थाना मॉडल टाउन जिला पानीपत हरियाणा, नितिन कुमार पुत्र ओमप्रकाश निवासी नवीन नगर थाना सदर बाजार को दबोचकर उनके कब्जे से चोरी की दो बाईक बरामद कर ली। पुलिस ने दबोचे गये आरोपियों की निशानदेही पर रेलवे विभाग के टूटे पडे क्वार्टर से अलग-अलग स्थानों से चोरी की गयी 07 बाईक व दो प्लास्टिक के बोरों में भरा बाईकों का सामान तथा निगरानी कर रहे आरोपी शोएब पुत्र नाजिम निवासी ग्राम पथरवा थाना बेहट को गिरफ्तार कर लिया।

जीरो पॉवर्टी अभियान: 29,100 परिवारों को गरीबी मुक्त करने का लक्ष्य

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश में वंचित परिवारों का जीवन स्तर सुधार कर गरीबी को खत्म करने की कवायद सरकार की ओर से तेजी से चलाई रही है। जिले में जीरो पॉवर्टी अभियान का जमीनी स्तर पर जाकर वंचित परिवारो का सत्यापन कार्य का जायजा लेने के उद्देश्य से मंगलवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल तहसील सदर, ब्लॉक फूलबेहड़ के ग्राम पंचायत जंगल नंबर 11 के मजरा बेडहा सोतिया पहुंची, जहां उन्होंने पांच वंचित, जरूरतमंद परिवार क्रमश धर्मेंद्र पुत्र राम तपेश, वीरेंद्र पुत्र शिवनाथ, धीरेंद्र पुत्र सुदर्शन, खरपत्तू पुत्र बुद्ध राम, हसनाथ पुत्र राम अवध के घर पहुंचकर परिवार से बातचीत की। इस दौरान सीडीओ अभिषेक कुमार, डीपीआरओ विशाल सिंह, बीडीओ पीयूष कुमार सिंह मौजूद रहे। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एक-एक कर पांच जरूरतमंद परिवारों के घर पहुंचकर उनके परिवार के बारे में पूरी जानकारी ली। इस दौरान

परिवारों से जाना कि उनके घर में कौन-कौन है। डीएम को इन परिवारों की मुखिया द्वारा यह भी बताया गया कि मजदूरी से उनके घर का खर्च चलता है। बातचीत के दौरान डीएम ने हर पहलु को जाना उसके बाद लाभार्थी परिवार को जीरो पॉवर्टी स्कीम का लाभार्थी भी चुना। निरीक्षण के दौरान डीएम ने परिवार की हर परिस्थितियों का जायजा लिया। जैसे घर की स्थिति कैसी है। परिवार का मुखिया भरण पोषण के लिए क्या करता है।बताया जा रहा है कि जल्द ही इन परिवार की समस्याओं का निदान होगा। स्कीम के तहत परिवार को पूरा लाभ मिलेगा बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निचले स्तर पर जीवन यापन करने वाले और वंचित परिवारों का जीवन स्तर सुधारने के लिए जीरो पॉवर्टी स्कीम की शुरूआत की है। इसके तहत जिले के 29,100 परिवारों को (प्रत्येक ग्राम पंचायत में 25 परिवारों) को लाभ मिलेगा इस दौरान डीएम ने शासन की मंशानुरूप अति गरीब को चिन्हित कर मुख्य धारा से जोड़ने के लिए जीरो पॉवर्टी अभियान संचालित है। यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। निर्देश दिए कि सभी पंजीकृत गणनाकर्ताओं द्वारा सबसे गरीब परिवारों का चयन तेजी से पूरा किया जाए और पोर्टल पर सभी रिकॉर्ड सही ढंग से दर्ज किए जाए। गणनाकर्ताओं को सबसे गरीब परिवारों की पहचान करने के लिए साइटों पर जाना चाहिए और वहीं से सीधे तस्वीरें और अन्य विवरण अपलोड करना चाहिए। अभियान के दौरान हर ग्राम पंचायत से 25 अति वंचित और गरीब परिवार चिहिन्त किए जाएंगे। इन चिहिन्त परिवारों को उन सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा, जिनका लाभ अभी तक नहीं इन परिवारों को नहीं मिल पाया है बताते चले कि जिले की सभी 1164 ग्राम पंचायतो में अभियान के तहत पंचायत सहायक, बीसी सखी, समूह सखी इनॉमिनेटर के रूप में सेवाएं देकर 25-25 जरूरतमंद परिवारों को चिन्हित करेंगी।

भाजपा द्वारा फर्जी मुकदमें में फसाये जाने पर समाजवादी पार्टी ने रोष व्यक्त किया

लखीमपुर खीरी। समाजवादी पार्टी के नेताओं को भाजपा द्वारा फर्जी मुकदमें में फसाये जाने पर समाजवादी पार्टी ने रोष व्यक्त किया है। आज दिनांक 03.12.2024 को सपा नेताओं ने पुलिस अधीक्षक को दिये गये प्रार्थना पत्र में भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया है कि उन्होने समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक सुनील कुमार लाला के भाई रामखेलावन उर्फ छोटे पार्टी के बूथ प्रभारी व टानू बाजपेई को राजनीतिक रंजिश में फंसाकर फर्जी रिपोर्ट दर्ज करायी गयी है समाजवादी पार्टी की एक बैठक सपा जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह यादव की अध्यक्षता में हुई जिसमें इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक स्वर से फर्जी घटना का विरोध किया।सपा जिलाध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मुकदमा अ0सं0 376/2024 की उच्चाधिकारियों से जांच करवाई जाए और फर्जी मुकदमें में फंसाये गये सपा नेताओं को प्रकरण से निकाला जाए और घटना की फर्जी रिपोर्ट दर्ज कराने वाले के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए।पुलिस अधीक्षक से समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक सुनील कुमार लाला, पूर्व विधायक रामसरन, पूर्व विधायक विनय तिवारी, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, जिला उपाध्यक्ष विजय पाठक, जिला उपाध्यक्ष अशोक कश्यप,पूर्व जिलाध्यक्ष अनुराग पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष मो0 कयूम खां, जिला महासचिव अंसार महलूद, वीरेन्द्र वर्मा, राष्ट्रीय महासचिव महिलासभा तृप्ति अवस्थी, जिलाध्यक्ष पिछड़ वर्ग अमित वर्मा, डॉ जुबेर, भूपेन्द्र सिंह वर्मा, उत्तम वर्मा, शेखू मिर्जा, अभय प्रताप सिंह बन्टी, प्रभात गुप्ता, जितेन्द्र वर्मा, शिवम गुप्ता सहित सैकडो लोग उपस्थित रहे।

वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। थाना शारदानगर पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त सोबरन पुत्र मूलचन्द निवासी अकटोहना थाना शारदानगर जनपद खीरी को ग्राम अटकोहना से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेशी हेतु भेजा गया।

बच्चों को स्कूल लेकर जा रही बस अनियंत्रित होकर हाईवे के किनारे लगे खंभे से टकराई

लखीमपुर-खीरी। बच्चों को स्कूल लेकर जा रही बस के चालक ने रास्ते में जामुन का पेड़ गिरता देख अचानक बस आगे बढ़ा दी। इससे अनियंत्रित होकर बस हाईवे के किनारे लगे खंभे से टकरा गई। हादसे में चालक तथा बस में बैठे तीन बच्चे घायल हो गए। दुकान खोलने गया एक अन्य बच्चा भी पेड़ की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया मझगईं थाना क्षेत्र के बौधिया क्रशर के पास लगा जामुन का पुराना पेड़ पर गिरने लगा इसी दौरान एडमॉन्टन पब्लिक स्कूल की बस बम्हनपुर से तीन बच्चों को बस में बैठाकर पलिया की तरफ जा रही थी। अचानक बस के ऊपर पेड़ गिरता देख चालक ने बस तेज गति से आगे बढ़ा दी। इससे अनियंत्रित होकर बस सड़क के किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा और खंभा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस में बैठी कक्षा सात की छात्रा आराध्या, कक्षा छह की भावना और कक्षा एक के छात्र युवराज को हल्की चोटें आई हैं। दुर्घटना में थाना मझगई के गांव कंदरहिया निवासी बस चालक प्रमोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों ने बस में फंसे चालक को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। घटना के समय दुकान खोल रहा 13 वर्षीय हिमांशु गुप्ता इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने हिमांशु को सीएचसी निघासन में भर्ती कराया।

कॉलोनियों की सड़कों पर कोई अवैध स्पीड ब्रेकर न बनाए: नगरायुक्त

नगरायुक्त ने नगर निगम में की जनसुनवाई

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। नगरायुक्त संजय चौहान ने निर्माण विभाग को निर्देश दिए है कि कॉलोनियों की मुख्य सड़कों पर कोई व्यक्ति अपनी मनमर्जी से स्पीड ब्रेकर न बनाने पाये, और किसी कॉलोनी में कोई बिना अनुमति अवैध रुप से ऐसा करता है तो उसे तुरंत तुड़वा दे। उन्होंने दिल्ली रोड स्थित आशीर्वाद कॉलोनी में सड़क पर अवैध रुप से बनाये गए स्पीड ब्रेकर की शिकायत पर उक्त आदेश दिए। आज जनसुनवाई में आयी पांच शिकायतों में से एक शिकायत का तत्काल निस्तारण कराया गया। बाकि शिकायतों के लिए सम्बंधित

अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में वार्ड 32 खान आलमपुरा निवासी लक्की ने गली नंबर तीन में नालियों की साफसफाई कराये जाने के सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया जिस पर क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक व सफाई मित्र को मौके पर भेजकर नालियों की साफसफाई करायी गयी। वार्ड 27 भगवती कॉलोनी निवासी सुरेश ने महाराजा गार्डन कॉलोनी से अतिक्रमण हटवाये जाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर प्रवर्तन दल प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई कराने के निर्देश दिए गए। वार्ड संख्या 42 नुमाईश कैंप निवासी विनोद ने नुमाईश कैंप कब्रिस्तान के सामने चल रही अवैध डेरी को बंद कराने के लिए दरखास्त दी। नगरायुक्त ने निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई कराने को कहा। इसके अलावा वार्ड 50 कोर्ट रोड के रमेश यादव ने दीवानी तिराहे स्थित दुकानों के सामने नाले की साफसफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। नगरायुक्त ने क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक को नाले की सफाई कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अपर नगरायुक्त राजेश यादव व मृत्युंजय, मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह तथा महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

देश व धर्म की रक्षा के लिए शहीद हुए थे श्री गुरु तेग बहादुर

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। पंजाबी एकता समिति यूथ विंग के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी में धर्म की रक्षा के लिए शहीद होने वाले श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत पर प्रकाश डाला गया।

स्थानीय अम्बाला रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के ग्रंथी ज्ञानी जितेन्दर सिंह ने बताया कि किस प्रकार तत्कालीन शासको द्वारा हो रही जबरन धर्म परिवर्तन की कार्यवाही से तंग आकर शीर्ष कश्मीरी पंडित आनन्दपुर साहिब श्रीगुरु तेग बहादुर के दरबार पहुंचे और उनसे रक्षा की गुहार लगाई, जिस पर गुरु जी अपने शिष्यों के साथ दिल्ली के लिए कूच किया, तब आगरा में तत्कालीन हुकूमत ने उन्हें बंदी बनाकर धर्म परिवर्तन के लिए अनेक प्रलोभन दिये तथा नही मानने पर उनके तीन शिष्यों भाई सती दास, भाई मती दास, भाई दियाला को शहीद कर दिया, उसके बाद दिल्ली के चांदनी चौक में भीड़ के सामने श्री गुरु तेग बहादुर का सिर धड़ से अलग कर शहीद कर दिया था।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले से भारत का मुसलमान परेशान

अवधनामा संवाददाता

बरेली। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय और हिंदू मंदिरों पर लगातार हमलों के मामले सामने आ रहे हैं। जिसके बाद से भारत में भी आक्रोश है। अभी तक हिंदू संगठन सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। अब ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने भी इसका विरोध किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट जाकर कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जुल्म से भारत का मुसलमान दुखी है।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन प्रशासनिक अफसरों को सौंपा। जिसमें बताया गया कि बांग्लादेश में लंबे समय से अल्पसंख्यक समुदाय हिंदुओं पर जुल्म हो रहा है। बांग्लादेश का हिंदू अगर अपनी आवाज उठाता है तो उसे देशद्रोही कहकर गिरफ्तार कर लिया जा रहा है। भारत के मुसलमानों को वहां के हालात देखकर बेहद दुख और तकलीफ हो रही है। अगस्त में शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट आंदोलनकारियों ने कर दिया, लिहाजा उन्हें देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। ये आंदोलनकारी कट्टरपंथी विचारधारा रखते हैं, जिन्होंने पूरे बांग्लादेश को एक तरह से बंधक बना रखा है। इस दौरान हाफिज अब्दुल वाहिद नूरी, मौलाना फारूक, शाहिद रजवी, वसीम मियां, रशीद खां, मोहम्मद आरिफ, शाहिद खां, आबिद हुसैन, आरिफ रजा, फैसल एडवोकेट, असलम अंसारी, कासीफ अली, इकबाल अंसारी आदि मौजूद रहे।

आईएसआई को बताया जिम्मेदार

मौलाना शहाबुद्दीन ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई और अमेरिका के सहयोग से बांग्लादेश में हिंदुओं पर खुलेआम जुल्म किया जा रहा है। दुर्गा पूजा पंडालों को उखाड़ा गया फिर मठ और मंदिरों पर हमले किए गए। हिंदुओं के घरों में आग लगा दी गई। इन तमाम घटनाओं से भारत का मुसलमान दुखी है।

प्रधानमंत्री मोदी से की ये मांग

मौलाना शहाबुद्दीन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग करते हुए कहा कि ऐसे हालात से निपटने के लिए जल्द से जल्द कदम उठाए जाएं। नोबल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस पर दबाव बनाया जाए कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करें। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उनको रिहा किया जाए।

मुलायम सिंह यादव स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट जारी, खेले गए दो मैच

बरेली। बरेली में प्रथम बार स्वर्गीय नेता जी मुलायम सिंह यादव स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट खेला जा रहा है। जिसमें लगातार पूरे बरेली जिले से टीम हिस्सा ले रही है। मंगलवार को दो मैच खेले गए। सुबह खेल गए प्रथम मैच में बाकरगंज क्रिकेट क्लब ने बिशारतगंज को एक तरफा मुकाबले में 75 रन से हराया। मैन ऑफ द मैच शारिक गद्दी रहे।दोपहर बाद खेले गए दूसरे मैच में सिसोदिया हसीरी क्रिकेट क्लब ने 10 ओवर में 119 बनाए। नकटिया राइडर की पूरी टीम 72 रन पर आल आउट हो गई. मैन ऑफ द मैच सुलखान सिंह रहे..मैच के मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद फरहान अली उपस्थित रहे। आयोजन कमेटी के सदस्य जाबेद गद्दी और बृजेश आजाद ने बताया के बुधवार से अंडर 16 के मैच खेले जाएंगे।

बरेली: मियां बीवी और दामाद की तिकड़ी पहले करती थी रेकी, फिर पल भर में लाखों रुपये लेकर चंपत

अवधनामा संवाददाता

बरेली। रजिस्ट्री कार्यालय के बाहर कार से 25 लाख की चोरी का मंगलवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया। घटना को अंजाम देने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जिसमें एक महिला भी शामिल है। चोरी के मास्टरमाइंड फहीम ने अपनी पत्नी और दामाद के साथ मिलकर कार से 25 लाख रुपये चोरी किए थे।

दरअसल बीती 27 नवंबर को कुबेर होम्स तुला शेरपुर, थाना क्षेत्र इज्जतनगर के रहने वाले राहुल भटनागर रजिस्ट्री कार्यालय के पास कार में किसी का इंतजार कर रहे थे। उनकी कार में करीब 25 लाख रुपये से भरा बैग भी था। इसी बीच वह अचानक अपनी कार को छोड़कर चले गए और जल्दबाजी में कार को लॉक भी नहीं किया। पहले से ताक में बैठे चोरों ने उनकी कार से रुपयों से भरा बैग गायब कर दिया। वापस

कार पर लौटे तो बैग नहीं पाकर उनके होश उड़ गए। लिहाजा उन्होंने पूरे मामले की शिकायत थाना कोतवाली में दर्ज कराई थी।

चोरी के 19.82 लाख रुपये बरामद

मामले के खुलासे के लिए एसपी सिटी मानुष पारिक ने पुलिस की संयुक्त टीम गठित की। लिहाजा मंगलवार को एसओजी व थाना कोतवाली पुलिस ने मालगोदाम रोड के पास से मास्टर माइंड फहीम, उसकी पत्नी नसीम फातिमा व दामाद शाहनूर को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से चोरी के 19 लाख 82 हजार रुपये, घटना में इस्तेमाल स्कूटी, एक तमंचा और 315 बोर का कारतूस बरामद किया गया। एसपी सिटी मानुष पारिक ने बताया कि मुख्य आरोपी फहीम का आपराधिक इतिहास है, पूर्व में भी उस पर तीन मुकदमें दर्ज हैं व दो बार जेल जा चुका है।

पहले रेकी फिर, रुपये लेकर चपंत

मुख्य आरोपी फहीम ने पुलिस को बताया कि वह अपने दामाद शाहनूर व पत्नी नसीम के साथ मिलकर घटनाओं को अंजाम देता है। पहले ऐसे स्थानों की रेकी करते हैं जहां अक्सर लोगों का पैसे लेकर आना जाना लगा रहता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में भरी हुंकार, निकाला जन आक्रोश मार्च

अवधनामा संवाददाता

गाजीपुर। बांग्लादेश में नरसंहार, माताओ-बहनों के साथ हो रहे दुराचार हिन्दुओं की सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाये जाने व चिन्मय कृष्णदास प्रभु के अवैध गिरफतारी के विरोध में मंगलवार को हिन्दुओं ने महाजन आक्रोश मार्च हिन्दू समाज के द्वारा बांग्लादेश सहित पूरे विश्व में हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश की सरकार से हर सम्भव कदम उठाने की मांग करती है।

वर्तमान में बंग्लादेश राजनैतिक षडयन्त्र व अराजकता की दौर से गुजर रहा है। जिसमें वहाँ रहने वाले निर्दोष अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर धर्मान्धता के कारण अमानवीय अत्याचार किये जा रहे है। हिन्दुओं की सम्पत्तियों को लूटा जा रहा है। हिन्दू, महिलाओं पर घिनौने अत्याचार किये जा रहे है। उनकी आबरू लूट कर हत्या की जा रही है। जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा है। हिन्दुओ के घरो, मंदिरो व दुकानों को आग के हवाले किया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार ने हिन्दुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को लेकर रैली निकालने और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के आरोप में 25 नवम्बर 024 को इस्कान के चिन्मय कृष्णदास प्रभु को ढाका के हजरत शाहजलाल अन्तराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अवैधानिक रूप से गिरफतार किया है। वहाँ के शासन-प्रशासन द्वारा हिन्दुओं की कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की जा रही है। वहाँ की कानून व्यवस्था बिल्कुल निष्प्रभावी व शून्य हो गयी है। ऐसे में हिन्दू वहाँ एक लावारिस कौम की तरह अपने जीवन की भीख मुस्लिम जेहादियों से मांग रहे है। बांग्लादेश में इस समय हिन्दुओं एवं अन्य अल्पसंख्यको की स्थिति बेजान लाश की तरह हो गयी है और उनकी सुरक्षा के लिए विश्व की कोई सरकार किसी भी प्रकार का कोई कदम नहीं उठा रही है। ऐसी परिस्थिति में भारत का हिन्दू समाज मूकदर्शक बना नहीं रहेगा। अपने हिन्दू भाई-बहनों की सुरक्षा के लिए हम सभी हर सम्भव प्रयास करेगें। बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए वहा शान्ती एवं सौहार्द कायम रखने हेतु भारत सरकार से व अन्य सरकारों से अपेक्षा है। हिन्दू हमेशा शान्तिप्रिय रहा है, हिन्दू विश्व में जहाँ भी अल्पसंख्यक है, अपनी मेहनत के दम पर वहाँ महत्वपूर्ण योगदान करते है और हमारे हिन्दू समुदाय को अपने भाईयों की सुरक्षा के लिए सजग व सतर्क रहना होगा। गाजीपुर के सभी हिन्दू संगठन जिसमें व्यापारिक, सामाजिक, धार्मिक संगठनों द्वारा बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के प्रति अत्याचार के विरुद्ध जनाक्रोश मार्च निकाला गया । सभी ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। भारत सरकार को इस ज्ञापन के माध्यम से निवेदन करते है कि बांग्लादेश के साथ-साथ विश्व के हिन्दू समुदाय कि सहायता व सुरक्षा के लिए जो आवश्यक कदम है। अतिशीघ्र उठाकर प्रभावी कार्यवाही करें।

बस्ती में कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट

संभल जाने पर रोक, आधी रात पुलिस पहुंची कांग्रेस नेताओं के घर, बस्ती में हाउस अरेस्ट किये गये कांग्रेस नेता

बस्ती अवधनामा संवाददाता। जनपद मुख्यालय पर कांग्रेस पार्टी के दो नेताओं को कोतवाली पुलिस ने आधी रात से हाउस अरेस्ट कर रखा है। वे संभल के हिंसा प्रभावित क्षेत्र के दौरे पर जाने की तैयारी में थे। कांग्रेस पार्टी श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र त्रिपाठी के निर्देश पर यहां से पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल संभल कूच करने वाला था। पुलिस को जैसे ही इसकी भनक लगी आधी रात कांग्रेस नेता देवानंद पाण्डेय के आवास विकास कालोनी स्थित आवास पर पहुंच गई। यहां श्री पाण्डेय व श्रम प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अब्दुल समद को हाउस अरेस्ट किया गया है। कोतवाली पुलिस के अलावा एलआईयू इंसपेक्टर शिवाजी राव भी मौके पर मौजूद हैं। देवानंद पाण्डेय के आवास पर आधी रात में पहुंची पुलिस ने उन्हे जानकारी दी कि संभल जाने पर 10 दिसम्बर तक रोक लगाई गई है। इसलिये आप हाउस अरेस्ट किये जा रहे हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने इस कार्यवाही को अलोकतांत्रिक बताते हुये कहा है कि सरकार संभल हिंसा के पीछे का सच सामने नही लाना चाहती है। संभल में हत्या हुई है। कांग्रेस पार्टी पीडित परिवारों को न्याय दिलाने और घटना की सच्चाई सामने लाने के लिये प्रतिबद्ध है। जब भी रोक हटेगी कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल संभल जरूर जायेगा। देवानंद पाण्डेय व अब्दुल समद ने कहा उ.प्र. सरकार आम आदमी से उसकी आजादी छीन लेना चाहती है।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू रक्षा मंच ने जन आक्रोश यात्रा में शामिल होकर बांग्लादेश के प्रति खोला मोर्चा

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे जघन्य अत्याचार एवं सनातन धर्म के प्रति हिंसा की आग भड़काने वाले बांग्लादेशिओं के द्वारा की जाने वाली क्रूरता को देखकर भारत में जगह जगह हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के आवाहन पर वहां की स्थित को देखते हुए, एवं बांग्लादेश के हिन्दुओं के साथ क्रूरता कर रहे व मठ मंदिरों में तोड़ फोड़ के वीडियो और लाइव को देखकर भारतीय हिन्दू संगठनों का गुस्सा फूट रहा है जिसके विरोध में आज फतेहगढ़ जेएनवी रोड से कलेक्ट्रेट तक राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन देने के लिए सभी हिंदू संगठनों ने पहुंच कर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जिसमें लगभग एक हजार से अधिक सनातनियों ने नारेवाजी की, एवं तख्तियों के माध्यम से हिंदू जागरूकता के नारे लगाए, जन आक्रोश यात्रा में विभिन्न जाति के लोगों ने भारत माता के जयकारे के साथ ही हिंदुओं के एक हो जाने के लिए हुंकार भरी और कहा गया कि हिंदू हिन्दू भाई भाई, न बटेंगे और न कटेंगे आदि नारे स्लोगन और भगवा ध्वज लेकर आक्रोश यात्रा में शामिल होकर विरोधियों को खुली चेतावनी दी। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय हिंदू रक्षा मंच अंतर्राष्ट्रीय हिंदू रक्षा मंच के जिला अध्यक्ष विपिन अवस्थी के नेतृत्व में जनपद की टीम के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य विवेकानंद पाठक,भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बविता पाठक,अभिषेक मिश्रा,यशोदा सिंह,स्नेहलता अग्निहोत्री,ज्ञानेंद्र सिंह,अंकित तिवारी,राष्ट्रीय ब्रह्म मंच से अरविंद अवस्थी,पंकज अवस्थी,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमन राजपूत,प्रीति तिवारी,अर्चना वर्मा,एवं सरस्वती विद्या मंदिर के सभी शिक्षक शिक्षिका भी उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान में बढ़-चढ़कर अपनी हिस्सेदारी निभाएं : एसडीएम

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा पल्स पोलियो महा अभियान आगामी 8 से 16 दिसंबर तक चलाया जाएगा। उक्त अभियान की शत प्रतिशत सफलता को लेकर एसडीएम ने संबंधित विभागों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कहा कि अभियान में सभी की हिस्सेदारी जरूरी है तभी पोलियो जैसे अभिशाप से मजबूती के साथ लड़ा जा सकता है। एसडीएम ज्योति सिंह ने अपने कार्यालय में स्वास्थ्य, बेसिक शिक्षा, आपूर्ति, आंगनबाड़ी, नगर पालिका, ब्लॉक आदि विभागों से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि आगामी 8 दिसंबर को प्रत्येक बूथ पर शून्य से लेकर पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। 9 दिसंबर से 15 दिसंबर तक डोर टू डोर और आखिरी दिन 16 दिसंबर को छूटे हुए सभी बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। कोंच सीएचसी के अंतर्गत 31, नदीगांव सीएचसी क्षेत्र में 164 और पिंडारी पीएचसी क्षेत्र में 130 बूथों पर पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। अभियान के प्रचार प्रसार के लिए 5 दिसंबर से ही गांवों में मुनादी कराई जाएगी और नगर में पालिका के वाहन से एनाउंसमेंट कराया जाएगा। यह अभियान करीब एक वर्ष बाद चलाया जा रहा है इसलिए लापरवाही जरा भी न बरतें अन्यथा संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

ट्रिपल पी रुप में विकसित करें वेटरिनरी कॉलेज इंटरनेशनल स्टेडियम- कान्हा उपवन : मुख्यमंत्री

विकास की योजना

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ताल नदोर में बन रहे वेटरिनरी कॉलेज (पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय) और यहां प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तथा कान्हा गोशाला को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाए। सरकार की मंशा इस क्षेत्र को विकास का एक नया मॉडल बनाने की है। सीएम योगी मंगलवार अपराह्न गोरखपुर के ताल नदोर में बन रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का निरीक्षण कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की डिजाइन, लेआउट, मॉडल का अवलोकन कर इसके प्रमुख आयामों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि ताल नदोर में 80 से 100 एकड़ में प्रस्तावित इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और 52 एकड़ में नगर निगम की तरफ से बनाए जाने वाले कान्हा गोशाला को भी पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एक दायरे में लाया जाए। इस पायलट प्रोजेक्ट से हम यहां कुल ढाई-तीन सौ एकड़ क्षेत्रफल में विकास का शानदार मॉडल बना सकेंगे। लोक निर्माण विभाग के अफसरों ने बताया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के लिए 106 एकड़ क्षेत्रफल में प्रारंभिक सर्वे का काम किया जा चुका है। इसके अलावा 52 एकड़ में बनने वाले कान्हा गोशाला का निर्माण सीएनडीएस द्वारा कराया जाएगा।

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कार्यों को एक दायरे में लाने पर काम किया जाए। वेटरिनरी कॉलेज के निर्माण की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि प्रथम चरण का निर्माण मार्च 2026 में पूरा करा लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने वेटरिनरी कॉलेज के लेआउट का अवलोकन करने के दौरान पशुओं (गाय, भैंस, बकरी, घोड़ा आदि) के रखने और उनकी फीड के लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली। जानकारी लेने के बाद उन्होंने निर्देशित किया कि पशुओं के चारागाह के लिए पर्याप्त लैंड रिजर्व करने और गौ सरोवर बनाने के लिए भी व्यवस्था की जाए। इसके लिए संरचना में आवश्यक परिवर्तन भी किए जाएं। सीएम योगी ने वेटरिनरी कॉलेज के समीप ही चार एकड़ में बन रहे वृहद गोशाला को भी देखा और निर्देशित किया कि यहां गर्मियों में पशुओं को रखने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जाएं।

नगर पालिका परिषद फर्रुखाबाद की खुली पोल, सड़क बनी तालाब

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। फर्रुखाबाद नगर पालिका की खुली पोल कुछ दिन पूर्व नाले एवं सड़क का हुआ था निर्माण फिर भी रोड पर भरा रहता मकानों का गंदा पानी मशेनी चौराहा एस आर कोल्ड स्टोर के निकट बना मानव उत्थान सेवा समिति के आश्रम के मुख्य गेट पर भरा रहता गंदा पानी भक्तों एवं रहागीरो को गुजरना पड़ता गंदे पानी से पानी का निकास ना होने से रोड पर भरा रहता गंदा पानी रोड पर पनी भरा होने से नहीं लगता गढ्ढे का अंदाजा आए दिन होती रहती घटनाएं मसेनी चौराहा एस आर कोल्ड स्टोर मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम फर्रुखाबाद का है पूरा मामला।

साहनपुर चैयरमेन ने मनाया सांसद का जन्मदिन

नजीबाबाद अवधनामा संवाददाता। नगर पंचायत साहनपुर चैयरमेन खुर्शीद मंसूरी ने अपने आवास पर अपने समर्थकों के साथ मिलकर नंगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद का 38वा जन्म दिन केक काटकर बड़ी धूमधाम से मनाया। इस मौके पर उन्होंने अपने समर्थकों को अपने हाथ से केक खिलाया और सांसद को मजबूत करने की अपील की। इस मौके पर उनके सभी समर्थकों ने गले मिलकर संसद के जन्मदिन की मुबारकबाद दी।

व्यापारी से मारपीट व रंगदारी मांगने में दो भाइयों पर रिपोर्ट

उरई (जालौन)। एक विवाह घर में गल्ला व्यापारी के साथ गाली गलौज कर मारपीट करने और रंगदारी मांगने के आरोप में पुलिस ने दो सगे भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कस्बे के मोहल्ला भगत सिंह नगर निवासी गल्ला व्यापारी राहुल तिवारी पुत्र सुरेशचंद्र ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि रात करीब 10:30 बजे वह आशीर्वाद होटल में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। वहां पर मौजूद सगे भाइयों निवासी गांधीनगर ने उससे शराब पीने के लिए रुपये की मांग की। उसने रुपये देने से इंकार किया तो दोनों भाइयों ने गाली गलौज कर जमीन पर गिरा कर उसे बुरी तरह मारा पीटा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी दौरान उसके गले में पड़ी सोने की कीमती चेन कहीं गुम हो गई। मौके पर कुछ लोगों के आ जाने पर दोनों भाई जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। वहीं घायलावस्था में उसे पहले सीएचसी और फिर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से चिकित्सकों ने उसे झांसी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

चुनौतियों से निपटने में नागरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी अहम : विवेक श्रीवास्तव

अवधनामा संवाददाता

नागरिक सुरक्षा भारत सरकार गृह मंत्रालय के डायरेक्टर जनरल विवेक श्रीवास्तव (IPS) के साथ में पोस्ट वार्डेन प्रतीक सरकारी प्रखंड कोतवाली गोरखपुर

गोरखपुर। महानिदेशक नागरिक सुरक्षा/फायर सर्विस एवं होमगार्डस, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली विवेक श्रीवास्तव द्वारा को एनेक्सी भवन में नागरिक सुरक्षा गोरखपुर की बैठक आहुत की गयी। उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा सत्य प्रकाश सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि नागरिक सुरक्षा के 62वें स्थापना दिवस के अवसर पर साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में ब्लैकआउट मॉकड्रिल मुख्य कार्यक्रम है। जिसमें एयरफोर्स गोरखपुर द्वारा भी लडाकू विमानों की प्रदर्शन में सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी।

महानिदेशक द्वारा बैठक को सम्बोधित करते हुए विगत कार्यों के दृष्टिगत सिविल डिफेन्स की प्रशंसा की गयी। सिविल डिफेन्स द्वारा कोविड 19 किए गये कार्य राष्ट्रीय फलक में सराहनीय रहा है तथा अग्नि से सुरक्षा, बचाव कार्यों अन्य सामाजिक कार्यों के साथ-साथ राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत कार्यक्रमों में भी बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया जाता है। राष्ट्रीय एवं ग्लोबल स्तर पर वर्तमान समय में साइबर सिक्योरिटी एवं आतंकवाद जैसे मुद्दों पर चुनौती मिल रही है। ऐसे में एक सशक्त नागरिक के रुप में नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। ऐसी दशा में नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों को प्रशिक्षण, ड्रिल, प्रदर्शन अतन करते हुए दिया जाना चाहिए। भारत सरकार के निर्देशानुसार नागरिक सुरक्षा चार्टर में आवश्यक संशोधन किया जा रहा है। शीघ्र ही लागू होगा। अन्त में चीफ वार्डेन डा संजीव गुलाटी ने का आभार प्रकट करतें हुए कहा कि सिविल डिफेन्स गोरखपुर शासन प्रशासन के निर्देशानुसार किसी भी आपदा में तत्परता से प्रतिक्रिया करना एवं वार्डेनों के क्षमता संवर्धन के उपाय नियुक्ति आदि कार्यों को शीघ्रता से किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर गांव के निवासी का चयन कराने की मांग की है

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। गांव में उचित दर की दुकान का चयन होना है। जिसमें गांव के ही व्यक्ति के नाम दुकान का चयन किया जाना है। लेकिन दूसरे गांव के व्यक्ति ने गांव का वोट बनवा लिया है। ऐसे में गांव के लोगों में रोष है। ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर गांव के निवासी का चयन कराने की मांग की है। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सुढ़ार निवासी भूपेंद्र, विपिन, छोटेलाल, छत्रपाल सिंह, दीपक नगाइच, रामवीर, विषय कुमार, रणजीत, रामस्वरूप, गंभीर, करन सिंह, चंद्रशेखर, राजू सिंह, ममता देवी, मीरा देवी, राधा आदि ने एसडीएम विनय मौर्य को ज्ञापन सौंपकर बताया कि उनके गांव में उचित दर की दुकान नहीं है। गांव के लोगों को राशन लेने के लिए पड़ोसी गांव सालाबाद में जाना पड़ता है। ग्रामीणों को हो रही समस्या को देखते हुए गांव में ही उचित दर की दुकान खोली जा रही है। जिसमें गांव के ही निवासी व्यक्ति का चयन किया जाना है। आरोप लगाया कि सालाबाद निवासी एक व्यक्ति ने जो सुढ़ार गांव में रहता भी नहीं है। उसने सुढ़ार गांव का परिचय पत्र व अन्य कागजात बनवा लिए हैं। जबकि उनका गांव में न तो कोई पैतृक मकान है और न ही वह सुढ़ार गांव में रहता है। गांव के कागजात बनवाकर वह सांठ्गांठ करके उचित दर की दुकान अपने नाम कराना चाहता है। इसके लिए उसने कागजात भी जमा करा दिए हैं। यदि उपरोक्त व्यक्ति का चयन उचित दर की दुकान के लिए होता है तो वह गांव के लोगों के साथ अन्याय होगा। उन्होंने एसडीएम से मांग करते हुए कहा कि उपरोक्त व्यक्ति के कागजातों की जांच कराई जाए और यह भी देखा जाए कि वह व्यक्ति गांव में रहता भी है अथवा नहीं। जांच कराकर उसके कागजातों को निरस्त किया जाए और गांव के लोगों को उचित

वन मंत्री से मिला सुहेलदेव भासपा का प्रतिनिधिमंडल

बिजनौर अवधनामा संवाददाता। लखनऊ में सोमवार को उत्तर प्रदेश के वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला सदस्यता प्रभारी रणवीर सिंह निराला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि ने शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने नजीबाबाद क्षेत्र में ग्राम नांगल व चौहड़ खाता (मेंदुवाला) की समस्या से अवगत कराया, तत्काल ही मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने संबंधी अधिकारी को आदेशित कर कार्य को सुगमता एवं तीव्र गति के करने कहा। प्रतिनिधि मंडल में रणवीर सिंह निराला, लोकेंद्र सिंह, अजय प्रताप, लवी कुमार, विक्रम सिंह, पंकज सिंह, कृष्ण कुमार, राजावत एवं अज़ीम आदि लोग मौजूद रहे।

शिवभार गुर्जर संस्था की मासिक कवि गोष्ठी सम्पन्न

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। स्थानीय प्रभात नगर, तेलीबाग स्थित शिवभार गुर्जर लखनवी संस्था के आचार्य पिंगल सभागार में संस्था की मासिक काव्य गोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।वरिष्ठ साहित्यकार डॉ बेअदब लखनवी की अध्यक्षता में सम्पन्न समारोह ने संस्था को एक नई ऊँचाई प्रदान की। वरिष्ठ कवयित्री अनीता अरोड़ा मुख्य अतिथि, सुप्रसिद्ध शायर राजेश राज व गीतकार राम शंकर वर्मा विशिष्ट अतिथि, प्रोफेसर बलवन्त सिंह अति विशिष्ट अतिथि रहे।

समारोह का शुभारंभ माँ सुरसति की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ कुंवर आनन्द श्रीवास्तव की वाणी वन्दना व नीतू श्रीवास्तव की सुमधुर वाणी वन्दना से हुआ। प्रथम पायदान के रूप में युवा कवयित्री डॉ खुशबू गौतम ने बचपन की यादों को ताजा करते हुए सुनाया - नहीं कोई भी चिंता थी न कोई भी काम तो विमल बैरागी ने सुनाया - आस्तीन के सांपों से,गए संपेरे सभी हार। डॉ रामराज भारती फतेहपुरी ने सुनाया - अरि को धूल चटाने की खाते कसमें आज। कुंवर आनन्द श्रीवास्तव ने लखनऊ का नवाब होने का दावा ठोंकते हुआ पढ़ा - हम नवाब लखनऊवा हम नवाब लखनऊवा। प्रो. बलवंत ने अपनी गज़ल के हवाले से कहा - आँधियों को भी सलीके से गुज़रना पड़ता, उनके रस्ते में अगर घर तेरा पड़ता। कवि शैलेन्द्र ने दीपावली की यादों का पिटारा खोलते हुए पढ़ा - जगमग दीप जले हैं हवा में मिठाई की खुशबू है। गीतकार राम शंकर वर्मा ने बहुत ही सुंदर व प्रेरणा दायक नवगीत पढ़ते हुए कहा - घर से बाहर निकलो, जड़ें जमाओ, बढ़ना सीखो ! जैसे रोपा हुआ धान बढ़ता है। शायर राजेश राज ने सुनाया - इश्क़ पेशा नहीं हमारा है।सिर्फ गुस्सा तेरा उतारा है। मुख्य अतिथि अनिता अरोड़ा ने कहा - इकरार भी तुम्हीं से, इज़हार भी तुम्हीं से। ये दिल है तुम्हारा और दिल्लगी भी तुमसे। समारोह अध्यक्ष पण्डित बेअदब लखनवी ने काट लो उंगली हमारी, गीत मैं न लिख सकूँ सुनाकर वाहवाही बटोरी। काव्य पाठ करने वाले अन्य साहित्यकारों में प्रेम शंकर शास्त्री, प्रवीण पाण्डेय आवारा, डॉ साहब दीन वर्मा, डॉ चन्द्र भान चन्द्र, डॉ नेहा कुमारी भदौरिया, राज कुमारी गुर्जर, योगाचार्या दीप्ति भूषन आदि ने समारोह में बढ़चढ़ कर भाग लिया और चुनिन्दा रचनाएँ सुनाकर सभी का मन मोह लिया।

ज्ञान नगरी गोरखपुर की ख्याति में नींव का पत्थर है एमपी शिक्षा परिषद

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी के मार्गदर्शन में आज विकास के पैमाने पर चमक रहे गोरखपुर की पहचान ज्ञान नगरी (नॉलेज सिटी) के रूप में भी है। 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर इस ज्ञान नगरी की नींव रखी थी योगी आदित्यनाथ के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने। उसकी संरचना को विस्तारित किया वर्तमान पीठाधीश्वर के पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा के प्रसार से राष्ट्रीयता, मूल्यपरकता और स्वावलंबन को मजबूत करने के दादागुरु और अपने गुरुदेव के संकल्पो को विभिन्न प्रकल्पों के विस्तार से पूरा करने का बीड़ा उठा रखा है योगी आदित्यनाथ ने। गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों के सतत संकल्पित प्रयास का सुफल है कि आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की अगुवाई में गोरखपुर ज्ञान नगरी की ख्याति अर्जित कर चुका है। सर्वविदित है कि गोरखपुर जनपद पूर्वी उत्तर, पश्चिमी बिहार तथा नेपाल की तराई तक करीब पांच करोड़ की आबादी के लिए शिक्षा का एक बड़ा केंद्र है। एजुकेशन हब के रूप में विकसित गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद नौ दशक से अधिक समय से प्रकाश स्तम्भ की भूमिका में है। गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों ने इस स्तम्भ से प्रकाश पुंज का फैलाव निरंतर विस्तारित किया है। महाराणा प्रताप परिषद का प्राथमिक शिक्षा से लेकर निजी विश्वविद्यालय तक हो चुका विस्तार इसकी शैक्षिक सेवा यात्रा का साक्षी है। उच्च व तकनीकी शिक्षा के लिए तीन क्रियाशील विवि, आयुष चिकित्सा शिक्षा पद्धति के नियमन के लिए प्रदेश का पहला आयुष विवि, चिकित्सा शिक्षा के लिए एम्स और मेडिकल कॉलेज, पॉलीटेक्निक, इंजीनियरिंग शिक्षण संस्थान, आईटीआई, नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेज और प्राथमिक से लेकर महाविद्यालयों की फेहरिस्त इतनी लंबी की गिनने वाला थक जाए।

हिसंक जानवर के पंजो के निशान देखकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल

अवधनामा संवाददाता

दुबग्गा। काकोरी में रहमान खेड़ा के पास हरदोई रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने खेतो में हिसंक जानवर के पंजों के निशान दिखाई पड़े ।खेतो में पंजो के निशान देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। शेर या तेंदुआ होने की आशंका से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग के टीम मौके पर पहुंची।

खेतो में जाकर अज्ञात जंगली जानवर के पंजो के निशान की जाँच पड़ताल की। रहमान खेड़ा में हरदोई रोड स्थित शेवतांक पेट्रोल पंप के सामने खेतो में किसी जंगली जानवर के निशान दिखाई पड़े। जब ग्रामीण खेतो की तरफ गए तो इसकी जानकारी हुई। किसान ने बताया कि पेट्रोल पंप के सामने मेरा घर है। घर के पीछे खेतो में टहलने गए तो खेतो में हिसंक जानवर के पंजो के निशान दिखाई पड़े। किसान अबू समद खान ने बताया कि खेतो में रखवाली के लिए राम पाल रहता है। राम पाल ने बताया कि रात करीब 3 बजे लगा कि खेत मे सांड आया है फिर वह चला गया। जब सुबह देखा तो खेतो में पंजे दिखाई पड़े तो मालिक समद को बताया। ग्रामीणों ने वन विभाग को बताया। वन विभाग की टीम ने मौके पर जाकर देखा तो पंजे शेर के होने की आशंका जताई लेकिन अभी पुष्टि नही की। रेंजर सोनम दीक्षित ने बताया कि पंजो के निशान को देखा गया है। जाँच पड़ताल की जा रही है। ग्रामीणों को सतर्क किया गया है। वह रात में दिन में अकेले में खेतों में न जाये। खेत मालिक अबु समद ने बताया कि घर की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे है। लेकिन कैमरों में नही आया है। रात की वजह से आस पास के लोगो को सतर्क किया गया है। **वर्ष 2012 में भी इसी स्थान पर आया था शेर-** रहमान खेड़ा के जगलो में पहले भी आ चुका है शेर ।करीब 3 माह रहमान खेड़ा के जगलो में रुका था शेर। जगलो में बेहता नाला है जिससे पानी की दिक्कत नही होती है।

अवध विवि के खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनीवर्सिटी तैराकी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। उड़ीसा के केआईआईटी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर में आयोजित नॉर्थ ईस्ट जोन इन्टर यूनिवर्सिटी तैराकी प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से खिलाड़ियों ने एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया इंटर यूनीवर्सिटी तैराकी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया। पुरुष वर्ग की 800 मीटर फ्री स्टाइल स्पर्धा में बृजेश चैहान, 50 मीटर ब्रेक स्ट्रोक स्पर्धा में विराट चैहान, 200 मीटर ब्रेक स्ट्रोक स्पर्धा में अमित चैहान, 100 मीटर ब्रेक स्ट्रोक स्पर्धा में अमन यादव, 400 मीटर फ्री स्टाइल स्पर्धा में महेश कुमार गौर,800 मीटर फ्री स्टाइल स्पर्धा में विष्णु दत्त चैहान ने एवं ऋषिकेश यादव ने 100 मीटर बटर फ्लाई एवं 200 मीटर बटर फ्लाई स्पर्धा में ऑल इंडिया तैराकी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया। वहीं 4'100 मीटर मेडले रिले स्पर्धा में दीपक प्रजापति, विराट चैहान, ऋषिकेश यादव, अमन यादव ने ऑल इंडिया इंटर यूनीवर्सिटी तैराकी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया। दूसरी ओर महिला वर्ग स्पर्धा में रूबी गौर ने 800 मीटर फ्री स्टाइल एवं 1500-मीटर फ्री स्टाइल में ऑल इंडिया तैराकी के लिए क्वालीफाई किया।खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने सभी को बधाई दी है। कहा कि खेल कौशल एवं मानसिक तत्परता के बेहतर समन्वय से उच्च खेल प्रदर्शन होता है, जिसे हमारे विश्वविद्यालय के होनहार खिलाड़ियों ने करके दिखाया है। खिलाडियों की खेल सुविधाओ में कोई कमी नही होगी। विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु सिंह एवं क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए क्वॉलीफाई करने वाले खिलाड़ियों को बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है। खिलाडियो के ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई करने पर खुशी व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी पूर्णेदु शुक्ला, कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, कुलानुशासक प्रो. एस.एस. मिश्रा, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दानपति त्रिपाठी, विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष जनमेजय तिवारी, महामंत्री प्रो. अमूल्य, कुमार सिंह, विश्वविद्यालय आवासीय परिसर शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. संग्राम सिंह, महामंत्री डॉ. राना रोहित सिंह, क्रीड़ा उप सचिव डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. विनय सिंह, डॉ.मनीष सिंह, प्रो.. प्रवीन सिंह, प्रो. सन्तोष गौड़, डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. कपिल राणा, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. अर्जुन सिंह, सीमेंद्र विक्रम सिंह, शिव करन सिंह, कुमार मंगलम सिंह, कृष्ण कुमार तिवारी सहित सभी खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए महापौर और नगर आयुक्त की बैठक

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। महापौर गिरीशपति त्रिपाठी और नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा द्वारा वार्डों में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। वार्डों की मैपिंग और बीट निर्धारण÷ प्रत्येक वार्ड की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी बीटवार तय की जाएगी। साथ ही, हर बीट पर संबंधित कर्मचारियों का विवरण अंकित किया जाएगा। स्वच्छता योद्धा सम्मान÷ सफाई में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों को ÷स्वच्छता योद्धा÷ के रूप में सम्मानित किया जाएगा। ये सफाई मित्र वार्ड के पार्षद से प्रमाणित किए जाएंगे और सोशल मीडिया पर उनकी सराहना की जाएगी। मैकेनिकल स्वीपिंग÷ मुख्य मार्गों की सफाई के लिए मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा। सफाई मित्रों को इन मार्गों पर तैनात किया जाएगा।डोर टू डोर कूड़ा संग्रहण÷ डोर टू डोर कूड़ा संग्रहण कार्य करने वाली संस्था के प्रदर्शन को संतोषजनक नहीं पाया गया, और इसे सुधारने के निर्देश दिए गए।निगरानी और निरीक्षणः सभी जोनल अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि वे प्रतिदिन एक वार्ड का निरीक्षण करें और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान करें।महापौर ने कहा कि अयोध्या एक आध्यात्मिक नगरी है, जहां श्रद्धालुओं और पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है। यहां 24 घंटे सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है ताकि सभी मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जा सकें। नगर आयुक्त ने बताया कि सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के लिए संसाधनों को बढ़ाया जा रहा है।इस बैठक में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सिंह, जोनल अधिकारी अशोक कुमार गुप्ता, गुरु प्रसाद पाण्डेय, सौरभ नाथ, नगर स्वास्थ्य अधिकारी राममणि शुक्ला, और अन्य निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

हनुमानगढ़ी के पहलवान नागेंद्र दास ने जीता उद्घाटन मुकाबला

अयोध्या अमानीगंज। अमानीगंज संत बाबा भीखा दास तप स्थली महोली में सोमवार को नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय दंगल का उद्घाटन अमानीगंज की ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पवन सिंह ने किया दंगल का आयोजन हनुमानगढ़ी अयोध्या के पहलवान बाबा संजय दास की ओर से किया गया है दंगल का उद्घाटन मुकाबला हनुमानगढ़ी की पहलवान नागेंद्र दास और मध्य प्रदेश के पहलवान संदीप के बीच हुआ इसमें नागेंद्र दास विजय रहे दूसरा मुकाबला पंजाब के बग्गा पहलवान और दिल्ली की अशोक सिंह के बीच बराबरी पर छूटा तीसरा मुकाबला नेपाल के शंकर थापा और हरियाणा के कल्लू के बीच हुआ इसमें नेपाल के शंकर थापा विजई हुई दो दिवसीय दंगल में हरियाणा पंजाब राजस्थान मध्य प्रदेश नेपाल हनुमानगढ़ी अयोध्या सहित देश के नामी गिरामी पहलवान हिस्सा ले रहे हैं।

बलात्कार के मामले में जलालाबाद पुलिस ने दिखाई संवेदनहीनता

शाहजहाँपुर। यूपी की योगी सरकार महिला सुरक्षा को लेकर तमाम जतन करती रहती है, मिशन शक्ति चलाकर महिलाओं की सुरक्षा और शिकायत के निस्तारण का दंभ भरती है लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। ताजा मामला शाहजहांपुर से जुड़ा है, जहां एक दलित महिला रेप के मामले के आरोपी के खिलाफ कार्यवाही किए जाने लिए पिछले दो माह से अफसरों के चक्कर काट रही थी। थाना पुलिस से जब आस टूटी तो महिला ने कोर्ट की शरण ली, कोर्ट के इस मामले में पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश किए हैं।दरअसल शाहजहांपुर के थाना कटरा क्षेत्र की रहने वाली दलित महिला का आरोप है कि जलालाबाद के रहने वाले हिमांशु उर्फ प्रिंस ने 1 अक्तूबर को उसके साथ बलात्कार किया था। घटना के बाद उसने जलालाबाद थाने पर नामजद तहरीर दी लेकिन पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। जिसके बाद उनसे अफसरों दफ्तरों के चक्कर काटे लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। तब उसने कोर्ट का सहारा लिया।

विश्व विकलांग दिवस पर दिव्यांगों का विरोध प्रदर्शन

अयोध्या। विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर समस्त दिव्यांगों ने काला दिवस के रूप में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। यह विरोध दिव्यांगों की लंबित मांगों को लेकर था, जो अब तक पूरी नहीं की गईं। दिव्यांगों ने रैली के माध्यम से सरकार को एक नया संदेश देने की कोशिश की। रैली की शुरुआत नगर के प्रसिद्ध समाजसेवी हनुमान द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई, जिसने दिव्यांगों का हौसला बढ़ाया।

27 अधिवक्ताओ ने किया रक्तदान

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। अधिवक्ता दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन कचहरी के सिविल कोर्ट परिसर में किया गया जिसमें 27 अधिवक्ताओ ने रक्तदान कर महादनी बनें।उक्त रक्तदान शिविर का आयोजन राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन व एचडीएफसी बैंक अयोध्या इकाई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।इस मौके पर संस्था संरक्षक व वरिष्ठ समाजसेवी राजेश चौबे ने कहा की यह रक्तदान शिविर अधिवक्ता साथियो के सम्मान में आयोजित किया गया है जिसका उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है।वरिष्ठ अधिवक्ता व समाजसेविका श्वेता राज सिंह ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि लोगों को न्याय दिलाने के साथ साथ अधिवक्ता साथी जीवन बचाने के लिए भी संकल्प ले चुके है। अधिवक्ता साथी लगातार अपने खून से लोगों को जीवन बचा रहे है। आरक्षी मो अहद ने बताया संस्थान द्वारा निरंतर रक्तदान शिविर लगाए जा रहे है जिससे मरीज को आसानी से ब्लड मिल सकें। सभी रक्तदाताओं को ब्लड बैंक द्वारा डोनर कार्ड दिए गया।इस मौके पर जनसम्पर्क अधिकारी विन्दश्वरी प्रसाद,लैब टेक्निशियन विशाल पटेल व अनिल सिंह , कॉउसलर ममता खत्री का सराहनीय योगदान रहा संस्था के सहयोगी अधिवक्ता अखंड प्रताप यादव व अधिवक्ता प्रदीप गुप्ता ने उपस्थित लोगो के प्रति आभार व्यक्त कियाकैम्प के आयोजन में सब इस्पेक्टर रणजीत यादव उपाध्यक्ष विजय वर्मा,इंद्र प्रीत सिंह वेदी,विनय सिंह कुशवाहा,राम कुमार मौर्य आदि का सराहनीय योगदान रहा। रक्तदान करने में वैभव पाण्डेय, विनीत कन्नौजिया, सौरभ निषाद, शंशाक प्रताप सिंह, पुष्कर जायसवाल, राकेश कुमार पाण्डेय, पीयूज कुमार, अतुल कुमार सिंह, सक्षम कुमार श्रीवास्तव, हरी प्रसाद तिवारी, राम शंकर तिवारी, अम्बरीश कुमार शुक्ला,विनोद वर्मा, आशीष मांझी, वृजेश विश्वकर्मा, वीरेंद्र तिवारी, हेमंत विक्रम सिंह, राम प्रकाश पाण्डेय, आशुतोष कुमार सिंह, आनंद कुमार, तिजेंद्र यादव, कुंवर शैलेश श्रीवास्तव, अमरेश चंद मिश्र, अभिषेक चौधरी, रुपेश श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव,जय प्रकाश व अन्य अधिवक्ता साथी शामिल रहें।

हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए आयुष के परिजनों ने शव रखकर लगाया जाम

अवधनामा संवाददाता

शाहजहाँपुर। यूपी के शाहजहांपुर में सोमवार को सत्ता पक्ष के दो युवा नेताओं के गुर्गों के बीच हुए विवाद में मारे गए आयुष गुप्ता के परिजनों ने शाहजहांपुर पीलीभीत मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन कई घंटों तक रोड पर शव लेकर बैठे रहे। सपा नेताओं के समझाने के बाद परिजन शांत हुए मगर परिजनों ने पुलिस को शाम तक का वक्त देकर शव उठा लिया। आपको बता दें कि सोमवार दिन दहाड़े हाई सिक्योरिटी जोन छावनी परिषद में दो पक्षों में कहासुनी और मारपीट के बाद हुई फायरिंग में आयुष गुप्ता की गोली लगने से मौत हो गई थी। इस मामले में परिजनों ने दो महिलाओं और हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष समेत 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था। देर रात शव का पोस्ट मार्टम किया गया। मंगलवार दोपहर से पहले परिजनों ने पीलीभीत शाहजहांपुर मार्ग पर गदियाना मोहल्ले में शव को रखकर जाम लगा दिया। परिजनों ने नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी किए जाने की मांग की। जाम लगाने की सूचना पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माने।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में धरना प्रदर्शन व आक्रोश पद यात्रा

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति जारी हिंसा और इस्कॉन के संतो की गिरफ्तारी के विरोध में मंगलवार को शहर में आयोजित धरना एवं आक्रोश पद यात्रा में हजारों की संख्या में हिंदू समाज सड़को पर उतरा। हिंदू रक्षा समिति के तत्वाधान में आयोजित प्रदर्शन में संत? महात्माओं, धार्मिक, व्यापारिक व? सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। जीआईसी ऑडिटोरियम से पटेल चौराहा तक आक्रोश पद यात्रा साधु संतों की अगुवाई में निकाली गई।पदयात्रा में महिलाओं सहित हजारों की संख्या में हिंदू समाज हाथों में तख्ती लिए भारत माता की जय,वंदे मातरम,जय श्रीराम के गगनभेदी नारे लगाते रहे।पद यात्रा के समापन पर संतो ने एसडीएम आर जगत साई को एक ज्ञापन सौंपा।राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में कहा गया है कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदुओं तथा अन्य अल्पसंख्यकों व उनके पवित्र पूजा स्थलों पर लगातार हमले हो रहे हैं। उत्पीड़न,शोषण व मानवीय अत्याचारों से समस्त बांग्लादेशी हिंदू समाज व्यथित व पीड़ित हैं।इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से समस्त हिन्दू समाज आक्रोशित और उद्वेलित है।ज्ञापन में इस्लामिक कट्टर पंथियों द्वारा हिंदुओं का आर्थिक तथा शारीरिक शोषण किया जा रहा है। हिंदुओं को निशाना बनाकर उनके धार्मिक तथा व्यवसायिक स्थलों पर लूट व तोड़फोड अनवरत जारी है। कट्टरपंथी जिहादियों द्वारा बहन,बेटियों तथा छोटे बच्चों पर मानवता को शर्मशार करने वाले कृत्य किए जा रहे है। ज्ञापन के जरिए बांग्लादेश में व्याप्त अमानवीय अत्याचारों व दुर्व्यवस्था से पीड़ित हिंदुओं एवं उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा तथा इस्कॉन के संतो की अविलंब रिहाई की पुरजोर मांग की है।इसके पूर्व जीआईसी ऑडिटोरियम में योग गुरु स्वामी चिन्मयानंद की अध्यक्षता में धरना आयोजित हुआ।धरना को सामाजिक समरसता मंच के संयोजक नरेंद्र,भंते सीत सागर महाराज, गायत्री परिवार के एपी शर्मा,यज्ञाचार्य अरविंद मिश्रा, स्वामी भास्करानंद,सरदार हरपाल सिंह आदि ने संबोधित किया।सभी वक्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की कड़ी शब्दों में निंदा की एवं हिन्दू समाज को एक जुट रहने का आह्वान किया ।

विकलांग व्यक्तियों की स्थितियों के बारे में जागरूकता अभियान की आवश्यकताः अर्चना

बाराबंकी। मंगलवार को विश्व विकलांगकता दिवस के अवसर पर देवा रोड पर स्थित उम्मीद किरण स्पेशल स्कूल मे विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई, जिसमे गायन, डान्स ,खेल-कूद प्रमुख थी। प्रतियोगिताओ मे दिव्यांग बच्चे तुषार, प्रज्ञा, हमजा,उज्जवल, रेहान, सिद्धार्थ, अक्षत, हर्ष, परी ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। संस्था की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव ने इस मौके पर उपस्थित दिव्यांग बच्चो व उनके अभिभावको को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (आईडीपीडी) एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम है जो 1998 से) हर साल 3 दिसंबर को मनाया जाता है। इस दिन, वैश्विक और स्थानीय दोनों तरह के विभिन्न संगठन समाज के हर स्तर पर विकलांग लोगों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आते हैं। इसके अतिरिक्त, इसका उद्देश्य राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के सभी पहलुओं में विकलांग व्यक्तियों की स्थितियों के बारे में जागरूकता को बढ़ाना भी है।

46 बोरी लहसुन 8 साइकिल बरामद

अवधनामा संवाददाता

निचलौल (महराजगंज)। शीतलापुर चौकी प्रभारी ओमप्रकाश गुप्ता हेड कांस्टेबल पंकज चौहान व कांस्टेबल विवेक पांडे और एसएसबी शीतलापुर से बीओपी प्रभारी उ0नि0 जय किशन शर्मा, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, हेड कांस्टेबल अज्जू ए, कांस्टेबल सुरेंद्र राम यादव द्वारा संयुक्त रूप से गस्त करने के दौरान पिलर संख्या 501/6 के 80 मीटर भारतीय सीमा में अज्ञात साइकिल सवारो द्वारा नेपाल से चाईनिज लहसुन लेकर अवैध तस्करी करके भारत में लाए जानें की सूचना पर एसएसबी और पुलिस टीम द्वारा दौड़कर पकड़ने का प्रयास किया गया। तो साइकिल सवार साइकिल और लहसुन छोड़कर भाग गए। मौके से 46 बोरी लहसुन प्रत्येक का वजन 30 किलो कुल 1380 किलो लहसुन व 8 अदद साइकिल बरामद किया गया। जिस पर एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सीजर की कार्रवाई कर अग्रिम कार्रवाई हेतु कस्टम निचलौल को सुपुर्द कर दिया गया।

मारने पीटने का लगाया आरोप, मुकदमा दर्ज

निचलौल (महराजगंज)। ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा कटखोर में खेत की देखरेख करने गये एक व्यक्ति को रंजिश में कुछ लोगों द्वारा मारपीट घायल कर गाड़ी क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगा हैं। मामले में पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई हैं। सिंदुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम जगदौर निवासी रेयाज अहमद व महराजगंज कोतवाली अंतर्गत धनेवा धनेई निवासिनी बदरुन्निसा ने बताया कि निचलौल तहसील क्षेत्र के ग्राम कटखोर में मेरी खेती हैं। अपने खेत में तहसील व थाना के सक्षम अधिकारियों के उपस्थिति में पीलर आदि लगवा कर भूमि को सुरक्षित करा लिया गया था। 1 दिसंबर को खेत की देख रेख करने के लिए अपने मित्रों के साथ गाड़ी से पहुंचे तो आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा पीलर को उखाड़ दिया और लाठी डन्डे व फावड़ा लेकर सभी लोग गाली गुप्ता देते हुए दौड़ाते हुए हमला कर दिये।

हिस्ट्रीशीटर की बहन के आतंक से परेशान परिवार ने मांगा मुख्यमंत्री से न्याय

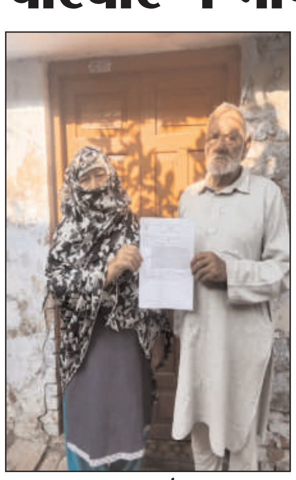

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। हिस्ट्रीशीटर शशिकांत हत्या के मामले में जेल में निरूद्ध है लेकिन उसके परिवार के लोग उसके नाम व उसकी दहशत का इस्तेमाल करके भोले भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर ब्लैकमेल कर रहे हैं, हद तो यह हो गई कि अब हिस्ट्रीशीटर शशिकांत की बहने भी झूठे मुकदमें दर्ज कराकर नाजायज वसूली की मांग करती है, अगर मांग जल्द नहीं पूरी होती तो दूसरे भाई पर भी फर्जी मुकदमें दर्ज करवा देती है। ऐसे में पीड़ित परिवार इन लोगों की प्रताड़ना से काफी हैरान परेशान होकर मुख्यमंत्री से न्याय की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गये शिकायती प्रार्थना पत्र में पीड़ित खुर्शीद जैदी निवासी देवा रोड ने बताया कि मेरे दो पुत्र व दो पुत्रियां है जो अपने परिवार के साथ रहती है। प्रार्थी के छोटे लड़के आजम जैदी मे वर्ष 2016 मे हिस्ट्रीशीटर शशिकांत की बहन वर्षा पुत्री चन्द्रशेखर से प्रेम विवाह कर लिया था। जिसके बाद परिवार ने आजम ज़ैदी से अपना सम्बंध खत्म करके उसको बेदखल कर दिया था। जिसके बाद वह लोग पति पत्नी की रहकर जीवनयापन करने लगे इस दौरान उनके 7 वर्ष की पुत्री भी है। अब दोनों लोगों में पति पत्नी का विवाद हो गया जिस पर आजम की पत्नी ने मु0अ0सं0-803/2024 मे पंजीकृत करा दिया। जिसके बाद आजम जिला कारागार मे निरूद्ध है। मालूम हो कि वर्षा व उसका परिवार काफी दबंग व सरहंग किस्म के व्यक्ति है, जो करीब 20 वर्षो से अपराध करते चले आ रहे है, जिनका सम्पर्क मुख्तार अंसारी गैंग से जुड़ा है तथा विकास दूबे केस मे भी वर्षा की माता को संदिग्ध पाया गया था। उसके बाद से पीड़ित के परिवार को ब्लैकमेल करने की नियत से मु0अ0सं0-1098/ 2024 बड़े पुत्र जमा ज़ैदी के विरूद्ध दर्ज करा दिया। पीड़ित व उसकी पत्नी काफी वृद्ध, बीमार किस्म के व्यक्ति है। पीड़ित जमा ही एकमात्र बुढापे का सहारा है, उसके विरूद्ध भी लगातार झूठे तथ्यों को गढ़कर विधिक राय मशविरा करके फर्जी प्रार्थना पत्र दे रही है। वर्षा की प्रताड़ना से पीड़ित व उसका परिवार काफी डरा सहम गया है।

दिव्यागजनों को मुख्य धारा में लाने का प्रयास जारीः सदर विधायक

महराजगंज। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से कलेक्ट्रेट सभागार में दिव्यांगजन के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सदर जयमंगल कन्नौजिया ने जिला प्रशासन को मुसहर टोलों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संतृप्त करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि आशा है वनटांगिया ग्रामों में भी यह कार्यक्रम इसी प्रकार सफल रहेगा।

जलाधिकारी अनुनय झा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिव्यांगजन के प्रति लोगों के नजरिए में परिवर्तन हेतु उनकी पहचान को दिव्यांगजन के रूप में परिभाषित किया। जिला प्रशासन भी दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन ने कहा कि एक समाज के रूप में हम सबको किसी भी प्रकार की दिव्यांगता के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। कार्यक्रम के उपरांत 05 दिव्यांग लाभार्थियों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर जिला प्रोबेशन विभाग की ओर से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से बचाव हेतु जागरूकता कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी, सीडीपीओ सदर विजय चौधरी, विधि सह परिवीक्षा अधिकारी मनोज श्रीवास्तव, परामर्शदाता प्रियंका सिंह, लक्ष्मी रावत, दिलीप गुप्ता सहित दिव्यांगजन और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां व सुपरवाइजर उपस्थित रहीं।

सिसवा कस्बे में प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण

अवधनामा संवाददाता

सिसवा बाजार (महराजगंज)। सिसवा कस्बे के वार्ड न० 14 मुखर्जी नगर में मंगलवार को नायब तहसीलदार व नगर पालिका ईओ के देख रेख में अतिक्रमण हटवाया गया। नगर पालिका के भूमि पर स्थानीय लोगों द्वारा खाद गढ्ढा बना कर अतिक्रमण किये जाने की शिकायत पर नायाब तहसीलदार पीयूष जायसवाल, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी शैलेन्द्र कुमार ने नगर पालिका कर्मियों सहित मौके पर पहुंच कर अतिक्रमण हटवाया।इस दौरान क़ानूनगो श्रीराम बचन,लेखपाल अखिलेश सिंह,बनारसी भारती व थाने से मनीष पटेल व पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

संयुक्त किसान मोर्चा ने लेखपालों के धरने को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा मंगलवार को जिलाधिकारी को लेखपालों के धरने को लेकर ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में कहा है कि ज्ञात हुआ है कि लेखपाल संघ धरनारत है, धरने की वजह से आय प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, वरासत, पैमाइस एवं खसरा आदि का कार्य प्रभावित हो रहा है। जनपद के लेखपाल आदेश होने के बाद भी बिना सुविधा शुल्क के एक भी कार्य नहीं करते है।

किसान संयुक्त मोर्चा मुख्यमंत्री जी को यह अवगत कराना चाहता है कि जो शासन की मंशा को तार-तार कर रहे है तो वह दो लोग हैं- तहसीलों में लेखपाल खसरा, पैमाइस, वरासत एक भी कार्य बिना सुविधा शुल्क के नहीं करते है. लेखपालों की यूनियन

संयुकि मोर्चा के हम सभी पदाधिकारीगण लेखपालों के विधि विरूद्ध धरना/आन्दोलन का घोर निन्दा करते है

होने के कारण उनके विरूद्ध कार्यवाही करने से तहसीलदार, उप-जिलाधिकारी एवं जिलाधिकारी सभी कतराते है और यदि कभी कोई ईमानदार अधिकारी कार्यवाही कर भी देते हैं तो यूनियन का प्रभाव दिखाकर धरना/आन्दोलन कर दबाव बनाते है। विकास खण्डों में ग्राम पंचायत सचिव बिना पैसा लिये जन्म/मृत्यु प्रमाण-पत्र तक जारी नहीं करते है। ग्राम पंचायत सचिव नौकरी पाने के बाद यह मूल जाते है कि वह भी एक किसान के परिवार से है। संयुक्त किसान मोर्चा के सभी पदाधिकारीगण लेखपालों के विधि विरूद्ध धरना/आन्दोलन का घोर निन्दा करते हैं। मुख्यमंत्री व प्रमुख सचिव उ0प्र0 शासन से यह मांग करते है कि जिस प्रकार पुलिस, सेना, आदि हड़ताल नहीं करते है, किसी कार्यवाही के सापेक्ष न्यायालय की शरण लेते है। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों का यूनियन भंग कराया जाये, संविधान सभी के लिए एक है। यदि लेखपालों के यूनियन को भंग कराते हुए कार्य वापसी पर नहीं भेजा गया तो किसान संयुक्त मोर्चा 13 दिसम्बर से तहसीलों पर तालाबन्दी और सड़कों पर चक्का जाम करते हुए जेल भरो आन्दोलन करेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिले के लेखपाल एवं शासन प्रशासन की होगी। इस अवसर पर कपिल देव, राकेश कुमार श्रीवास्तव, राधे श्याम सोनी, भूपेंद्र कुमार, आकाश राव, भोला यादव, मोर्चा के पदाधिकारी व अन्य किसान मौजूद रहे।

सेंट पीटर्स विद्यालय में लगी विज्ञान प्रदर्शनी का अपर पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय सेंट पीटर इंटर कॉलेज में आर्ट क्राफ्ट एवं विज्ञान प्रदर्शनी TECHNO WORLD 2024 के साथ-साथ मेले का भी आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ अपर पुलिस अधीक्षक अंबेडकर विशाल पांडेय ने फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि के आगमन पर स्कूल बैंड ग्रुप ने गार्द आफ देकर सलामी दी तो वहीं जूनियर वर्ग के बच्चे विभिन्न राज्यों के परिधानों में सजे अद्भुत अंदाज में स्वागत करते नजर आए। प्रधानाचार्य फादर विल्सन ने मुख्य अतिथि का स्वागत बैज अलंकरण के साथ बुके भेंट करके किया। तत्पश्चात सीनियर वर्ग की छात्राओं ने प्रार्थना नृत्य के माध्यम से अपने आराध्य को याद करते हुए स्वागत नृत्य के माध्यम से शंमा बाधा। उद्घाटन का संचालन कक्षा 12 की छात्रा अदिति यादव व गीतिका ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि ने बच्चों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट्स एवं मॉडल आदि का बड़े ही गहनता से निरीक्षण किया और कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए अपने अनुभव को साझा किया तथा बच्चों को संबोधित करते हुए बताया यह प्रतियोगिता का दौर है प्रत्येक बच्चे को बड़े ही सधे हुए कदमों से आगे चलते हुए खेल विज्ञान साहित्य में रचनात्मकता डालने की जरूरत है यदि रचनात्मकता डालेंगे तो निश्चित ही देश को बहुत आगे ले जाएंगे। इस अवसर पर पूरे वर्ष भर विद्यालय में हुई प्रतियोगिताओं में मिले अंक के आधार पर प्रथम स्थान पर रेड हाउस व द्वितीय स्थान पर ग्रीनहाउस, तृतीय स्थान पर ब्लू हाउस व चौथे स्थान पर यलो हाउस रहा। ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब ग्रीन हाउस को मिला। मुख्य अतिथि महोदय ने ग्रीनहाउस कैप्टन मेल्विन व अपेक्षा सिंह तथा उनके मॉडरेटरेटर्स को शील्ड प्रदान किया। प्रदर्शनी में जहां एक ओर समाज की ज्वलंत समस्याओं को दर्शाने प्रयास किया गया तो वही दूसरी ओर गणित, विज्ञान, अंग्रेजी कंप्यूटर डांस स्पोर्ट्स आदि के माध्यम से प्रोजेक्ट व मॉडल के द्वारा नई-नई जानकारियां दी गई। बच्चों द्वारा बनाया गया तोपखाना व अदृश्य नल, डीएनए संरचना, पृथ्वी से सूर्य तक की यात्रा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आदि प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। मेले में उपस्थित समूह स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल का भी लुफ्त उठाते नजर आए। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य ने समस्त छात्राओं, शिक्षकों को अभिभावकों को हार्दिक धन्यवाद देते हुए बताया कि बच्चों के भीतर अपार ऊर्जा का भंडार है हम सभी को उसे पहचान कर समाज के मुख्यधारा में लाना होगा। चीफ कोऑर्डिनेटर सेबेस्टियन व मेला प्रभारी अमित श्रीवास्तव ने बताया इतना बड़ा आयोजन बच्चों द्वारा लगभग एक सप्ताह की मेहनत व उनके शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन व अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

डीएम ने पोखरे के सुंदरीकरण कार्य का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर डा राजा गणपति आर ने कस्बे के आजाद नगर वार्ड में स्थित पोखरे के सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने पोखरे के सुंदरीकरण कार्य में हो रहे विलंब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तीन महीने के अंदर निर्माण पूरा कर लोकार्पण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पोखरे के सुंदरीकरण कार्य में कई वर्ष बीत गए है और कार्य अभी तक पूरा नहीं है। इस पर नगर पालिका अध्यक्ष ने दस मार्च तक निर्माण कार्य पूरा कर लोकार्पण करने का आश्वाशन दिया है। इसके बाद जिलाधिकारी ने प्रताप नगर वार्ड का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था ठीक कराने का निर्देश दिया। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बांसी ने अवगत कराया कि प्रताप नगर वार्ड की सी सी रोड एवं नाली शासन से पास हो गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर शीघ्र ही कार्य प्रारम्भ करके गुणवत्तापूर्ण एवं समय से पूर्ण कराने का निर्देश दिया। जिससे आगामी बारिश में जल जमाव न हो सके। इस दौरान तहसीलदार पियूष श्रीवास्तव, ई ओ नगर पालिका मुकेश कुमार, लिपिक नगर पालिका जमील अहमद, अमरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

दस गांवों में विधायक निधि द्वारा ओपन जिम/पार्क का निर्माण कार्य हो गया शुरू

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। विधायक निधि योजनान्तर्गत स्वीकृत परियोजना का में विकास खण्ड शोहरतगढ़ में आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़, ग्राम पंचायत टड़िया, ग्राम पंचायत दहियाड़, ग्राम पंचायत मुड़िला में ओपन जिम/पार्क का निर्माण कार्य तथा विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत रेडवरिया, ग्राम पंचायत जियाभारी, ग्राम पंचायत बसहिया में ओपन जिम/पार्क एवं विकास खण्ड नौगढ़ के ग्राम पंचायत मनोहरी में ओपन जिम/पार्क तथा विकास खण्ड

जोगिया में ग्राम पंचायत भैंसहवा में ओपन जिम/पार्क और विकास खण्ड इटवा में ग्राम पंचायत कठेला गर्वी में ओपन जिम/पार्क का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। उक्त बातें विधायक विनय वर्मा ने कहीं। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र की जनता को बताया कि पूर्व में किये गयें अपने वादे के अनुरूप विधानसभा क्षेत्र के 10 गांवों में विधायक निधि से ओपन जिम/पार्क (उद्यान) का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

ओपन जिम/पार्क का निर्माण कार्य में कुल लागत 225.42 है

जिसकी कुल लागत 225.42 लाख रुपयें है। आपको बता दें कि एक ओपन स्काई जिम व पार्क के अन्दर दैनिक एक्सरसाइज के लिए 4 जिम उपकरण, बच्चों के लिए 4 झूला, बैठने के लिए 4 बेंच, रोशनी के लिए 4 सोलर लाइट एवं बाउण्ड्रीवाल के समीप छोटे पौधों से सौंदर्याकरण किया जायेगा। कार्यदाई संस्था सिडिको को ओपेन जिम निर्माण हेतु धन (225.42 लाख रुपये) अवमुक्त कर दिया गया है। सभी 10 गांवों में झूले, जिम उपकरण व अन्य वस्तुएं पहुंचा दी गई हैं। उन्होंने कहा कि ओपेन जिम में युवाओं, बच्चों, माताओं-बहनों व बुजुर्गो सभी के स्वास्थ्य लाभ की व्यवस्था की गयी है। पूर्व की भांति ओपेन जिम के कार्य का शिलान्यास/लोकार्पण कार्य भी पहले सामूहिक रुप से विधानसभा क्षेत्र में एक जगह किया जायेगा और पुनः प्रत्येक गांव में जाकर वहां उसका विधिवत उद्घाटन होगा।

होम्योपैथी के सिरमौर सिद्धार्थनगर उत्तर प्रदेश के डॉक्टर भास्कर शर्मा से खास बातचीत

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। **प्रश्न**– चिकित्सा के क्षेत्र में आपके पास कौन-कौन सी डिग्री है

उत्तर– मेरे पास होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की विश्व की सबसे बड़ी डिग्री है। बीएचएमएस,एमडी (होम्योपैथिक मैटेरिया मेडिका) पीएचडी (होम्योपैथिक)

प्रश्न– आपने होम्योपैथिक चिकित्सा में अपना रजिस्ट्रेशन किन-किन जगहों पर कराया है और रजिस्ट्रेशन नंबर कितना है।

उत्तर– मेरा रजिस्ट्रेशन होम्योपैथिक मेडिसिन बोर्ड उत्तर प्रदेश में जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर H028 454 तथा केंद्रीय होम्योपैथिक परिषद नई दिल्ली भारत सरकार में 2539 है।

प्रश्न– अभी तक आपने कितने पुस्तकों का लेखन किया है तथा समाज में इसका क्या प्रभाव रहा है।

उत्तर– मैंने होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की 156 पुस्तकों का लेखन किया है। हमारी प्रकाशित पुस्तकों के द्वारा समाज में जागरूकता उत्पन्न हुई है। लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हुए और समय रहते अपने इलाज के लिए तत्पर हुए हैं।

प्रश्न– आपने अब तक कितने निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर चुके हैं।

उत्तर– सैकड़ो निशुल्क चिकित्सा शिविर का लगा चुका हूं द्यविभिन्न स्थानों पर निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाने से वहां के स्थानीय लोगों को जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं उन्हें तत्काल सुविधा मिली।

प्रश्न –क्या आपका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है किसके लिए दर्ज है।

उत्तर– मेरा नाम होम्योपैथिक चिकित्सा क्षेत्र में लार्जेस्ट होम्योपैथी लेशन के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। विश्व का एकमात्र चिकित्सक हूं जो मेरा नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में होम्योपैथी के क्षेत्र में दर्ज है। इससे विश्व के तमाम देशों में स्वास्थ्य के प्रति कार्य करने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई जिसमें श्रीलंका, जापान, जर्मनी, लंदन, कंबोडिया आदि इत्यादि देशों में एक सकारात्मक संदेश गया। इसके अलावा वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक, इंटरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड आदि 58 वर्ल्ड रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज है।

प्रश्न– आपने होम्योपैथिक चिकित्सा की कौन-कौन सी पुस्तकों का लेखन किया है कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकों का नाम बताएं

उत्तर– होम्योपैथिक एनसाइक्लोपीडिया मटेरिया मेडिका, टेक्स्ट बुक ऑर्गनॉन ऑफ़ होम्योपैथिक मेडिसिन, होम्योपैथिक रिपोर्टरी एंड केस टेकिंग, होम्योपैथिक फार्मेसी, प्रैक्टिस ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन, द ह्यूमन एनाटॉमी, द ह्यूमन फिजियोलॉजी, जनरल पैथोलॉजी, होम्योपैथिक साइकोलॉजी, ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, टेक्सबुक ऑफ़ बायोकेमेस्ट्री, होम्योपैथिक मैटेरिया मेडिका भाग 1 भाग 2 भाग 3, होम्योपैथिक थैरेपीयूटिक्स, कैंसर एंड होम्योपैथी, होम्योपीडिया मैटेरिया मेडिका आदि।

प्रश्न आपके द्वारा होम्योपैथी में कोई शोध पत्र भी प्रकाशित किया गया है?

उत्तर जी हां मेरे विश्व के टॉप रिसर्च जर्नल पबमेड, स्कोपस, पीर रिव्यूड, यूजीसी केयर रिसर्च जर्नल में मेरे 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रश्न –होम्योपैथी क्या है?

उत्तर –होम्योपैथी शब्द का अर्थ है समान पीड़ा। जब एक स्वस्थ व्यक्ति को औषधीय रूप से प्रेरित पदार्थों की उच्च खुराक दी जाती है, तो वे कुछ लक्षण विकसित कर सकते हैं। होम्योपैथिक दवा या होम्योपैथी इस आधार पर काम करती है कि जब एक ही पदार्थ को पतला किया जाता है, तो वे विभिन्न कारणों से उत्पन्न होने वाले समान लक्षणों के उपचार में मदद करते हैं। होम्योपैथिक दवाएं रोगाणुओं पर हमला करने के लिए नहीं जानी जाती हैं, बल्कि रोग के कारण से लड़ने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देती हैं। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के अलावा, होम्योपैथिक दवाएं रोगी के मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और शारीरिक कल्याण को बढ़ावा दे सकती हैं, जो उपचार का एक अनिवार्य हिस्सा है।

प्रश्न - क्या होम्योपैथिक दवाओं का साइड इफेक्ट होता है?

उत्तर –होम्योपैथी एक पूरी तरह सुरक्षित चिकित्सा पद्धति है. एलोपैथी के तरह इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होताद्यअंग्रेजी मेडिसिन में आप जिस भी बीमारी के इलाज के लिए जिस भी दवा का सेवन करते हैं, उसका कोई न कोई साइड इफेक्ट जरूर होता है. ट्यूबरकुलोसिस की दवा टीबी का इलाज तो करती है, लेकिन साथ ही लिवर पर भी नकारात्मक असर डालती है। माइग्रेन के लिए ली जा रही दवा का साइड इफेक्ट ये है कि ये रक्त को पतला करती है. किसी भी तरह के दर्द के लिए हम जो पेनकिलर लेते हैं, वो पेनकिलर शरीर की इम्युनिटी को कमजोर कर रहा होता है लेकिन होम्योपैथी के साथ ऐसा नहीं है. इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है. यह दवा सिर्फ उस बीमारी और कष्ट का ही निवारण करती है, जिसके लिए वह दी जा रही है।

क्या होम्योपैथी द्वारा सभी रोगों का इलाज किया जा सकता है?

चिकित्सा की किसी भी अन्य प्रणाली की तरह, होम्योपैथी की भी अपनी सीमाएँ हैं। होम्योपैथी द्वारा विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज किया जा सकता है सिर्फ ऐसे मामलों के सिवाए जिसमें शल्य-चिकित्सा की आवश्यकता है। इसके अलावा, कुछ तथा-कथित शल्य-चिकित्सीय रोग जैसे कि बढ़े हुए टॉन्सिल, किडनी स्टोन, बवासीर, गर्भाशय के ट्यूमर इत्यादि का भी होम्योपैथी द्वारा इलाज किया जा सकता है।

प्रश्न –होम्योपैथी गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है?

उत्तर –होम्योपैथिक दवाएं अपनी प्रकृति में चूंकि आक्रामक नहीं होतीं, इसलिए यह गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों, शिशुओं और बुजुर्गों के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित हैं.द्यकमजोर शरीर पर इनका कोई नकारात?मक असर नहीं होता.

प्रश्न –होम्योपैथिक दवा कितने दिन में काम करता है?

उत्तर –होम्योपैथिक दवाओं के असर करने का समय कई कारकों पर निर्भर करता है। अगर रोग की हाल ही में उत्पत्ति हुई है तो इलाज कम समय में ही पूरा किया जा सकता है। ऐसे में, अगर दवा का चयन, प्रभावशीलता एवं पुनरावृत्ति का समय सही हो तो होम्योपैथिक दवाएं जल्द असर करती हैं।

प्रश्न –क्या यह सच है कि होम्योपैथिक इलाज के दौरान चाय, प्याज, लहसुन आदि का सेवन करना मना होता है?

उत्तर –नहीं यह सच नहीं है, होम्योपैथिक इलाज के दौरान प्याज, लहसुन, चाय, कॉफी, पान इत्यादि का सेवन करना मना नहीं होता है।

प्रश्न –क्या मधुमेह के रोगी ऐसी होम्योपैथिक दवाओं का सेवन कर सकते हैं जिसमें चीनी होती है?

उत्तर -हाँ, मधुमेह के रोगी चीनी युक्त होम्योपैथिक दवाओं का सेवन कर सकते हैं क्योंकि इन दवाओं में चीनी की मात्रा बहुत कम होती है। जरूरत अनुसार, यह दवाइयां आसुत जल के साथ भी ली जा सकती हैं।

19 लाख के 111 मोबाइल फ़ोन बरामद करने में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। मोबाइल रिकवरी सेल टीम द्वारा गुमशुदा/चोरी कुल- 111 मोबाइल (कीमत लगभग 19 लाख रुपये) रिकवरी कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक डॉ0 श्री कौस्तुभ के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) विशाल पाण्डेय, अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) श्याम देव के पर्यवेक्षण में जनपद अम्बेडकरनगर के विभिन्न थाना क्षेत्रान्तर्गत आमजन के चोरी हुए व गुम हुए मोबाइलों की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक अम्बेडकरनगर के आदेशानुसार पुलिस कार्यालय पर गठित मोबाइल रिकवरी सेल टीम (सर्विलांस सेल) द्वारा लगातार अथक प्रयास के फलस्वरूप विभिन्न जगहों से कुल-111 अदद मोबाइल (कीमत करीब 19 लाख रुपये) को बरामद कर सम्बन्धित मोबाइल धारकों को मोबाइल प्राप्त करने हेतु सूचित किया गया।

प्रदेश के सभी जनपदों में होंगे कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। भगवान गौतम बुद्ध धरा आज भी दुनिया को राह दिखाने की क्षमता रखती है। भगवान गौतमबुद्ध ने विश्व में शांति का संदेश लेकर जो प्रयास किए वह आज सबके सामने है। आज के दौर का यह इलाका नए सिरे से, नए अंदाज में नई राह दिखाने को तत्पर हो गया है, मगर इसका श्रेय जाता है, जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर को। नित्य नवोन्मेष करने में सदा प्रयासरत रहने वाले डीएम ने जनपद के माध्यमिक स्कूलों के अपनी रडार पर लिया। अध्ययनरत बच्चे किस दिशा में अपना कॅरियर बनाएं, इस उलझन को दूर करने के लिए उन्होंने मेगा कॅरियर काउंसलिंग का इंतजाम किया। देश के प्रतिष्ठित कांउसलरों को बुलाया, बच्चों से संवाद कराया और यह सब हो गया

कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम को सभी जनपदों में कराने के निर्देश

राज्य परियोजना निदेशक ने सभी डीआईओएस को भेजा पत्र

तो शासन भी प्रभावित हो गया। इस आयोजन को नजीर मानते हुए अब शासन ने प्रदेश के सभी जनपदों में कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम कराते हुए मय फोटो 15 दिसंबर तक सूचना भेजने के लिए निर्देशित किया है।

विदित हो कि बीते 19 नवंबर को जिला मुख्यालय के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जनपद बनने के बाद ऐसा कार्यक्रम पहला था। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर के नित्य नवाचार करने का यह भी एक हिस्सा था। इस कार्यक्रम में एक हजार बच्चे शामिल हुए थे, जबकि 30 हजार बच्चे यू-ट्यूब के माध्यम से लाइव प्रसारण देखा। इस दौरान मोटीवेशनल स्पीच, सिविल सर्विसेज, लॉ, इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन, मेडिकल क्षेत्र, विविध यथा स्किल विकास, इनोवेशन डिजाइन, संगीत, खेल, कला इत्यादि के बारे में विशेषज्ञों की ओर से बच्चों को अहम और महत्वपूर्ण जानकारियां दी। डीएम के विशेष रूचि को साकार करने में तत्कालीन जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान समेत लोनिवि के अधिशासी अभियंता कमल किशोर, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तन्मय, प्रबंधक ग्रामोद्योग दीपक मिश्र, डीएसओ देवेंद्र प्रताप सिंह, बीएसए देवेंद्र कुमार पांडेय, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य नीरज कुमार शुक्ला, जीआईसी नौगढ़ के प्रधानाचार्य दयाशंकर यादव, पचमोहनी के करूणाकांत, जीआईसी डुमरियागंज के अभिषेक कुमार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी वीरेंद्र गुप्ता, अपर जिला सूचना अधिकारी विमलेश कुमार, अधिशासी अधिकारी विंध्याचल के अलावा माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यो की भूमिका अहम रही। समग्र शिक्षा-माध्यमिक की राज्य परियोजना निदेशक कंचन वर्मा की ओर से सभी डीआईओएस को पत्र भेजा गया है। पत्र में सिद्धार्थनगर जनपद के कॅरियर काउंसलिंग कार्यक्रम की भांति अपने-अपने जनपदों में कराते हुए 15 दिसंबर तक कार्यक्रम कराकर मय फोटो सूचना निर्धारित प्रारूप पर देने के लिए निर्देशित किया है।

मानसिक बीमारी, बौद्धिक विकलांगता/ अक्षमताओं वाले व्यक्तियों के लिए विशिष्ट विधिक सेवा इकाई का गठन

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिद्धार्थनगर द्वारा मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांगता/ अक्षमताओं वाले व्यक्तियों के लिए विशिष्ट विधिक सेवा इकाई (Legal Services Unit for Persons with Mental Illness and Persons with intellectual Disabilities Called "Manonyay" (LSUM) का गठन किया गया है।

जनपद एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विरजेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में गठित इस इकाई के अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पदेन सचिव होंगे। कमेटी में पैनल अधिवक्ताओं के अलावा अधिकार मित्र (पैरा लीगल वॉलेंटियर) को भी शामिल किया गया है। साथ ही सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी के रूप में अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत परवेज अहमद, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल को भी सदस्य बनाया गया है। गठित इकाई का उद्देश्य मानसिक वीमारी वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांगता / अक्षमताओं वाले व्यक्तियों के लिए सभी नागरिक प्रशासनिक, आपराधिक और संबंधित मामलों में कानूनी सहायता प्रदान करना है।

गठित इकाई के सभी सदस्यों को दिया गया दो दिवसीय प्रशिक्षण

सभी सदस्यों को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एडीआर भवन, दीवानी न्यायालय परिसर में दिनांक 2 एवं 3 दिसम्बर को आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में मनोज कुमार तिवारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, परवेज अहमद अध्यक्ष स्थाई लोक अदालत, अश्वनी कुमार मिश्र चीफ लीगल एंड डिफेंस काउन्सिल, फराज अहमद डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउन्सिल, डा0 मोहम्मद अफजल सहायक आचार्य मनोरोग विभाग माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज, राजेश मणि निदेशक मानव सेवा संस्थान द्वारा विशिष्ट विधिक सेवा इकाई के सदस्य माहताब हैदर रिजवी, पैनल अधिवक्ता, जयबहादुर सिंह, विनोद कुमार चर्तुवेदी, नवनीत कुमार द्विवेदी, संजय कुमार पाठक व कृष्णकांत त्रिपाठी, चन्द्रधर चौहान पराविधिक स्वयं सेवक, रमानाथ मिश्र, मनोज कुमार, सुश्री मनीषा मिश्रा, सुनील कुमार, अभय कुमार द्विवेदी, मुकेश कुमार एवं रामचन्द्र पराविधिक स्वयं सेवक को प्रशिक्षित किया गया। साथ ही साथ विधिक सेवा इकाई के दो सदस्यों कमशः दुर्गेश मिश्र जेल पराविधिक स्वयं सेवक एवं श्रीमती अफसाना जेल पराविधिक स्वयं सेवक को ऑन लाईन वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

मीट, मुर्गा व मछली के दुकानदारों ने नगर पालिका अध्यक्ष के साथ जिलाधिकारी से अपनी पीड़ा से कराया अवगत

बांसी सिद्धार्थनगर। एन एच 233 के निकट से हटाए गए मीट, मुर्गा व मछली के दुकानदारों ने नगर पालिका अध्यक्ष चमन आरा राईनी के साथ जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर से मंगलवार को मिलकर अपनी पीड़ा से उन्हें अवगत कराया। दुकानदारों ने कहा कि वह बेरोजगार हो गए हैं उनके सामने रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है । जिलाधिकारी कस्बे के आजाद नगर में स्थित पोखरे के सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण करने आए थे। यह जानकारी होने पर सैकड़ों की संख्या में मीट मुर्गा व मछली के व्यापारी आजाद नगर पोखरे पर पहुंच गए और अपनी फरियाद उन्हें सुनाया ।व्यापारियों की फरियाद सुनने के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि आपकी समस्या का समाधान हम अविलंब कर देंगे। उन्होंने तहसीलदार बांसी पीयूष श्रीवास्तव, नगर पालिका के चेयरमैन चमन आरा राईनी व मुकेश कुमार को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द भूमि उपलब्ध कराकर वहां इन्हें दुकान लगाने की अनुमति दिया जाये।

गर्भवती महिलाओं के शीघ्र पंजीकरण, संस्थागत प्रसव तथा टीकाकरण के लिए किया प्रेरित

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र अंतर्गत सीएचसी सिरसिया अधीक्षक डॉ शैलेन्द्र मणि ओझा, बीएमसी सूर्य देव सिंह तथा बीसीपीएम मेराज अहमद ने आयोजित संचार गतिविधि एवं माता जागरूकता बैठक का निरीक्षण किया। ग्राम धनोहरी तथा चिताही पहुंचकर संचार गतिविधि के तहत ग्राम वासियों को गर्भवती महिलाओं के शीघ्र पंजीकरण, संस्थागत प्रसव तथा टीकाकरण के लिए प्रेरित किया।

अधीक्षक ने ग्रामीणों से टीकाकरण सत्र स्थल पर पहुंचकर गर्भवती महिलाओं की जांच करवाने की अपील की।चिताही में पहुंचकर डॉ. शैलेंद्र मणि ओझा ने आशा बहू लक्ष्मी और एएनएम कुसुम लता के साथ नवजात शिशु देखभाल कार्यक्रम का भौतिक सत्यापन किया। सत्यापन सत्यापन के दौरान आशा बहू का कार्य अपूर्ण व एएनएम के द्वारा नियमानुसार सुपरविजन का कार्य नहीं किया गया पाया गया,इस पर अधीक्षक ने नाराजगी जाहिर करते हुए आशा बहू एवं एएनएम कड़ी फटकार लगाई। दोनो को अगले एक महीने में अपने से संबंधित कार्य में सुधार परिलक्षित नहीं होने कार्रवाई की चेतावनी दी।

केजरीवाल हमले की सियासत

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर एक बार फिर किसी ने हमला किया। एक नाराज नागरिक ने पूर्व मुख्यमंत्री पर पानी फेंका, जिसे 'आप' नेताओं ने 'स्प्रिट' करार दिया। कुछ ने तेजाब जैसा ज्वलनशील माना। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बेहद उत्तेजित, पर भ्रामक आरोप चस्पा किया कि भाजपा समर्थक व्यक्ति ने केजरीवाल को जिंदा जलाने की कोशिश की, क्योंकि हमलावर के हाथ में माचिस भी थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने हमले का पूरा आरोप भाजपा और केंद्र सरकार पर मढ़ दिया। यह हास्यास्पद और सवालिया है कि केंद्र सरकार एक चर्चित विपक्षी नेता की मौत पर राजनीति क्यों करेगी? क्या ऐसा साबित होने से देश भर में भाजपा के खिलाफ आम आदमी का रोष और गुस्सा नहीं भडक़ेगा? क्या 'आप' के नेता अतिशयोक्तिवाद की ही राजनीति के आदी हैं? बहरहाल केजरीवाल पर हमला कोई सामान्य घटना नहीं मानी जा सकती और न ही उसे हल्के में लिया जा सकता है। एक पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा में सेंध लगाई गई है। एक सुरक्षा-व्यवस्था की दरारें स्पष्ट हुई हैं। केजरीवाल पर काली स्याही फेंक कर भी हमला किया गया था। किसी ने उन पर जूता भी उछाला था। शायद एक विक्षुब्ध नागरिक ने उन्हें थप्पड़ मारने की भी कोशिश की थी ! ये तमाम हमले 'मुख्यमंत्री केजरीवाल' पर किए गए थे। वे आरोपी कौन थे? किसी साजिश का हिस्सा थे? अथवा केजरीवाल की राजनीति से असंतुष्ट थे? इन सवालों के ठोस जवाब हमारे सामने नहीं हैं। दरअसल पहले केजरीवाल प्रधानमंत्री मोदी को गरियाया करते थे, अब उनके निशाने पर गृहमंत्री अमित शाह हैं। दिल्ली में सुरक्षा-व्यवस्था की पूरी जवाबदेही गृहमंत्री की ही है, बेशक दिल्ली 'अपराध की राजधानी' बन चुकी है। अपराध के आंकड़े खुलासा करते हैं कि औसतन 3 महिलाएं हररोज बलात्कार का शिकार होती हैं। यह तो दर्ज आंकड़ों का सच है। जो वारदात दर्ज नहीं होतीं, उनके सच की कल्पना ही की जा सकती है। राजधानी में खुलेआम और अक्सर गोलियां चलती हैं, हत्याएं की जाती हैं, कुछ हत्याएं बेहद बर्बर और राक्षसी तरीके से की गई, फिरौती-वसूली का धंधा सरेआम चल रहा है और खासकर व्यापारियों को धमकियां दी जाती हैं। आजकल कुछ आपराधिक गिरोहों के नाम भी सुर्खियों में हैं। बहरहाल केजरीवाल पर हमले की शुरुआती जांच में पुलिस ने खुलासा किया है कि एक बोतल में करीब 500 एमएल पानी भर कर उससे हमला किया गया था। बोतल में न तो स्प्रिट थी और न ही कोई अन्य ज्वलनशील द्रव्य था। हमलावर पूर्व बस मॉर्शल था। ये सभी अपनी पक्की नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

सुगम्य भारत अभियान : सार्वभौमिक सुगमता कार्यान्वयन

डॉ अंजली अग्रवाल

सुगमता एक दिव्यांगों के लिए समावेशी दुनिया के निर्माण में पहली आवश्यकता है। पहुँच सुनिश्चित किए बिना, दिव्यांग व्यक्तियों को प्रदान किए गए अन्य सभी अधिकार अर्थहीन हो जाते हैं। दुनिया को दिव्यांगता-समावेशी बनाने के लिए आवश्यक है (1) जो अतीत की त्रुटियों को सुधारता है और (2) जो भविष्य की योजना बनाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अतीत की त्रुटियाँ दोहराई नहीं जाती हैं और अतीत की त्रुटियों को सुधारने के लिए, पूर्व में निर्मित दुर्गम वातावरण का नवीनीकरण और पुनर्निर्माण करना और उसे सुलभ बनाना समय की आवश्यकता है। निर्माण, परिवहन और सूचना एवं संचार के ईकोसिस्टम में प्रदान की गई सुगमता के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों का पूर्ण समावेशन और समान भागीदारी नितांत आवश्यक है। बाधाएँ न केवल उन लोगों के लिए मौजूद हैं जिन्हें जन्म से या जीवन के शुरुआती दौर में दिव्यांगता है, बल्कि बुजुर्गों के लिए भी, जो सुनने, देखने, गतिशीलता या मैनुअल कौशल में कमी का अनुभव कर सकते हैं; और ये कठिनाइयाँ सुलभ बुनियादी ढाँचे की माँग कर सकती हैं।

उद्देश्यः- सभी नागरिकों, जिसमें बुजुर्ग और दिव्यांग व्यक्ति शामिल हैं, के लिए सार्वभौमिक सुगमता (पहुँच) प्राप्त करने के लिए, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का एक राष्ट्रव्यापी प्रमुख अभियान, सुगम्य भारत अभियान, 3 दिसंबर, 2015 को शुरू किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य भारत की 15 प्रतिशत आबादी, जिनमें किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता है, द्वारा सामना की जाने वाली अप्राप्यता को दूर करना है। यह तीन क्षेत्रों पर केंद्रित है-निर्मित पर्यावरण में पहुँच, परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र और सूचना और संचार प्रौद्योगिकियाँ (आईसीटी)। यह देश में सार्वभौमिक पहुँच के कार्यान्वयन को सुगम्य भारत सशक्त भारत के मिशन के साथ अनिवार्य करता है।

एक्शनः वर्ष 2016 में, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने दिव्यांगता वाले विशेषज्ञों और सुगमता पर काम करने वाले लोगों के साथ एक संचालन समिति का गठन किया और सभी क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से सुगमता कार्यान्वयन के लिए लक्ष्यों और समय-सीमा के साथ एक रणनीति पत्र विकसित किया। विभाग द्वारा आगे की कार्रवाई के लिए सुलभ नहीं होने वाली साइटों और भवनों की जानकारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पोर्टल और ऐप भी विकसित किया गया था। यह अभियान, अधिनियम, 2016 के सुगमता के नियमों दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों के अध्याय VI, पहुँच और धारा 15, के साथ तालमेल बिठाता है। सुगमता ऑडिट, दिशानिर्देशों का विकास, कोड और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यशालाएँ करना अभियान के उद्देश्य को पूरा करने के लिए की गई कुछ गतिविधियाँ हैं।

समारोह : दिनांक 3 दिसंबर, 2024 को अभियान के शुरू होने के 9 वर्षों के बाद, यह दृढ़ता से महसूस किया गया है कि यद्यपि कानून के अनुसार सुगमता अनिवार्य है और अभियान ने जागरूकता बढ़ाई है व हितधारकों और सेवा प्रदाताओं के रवैये को बदल दिया है। हालाँकि, कई अधिकारियों को जीवन के सभी क्षेत्रों में सुगम्य वातावरण को लागू और सुदृढ़ करना बाकी है। इसके लिए, हम सभी को सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय सुगमता मानकों और सार्वभौमिक डिजाइन के सिद्धांतों को अपनाना, लागू करना, निगरानी करना और लागू करना÷ चाहिए, जिससे सभी को लाभ होता है।

भविष्यः इसलिए, सुगम्य भारत अभियान दिव्यांग व्यक्तियों को स्वतंत्र रूप से जीने और जीवन के सभी पहलुओं में पूरी तरह से भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए सार्वभौमिक सुगमता को बढ़ाने और कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जनता के लिए खुली/प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं और सेवाओं के लिए दूसरों के साथ समान आधार पर उनकी समान पहुँच भी सुनिश्चित करेगा।

भागीदारीः समावेशन और सशक्तिकरण में बाधाओं को दूर करने के लिए सुलभ बुनियादी ढाँचा प्रदान करने में निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों दोनों को भूमिका निभानी है। हम व्यवसायों और कॉर्पोरेट संस्थानों, केंद्र और राज्य सरकार, दिव्यांग व्यक्तियों, दिव्यांगों की संस्थाओं (ओपीडी), नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ), गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) और अन्य सभी से हमारे सार्वजनिक और निजी भवनों, परिवहन बुनियादी ढाँचे और डिजिटल दुनिया को जल्द से जल्द सुगम बनाने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान करते हैं। यह किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना और अधिकार को वास्तविक बनाना की गारंटी देगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।
पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिज़वी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhnamahindi@gmail.com,

सांस्कृतिक पहचान को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक विरासत को कुचलने की चेष्टाएं अतीत से लेकर वर्तमान तक होती रही है। बहुत बड़ा सच है कि अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया।

हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल भी रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास को उजागर करने एवं ऐतिहासिक विरासत को धुंधलाने एवं कुचलने की कुचेष्टाओं का परिमार्जन करने के लिये तत्पर हुए है, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है।

अयोध्या, काशी, मथुरा के बाद संभल और अजमेर दरगाह जैसे मामलों में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे प्रयासों के द्वारा अशांति फैलाने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इतिहास बड़ी भूलों को सुधारना एवं वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। लेकिन, इसमें एक बड़ी बाधा है पूजा स्थल अधिनियम, 1991, जो देश में आजादी से पहले से मौजूद धार्मिक स्थलों जुड़े तथ्यों की खोजबीन की भी अनुमति नहीं देता है? क्या इसके चलते देश में आक्रांतवादी सोच एवं देश की विरासत को धुंधलाने की कोशिश पर पर्दा ही पड़ा रहेगा? ऐतिहासिक अन्याय, अत्याचार एवं राष्ट्र-विरोधी सोच एवं सच्चाई तो सामने आनी ही चाहिए। इस देश में उन विघटनकारी एवं संस्कृति-विरोधी लोगों की मर्जी कब तक चलती रहेगी? कब तक बात-बेबात हंगामा होता रहेगा? कब तक सांस्कृतिक पहचान को बेमानी साबित करने के षडयंत्र होते रहेंगे? इस सच से इंकार नहीं किया जा सकता कि इतिहास से न केवल छेडछाड़ हुई है बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को निस्तेज भी किया गया है। इसी बात को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उजागर करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह भी कह चुके हैं, यह बात पूर्व में भी बार-बार अनेक नेताओं ने कही है, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई चोड़ी ही होती है, झूठे इतिहास को ही लोग सच मानने से उनकी अपनी परम्परा एवं इतिहास के प्रति आस्था की बजाय घृणा बढ़ती है। अपनी इतिहास एवं संस्कृति की विलक्षण एवं विशेषताओं से दूरी बनाकर झूठे इतिहास के कसीदें पढ़ने से राष्ट्र के प्रति गौरव का भाव क्षीण होता है। ऐसी स्थितियों में राष्ट्रीय एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के गौरवपूर्ण क्षण कैसे सामने आ सकते हैं। झूठे इतिहास के कारण लोग संगठित कैसे हो सकते हैं? उनके स्वर विपरीत ही होते हैं, जिससे एक-दूसरे से जुड़ना तो दूर आपसी द्वेष, नफरत एवं द्वंद्व की स्थितियां ही राष्ट्र पर हावी होती है। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निर्माता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। हमें एक असहिष्णु, उन्मादी एवं कट्टरवादी समाज बनने के रास्ते पर ही नहीं, बल्कि भीतर से ज्यादा से ज्यादा विभाजित एवं कमजोर समाज बनने के रास्ते पर धकेला जा रहा है। इस तरह की स्थितियां एवं मुहिमें देश की एकता एवं अखण्डता पर आघात करती है। भारतीयों ने गणित व खगोल विज्ञान पर प्रामाणिक व आधारभूत खोज की। शून्य का आविष्कार, पाई का शुद्धतम मान, सौरमंडल पर सटीक विवरण आदि का आधार भारत में ही तैयार हुआ। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार इसी देश ने किया। अहिंसा यहां की जीवनशैली का सौन्दर्य रहा है, विविधता में एकता को हमने जीकर दिखाया है, लेकिन हमारी उदारता को आक्रांताओं एवं विभाजनकारी ताकतों ने हमारी कमजोरी मान लिया है। यही कारण है कि तात्कालिक एवं अतीत की कुछ नकारात्मक घटनाओं व प्रभावों ने जो धुंध हमारी सांस्कृतिक जीवन-शैली पर आरोपित की है, उसे सावधानी पूर्वक हटाना होगा। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें और सवारें तथा उसकी मजबूत आधारशिला पर खड़े होकर नए मूल्यों व नई संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें। ऐसा करके ही हम नया भारत-सशक्त भारत निर्मित कर पायेंगे। समृद्ध संस्कृति भारत की एक विरासत है। इसमें धर्म, अध्यात्मवाद, ललित कलाएं, ज्ञान विज्ञान की विविध विधाएं, नीति, दर्शन, विधि, विधान, जीवन प्रणालियां और वे समस्त क्रियाएं और कार्य हैं जो उसे महान बनाती है। समय-समय पर इसका विविध संस्कृतियों के साथ संघर्ष, मिलन, परिवर्तन, परिवर्धन और आदान-प्रदान हुआ है। भारतीयों की अनेक भावनाओं पर शताब्दियों से समय-समय पर आती रहने वाली विविध जातियों ने बहुत पहले से ही अपना न्यूनाधिक प्रभाव डाल रखा था। परंतु इस्लाम के आ जाने पर भारतीय संस्कृति में एक हलचल सी मच गयी, सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करने के सलक्ष्य प्रयत्न हुए, कला, धार्मिकता, शिल्प के मन्दिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों का निर्माण कराया गया। लेकिन इन ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का अवकाश तो हमेशा से रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने संभल मस्जिद मामले में 29 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत की कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा दी।

नन्हे बच्चों का कुपोषण देश का अभिशाप

संजीव ठाकुर

"बच्चे देश के भविष्य होते है यदि देश का भविष्य ही कुपोषित रहेगा, कमजोर रहेगा तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना करना बेमानी होगा। भारत में बच्चों के भुखमरी तथा कुपोषण एक बड़े अभिशाप की तरह सामने आ रहे हैं यह देश की एक प्रमुख समस्या भी है। देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50 प्रतिशत बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैं। देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता है। देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय अलग खोल के रखा गया है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता है। मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय सोचनीय तथा विचारणीय पहलू है।

सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैंद्य इस दिशा में गंभीर कब होंगे हम। इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश है। विगत दिनों करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई हैद्य सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 18 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 16लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैंद्य जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए।जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगाद्य पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है जिनमें 1,57 लाख बच्चे अल्प कुपोषित तथा 4,58 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। दूसरे नंबर पर बिहार प्रदेश आता है जहां 5लाख कुपोषित बच्चे और तीसरे नंबर पर गुजरात प्रदेश होता है जहां 3:30 लाख बच्चे कुपोषित हैंद्य महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्य प्रदेश बहुत सक्षम और देश के बड़े राज्य हैं, यहां पर स्वास्थ्य विभाग पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, फिर ऐसी क्या वजह है कि बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा तथा चिंताजनक हो गई हैद्य कुपोषित बच्चे भी बड़े होते हैं तो वह कई बीमारियों को लेकर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और इससे उनकी लंबाई तथा स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है देश के 34त्न कुपोषित बच्चों का कद औसत कद से बहुत कम हो जाता हैद्य 21त्न बच्चे जो कुपोषण के कारण यदि वह बच भी जाते हैं तो उनका वजन अत्यंत कम हो जाता है। ऐसे कम लंबाई तथा कम वजन के बेचारे बच्चे देश का क्या भविष्य बना पाएंगे या देश में अपना योगदान क्या दे पाएंगे। इसीलिए भारत सरकार राज्य सरकारों को कम से कम बच्चों की तरफ तो ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगीद्य वैश्विक भूख सूचकांक(ग्लोबल हंगर इंडेक्स) के आंकड़ों के हिसाब से 2021 में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है इस मामले में वह अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से काफी पीछे हैद्य इस मामले में भारत 2020 में ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार 94 वें स्थान में था, और आज की स्थिति में 101 वे स्थान में पहुंच गया है। इसका सीधा सीधा मतलब है कि हर वर्ष कुपोषण से शिकार बच्चों की संख्या बेतहाशा बढ़ रही है। कुपोषण के मामले में भारत की राजधानी दिल्ली भी पीछे नहीं है दिल्ली प्रदेश की स्थिति भी चिंताजनक है अधिकारी और मंत्री भले बड़े-बड़े दावे करने में पीछे नहीं हटते हैं पर बच्चों की स्थिति चिंताजनक है,दिल्ली में ही 2लाख बच्चे कुपोषित हैं, आंध्र प्रदेश में 2,70 लाख बच्चे कुपोषित हैं, कर्नाटक में 2,5 लाख बच्चे उत्तर प्रदेश में 19लाख बच्चे,तमिलनाडु में 1,80लाख ,असम में 1,80लाख और तेलंगाना में 1,60 लाख बच्चे कुपोषण की स्थिति में जी रहे हैं। इस देश में जहां अरबों रुपए सरकार के 40 से ज्यादा विभागों में सालाना खर्च किए जा रहे हैं, तो यह स्वास्थ्य विभाग में विशेष तौर पर बच्चों के लिए खर्च करने रिसर्च करने और उन पर विशेष ध्यान देने में कोताही क्यों बरती जा रही है। यह तथ्य न सिर्फ चिंतनीय है बल्कि स्वास्थ विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी महिला तथा बालकों के विकास के लिए विशेष अभियान चलाकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा हेतु निर्देशित किया है। वैश्विक आंकड़े भी यही बताते हैं कि बच्चों को जो कि किसी भी देश का भविष्य होते हैं कुपोषण से हर तरह से सुरक्षित किया जाना सुनिश्चित करना होगा ,अन्यथा ये कुपोषित बच्चे ही आगे चलकर देश के नागरिक नागरिक बनेंगे। ऐसे में आप स्थिति की कल्पना कर सकते हैं देश की विशाल जनसंख्या को देखते हुए बच्चों के कुपोषण की दर जरूर कम है, लेकिन हर साल इनके कुपोषण की दर की वृद्धि चिंताजनक परिणाम देने वाली ना हो इस पर हम सबको ध्यान देना होगा।

कविता

संजीव -नी।

चलो थोडा मुस्कुराते है।।
चलो थोडा मुस्कुराते है
इस दवा को आजमाते है।
कठिनाई में खिलखिलाते है,
मुसीबत में भी मुस्कुराते हैं।
जिसकी आदत है मुस्कुराना,
वो ही ज़माने को झुकाते है।
मायुसी विषाद की जड़ होती है,
उदासी मुस्कुराहट से मिटाते है।
मुस्कुराना ही औषधि है बेहतरीन,
चलो इस दवा को भी आजमाते है।
खरीदी न बेचीं जाती मुस्कुराहट,
अनमोल है यह चलो मुस्कुराते है।
बेहतरी के नाम पर मुस्कुराते है,
सुनहरे कल के लिए मुस्कुरातें है।

आओ एक और एक ग्यारह बनें

किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर भारत में गूंज रहे नारों बाटेंगे तो काटेंगे, एक हैं तो सेफ़ हैं का आगाज़ पूरी दुनियाँ के हर देश में हो रहा है, लोग अपने-अपनी सोच से इसका अर्थ निकाल रहे हैं। मैंने 3 दिसंबर 2024 को सुबह सोशल मीडिया में एक हमारे मुस्लिम भाई के विचार सुने तो उनकी बुद्धि का लोहा माना,उन्होंने कहा यह दोनों नारे हमारे पूरे भारत की जाति धर्म मतभेद दंगे फसाद भुलाकर एक होने के लिए है, ताकि हम भारत को विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, विकसित देश व वैश्विक गुरु बना सके अगर हम आपस में ही जाति धर्म में उलझे रहे तो विज़न 2047 कभी पूरा नहीं होगा, इसलिए यह दोनों नारे सटीक बैठ रहे हैं इसका अर्थ एक और एक ग्यारह से लगाएं,जाती धर्म समुदाय से जोड़कर ना देखे!! बस, मैं उनका अर्थ पारदर्शिता से समझ गया व इसपर आर्टिकल बनाने की तैयारी कर रिसर्च किया, विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या भारत की है (1) भारत-142.86 करोड़ (2) चीन-142.57 करोड़ (3) अमेरिका -34.43 करोड़ (4) इंडोनेशिया- 27.38 करोड़ (5) पाकिस्तान-23.14 करोड़ इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

142.8 करोड़ जनसंख्या एक-एक कदम चलते हैं तो 142.8 करोड़ कदम आगे बढ़ते हैं तभी विश्व को जीत सकेंगे आओ एक और एक ग्यारह बने-बटेंगे तो कटेंगेएक है तो सेफ़ हैं,पूरे भारत के परिपेक्ष में सकारात्मक सोचें भारत के बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों, कौशलता निपुण विद्वानों कुछ्ल नेतृत्व धारक मनीषियों के विचारों का हमारे देश में अण्खुट खज़ाना है,हालांकि इनकी वैचारिक शक्ति का प्रयोग और क्रियान्वयन भी संस्कारों की जननी भारत माता के गोद में किया जाता है। परंतु वर्तमान समय में हमारे भारतवर्ष में जो एक विषय जोरों से चर्चा में है, उस पर बहुत गंभीरता से हर देशवासी को सकारात्मक सोचना होगा यह विषय है!142 करोड़ जनसंख्या के कार्यबल, बुद्धि कौशल और शुभ संकल्प का संपूर्ण क्षमता के साथ दोहन करना।

साथियों यह विषय अगर हर भारतीय नागरिक जिसमें राजनैतिक शासन-प्रशासन, पक्ष विपक्ष, सभके समझ में आ गया, व उसका क्रियान्वयन पूर्ण स्केल के साथ करना शुरू हुआ तो दुनियाँ की कोई ताकत भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ विकसित देश बनाने में नहीं रोक सकती साथियों बात अगर हम माननीय पीएम जापान के टोक्यो में क्वाड शिखर सम्मेलन 2024 में भाग लेने के दौरान भारतीय समुदाय से बातचीत की करें तो उन्होंने कहा था आज हिन्दुस्तान से 130 करोड़ लोग और मैं जापान में बैठे हुए लोगों की भी आंखों में वही देख रहा हूं 130 करोड़ देश्वासियों का आत्मविश्वास संकल्प, सपने और इस 130 करोड़ सपनों को पूर्ण करने का ये विराटसामर्थ्य परिणाम निश्चित लेके रहेगा दोस्तों। हमारे सपनों काभारत हम देखके रहेंगे।आज भारत अपनी सभ्यता,अपनी संस्कृति अपनी संस्थाओं के, अपने खोये हुए विश्वास को फिर से हासिल कर रहा है। साथियों बात अगर हम कुछ अवधि से चर्चाओं में चल रहे विषय जाति आधारित जनगणना और जनसंख्या नियंत्रण कानून की करें तो हालांकि नीतिगत फैसला अभी नहीं हुआ है। परंतु अभी ज़रूरत है वर्तमान ज़नसंख्या स्थिति को संज्ञान में लेकर उसके कार्यबल, बौद्धिक कौशलता का उपयोग करने के रणनीतिक रोडमैप बनाने की, क्योंकि भारत माता की मिट्टी के गुण इतने प्रभावी हैं कि यहां हर नागरिक में किसी न किसी कौशलता बुद्धिमता का गुण समाया हुआ है! बस! ज़रूरत है उसे तराशने की, उचित ट्रेनिंग देने की, जिसमें अगर हम सफ़ल हो जाते हैं तो रोज़गार मांगने वाला रोज़गार सृजनकर्ता बन जाएगा।142.8 करोड़ लोगों के हाथों में काम होगा तो हम भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच क्या? 25 ट्रिलियन डॉलर तक की अर्थव्यवस्था भी ले जाने की क्षमता रखते हैं। साथियों अगर हम वैश्विक रचना पर नजर घूमाएं तो हमारा एक राज्य यूपी,दुनियाँ के सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देशों के पांचवे देश के नम्बर में है,तो हम विचार करें कि, हमारे एक संयुक्त भारत में आज राज्य 35 हैं तो हमसे बहुत छोटी जनसंख्या वाले देशों के नागरिकों के हाथ में काम है, और कौछलता है तथा उनका जीवन स्तर उच्चतर है, तो फिर भारत में तो अपेक्षाकृत अधिक बुद्धि कौशलता और कार्य करने की क्षमता और काबिलियत है! हम तो उनसे कई गुना आगे बढ़ सकते हैं,बस जरूरत है उसे तराशने की जो काम राजनीतिक कौशलबुद्धि और वैचारिक एकता के मंत्र को अपनाने पर क्रियान्वयन होगा, यांने वैश्विक स्तरपर एक है तो सेफ है, बाटेंगे तो काटेंगे। साथियों बात अगर हम 135 करोड़ साथियों के कार्यबल बुद्धि कौशलता के निखार की करें तो हालांकि अलग अलग मंत्रालयों के तहत कार्य योजनाएं चलाई जा रही है। व कौशलता विकास मंत्रालय भी बना हुआ है परंतु मेरा एक सुझाव है जिस तरह से सेनाओं के तीनों अंगों के लिए एक पीडीएफ पद का सृजन कर नियुक्ति की गई है ठीक उसी प्रकार 142.8 करोड़ जनसंख्या के लिए अलग-अलग मंत्रालयों के तहत कार्यबल बुद्धि कौशलता क्षमता का उपयोग करने बनाए गए अपने-अपने विभाग के रणनीतिक रोडमैप को एक सूत्रीय पद याने एक विशेष मंत्रालय बनाकर यानें तालमेल के लिए उस मंत्रालय का सृजन कर माननीय पीएम के अंतर्गत दिया जाए तो इस कार्य में तीव्रता से वृद्धि होगी और हमारी 142.8 करोड़ जनसंख्या की कार्यक्षमता और उनकी कौछल क्षमता के दोहन का अभूतपूर्व विकास होगा और हम शीघ्र ही लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे और आत्मनिर्भर बहुत तेज़ी से बनेंगे।

साथियों बात अगर हम जातिगत, राजनीतिक स्थिति आंदोलनों, आरक्षण की लड़ाई की करें तो मेरा मानना है कि अगर 142.8 करोड़ पूरी जनसंख्या को उनके कार्यबल और कौछलता का आभास करा कर उनको निख़ारा जाएगा तो उनको यह एहसास कराकर सफ़लता की चाबी उनको दी गई, तो उपरोक्त सभी मामलों का अंत होने की भी संभावना है, क्योंकि हर हाथ में रोज़गार होगा तो जातीयता, आरक्षण, राजनीति, नकारात्मकता की ओर किसी का ध्यान नहीं जाएगा, हालांकि अगर हम इस मुद्दे को नकारात्मकता से संज्ञान में लेकर विश्लेषण करें तो नकारात्मक रिजल्ट ही निकलेगा इसीलिए हमें इस विषय को सकारात्मकता से संज्ञान में लेने की ज़रूरत है। साथियों बात अगर हम कुछ कुछ समय पहले केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम के संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी 135 करोड़जनसंख्या के बारे में कहा था कि आज़ादी का अमृत महोत्सव भारत के उज्ज्वल भविष्य और विश्व में भारत को उन्नत स्थान दिलाने के लिए मन में आशा जगाने,संकल्प लेने और अपने कार्यों से इन आशाओं को पूरा करने का है।

रात में देर से भोजन यानी हृदय-मेटाबॉलिज्म रोगों को न्योता

हम क्या, कितनी मात्रा में और कब खाते हैं, ये तीनों ही स्थितियां सीधे तौर पर सेहत को प्रभावित करती हैं। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को भोजन की पौष्टिकता का ध्यान रखते हुए सही समय पर भोजन करने पर भी जोर देते हैं। भोजन के सही समय का सीधा असर मेटाबॉलिज्म पर होता है जो पाचन से लेकर शरीर के स्वस्थ वजन तक के लिए आवश्यक है। यदि आप भी देर से भोजन करते हैं, या फिर कई बार एक समय का भोजन नहीं कर पाते हैं, तो इस बारे में गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। कई अध्ययनों में शोधकर्ता सही समय पर भोजन को लेकर लोगों को जागरूक करते रहे हैं। हालांकि लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण अधिकतर लोगों के लिए समय का सामंजस्य बैठा पाना कठिन हो सकता है। ऐसे में दिन में देर से लंच और देर रात खाने की आदत बनना भी स्वाभाविक है, पर यह सेहत के लिए किस प्रकार से नुकसानदायक हो सकती है।

सही समय पर भोजन करना जरूरी

अनुसंधानों से पता चलता है, भले ही आप पूर दिन कम कैलोरी का लक्ष्य बनाकर चलते हैं, पर अगर भोजन का समय ठीक नहीं है तो इसके कारण भी कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। हमारे भूख के लिए ग्रेलिन हार्मोन की विशेष भूमिका होती है, यह हार्मोन आपके मस्तिष्क को संकेत देता है कि आपको भूख लगी है और खाने का समय हो गया है। कुछ दिनों तक एक ही समय पर खाने से उसी की आदत होने लगती है और जब हमें देर से खाने की आदत हो जाती है, विशेषकर रात में, तो इसका संपूर्ण शरीर पर दुष्प्रभाव हो सकता है।

देर से डिनर करना नुकसानदायक

जर्नल न्यूट्रिएंट्स में जुलाई 2021 में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि रात में देर से खाना खाने से मेटाबॉलिज्म और ब्लड शुगर दोनों पर नकारात्मक असर हो सकता है। शोधकर्ता बताते हैं, दिन में देर से खाने की आदत ब्लड ट्राइग्लिसराइड की समस्या को भी बढ़ा देती है जिसके कारण हृदय रोगों का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा खाने की आदतें सबसे पहले मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करती हैं, जिसका सीधा दुष्प्रभाव भोजन के खराब पाचन और मोटापे की स्थिति के तौर पर सामने आ सकता है।

शरीर को कैसे पता चलता है हम देर से खा रहे हैं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हमारा शरीर एक प्रकार के मैक्निजम पर काम करता है जो कि सर्कैडियन सिस्टम या आंतरिक जैविक घड़ी पर निर्भर करता है। सर्केडियन सिस्टम ही कारण है कि आपका सबसे अच्छा खेल प्रदर्शन दोपहर में होता है, और रात में ही आपको बेहतर नींद आती है। लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण यह रिदम बिगड़ जाता है। इसकी शुरुआत देर से उठने के साथ होती है, देर से उठने से हमारे शरीर की आंतरिक घड़ी का समय उसी प्रकार से आगे बढ़ जाता है और सारी गतिविधियां समय से देर होने लगती हैं।

फिर खाने का सही समय क्या है

आहार विशेषज्ञ डॉ कैरोलिन विलियम्स कहती हैं, भोजन के समय को ठीक करने के लिए जरूरी है कि हम सुबह जल्दी उठने की आदत बनाएं, जिससे हमारे भीतर की घड़ी का समय ठीक हो सके। रात का भोजन उस समय पर हो जब उसके बाद हम अगले 12-16 घंटे उपवास की स्थिति में हों। इसका मतलब है कि अगर आप अपना रात का खाना रात 8 बजे खाते हैं, तो आप अगला मील यानी सुबह का नाश्ता 8-9 के बीच ले सकते हैं।

कौशिकी चक्रवर्ती जिन्होंने आवाज से जीत लिया सबका दिल

कौशिकी कौशिकी चक्रबर्ती के परिवार में संगीत एक परंपरा की तरह है, बल्कि कहें आदत की तरह। अपने पिता के साथ संगीत का रियाज करती नन्ही कौशिकी के वीडियो यूट्यब पर आसानी से देखने को मिल जायेंगे और ये गवाही हैं संगीत के उन संस्कारों की जो अब कौशिकी अपने पुत्र में डाल रही हैं। अगर यह कहा जाये की कौशिकी ने अपनी माँ के गर्भ में रहते ही संगीत को आत्मसात करना सीख लिया था तो गलत नहीं होगा। ख्यात हिंदुस्तानी शस्त्रीय संगीत गायक श्री अजय चक्रबर्ती की यह सुपुत्री कुछ महीने की उम्र में तानपुरे और हारमोनियम की आवाज़ सुनकर रोना बंद कर दिया करती थी और संगीत में रम जाया करती। जैसे ही कौशिकी ने होश संभाला, संगीत की शिक्षा प्रारम्भ हो गई। संगीत के अगर सात स्थापित सुर हैं तो उसका आठवां मीठा सुर हैं कौशिकी। उनकी अल्हड़ता, उनका बिंदास अंदाज और आरोह-अवरोह पर उनकी गजब पकड़ उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती है। चाहे मंच पर हों या घर में रियाज़ कर रही हों, कौशिकी चक्रबर्ती की साँसों की लय की तरह सहज है उनका संगीत भी। यही कारण है कि आज बहुत कम उम्र में भी उन्होंने देश-विदेश में इतनी ख्याति अर्जित कर ली है। वह संगीत को केवल जीती ही नहीं हैं उन्होंने संगीत को जीत भी लिया है। मंच पर प्रस्तुति देती कौशिकी के सुंदर से चेहरे पर जितनी बार आप फोकस करने की कोशिश करते हैं, उतनी ही बार उनकी स्वर लहरियों की उछल-कूद आपका ध्यान भटका देती है। हर राग में उनके पास खेलने को इतने तरीके हैं कि श्रोता केवल उनकी आवाज़ का ही आनंद नहीं लेते, उस नटखट खेलकूद में रम जाते हैं। यहाँ तक कि उनके साथ संगत कर रहे कलाकार भी इस आनंददायक यात्रा के सहज सहभागी हो जाते हैं। यही है कौशिकी का अद्भुत जादू। वे अपने संगीत से लोगों को बांधना बखूबी जानती हैं।

देश-विदेश में हैं प्रशंसक

कौशिकी की ठुमरी की प्रशंसक स्वयं कंठ कोकिला स्वर्गीय लता मंगेशकर जी रही हैं। वे कौशिकी के कई कार्यक्रम मंच के पीछे ग्रीन रूम में बैठकर सुना करती थीं और जब कभी कौशिकी उनके घर जातीं तो लता दीदी की फरमाइश वहां भी ठुमरी सुनाने की होती। कौशिकी मुख्यतः सेमी क्लासिकल ठुमरी गाती हैं और इसके एक एक भाव को वे पूरी तरह अभिव्यक्त करने में सक्षम हैं। स्वयं वह भी मानती हैं कि ठुमरी गाते हुए वे पूरी तरह उसके इमोशंस में डूब जाती हैं। वह स्वयं लता जी को अपनी प्रेरणा मानती हैं।

अद्भुत है कौशिकी का ऑरा

अपनी चमकती आँखों से किसी राग को बखान रहीं कौशिकी की पहली छवि ही किसी को भी मंत्रमुग्ध करने के लिए काफी है। यह बाहरी खूबसूरती से कहीं आगे की बात है। खूबसूरत तो खैर कौशिकी हैं ही लेकिन मंच पर उनकी उपस्थिति उससे भी कहीं अधिक आकर्षक है। ठुमरी गाते-गाते जिस अंदाज से वो अपने हाथों को लय में झुलाते हुए संगतकारों से मुखातिब होती हैं उस समय ऐसा लगता है जैसे कोई टीनेज किशोरी, अल्हड़ अंदाज में किसी पेड़ की डाल पर बंधे झूले पर पेंग ले रही हो।

कौशिकी की आवाज़ में जितनी मधुरता है उतनी ही उनके व्यक्तित्व में राजसी और गरिमामय ठसक है। शायद यही कारण रहा होगा कि एक समय उनके लिए बंगाली फिल्म में नायिका की भूमिका के लिए भी ऑफर आया था। अपनी इस चंचलता और सौम्यता के अद्भुत मिश्रण को कौशिकी भी जानती हैं और पूरी जीवन्तता से उसे जीती भी हैं। चाहे साड़ी पहनना हो या अन्य परिधान, वे अवसर के हिसाब से खुद को उतनी ही गरिमामय तरीके से ढालने में दक्ष हैं। इतना ही नहीं कौशिकी जानती हैं कि उनके संगीत की सर्थकता सुधिजनों से है और इसलिए वे कार्यक्रम झमें श्रोताओं से बकायदा संवाद भी करती जाती हैं। संगीत के अलावा यात्राएं करना, स्कीइंग जैसे एडवेंचर करना भी कौशिकी को पसंद है। कला जगत में योगदान के लिए बीबीसी सम्मान के साथ ही कौशिकी को कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया है कौशिकी का मानना है कि जितनी कम उम्र से आप संगीत या किसी भी कला की बारीकियां सीखना प्रारम्भ करते हैं।

गर्भावस्था में महिलाओं को हो सकती है बवासीर की समस्या, जानें कारण

गर्भावस्था में महिलाओं के शरीर में कई बदलाव होते हैं। साथ ही डिलीवरी से पहले तक कई समस्याओं का सामना भी करना पड़ता है। हालांकि लोगों का मानना होता है कि प्रसव के बाद सब सामान्य हो जाएगा। महिला का शरीर गर्भावस्था से पहले की स्थिति में आ जाएगा। लेकिन ऐसा होता नहीं है। बच्चे की डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को बवासीर की बीमारी हो जाती है। भले ही प्रेगनेंसी से पहले महिला को बवासीर की समस्या न हो लेकिन गर्भावस्था में होने वाली पेट संबंधी समस्या के कारण प्रसव के बाद पाइल्स की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि प्रेग्नेंसी के दौरान ही अगर महिलाएं इस समस्या से बचाव के उपायों को अपना लें तो बवासीर की समस्या से बचा जा सकता है।

बवासीर क्या है

बवासीर में मलाशय के आसपास की नसों में सूजन हो जाती है। असामान्य सूजन और गांठ की समस्या से खुजली व मल त्यागने के दौरान दर्द की शिकायत होती है। बवासीर का आकार बाहर की ओर उभरा हुआ छोटे दाने जैसा होता है।

गर्भावस्था में बवासीर होने की वजह

दरअसल, गर्भावस्था के दौरान यूट्रस का आकार बढ़ जाता है और रक्त संचार में वृद्धि होने लगती है। इस वजह से नसों में आसानी से सूजन आ जाती है। इसके अलावा प्रोजेस्टेरोन नाम के हार्मोन में वृद्धि होने से गर्भवती महिला को कब्ज हो सकता है। कब्ज के दौरान मल काफी सख्त हो जाता है और बवासीर की स्थिति गंभीर हो जाती है। आसान शब्दों में कह सकते हैं कि गर्भवती महिलाएं कब्ज के कारण पाइल्स का शिकार बन जाती हैं। डिलीवरी के दौरान बहुत ज्यादा दबाव बनाने के कारण बवासीर हो सकता है।

बवासीर के लक्षण

-बवासीर की बीमारी में गुदा में दर्द, जलन और खुजली होने लगती है।

-मल त्यागने के दौरान दर्द बढ़ जाता है।

-बैठते समय भी बवासीर के कारण दर्द होता है।

-बवासीर होने पर मल त्यागने के बाद भी फ्रेश महसूस नहीं करते।

-मलाशय के पास ऊतकों में सूजन, घाव और रक्तस्राव के संकेत मिलते हैं।

गर्भावस्था में बवासीर से बचाव के उपाय

प्रेगनेंसी के दौरान कब्ज की समस्या से परेशान महिलाओं को डाइट में फाइबर युक्त भोजन को शामिल करना चाहिए। इसके लिए फल, सब्जी और अनाज का सेवन कर सकती हैं। फाइबर युक्त भोजन कब्ज से निजात दिलाता है और स्टूल को सॉफ्ट रखता है। इससे पाइल्स होने का खतरा कम होता है।

शौच रोके नहीं

गर्भावस्था में जब भी बाथरूम जाने की जरूरत महसूस हो, तो तुरंत शौच के लिए जाएं। स्टूल को रोके नहीं। पेट फ्रेश न होने पर यूट्रस और इंटेस्टाइन में परेशानी होती है और बवासीर की समस्या हो सकती है।

शरीर को हाइड्रेट रखें

गर्भवती महिलाएं खुद को हाइड्रेट रखें। इसके लिए खूब पानी पीएं। तरल पदार्थ जैसे नारियल पानी, नींबू पानी और फ्रूट जूस का सेवन करते रहें। इससे भी पाइल्स की समस्या होने से बचा जा सकता है।

शारदा सिन्हा के निधन के बाद अकेले पड़ गए उनके बच्चे, अपने पीछे इतनी संपत्ति छोड़ गई गायिका

बिहार की लोक गायिका शारदा सिन्हा का 5 नवंबर को निधन हो गया। अपने छठ गीतों के लिए मशहूर पद्म भूषण से सम्मानित शारदा सिन्हा को 27 अक्तूबर को नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके बेटे अंशुमान सिन्हा ने गायिका के निधन की पुष्टि इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर दी। महान गायिका का दुनिया से चले जाना इंडस्ट्री के लिए एक सदमा है। छठ गीतों के लिए मशहूर गायिका का निधन छठ महापर्व पूजा के पहले दिन हुआ। उनके निधन के बाद से परिवार सदमे में है। चलिए जानते हैं गायिका अपने पीछे क्या छोड़ गई हैं। 72 वर्षीय शारदा सिन्हा 2018 से मल्टीपल मायलोमा, एक प्रकार के रक्त कैंसर से जूझ रही थीं। अंशुमान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से शारदा सिन्हा की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आपकी प्रार्थनाएं और प्यार हमेशा मेरी मां के साथ रहेगा। छठी मैया ने उन्हें अपने पास बुला लिया है। वह अब भौतिक रूप में हमारे बीच नहीं हैं। शारदा सिन्हा अपने लोकगीत के लिए केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में मशहूर थीं।

1 अक्तूबर 1952 को बिहार में जन्मी शारदा सिन्हा मुख्य रूप से मैथिली और भोजपुरी में गाती थीं, जिसके कारण उन्हें बिहार कोकिला का उपनाम मिला। छठ पर्व को समर्पित उनके गीत बिहार के लोगों के बीच खास तौर पर लोकप्रिय हैं और उनके विवाह गीत शादियों में एक मुख्य विशेषता बन गए हैं। 2016 में उनके द्वारा गाया गया गीत, जिसका शीर्षक पहिले पहिल हम कई छठ था, कई श्रोताओं की आंखों में आंसू ला देता है, क्योंकि यह प्रियजनों के साथ रहने की तीव्र इच्छा को जगाता है। शारदा के परिवार की बात करें तो गायिका अपने पीछे बेटी वंदना और बेटे अंशुमान सिन्हा को छोड़ गई हैं। बेटी भी मां की तरह लोक गायिका हैं। इसके अलावा उनकी बहु यानी अंशुमान की पत्नी भी हैं। साथ ही उनकी पोती यानी अंशुमान की एक बेटी भी हैं। हाल ही में शारदा सिन्हा के पति का भी निधन हुआ था, जिसके बारे में खुद गायिका ने फेसबुक पर पोस्ट साझा कर जानकारी दी थी। हाल ही में शारदा सिन्हा ने जब पति ब्रजकिशोर सिन्हा की आखिरी तस्वीर साझा की थी तो उसमें पति के गोद में उनकी पोती थी। हालांकि, शारदा सिन्हा की संपत्ति के बारे में आधिकारिक रूप से कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी संपत्ति करीब 35 से 42 करोड़ के बीच बताई गई है। संपत्ति का बंटवारा उनके बेटे और बेटी के बीच ही होगा। शारदा सिन्हा के अन्य लोकप्रिय छठ गीतों में केलवा के पात पर उगलन सूरज मल झाके झुके, हे छठी मईया, हो दीनानाथ, बहंगी लचकत जाए, रोजे रोजे उगेला, सुना छठी माई, जोड़े जोड़े सुपावा और पटना के घाट पर शामिल हैं। उन्होंने वसंत ऋतु का जश्न मनाने वाले गीतों में भी अपनी आवाज दी है।

घर खर्च में 70 प्रतिशत कामकाजी महिलाएं सक्रिय पर वित्तीय फैसलों के लिए पुरुषों पर निर्भर

महिलाओं की भूमिका घर-परिवार के साथ ही कार्यक्षेत्र तक महत्वपूर्ण हो गई है। महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी निभाती हैं, फिर वह चाहे बच्चों और परिवार के पालन पोषण की हो या फिर घर खर्च में मदद करने की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 70 फीसदी कामकाजी महिलाएं घर खर्च में सक्रिय रूप से योगदान देती हैं। वर्किंग स्त्री नाम की एक सर्वे रिपोर्ट जारी हुई है। यह सर्वे 10 हजार महिलाओं पर किया गया। रिपोर्ट में पाया गया कि दिल्ली में 67 प्रतिशत से अधिक कामकाजी महिलाएं अपनी तनख्वाह से घर का खर्च चलाती हैं। वहीं 31 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं जो अपनी आधी सैलरी घर पर जिम्मेदारियों में खर्च करती हैं। भले ही आर्थिक रूप से महिलाएं जिम्मेदार और आत्मनिर्भर हैं लेकिन वित्तीय फैसले वह पिता, भाई और पति की मदद से ही लेती हैं। महिलाएं एक बेटी, पत्नी और मां समेत कई भूमिकाएं एक साथ निभाती हैं। लेकिन इस रूढ़िवादी स्वरूप से अलग कई महिलाएं अपने चुने हुए क्षेत्र में करियर और पहचान बना रही हैं, साथ ही परिवार की आर्थिक रूप से मदद कर रही हैं। शिक्षा, कौशल विकास और इच्छाशक्ति के कारण महिलाएं सामाजिक बाधाओं को दूर कर पित्तसत्तात्मक समाज में अपनी भूमिका को मजबूत कर रही हैं।

कामकाजी महिलाओं पर सर्वे

बीती फरवरी माह में ऑनलाइन मार्केटप्लेस इंडियायलेंड्स ने एक सर्वे करवाया था। सर्वे के पांचवे संस्करण में मेट्रो, टियर 1 और टियर 2 की 21 से 65 उम्र वर्ग की 10 हजार से ज्यादा कामकाजी महिलाओं से सवाल पूछे गए। रिपोर्ट में कामकाजी महिलाओं को लेकर जो आंकड़े सामने आए हैं, वह चौंका देने वाले हैं। 10 हजार महिलाओं पर हुए इस सर्वे के नतीजों में बताया गया कि 70% कामकाजी महिलाएं घर खर्च में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। 31 फीसदी महिलाएं आधी सैलरी घर के लिए खर्च करती हैं। सर्वे में 70 फीसदी महिलाएं विवाहित और 16 त्न अविवाहित थीं।

आत्मनिर्भर महिलाओं का घर खर्च में योगदान

जो महिलाएं केवल घर की चारदीवारी में रसोई घर और बच्चे संभालने तक सीमित थी, वह आज नौकरी कर रही हैं। हालांकि कामकाजी महिलाएं नौकरी के साथ ही परिवार की आर्थिक रूप से भी जिम्मेदारी उठाती हैं। हालांकि दिल्ली की 47 फीसदी महिलाओं ने स्वीकार किया कि घर के खर्चों को नियमित रूप से ट्रैक करने में मुश्किल होती है। 37 प्रतिशत महिलाएं ऐसी हैं, जिन्हें क्रेडिट स्कोर से संबंधित कोई जानकारी नहीं। वहीं दिल्ली की करीब 32 प्रतिशत कामकाजी महिलाओं ने बताया कि बचत और निवेश से जुड़े फैसले लेने में उन्हें थोड़ी कठिनाई महसूस होती है। हालांकि यह समस्या केवल दिल्ली की महिलाओं को ही नहीं, बल्कि देशभर में अधिकतर कामकाजी महिलाएं वित्तीय फैसले लेने के लिए अपने पिता, पति या भाई पर निर्भर होती है। भले ही खर्चों को नियमित रूप से ट्रैक करने या निवेश के लिए फैसले लेने के लिए वह पुरुषों पर निर्भर हैं लेकिन महिलाओं ने काम करने की सबसे बड़ी प्रेरणा वित्तीय आजादी बताया। महिलाओं ने नौकरी को आत्मविश्वास के लिए जरूरी माना। साथ ही महिलाओं ने परिवार की जरूरतों को पूरा करने पर बल देते हुए कहा कि जरूरत के लिए वह घर खर्च से पीछे नहीं हटेंगी।

आईएएस प्रीति बेनीवाल की कहानी

प्रीति बेनीवाल हरियाणा के दुपेडी गांव की रहने वाली हैं। प्रीति एक आईएएस अफसर हैं। उन्होंने वर्ष 2020 में लोक संघ सेवा आयोग की परीक्षा पास की थीं और ऑल इंडिया 754 वीं रैंक हासिल की थी। हरियाणा की प्रीति बेनीवाल के पिता का नाम सुरेश कुमार था, जो कि पानीपत के एक थर्मल प्लांट में नौकरी करते थे। उनकी माता बबिता एक आंगनबाड़ी में कार्य करती थीं। प्रीति की शुरुआती शिक्षा फाफ दाना के एक निजी स्कूल से हुई। बाद में उन्होंने पानीपत के स्कूल से 10वीं की परीक्षा पास की। 12वीं की पढ़ाई प्रीति ने मतलौडा से पूरी की। पढ़ाई में प्रीति का शुरू से ही उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। आगे की पढ़ाई के लिए प्रीति ने इसराना कॉलेज में दाखिला लिया, जहां से उन्होंने बी.टेक और एम.टेक ऑनर्स की डिग्री हासिल की। संघर्षों और विषम परिस्थितियों से लड़कर सफलता हासिल करने वाली कई महिलाओं में एक आईएएस अफसर का नाम शामिल है। इस महिला आईएएस अधिकारी के साथ एक हादसा हुआ, जिसके बाद उनकी दुनिया ही बदल गई। हादसे के कारण उन्हें एक साल बिस्तर पर रहना पड़ा। शारीरिक अक्षमता को ठीक करने के लिए 14 सर्जरी कराई, हालांकि इसके बाद भी वह चल पाने में असमर्थ थीं। इस हादसे से वह शारीरिक तौर पर तो कमजोर हुई हीं, साथ ही उनकी शादी भी टूट गई।

पति और ससुराल ने छोड़ा, लोगों ने कोसा, फिर भी इस महिला ने हार नहीं मानी और विषम परिस्थितियों का डटकर सामना करते हुए न केवल अपने पैरों पर खड़ी हुईं, बल्कि एक आईएएस अधिकारी बनकर दिखाया। संघर्षों का सामना कर रहे हर व्यक्ति की उम्मीद बढ़ाने वाली और महिलाओं के लिए मिसाल बनने वाली इस आईएएस अधिकारी का नाम प्रीति बेनीवाल है। डिग्री लेने के बाद प्रीति ने वर्ष 2013 में बहादुरगढ़ के ग्रामीण बैंक में क्लर्क के पद पर कार्य करना शुरू किया। इस दौरान वह सरकारी नौकरी के लिए परीक्षा की तैयारी करती रहीं। तीन साल यानी वर्ष 2016 तक यहां नौकरी के बाद वह एफसीआई (FCI) में असिस्टेंट जनरल II के पद के लिए चयनित हुईं। उनकी पोस्टिंग करनाल हुई। वर्ष 2021 में प्रीति ने विदेश मंत्रालय में सहायक अनुभाग अधिकारी का पदभार संभाला। प्रीति के जीवन में सब कुछ सही चल रहा था लेकिन एक दिन अचानक उनके जीवन में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। वर्ष 2016 में प्रीति एफसीआई में विभागीय पदोन्नति के लिए गाजियाबाद में परीक्षा देने जा रही थीं, इस दौरान वह एक रेल हादसे का शिकार हो गईं। पैर फिसलने के कारण ट्रेन के सामने जा गिरीं और ट्रेन उन के शरीर के ऊपर से होकर गुजर गई। इस हादसे के बाद प्रीति बुरी तरह से जख्मी हो गईं। उनकी 14 सर्जरी और बाईपास हुआ, हालांकि वह चलने में असमर्थ हो गईं। पूरी तरह से बिस्तर पर आ गईं।

अवधनामा

बांगलादेश में हिन्दुओं पर हो रहे उत्पीड़न पर हस्तक्षेप करे भारत सरकार

■ बांगलादेश हिन्दू रक्षा समिति ने महामहिम राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। बांगलादेश में हिन्दुओं पर हो रहे कट्टरपंथियों द्वारा किये जा रहे अत्याचार और हत्या, लूट, आगजनी और महिलाओं से अमानवीय व्यवहार को लेकर बांगला देशी हिंदू रक्षा समिति ने लामबंद होकर नगर भर में प्रदर्शन किया। इस दौरान समिति की ओर से प्रमुख मंदिरों के महन्तों ने एकराय होकर जनसमुदाय के साथ देश की महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी को सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि बांग्लादेश के अंदर जिस प्रकार से हिंदू संस्कृति के मानबिंदुओं हिंदू देवालयों पर लक्षित हमले हो रहे हैं वह अत्यंत चिंताजनक है। वर्तमान की बांग्लादेश सरकार तथा उसकी अन्य एजेंसियां इसे रोकने के स्थान पर केवल मूकदर्शक बन करके बैठी हुई हैं। विवशतावश बांग्लादेश के हिंदुओं द्वारा स्वरक्षण हेतु लोकतांत्रिक पद्धति से उठाई गई आवाज को दबाने हेतु उन्हीं पर अन्याय व अत्याचार का नया दौर उमर रहा है। बताया कि तात्कालिक घटनाक्रम में बांग्लादेश में शांतिपूर्ण प्रदर्शों में हिंदुओं का नेतृत्व कर रहे इस्कॉन के सन्यासी चिन्मय कृष्ण दास प्रभुजी को बांग्लादेश सरकार द्वारा अलोकतांत्रिक तरीके से गिरफ्तार करना, उनको बंद करना, उनकी आवाज को दबाने की कुचेष्टा करना अलोकतांत्रिक, अमानवीय एवं हिंदू समाज के मानवाधिकार का हनन मी है। हम प्रारंभ से ही यह मांग कर रहे हैं कि बांग्लादेश में जो घटनाक्रम चल रहा है उसमें वामपधी इस्लामिक तत्वों के साथ मिलकर वहां के हिंदू समाज का दमन कर रहे हैं। यह दुर्भाग्य की बात है कि पूरे विश्व समुदाय के वैश्विक संगठनों ने इस घटनाक्रम पर जितनी चिंता व्यक्त करनी चाहिए थी एवं जैसी रोक लगनी चाहिए थी, वैसी रोक नहीं लगाई है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की अग्रणी भूमिका में विश्व समुदाय इन सब घटनाओं को अपने संज्ञान में लेते हुए बांग्लादेश सरकार के ऊपर दबाव बनायें और हिंदुओं के ऊपर उत्पीड़न व अत्याचार एवं देवालयों को लक्षित करके निशाना बनाए जाने की घटनाओं को तत्काल रोकें। तुरंत प्रभाव से इस्कॉन के मुख्य पुजारी चिन्मय कृष्ण दास प्रभु जी की तत्काल रिहाई की जाए और किसी भी हिंदू नेता, हिंदू पुजारी, हिंदू संत. धार्मिक गुरु को बिना किसी कारण से उत्पीड़न एवं गिरफ्तार करने की कार्यवाही बंद हो। इस दिशा में भारत सरकार की गंभीर एवं प्रभावी पहल हेतु महामहिम का हस्तक्षेप एवं निर्देश की अपेक्षा की गयी है। इस दौरान श्री चण्डी मंदिर से स्वामी चन्द्रेश्वर गिरीजी महाराज, सर्वेश्वर धाम से जगतगुरु कृष्ण गिरीजी महाराज, वरदानी भवन की प्रमुख सेविका दीदी बी.के.चित्ररेखा, सीताराम दास जी, महन्त गोविन्ददास गिरी, बालयोगेश्वर दास त्यागी, नवल किशोर सोनी, बृजेन्द्र सिंह गौर, रामगोपाल नामदेव, राज्यमंत्री मनोहरलाल पंथ, प्रदीप चौबे, डा.दीपक चौबे, श्याम राठौर, नमिता खरे के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे।

जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण में जुटे अधिकारीः शशांक

मथुरा। जन शिकायतों पर प्रभावी ढंग से कार्रवाई किए जाने के लिए उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री की पहल पर प्रत्येक मंगलवार को शुरू किए गए ÷संभव÷ संतुष्टि एवं समृद्धि के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण की प्रक्रिया में मथुरा नगर निगम ने 12 शिकायतों का निस्तारण किया। उक्त शिकायतों के निस्तारण के लिए नगर निगम के अधिकारी मौके पर दौड़ते नजर आए। मंगलवार को नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा वृंदावन स्थित नगर निगम सभागार में तथा सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी द्वारा मथुरा स्थित नगर निगम सभागार में प्रातः 10 बजे से जनसुनवाई की। जन सुनवाई में नगर आयुक्त व सहायक नगर आयुक्त द्वारा सभी शिकायत कर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर मौके पर उपस्थित सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम मथुरा-वृन्दावन में 18 शिकायत प्राप्त हुयी जिसमे 12 शिकायतों का निस्तारण टीम को भेजकर तत्काल करा दिया गया।

पीएम सूर्य घर मीटर रीडर्स का प्रशिक्षण

■ योजना का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं की जानकारी होगी दर्ज : सीडीओ

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत विद्युत विभाग में कार्यरत मीटर रीडर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास भवन सभागार में सीडीओ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। परियोजना अधिकारी नेडा राजेश कुमार बघेल द्वारा बताया गया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जनपद में अब तक 1608 विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा पंजीकरण कराया जा चुका है जिसके सापेक्ष 388 संयंत्रों की स्थापना की जा चुकी है और भारत सरकार द्वारा सब्सिडी भी लाभार्थियों के खाते में भेजी जा चुकी है। इस योजना के संचालन में मीटर रीडर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। मीटर रीडर्स द्वारा बिल रीडिंग के समय सोलर पैनल से उत्पादित विद्युत को कुल विद्युत से घटाना होता है और उपभोक्ता को भी इसके संबंध में अवगत कराना है। प्रशिक्षण में उपस्थित अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम गोविंद जायसवाल द्वारा मीटर रीडर्स को विद्युत रीडिंग की पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई। उनके द्वारा नेट मीटर्स के विभिन्न घटकों से अवगत कराया गया तथा नेट मीटर के माध्यम से विद्युत रीडिंग का व्यवहारिक गहन प्रशिक्षण दिया गया। अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड द्वितीय राहुल सिंह के द्वारा बिल रीडर्स को विगत बैठक में दिए गए प्रारूप पर सूचना 20 दिसंबर तक उपलब्ध कराने को लिए कहा गया और बताया गया। इस प्रारूप में ऐसे उपभोक्ताओं का विवरण दर्ज होगा जो पीएम सूर्यघर योजना का लाभ लेना चाहते हैं और उसके संबंध में जानकारी चाहते हैं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त मीटर रीडर्स को सम्बोधित करते हुए बताया गया कि वह पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जो भारत सरकार की एक फ्लैगशिप योजना है। घरेलू विद्युत संयोजन वाले उपभोक्ता के घर पर सोलर पावर प्लांट की स्थापना हो जाने पर उसको लगभग मुफ्त बिजली प्राप्त होने लगती है। मीटर रीडर्स अपने भ्रमण के समय प्रत्येक उपभोक्ता को इस योजना के संबंध में अवगत कराएंगे तथा उनका विवरण भी दर्ज करेंगे। मीटर रीडर्स सौर ऊर्जा से बनने वाली यूनिट से भी उपभोक्ता को जानकारी देंगे जिससे कि सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादित होने के अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके। योजना के संबंध में होने वाली विद्युत बिल की बचत से भी समस्त उपभोक्ताओं को अवगत करायेगें। प्रशिक्षण बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारी, अवर अभियंता, मीटर रीडर्स तथा ग्रामीण क्षेत्र में काम करने वाली विद्युत सखियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

सिक्कों के अध्ययन से सुलझते हैं इतिहास के अनसुलझे सवाल

■ मथुरा के पांचजन्य प्रेक्षागार में भारतीय मुद्रा परिषद का 106 वां वार्षिक सम्मेलन प्रारंभ

■ उप्र संस्कृति विभाग और पुरातत्व विभाग के अधिकारी, विशेषज्ञ तीन दिन तक सिक्कों के इतिहास का करेंगे अध्ययन

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उप्र राज्य पुरातत्व विभाग, लखनऊ द्वारा भारतीय मुद्रा परिषद् के 106 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन डैम्पियर नगर, मथुरा स्थित पांचजन्य प्रेक्षागार में किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलपति विरासत संस्थान, नोएडा एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय प्रो. बी.आर. मणि तथा पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया ब्रज संसकृति सेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वन्दना हुआ। निदेशक, उ.प्र. राज्य पुरातत्व विभाग रेनू द्विवेदी द्वारा मंचस्थ अतिथियों का पुष्पगुच्छ, पटका एवं उत्तरीय प्रदान कर स्वागत किया गया। निदेशक ने समारोह में उपस्थित देश-विदेश से आये समस्त प्रतिभागियों का स्वागत किया। अध्यक्ष, भारतीय मुद्रा परिषद् डी. राजा रेड्डी ने संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुये कार्यक्रम की भूमिका पर प्रकाश डाला। इतिहास लेखन में मुद्राओं के महत्व से अवगत कराया। उन्होने बताया कि मुद्राओं के अध्ययन से अनेक अनसुलझे ऐतिहासिक प्रश्नों का उत्तर मिलता है। संयुक्त सचिव, भारतीय मुद्रा परिषद डॉ. अमित उपाध्याय ने भारतीय मुद्रा परिषद का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मंचस्थ अतिथियों द्वारा भारतीय मुद्रा परिषद् की वार्षिक पत्रिका एवं स्मारिका का विमोचन किया गया। निदेशक उप्र राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा मंचस्थ अतिथियों को विभाग की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुये निदेशक ने संगोष्ठी में आये समस्त अतिथियों को उनकी उपस्थिति के लिए धन्मवाद व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति प्रो. बी.आर. मणि एवं पद्मश्री मोहन स्वरूप भाटिया को उनकी उपस्थिति एवं आर्शीवचन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

रणछोर मेले की तैयारियां दुरुस्त रखें : एडीएम

■ विद्युत, पेयजल, सफाई, स्वास्थ्य व सुरक्षा के होंगे पर्याप्त इंतजाम

■ अस्थायी चौकी, फायर बिग्रेड व गोताखोरों की टीम 24 घण्टे रहेगी तैनात

■ मेले से पूर्व भ्रमण कर कमिंया दूर करने हेतु अधिकारियों को सख्त निर्देश

■ रणछोर धाम मेले की तैयारियों को लेकर एडीएम ने समिति पदाधिकारियों के साथ बैठक

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। मकर संक्रांति के पर्व पर तहसील ललितपुर अंतर्गत ग्राम धौजरी/धौर्रा क्षेत्र में 13 से 21 जनवरी 2025 तक प्रस्तावित श्रीश्री 1008 रणछोर धाम मेला के आयोजन सम्बंधी व्यवस्थाओं एवं आवश्यक तैयारियों की समीक्षा हेतु जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देशन में मंगलवार को एडीएम अंकुर श्रीवास्तव ने सम्बंधित अधिकारियों के साथ कलैक्ट्रेट सभागार में बैठक की। एडीएम ने निर्देश दिये कि मेले में काफी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, इसलिए किसी भी व्यवस्था में चूक नहीं होनी चाहिए, पूर्व से ही व्यवस्थाओं का जायजा लें। इसके लिए आगामी दिनों में सभी संबंधित अधिकारी मौके पर निरीक्षण हेतु जायेंगे और कमियों को दूर कराएंगे। उन्होंने कहा कि सभी सम्बंधित अधिकारी मेले की भव्यता को ध्यान में रखते हुए पूरी गंभीरता से अपने दायित्वों की पूर्ति करें, उन्होंने मेंले में साफ-सफाई हेतु डीपीआरओ व ग्राम प्रधान को निर्देशित किया कि सफाई कर्मचारियों की स्पेशन टीम बनाकर मेला परिसर व घाटों की सफाई करायी जाये। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चिकित्सकों की टीम व एम्बुलेंस 24 घण्टे तैनात रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस विभाग को निर्देश दिये कि मेला अवधि में अस्थायी पुलिस चौकी, पुलिस बल, फायर ब्रिगेड यूनिट, तैराकी जवान व गोताखोरों सहित नावे तैनात की जाएं। जल संस्थान द्वारा पेयजल हेतु पर्याप्त पानी के टैंकर उपलब्ध रखें, वन विभाग द्वारा मेला स्थल पर अलाव तथा कच्चे रास्ते पर मुरम डाली जाये, निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत विभाग, अस्थायी शौचालयों हेतु ईओ, वाटरप्रूफ टेण्ट हेतु तहसीलदार, वाहन व्यवस्था हेतु एआरटीओ को निर्देशित किया गया। बैठक में मेला समिति के सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया कि प्रत्येक वर्ष रणछोर धाम मंदिर में मकर संक्रान्ति के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें आसपास के जनपदों से भी काफी संख्या में श्रद्धालू आते हैं। मेले में विद्युत, पेयजल, सफाई, शौचालय, चिकित्सकों की टीम व एम्बुलेंस, अस्थायी जनरेटर, गोताखोर, नाव व अन्य व्यवस्थाएं जिला प्रशासन द्वारा की जाती हैं। इसके अलावा साल भर भी श्रद्धालु आते हैं, जिसके लिए मेला ट्रस्ट में सदस्यों की संख्या बढ़ायी जाए, और हर जाति वर्ग के लोगों को शामिल किया है। मेला मार्ग की मरम्मत कराई जाए, प्रत्येक कार्य के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि मेला परिसर में हाई मास्क लाइट लगवाई जाए। इस अवसर पर एसडीएम सदर चन्द्रभूषण प्रताप, सीओ सदर अभय नारायण राय, ईओ दिनेश विश्वकर्मा, जल संस्थान से शिवराज वर्मा, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, सहायक अभियंता लोनिवि दानिश खान, सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण, मेला समति के पदाधिकारी व ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

अधिवक्ता दिवस पर एक दूसरे लगाया बैज

ललितपुर। देश के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डा.राजेंद्र प्रसाद की जयंती हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अधिवक्ता दिवस के रूप मे मनाई गई। अधिवक्ताओं द्वारा एक दूसरे को बैज लगाकर अधिवक्ता दिवस की बधाई दी गई। एल्डर्स कमेटी के सदस्य अशोक कुमार रिछारिया ने कहा कि विधि के शासन को बनाए रखने में अधिवक्ताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। अधिवक्ता शरदकांत चौबे ने कहा कि यह दिवस अधिवक्ताओं के न्याय प्रशासन में योगदान और उनके कानून के प्रति समर्पण को सम्मानित करता है। अधिवक्ता संवाद के पुष्पेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि न्याय और विधि व्यवस्था के प्रति अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी बेहद महत्वपूर्ण है। यह दिवस हमें हमारे पेशे के उच्च मानकों और नैतिक जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। इस दौरान अशोक कुमार रिछारिया एड., जयकुमार चौधरी एड., पवन जायसवाल एड., हेमंत चौधरी एड., नीरज मोदी एड., शरदकांत चौबे एड., अजय मिश्रा एड., आनंद जैन एड., अंकित जैन एड., बलवीर यादव एड., परशुराम उदैनिया एड., शशिकांत राजपूत एड. आदि कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

ट्रक की टक्कर से दो बाइक सवार युवको की मौत

संभल। थाना रजपुरा मे ट्रक की से बाइक सवार दो युवको की मौत हो गयी। ट्रक चालक चालक मौके से ट्रक छोडकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार पाकबडा थाना क्षेत्र के कस्बा पाकबडा निवासी फैजाना 24 पुत्र अली मंसूर व उवैस पुत्र अब्दुल राशीद अनुपशहर से बाइक से आ रहे थे कस्बा गंवा मोड पर ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार युवक दूर जा गिरे फैजान की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी जबकि उवैस को जिला अस्पताल मे डक्टरो ने मृत घोषित कर दिया दोनो युवको की मौत की सूचना से परिवार मे कोहराम मंच गया रजपुरा पुलिस ने मौके से फैजान के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है जबकि उवैस के शव को भी पुलिस ने कब्जे में लेकरपोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है।

हिंसा में जान गवाने वाले युवकों के परिवारों को सहायता प्रदान की गई

संभल। ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा मे जान गवाने वाले पॉचो युवको के परिवारो को जमीयत उलम ए हिंद के दो सदस्यों ने डी डी के रूप मे पॉच पॉच पॉच लाख रुपये सहायता प्रदान की !संभल मे हिंसा मे जान गवाने वाले युवको को जमीयत उलम ए हिंद ने पॉच पॉच लाख रुपये सहायता प्रदान करने की घोषणा की थी उस के मद्देनजर आज जमीयत उलम ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने संभल के लोगों से हिसा की जानकारी ली हिंसा मे घायलो के बेहतर इलाज व शिक्षा का प्रबंध करने का निर्णय लिया गया और हिंसा के पीडितो के साथ कदम से कदम मिलाकर खडे रहने का एलान किया संभल मे ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद अब संभल मे पूर्ण रूप से शांति का माहौल है शहर के बाजार भी खुल गये हैं जामा मस्जिद के क्षेत्र की दुकाने भी खुल गयी है लोग खरीदारी कर रहे पुलिस प्रशासन द्वारा शहर में चौकसी बरतीरही हैं जामा मस्जिद के आसपास और शहर के मुख्य स्थानो पर पुलिस बल तैनात है।

फातिमा जहरा की शहादत के शोक में मजलिसो का आयोजन आज से नूरियो सराय मे किया जायेगा

संभल। पैगम्बर ए इस्लाम हजरत मुहम्मद मुस्तफा की बेटी बीबी फातिमा जहरा की शहादत के शोक में तीन दिवसीय मजलिसे कल (आज) से आयोजित की जायेगी। इमामबाडा फरमान हुसैन मुहल्ला नूरियो सराय मे शाम सात बजे मजलिस बरपा होगी जबकि इमाम बाडा इमाम अली रज़ा अलैहिस्सलाम नूरियो सराय मे जंनानी मजलिस दोपहर दो बजे की जायेगी मजलिसे 4 दिसंबर से 6 दिसंबर तक तीन दिन बरपा होगी।

मिशन शक्ति फेज-5, ऑपरेशन जागृति व एंटीरोमियो के तहत किया जागृत

गोवर्धन (मथुरा)। जनपद की थाना गोवर्धन टीम द्वारा मिशन शक्ति फेज - 5, ऑपरेशन जागृति व एंटीरोमियो के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति होने वाली हिंसा, झूठे मुकदमा दर्ज करने एवं युवा एवं युवती के बिना बताए घर से पलायन करना , साइबर क्राइम तथा बचाव के तरीके, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने के विषय में जागरूकता के बारे में जानकारी दी गई वही बताया गया कि अनजान लिंक पर क्लिक न करने की हिदायत देते हुए अपना ओ टी पी किसी के साथ साझा न करने के लिए जागरुक किया गया । वही मथुरा जनपद के गोवर्धन तहसील में स्थित राजकीय भारतीय इन्टर कॉलेज अड़ींग के छात्रों व शिक्षको को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1090,1098,1076 के बारे में बताया कि रात्रि में महिलाएं कोई साधन न मिलने पर डायल 112 पर कॉल कर के लोकेशन बताकर मदद ले सकती हैं। महिला मिशन शक्ति फेज 5 के तहत नशा मुक्ति अभियान के बारें में और उससे शरीर, मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे मे भी बताया और उसके कारण, मानसिक आघात एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा टेली मानस हेल्पलाइन 14416 अथवा1800-891-4416 पर सहायता हेतु संपर्क किये जाने की सलाह दी गई इस बारे मे बच्चों को और शिक्षकों को जागरूक किया साथ ही छात्रों द्वारा फीडबैक लिया गया इस दौरान राजकीय भारतीय इंटर कॉलेज अडिंग का समस्त स्टाफ व गोवर्धन थाने से महिला उप निरीक्षक विनय बौद्ध व अडींल पुलिस चौकी का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

दंडवत यात्रा की अनुमति नहीं मिलने पर आमरण अनशन दूसरे दिन जारी

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय समता फाऊंडेशन व महात्मा ज्योतिबा फुले विकास समिति मथुरा द्वारा समान शिक्षा व जातीय जनगणना लागू करने की मांग को लेकर होने वाली दंडवत यात्रा की शासकीय अनुमति हेतु भूख हड़ताल दूसरे दिन जारी रही। आज दूसरे दिन स्थल पर दंडवत यात्रा की अनुमति के समर्थन में भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी, उदयभान जाटव प्रमुख महासचिव उत्तर प्रदेश, मोहन श्याम पाठक प्रदेश उपाध्यक्ष तीनों ने मिलकर भूख हड़ताल शुरू कर दी। साथ ही पवन चतुर्वेदी एवं उदयभान जाटव ने संयुक्त रूप से भूख हड़ताल पर बैठकर जिला प्रशासन को चेतावनी दी, अगर 24 घंटे के अंदर दंडवत यात्रा की अनुमति जारी नहीं की गई, तो उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में भारतीय किसान यूनियन सुनील के कार्यकर्ता पदाधिकारी आक्रामक आंदोलन को मजबूर होंगे जिसकी जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रशासन की होगी। भूख हड़ताल के दूसरे दिन आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष श्याम प्रकाश अपने सैकड़ो साथियों के साथ समान शिक्षा जाति जनगणना के लिए दंडवत यात्रा की अनुमति की मांग का समर्थन करने पहुंचे। साथ ही अपने संबोधन में कहा प्रशासन की तानाशाही किसी कीमत पर सहन नहीं की जाएगी। भूख हड़ताल के दूसरे दिन लुकेश कुमार राही ने बताया कि अभी तक जिला प्रशासन का कोई भी प्रतिनिधि बातचीत करने नहीं आया है, रमेश सैनी की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी है ऐसा महसूस होता है कि प्रशासन की मानवीय संवेदना शून्य हो गई हैं। समाजसेवी अजय सनवाल ने भूख हड़ताल पर बैठे क्रांतिकारी साथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान ओमपाल सैनी, चित्रसेन मौर्य,नरेश चौधरी,राजेंद्र निमेष,सिद्धांत भाटिया, बृजलाल कामरेड, सागर सिंह, आकाश बाबू नरेश सर, विवेक कुमार, दिनेश पंकज,मुजाहिद कुरैशी, ओम प्रकाश आजाद, बृजेश अंबेडकर, वीरेंद्र सिंह, असलम कुरैशी,राजकुमार आजाद, यशवीर सिंह आजाद, जितेंद्र दिवाकर, श्रीकांत रावण, सोनू ,राजकुमार तोमर, राजू लोधी ,रवि कुमार, ललित कुमार, विक्रम शर्मा ,करण सनवाल,कृष्ण कुमार, प्रमोद जाटव आदि लोगों ने सैकड़ो की संख्या में दंडवत यात्रा की अनुमति के समर्थन में की जा रही भूख हड़ताल का समर्थन किया।

यातायात माह 2024 का समापन समारोह संपन्न

मथुरा। यातायात माह 2024 के समापन समारोह का आयोजन आज वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय , बजरंगबली , अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) त्रिगुण बिसेन , अपर पुलिस अधीक्षक (अपराध) अवनीश कुमार ,अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात) मनोज कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी (यातायात) धर्मेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक (यातायात) शौर्य कुमार एवं अक्षय पत्र फाऊंडेशन व वृन्दावन चंद्रोदय मंदिर के वरिष्ठ पदाधिकारी महाराज अनंतवीर दास प्रभु, सुरेश्वर दास प्रभु जी मौजूद रहे। आगरा मण्डल सचिव कपिल देव शर्मा ने बताया कि जिला अपराध निरोधक समिति, मथुरा ने यातायात माह के अंतर्गत पूरे एक माह का जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा, और जागरूकता का संदेश दिया गया।

ग्राम पंचायत सोनोठ में जिला पंचायत अध्यक्ष का स्वागत

■ गृह प्रवेश कार्यक्रम में हुआ सुंदरकांड का पाठ

■ जिला पंचायत अध्यक्ष ने सुंदरकांठ की महत्वता के बारे बताया

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। मंगलवार को ग्राम पंचायत सोनोठ में ग्राम प्रधान के यहां गृह प्रवेश कार्यक्रम के तहत सुंदरकांड पाठ हुआ, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी का ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सोनोठ के गणमान्य ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान व समस्त सरदारी ने मुख्य अतिथि का फूल माला, स्वाफा एवं चांदी का मुकुट बांधकर भव्य स्वागत सम्मान किया गया। स्वागत स्वागत से गद्गद हुए जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने कहा कि त्रेता युग में श्रीराम भगवान की लीला को महर्षि बाल्मीकि द्वारा रामायण लिखी है, अखंड रामायण पाठ में यूं तो कई कांड है लेकिन सुंदरकांड बहुत ही अच्छा है, जिसमें प्रेरणास्रोत लीला का वर्णन है। उन्होंने कहा कि सुंदरकांड में हनुमान जी की वीरता और भक्ति की कहानी है, हनुमान जी ने लंका में सीता माता का पता लगाने के लिए अद्वितीय साहस और भक्ति का प्रदर्शन किया था, सुंदरकांड में हनुमान जी के लंका प्रस्थान से लेकर विभीषण से मुलाकात, सीता से मार्मिक मुलाकात, श्री राम की अंगूठी उन्हें सौंपना, अक्षय कुमार का वध, लंका का दहन, लंका से वापसी तक की घटनाएं आती हैं। सुंदरकांड का पाठ करने से प्रभु श्री राम और हनुमान जी दोनों प्रसन्न होते हैं। साथ ही इस कांड का पाठ करने से व्यक्ति को बल, बुद्धि और विद्या की प्राप्ति होती है। सुंदरकांड हम सनातनियों को संदेश देता है, बुजुर्ग अगर आप सभी से कोई बात कहे उनकी बात मानने से आपके साथ सुंदर ही सुंदर होगा।

मृतक पॉलिसी धारक के आश्रित को मुआवजा दे बीमा कंपनी

मथुरा। स्थाई लोक अदालत मैं पॉलिसी धारक मृतक आश्रित की पत्नी ने अपने मृतक पति की मृत्यु का दावा प्रस्तुत संबंधित बीमा कंपनी के समक्ष किया। जिसे बीमा कंपनी ने खारिज कर दिया था पीड़िता ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से स्थाई लोक अदालत में बाद दायर किया। जिसमें अदालत ने आदेशित करते हुए। संबंधित बीमा कंपनी को एक माह के अंदर मृतक पॉलिसी धारक के आश्रित को मुआवजा अदा करने के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार संजय पुत्र रामस्वरूप निवासी गांव जटवारी मथुरा ने रिलायंस इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड मैं 17 जून 2022 को दो पॉलिसी प्रीमियम अदाकार ली थी जिसमें नॉमिनी के रूप में अपनी पत्नी विमलेश का नाम अंकित कराया था। पॉलिसी धारक संजय की पॉलिसी लेने के 5 दिन बाद ही साइलेंट अटैक से मृत्यु हो गई पॉलिसी धारक मृतक संजय की पत्नी विमलेश ने बीमा कंपनी में विमित धनराशि अदा करने के लिए दावा प्रस्तुत किया जिसे बीमा कंपनी ने यह कहते हुए खारिज कर दिया।

बरदेही सुपर किंग और मनगुवां वॉरियर्स रहीं विजयी

अवधनामा संवाददाता

■ प्लेयर ऑफ द मैच अमित रैकवार व लकी बने

ललितपुर। आईपीएल एल की तर्ज पर निशी क्रिकेट एकेडमी द्वारा स्व.पं.महेश तिवारी मसौरा की स्मृति में द विस्टेरिया गोल्ड कप अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरे दिन दो मैच मैच जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम खेला गये। पहला मैच वीर बुन्देली और बरदेही सुपर किंग व दूसरा मैच मनगुवां वॉरियर्स और द्रव स्पोर्ट्स के बीच खेला गया। पहला मैच बरदेही सुपर किंग ने चार रन से वीर बुंदेली को हराकर लीग मैच में बढ़त हांसिल कर ली है। वहीं दूसरा मैच में मनगुवां ने देव स्पोर्ट्स को करारी शिकस्त दी। पहले मैच में बरदेही सुपर किंग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 94 रन पर ऑल आउट हो गई थी। लेकिन वीर बुन्देली के बल्लेबाज भी 90 रन पर धराशायी हो गये, जिससे बरदेही सुपर किंग ने चार रनों से जीतकर लीग मैच में बढ़त हांसिल कर ली है। बरदेही सुपर किंग की और से बल्लेबाजी करते हुए अमित रैकवार ने 40 रन बनाये जिससे वह प्लेयर ऑफ द मैच बने मोहित रजक ने 10 रन, शिवम सिंह ने नौ रन, आयुष साहू पांच रन, रियांश शाक्य चार रन, अंशुल तीन रन, इरशाद दो रन, प्रयांशु चौबे ने एक रन, वाकी तीन बल्लेबाजों का खता नहीं खुला। अतिरिक्त 20 रन के टीम का स्कोर 94 रन तक पहुंच गई। वीर बुन्देली गेंदबाजी करते हुए मोनिश ने 4 ओवर में 14 रन देकर 5 विकेट झटके योगेश पाठक 4 ओवर में 17 रन देकर 2 विकेट लिये। संचित ने 1.2 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट लिये अर्जुन शर्मा ने 4 ओवर में 21 रन 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वीर बुन्देली वॉरियर्स के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके मात्र 90 रम पर ही टीम ढ़ेर हो गई। बल्लेबाज योगेश पाठक ने 18 रन बनाये संजय ने 13 रन उत्कर्ष बुंदेला ने 11 रन संचित और देव कुशवाहा ने 7 रन, अनिरुद्ध दुबे ने 5 रन, अंकित ने 4 रन मोनिश और अरमान मलिक एक -एक रन ही बना सके। बाकी दो बल्लेबाज एक भी रन नहीं बना सके। दूसरे मैच में देव स्पोर्ट्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए मात्र 54 रन पर टीम ऑल आउट हो गयी। बल्लेबाज देव सेन ने 19 रन बनाये। धारांश जैन और नीरज ने पांच रन तनवीर खान ने तीन रन, नरेश प्रजापति दो रन, प्रत्यूष, गौरांश, ध्रुव जोशी और हनुजीत ने एक -एक रन बमाये अतिरिक्त 16 रन मिलाकर 54 तक पहुँच पाए वही मनगुवां वॉरियर्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए लकी ने तीन ओवर 11 रन देकर तीन विकेट लिये आलेख कुमार ने तीन ओवर में मात्र दो रन देकर दो विकेट झटके रामजी साहू और मनीष ने एक -एक विकेट लिया बाकी तीन बल्लेबाज रन आउट होकर पवेलियन वापिस लौटे !लक्ष्य का पीछा करते हुए मनगुवां वॉरियर्स ने 9. 2 ओवर में ही 56 रन बनाकर 6 विकेट से मैच जीत लिया जिसमें सबसे बेहतर बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश सैनी ने 21 गेंदों में 22 रन बनाये निहाल ने 21 रन लकी ने पांच रन ध्रुव लिटोरिया और मनीष ने एक - एक रन बनाये अतरिक्त 6 रन के साथ 56 रन बनाकर लीग मैच जीत लिया। निर्णायक की भूमिका में अभिनव तौमर व आदित्य सेंगर रहे, स्कोरिंग का भार सिद्धार्थ जैन ने सम्भाला। मैच का आँखों देखा हाल प्रतीक श्रीवास्तव व विभांशु तिवारी ने सयुंक्त रूप से सुनाया। आयोजन कमेटी में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद नसीम, पवन परमार, रामप्रताप सिंह, रत्नेश दीक्षित, देवेंद्र राजा, विजय निरंजन, धर्मेंद्र गोस्वामी, राजकुमार कौशिक, पीएस परमार, अरविन्द राजा, कुमार नुना, अजय राजा, नितिन पुरोहित, रामेश्वर सेन, पुष्पेंद्र राजा, विवेक कौशिक के आलावा अन्य सदस्य मौजूद रहे। बुधवार का पहला मैच देव स्पोर्ट्स और हैमर जिम व दूसरा बुंदेलखंड वॉरियर्स और पॉवर हिटर 94 के बीच खेला जयेगा।

ग्लोइंग त्वचा के लिए घर पर बनाएं ये 4 मुल्तानी मिट्टी का मास्क, जानें इसके फायदे

त्वचा के लिए असंख्य लाभों के कारण त्वचा की देखभाल में मिट्टी के मास्क का उपयोग सदियों से किया जाता रहा है। मुल्तानी मिट्टी मास्क एक लोकप्रिय त्वचा देखभाल उपचार है जो त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार के लिए खनिज युक्त मिट्टी के प्राकृतिक लाभों का उपयोग करता है। अक्सर मिट्टी के जमाव से प्राप्त, ये मास्क मैग्नीशियम, कैल्शियम और पोटेशियम जैसे खनिजों से भरे होते हैं, जो त्वचा पर विभिन्न चिकित्सीय प्रभाव प्रदान कर सकते हैं।

मुल्तानी मिट्टी मास्क के लाभ

गहरी सफाई करता

मिट्टी के मास्क अपने अवशोषक गुणों के कारण त्वचा से अशुद्धियों और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह गहरी सफाई प्रभाव बंद छिद्रों को साफ़ करने और मुँहासे को कम करने में मदद कर सकता है।

एक्सफोलिएट करता

कई मिट्टी की प्राकृतिक बनावट कोमल एक्सफोलिएशन प्रदान करती है, मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाती है और त्वचा को चिकना और चमकदार बनाती है।

त्वचा को टाइट रखता है

मड मास्क त्वचा को कसने और मजबूत बनाने, छिद्रों की उपस्थिति को कम करने और अधिक युवा लुक देने में मदद कर सकता है।

स्किन को डिटॉक्स करता

मिट्टी में मौजूद खनिज अतिरिक्त तेल और अशुद्धियों को बाहर निकालकर त्वचा को विषहरण करने में मदद कर सकते हैं, जिससे वे तैलीय और मुँहासे-प्रवण त्वचा के प्रकारों के लिए फायदेमंद बन जाते हैं।

सुखदायक और शांत

कई मिट्टी के मास्क में प्राकृतिक सूजन-रोधी गुण होते हैं जो चिढ़ या सूजन वाली त्वचा को शांत कर सकते हैं, जिससे वे संवेदनशील त्वचा के प्रकारों के लिए भी उपयुक्त हो जाते हैं।

ये 4 मुल्तानी मास्क

साधारण क्ले मास्क

सामग्री

-2 बड़े चम्मच बेंटोनाइट क्ले या हरी मिट्टी
-2 बड़े चम्मच पानी या सेब का सिरका

बनाने का तरीका

- मिट्टी को पानी या सेब के सिरके के साथ तब तक मिलाएं जब तक आपको एक चिकना पेस्ट न मिल जाए।
- अपने चेहरे पर लगाएं और लगभग 10-15 मिनट तक लगा रहने दें।
- गर्म पानी से धो लें और अपने चेहरे को थपथपाकर सुखा लें।

क्ले और शहद का मास्क

सामग्री

- 2 बड़े चम्मच क्ले
- 1 बड़ा चम्मच शहद

बनाने का तरीका

- क्ले को शहद का साथ मिक्स कर लें।
- अपने चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें।
- गर्म पानी से धो लें और फिर मॉइस्चराइजर लगा लें।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा मास्क

सामग्री

-2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी
-1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल

बनाने का तरीका

- मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल को मिलाकर एक चिकना पेस्ट बना लें।
- अपने चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट तक लगा रहने दें।
- गुनगुने पानी से धो लें।

मुल्तानी मिट्टी और दही का मास्क

-2 बड़े चम्मच मुल्तानी मिट्टी
-1 चम्मच दही

बनाने का तरीका

- मुल्तानी मिट्टी को दही के साथ तब तक मिलाएं जब तक आपको एक मलाईदार स्थिरता न मिल जाए।
- अपने चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें।
- गर्म पानी से धो लें और थपथपा कर सुखा लें।

यह मास्क त्वचा की विभिन्न समस्याओं में मदद करते हैं, लेकिन किसी भी एलर्जी या संवेदनशीलता की जांच के लिए पहले पैच टेस्ट करना सुनिश्चित करें।

हर स्किन टाइप के लिए बेस्ट हैं ये ग्रीन टी के फेस पैक, मिलेगी ग्लोइंग स्किन

ग्रीन टी में कई शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। जो वेट लॉस में काफी मददगार मानी जाती हैं। वहीं सुबह चाय की जगह रोजाना ग्रीन टी पीना काफी फायदेमंद माना जाता है। इसको पीने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ग्रीन टी पीने के साथ ही स्किन को ग्लोइंग बनाने के काम भी आती है। आप ग्रीन टी का फेसपैक बनाकर चेहरे पर अप्लाई करें। बता दें कि ग्रीन टी का फेस पैक हर स्किन टाइप के लिए लाभकारी होता है।

इसके फेस पैक से पिंपल्स से छुटकारा मिलता है और यह पोर्स को क्लीन करता है। इससे बार-बार फेस पर मुंहासे नहीं आते हैं और चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे भी कम होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अलग-अलग तरीके के ग्रीन टी के फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं।

ड्राई स्किन के लिए ग्रीन टी फेस पैक

ड्राई स्किन के लिए ग्रीन टी का फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले ग्रीन टी को उबाल लें और इस मिक्सर में पीस लें। अब इसमें एक चम्मच शहद और दही मिलाकर फेस पर अप्लाई करें। यह फेस पैक स्किन को नमी देने के साथ ग्लो भी बढ़ाता है। ग्रीन टी के पानी के साथ भी यह फेस पैक बनाकर तैयार कर सकती हैं। इस फेस पैक का टेक्स्चर सही रखने के लिए आधा छोटा चम्मच बेसन मिला लें।

ऑयली स्किन के लिए ग्रीन टी फेस पैक

ऑयली स्किन वाले लोग एक बड़ा चम्मच ग्रीन टी को थोड़े पानी में उबाल लें। इस इस पानी में मुल्तानी मिट्टी और कुछ बूंद नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बना लें। फिर अपना चेहरा धो कर सुखा लें। अब इस फेसपैक को 15-20 मिनट के लिए अप्लाई करें और चेहरा नॉर्मल पानी से धो लें। यह फेस पैक एक्स्ट्रा ऑयल को फेस पर आने से रोकता है और यह पिंपल्स से भी छुटकारा दिलाने का काम करता है।

कॉम्बिनेशन स्किन के लिए ग्रीन टी फेस पैक

बता दें कि कुछ लोगों की माथे, नाक और ठुड्डी की आसपास की त्वचा ऑयली होती है। तो अन्य हिस्से थोड़े रुखे होते हैं। ऐसी त्वचा के लिए ओटमील में ग्रीन टी का पानी मिलाएं और एक चम्मच शहद मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। अब जब ओटमील मुलायम हो जाए, तो इसको फेस पर अप्लाई करें और फिर 15 मिनट बाद चेहरा धो लें।

बारिश के मौसम में फ्रिजी बालों से हो गई हैं परेशान तो अपनाएं ये तरीके, मिलेंगे सिल्की और शाइनी बाल

बारिश के मौसम में बालों को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। क्योंकि इस मौसम में बाल फ्रिजी होते हैं टूटने लगते हैं। खासतौर पर यदि बाल लंबे हैं और उनका टेक्सचर ड्राई है। तो बारिश के मौसम में आपको इनका अधिक ध्यान रखना जरूरी होता है। क्योंकि इस मौसम में बाल पतले हो जाते हैं और ड्राई होने के कारण ज्यादा उलझते हैं। ऐसे में बालों का फ्रिजी होना आम समस्या है। ऐसे में आप बालों की फ्रिजीनेस को दूर करने के लिए कुछ उपाय भी अपना सकती हैं। ऐसे में इन उपायों को आजमाने से आप बाल मुलायम, चमकदार और स्वस्छ बने रहेंगे।

हाइड्रेटिंग शैम्पू और कंडीशनर

बारिश के मौसम में नमी अधिक होने के कारण बालों में फ्रिजीनेस की समस्या बढ़ जाती है। इस समस्या से निपटने के लिए आप हाइड्रेटिंग शैम्पू और कंडीशनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह आपके बालों को हेल्दी और मुलायम बनाता है। हालांकि शैंपू का चुनाव करते समय इस बात का ध्यान रखें कि इसमें शिया बटर, आर्गन ऑयल, कोकोनट और कंडीशनर चुनें। इसमें प्राकृतिक तत्व जैसे शिया बटर, आर्गन ऑयल और कोकोनट ऑयल शामिल हों।

बालों में करें डीप कंडीशनिंग

इसके अलावा सप्ताह में एक बार बालों की डीप कंडीशनिंग करनी चाहिए। आप चाहें तो मार्केट में मिलने वाले डीप कंडीशनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। या फिर आप इसको घर पर बनाकर तैयार कर सकती हैं। दूध, शहद और दही आदि से बालों को डीप कंडीशनर कर सकती हैं। यह आपके बालों की फ्रिजीनेस को कम करता है। डीप कंडीशनर करने के बाद बालों को आधा घंटा बाद धो लें।

एंटी-फ्रिज सीरम

वैसे तो मार्केट में आपको कई तरह के एंटी-फ्रिज सीरम मिलेंगे। यह आपके बालों को नमी प्रदान करने के साथ फ्रिजीनेस को कम करते हैं। आप बालों को धोने के बाद सीरम को बालों में अप्लाई कर सकती हैं। यह बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है और बालों को फ्रिजी होने से बचाता है।

बालों को नेचुरल तरीके से सूखने दें

बालों को धोने के बाद इन्हें तौलिए से रगड़कर न सुखाएं, बल्कि आप इनको नेचुरल तरीके से सूखने दें। क्योंकि बालों को तौलिए से रगड़ने से क्यूटिकल्स खुल जाते हैं। जिससे बालों की फ्रिजीनेस बढ़ती है। वहीं ड्रायर से भी बालों को नहीं सुखाना चाहिए। इससे भी आपके बाल फ्रिजी हो जाते हैं।

न करें हीट स्टाइलिंग

बालों में हीट स्टाइलिंग टूल्स जैसे स्ट्रेटनर, हेयर ड्रायर और कर्लर आदि का कम से कम इस्तेमाल करना चाहिए। इससे बालों को नुकसान होता है फ्रिजीनेस बढ़ती है। ऐसे में बारिश के मौसम में इनका कम इस्तेमाल करना चाहिए। अगर कभी आपको बालों की स्टाइलिंग करनी हो तो पहले हीट प्रोटेक्टेंट का इस्तेमाल करें।

सही हेयर ब्रश का इस्तेमाल

बता दें कि बारिश के मौसम में बालों को सुलझाने के लिए सही हेयर ब्रश का इस्तेमाल करना चाहिए। बालों के लिए वाइड-टूथ कंघी या ब्रश सबसे अच्छा माना जाता है, इससे बाल आसानी से सुलझ जाते हैं और यह फ्रिजी नहीं होते हैं।

हेयर मास्क लगाएं

बालों को हेल्दी बनाए रखने के लिए आप सप्ताह में एक बार हेयर मास्क का उपयोग कर सकती हैं। इससे आपके बालों को पोषण मिलता है और आपके बाल मुलायम और चमकदार बनते हैं। आप दूध का हेयर मास्क, घी का हेयर मास्क, बनाना और हनी का हेयर मास्क और अंडे का हेयर मास्क घर पर बनाकर तैयार कर सकती हैं। इस हेयर मास्क को 20-30 मिनट के लिए अप्लाई करें और फिर धो लें।

बार-बार न धोएं बाल

बारिश में बालों को अधिक धोने से बचना चाहिए। क्योंकि बालों को ज्यादा धोने से इनकी प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, जिसके कारण बाल फ्रिजी हो जाते हैं। सप्ताह में 2-3 बार बाल धोने चाहिए और बाल धोने के लिए हमेशा माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके बाद कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

कलर हेयर को नरिश्ड करेंगे ये होममेड मास्क

बालों को कलर करवाना आज के समय में बेहद आम हो गया है। कई बार लोग अपने लुक को थोड़ा ट्रेंडी बनवाना चाहते हैं तो कभी वे अपने सफेद बालों को छिपाने के लिए ऐसा करते हैं। यकीनन बालों को कलर करवाने के बाद आपका ओवर ऑल लुक चेंज हो जाता है। लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि कलर में मौजूद केमिकल आपके बालों को डैमेज करता है, जिससे बालों के रूखेपन, उनका बेजान होना व अन्य कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए, बालों को डीप कंडीशनिंग करने की जरूरत होती है। बालों की डीप कंडीशनिंग के लिए आप घर पर ही कुछ हेयर मास्क बनाकर लगा सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही हेयर मास्क के बारे में बता रहे हैं, जो आपके कलर हेयर को नरिश्ड करने और उन्हें सिल्की व स्मूथ बनाए रखने में मदद करेंगे-

नारियल का दूध और एलोवेरा हेयर मास्क

नारियल का दूध और एलोवेरा कलर बालों में नमी और इलास्टिसिटी को बहाल करने में मदद करता है। नारियल का तेल बालों के शाफ्ट में प्रवेश करता है, जबकि एलोवेरा स्कैल्प को आराम देता है और बालों की ग्रोथ को बेहतर बनाता है।

आवश्यक सामग्री

- 1/2 कप नारियल का दूध
- 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
- 1 बड़ा चम्मच नारियल का तेल

हेयर मास्क बनाने का तरीका

- सबसे पहले एक कटोरी में नारियल का दूध, एलोवेरा जेल और नारियल का तेल मिलाएं।
- इस मिश्रण को अपने बालों पर लगाएं, सिरों पर ध्यान दें।
- अपने बालों को शॉवर कैप से ढक लें और मास्क को 1 घंटे तक लगा रहने दें।
- अंत में, ठंडे पानी और सल्फेट-फ्री शैम्पू से धो लें।

अंडा और मेयोनीज हेयर मास्क

अंडे प्रोटीन से भरपूर होते हैं जो डैमेज्ड बालों को मजबूत बनाने और उन्हें रिपेयर करने में मदद करता है। मेयोनेज़ नमी और शाइन जोड़ता है, जिससे यह कलर बालों के लिए एक अच्छा ऑप्शन बन जाता है। जैतून का तेल बालों को और पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है, जिससे वे चमकदार और स्वस्थ दिखते हैं।

आवश्यक सामग्री

- 1 अंडा
- 2 बड़े चम्मच मेयोनीज
- 1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

हेयर मास्क बनाने का तरीका

- अंडे को तोड़कर अच्छी तरह फेंट लें।
- अब आप इसमें मेयोनीज और जैतून का तेल डालकर मिक्स करें।
- तैयार मास्क को अपने बालों की जड़ों से लेकर सिरे तक समान रूप से लगाएं।
- अपने बालों को शॉवर कैप से ढकें और 45 मिनट तक लगा रहने दें।
- अंत में, ठंडे पानी और सौम्य शैम्पू से अच्छी तरह धो लें।

रोजाना ऑफिस में पहनें ट्रेंडी ऑर्गेंजा सलवार-सूट, सबकी निगाहें आप पर होगी

ऑफिस में डेली वियर पहनने के लिए हम तरह-तरह के कपड़े खरीदते ही रहते है। लेकिन ऑफिस में सबसे आरामदायक और स्टाइलिश लुक देने के लिए सलवार-सूट को पहनना पसंद किया जाता है। हालांकि, आप बाजार रेडीमेड और फैब्रिक खरीदकर कई तरह सूट डिजाइंस मिल जाएंगे। जिन्हें आप पहन सकती हैं। आप भी अपने ऑफिस में रोजाना ऑर्गेंजा सलवार-सूट के पहन सकते हैं।

फ्लोरल डिजाइन ऑर्गेंजा सलवार सूट

ऑफिस में क्लासी दिखने के लिए आप फ्लोरल पैटर्न यानी के फूलों और पत्तियों वाले डिजाइन को ही पसंद किया जाता है। इस पैटर्न में आपको कई प्रिंट वाले डिजाइंस के सलवार सूट का कलेक्शन देखने को मिल जाएगा।

प्लेनडिजाइन ऑर्गेंजा सलवार-सूट

अगर आप प्लेन सूट के साथ हैवी वर्क वाले दुपट्टे को स्टाइल कर सकते हैं क्योंकि यह काफी ट्रेंडी है और इन्हें आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें आप मोनोक्रोम कलर पैलेट के आलवा कई तरह से कलर कॉम्बिनेशन वाले सूट को स्टाइल कर सकते हैं।

फ्रॉक स्टाइल ऑर्गेंजा सलवार सूट

अगर आप कलियों वाले सूट पहनना पसंद करते हैं तो इस तरह के ऑर्गेंजा सलवार-सूट में काफी डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। आपको बाजार में फ्रॉक स्टाइल में कई सारे रेडीमेड ऑर्गेंजा सूट 1000 से 1500 रुपये तक में मिल जाएंगे।

चिकनकारी ऑर्गेंजा सलवार सूट

आजकल चिकनकारी काफी ट्रेंड में है। आप ऑफिस में चिकनकारी वाले ऑर्गेंजा सूट भी पहन सकते हैं। वहीं, इसमें डिजाइन ती बात करें तो आप पाकिस्तानी स्टाइल के सलवार-कमीज भी आपको ऑर्गेंजा फैब्रिक में देखने को मिल जाएगी।

जिद्दी डार्क सर्कल्स और झुर्रियां होगी दूर, बस घर पर बनाएं इमली का फेस पैक

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के चलते लोगों के समय से पहले चेहरे पर झुर्रियां दिखाई देती। इसके साथ ही डार्क सर्कल्स और दाग-धब्बों ने चेहरे की चमक को कहीं गायब ही कर दिया है। लेकिन आज हम आपको इस लेख में खूबसूरती निखारने के लिए सबसे बेहतरीन इमली फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से झुर्रियां और आंखों के नीचे काले घेरे सब मिनटों में गायब हो जाएंगे। आइए जानते हैं इमली फेस पैक बनाने की विधि।

इमली और मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक

अगर आप चेहरे की टैनिंग, झुर्रियां और दाग-धब्बों से परेशान हैं तो आप इस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप इमली के गूदे के साथ 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 1 चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर सभी चीजों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगा लें। इसके बाद जब यह सूख जाए तब हल्के हाथ से मसाज करते हुए इसे धो लें। इमली का यह जादुई फेस पैक झुर्रियां, दाग-धब्बों और डार्क सर्कल्स को दूर कर देगा।

इमली और सूजी का फेस पैक

अगर आप अपनी बढ़ती उम्र कम करना चाहते हैं तो इस फेस पैक का प्रयोग जरुर करें। सबसे पहले आप गर्म पानी में इमली डालें ताकि इमली का गूदा सॉफ्ट हो जाए। इसके बाद इमली के गूदे में 1 चम्मच सूजी, 1 चम्मच शहद , 1 चम्मच बेसन और गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पैक को आप चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं रखें। इसके बाद चेहरे को धो लें और फिर मॉश्चराइजर लगा लें।

सेलिब्रिटीज की तरह आप भी पोटली बैग कैरी कर मचाएं धूम, स्टाइलिश नजर आएंगी आप

हम सभी को सुंदर दिखना बहुत पसंद होता है, इसके लिए हम सभी अक्सर सेलिब्रिटीज के लुक्स को रिक्रीएट करते हैं। वहीं सोशल मीडिया पर भी हम उन्हें इसीलिए फॉलो करते हैं, जिससे कि उनके लुक्स पर नजर रख सकें। बता दें कि आजकल एक्ट्रेस के पोटली बैग काफी ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री अक्सर लहंगा, सूट और साड़ी आदि आउटफिक के साथ पोटली बैग कैरी करती हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अपना सामान रखने में समस्या होती हैं, तो आप भी बॉलीवुड एक्ट्रेसस की तरह अलग-अलग डिजाइन में पोटली बैग खरीदकर उसे स्टाइल कर सकती हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ एक्ट्रेस के लुक्स और उनके पोटली बैग के बारे में बताने जा रहे हैं।

आउटफिट डिजाइन से मैच करें पोटली बैग

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर अपने आउटफिट को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। करिश्मा के सिर्फ आउटफिट ही नहीं बल्कि उनके बैग भी उतने ही ट्रेंडी होते हैं। करिश्मा ने वेस्टर्न ड्रेस के साथ मैचिंग पोटली बैग को कैरी किया है। आउटफिट के साथ यह बड़ी पोटली काफी अच्छी लग रही है। इस पोटली में एम्ब्राइडरी वर्क हो रखा है। जिसके कारण यह पोटली ट्रेडिशनल टच दे रहा है। मार्केट में आपको 250 से 500 रुपये में इस तरह की पोटली बैग मिल जाएगी, जिसको आप किसी भी आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

गोल्डन कलर पोटली बैग

अगर आप गोल्डन वर्क वाले कपड़ों को पहन रही हैं, आप एक्ट्रेस नोरा फतेही जैसी पोटली बैग कैरी कर सकती हैं। आप लहंगे के साथ एम्ब्राइडरी वर्क वाले गोल्डन पोटली बैग कैरी कर सकती हैं। आप चाहें तो इसको साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की पोटली बैग छोटे और बड़े हर तरह के डिजाइन में मिल जाती है। ऐसे में आप इसमें सामान रखने की समस्या नहीं होती है। मार्केट में आपको 200 से 250 रुपये में इस तरह की पोटली मिल जाएगी।

हैवी एम्ब्रॉयडरी वर्क वाली पोटली

अगर आप किसी फंक्शन में जाने की तैयार कर रही हैं, तो आप एक्ट्रेस उर्मिला के डिजाइन वाली पोटली बैग कैरा कर सकती हैं। एक्ट्रेस ने अपने आउटफिट से मैचिंग पोटली स्टाइल की है। इस पोटली बैग में नीचे की तरफ एम्बॉयडरी वर्क हुआ है। तो वहीं ऊपर से यह एकदम सिंपल है। इस पोटली बैग में पर्ल और स्टोन वर्क टेस्ल लगा है, जिसके कारण यह फैंसी लग रही है। ऐसे में आप भी इस तरह की मिलती-जुलती पोटली बैग कैरी कर सकती हैं।

महाराष्ट्र में भाजपा का सीएम तय! पर्यवेक्षक विजय रुपाणी ने कर दिया बड़ा दावा

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में चुनाव के नतीजे भले ही घोषित हो गए हों, लेकिन मुख्यमंत्री पद के लिए नाम अभी तक तय नहीं हो पाया है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी को बीते रोज ही महाराष्ट्र का ऑब्जर्वर बनाया गया था और 24 घंटे के भीतर ही उन्होंने महाराष्ट्र को लेकर बड़ा दावा कर दिया है। विजय रुपाणी ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी है। एकनाथ शिंदे ने ही बयान दिया था कि भाजपा का सीएम बने तो मुझे कोई तकलीफ नहीं है। मुझे लगता है कि इस बार बारी भाजपा का सीएम बनने की है, ऐसी संभावना है। सर्वसम्मति से नेता चुनने का दावा रुपाणी ने आगे कहा, मैं आज शाम को मुंबई जा रहा हूं। निर्मला सीतारमण भी आ रही हैं। कल सुबह 11 बजे विधायक दल की बैठक है। वहां चर्चा कर सर्वसम्मति से नेता का चयन होगा और उसका नाम हाईकमान को बताया जाएगा। महायुति में सहयोगी शिवसेना और एनसीपी को लेकर विजय रुपाणी ने कहा कि तीनों घटक के साथ हाईकमान ने चर्चा की है। सब कुछ सर्वसम्मति से ही होगा। आपको बता दें कि भाजपा ने विजय रुपाणी और निर्मला सीतारमण को सोमवार की शाम ही महाराष्ट्र का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। भाजपा ने पहले ही एलान कर दिया है कि महाराष्ट्र में नई सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को होना है। इसके लिए मुंबई के आजाद मैदान को चुना गया है। सारी कशमकश अब बस मुख्यमंत्री चुनने को लेकर ही है। उधर एकनाथ शिंदे ने भी बड़ा बयान देते हुए कहा था कि राज्य की जनता उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती है। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के नाम को लेकर हो रही जद्दोजहद पर कल विराम लग जाएगा। 5 दिसंबर को शपथ ग्रहण का दावा करने वाली भाजपा के पास अब बस कल का ही दिन शेष है।

इंजीनियरिंग की सीट पर दाखिले से जुड़े घोटाले में बेंगलुरु पुलिस का एक्शन, 8 लोगों को किया गिरफ्तार

प्रविष्टिया

व्यक्तियों ने 52 इंजीनियरिंग उम्मीदवारों से लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त किए और फिर खुद को उम्मीदवार बताते हुए उनकी ओर से विकल्प प्रविष्टियां कीं।

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने इंजीनियरिंग सीट पर दाखिले से जुड़े घोटाले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को कहा कि इंजीनियरिंग सीट-ब्लॉकिंग घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) के एक स्टाफ सदस्य सहित दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, मामला 13 नवंबर को सामने आया जब केईए अधिकारियों ने मल्लेश्वरम पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें 2024-2025 स्नातक इंजीनियरिंग प्रवेश के दौरान एक संदिग्ध सीट-ब्लॉक करने की योजना रिपोर्ट की गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान शिकायत के आधार पर तीन निजी इंजीनियरिंग कॉलेज प्रबंधकों से पूछताछ की गई, जिससे सबूत इकट्ठा हुए। अधिकारी ने कहा, हमने केईए के एक कर्मचारी समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य में बिचौलिए और कुछ इंजीनियरिंग कॉलेजों के कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा, उन्हें अदालत में पेश किया गया और 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि KEA की शिकायत के आधार पर आईटी अधिनियम के प्रावधानों के साथ-साथ धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के लिए भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। एफआईआर के अनुसार, सीटें लेने के इरादे से कुछ उम्मीदवारों का कथित तौर पर कॉलेजों के लिए विकल्प प्रविष्टियां करने के लिए इस्तेमाल किया गया था। व्यक्तियों ने 52 इंजीनियरिंग उम्मीदवारों से लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त किए और फिर खुद को उम्मीदवार बताते हुए उनकी ओर से विकल्प प्रविष्टियां कीं। एक बयान में, पुलिस ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने बीएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज, आकाश इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और न्यू होराइजन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में सरकारी कोटा के तहत इंजीनियरिंग सीटों को ब्लॉक कर दिया, जिससे निजी कॉलेजों को फायदा हुआ और योग्य उम्मीदवार अपने अवसरों से वंचित हो गए। बयान में कहा गया है कि जांच से पता चला है कि आरोपियों ने कथित तौर पर गोवा, बेंगलुरु, शिवमोग्गा, दावणगेरे और चिक्कमगलुरु के कदुर में निजी कॉलेजों को लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न स्थानों से लॉग इन करने के लिए मोबाइल फोन और लैपटॉप का इस्तेमाल किया था।

अब त्रिपुरा में बांग्लादेशियों को नहीं मिलेगा होटल-भोजन

अगरतला। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और भारतीय झंडे के प्रति को लेकर को लेकर लगातार भारत के कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ दिन पहले तो अगरतला और कोलकाता के दो अस्पतालों ने बांग्लादेशी नागरिकों के इलाज पर भी रोक लगा दी थी। इस बीच सोमवार को त्रिपुरा होटल और रेस्टोरेंट्स ने भी एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने अब बांग्लादेशियों को सेवाएं देने से किया इनकार कर दिया है। पूर्वोत्तर राज्य में ट्रावेल सेक्टर के शीर्ष संघ की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। दोनों पड़ोसियों के बीच राजनयिक संबंधों में तनाव को देखते हुए यह फैसला हुआ है। ऑल-त्रिपुरा होटल और रेस्तरां मालिक संघ की ओर से जारी बयान में कहा, राज्य के होटल बांग्लादेशी पर्यटकों को कमरे नहीं देंगे और रेस्तरां में उन्हें भोजन नहीं दिया जाएगा। यह बयान ऐसे समय जारी हुआ जब सैकड़ों लोगों ने राजधानी अगरतला में बांग्लादेशी मिशन के चारों ओर विशाल रैली निकाली। इस दौरान बांग्लादेश में हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के साथ-साथ पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हमलों का विरोध किया गया। एटीएचआरओए के महासचिव सैकत बंद्योपाध्याय ने कहा कि यह निर्णय सोमवार को हुई एक आपातकालीन बैठक में लिया गया।

तमिलनाडु में घर पर गिरी चट्टान, 5 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत; उपमुख्यमंत्री ने मुआवजे का किया एलान

नई दिल्ली। चक्रवात तूफान फेंगल ने तमिलनाडु में तबाही मचा रखी है, यहां लगातार बारिश हो रही है। लगातार बारिश के कारण तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में लैंडस्लाइड हुआ, इस वजह से एक घर पर चट्टान गिर गया। चट्टान गिरने से 5 बच्चों सहित 7 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 4 शवों को बरामद कर अस्पताल भेज दिया गया है। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। NDRF और सेना को भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगया गया है। वहीं उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने भी भूस्खलन में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के लिए 5 लाख रुपये की राशि देने का एलान किया। बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी राज्य का दौरा किया और कहा कि चक्रवात फेंगल ने राज्य में अभूतपूर्व तबाही मचाई है।

बांग्लादेश के उप उच्चायोग भवन पर हमले के मामले में 4 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई, 7 लोग गिरफ्तार

घटना

इस हरकत से भारत और बांग्लादेश के बीच चल रहा कूटनीतिक तनाव और गहरा गया है। इस घटना पर भारत ने गहरा खेद जताया है।

अगरतला। अगरतला स्थित बांग्लादेश के उप उच्चायोग भवन पर कुछ असमाजिक तत्वों की तरफ से हमला किया गया। अब इस मामले में 4 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लिया गया है और 7 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के खिलाफ त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में सोमवार (2 दिसंबर) को एक विरोध रैली निकाली गई। रैली के दौरान गुस्साई भीड़ ने बांग्लादेशी उच्चायोग पर हमला कर दिया। पुलिस ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया, अगरतला में बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में परिसर के उल्लंघन के मामले में चार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। पश्चिम त्रिपुरा के एसपी किरण कुमार के ने पीटीआई को बताया कि तीन उप-निरीक्षकों को निलंबित कर दिया गया और एक पुलिस उपाधीक्षक को लापरवाही के लिए पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। घटना को लेकर न्यू कैपिटल कॉम्प्लेक्स (एनसीसी) पुलिस स्टेशन में स्वतः संज्ञान मामला दर्ज किया गया था। एसपी ने कहा कि पुलिस ने पहले ही घटना की जांच शुरू कर दी है और कानून के अनुसार कदम उठाएगी। साथ ही घटना के बाद वाणिज्य दूतावास में सुरक्षा बढ़ा दी गई और सीआरपीएफ और त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) के जवानों को तैनात किया गया। इस हमले से भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव बढ़ गया है। हमले ने भारत को बैक-फुट पर ला दिया है क्योंकि अभी तक भारत ढाका स्थित अपने उच्चायोग की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाए हुए था। इस हरकत से भारत और बांग्लादेश के बीच चल रहा कूटनीतिक तनाव और गहरा गया है। इस घटना पर भारत ने गहरा खेद जताया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया है कि आज दिन में अगरतला स्थित बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त के भवन पर किया गया हमला काफी खेदजनक है। किसी भी सूरत में कूटनयिकों और कांसुलर की परिसंपत्तियों पर निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। दूसरी तरफ बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि अगरतला के प्रदर्शनकारियों को परिसर में प्रवेश करने की अनुमति दी गई। इसके बाद उन्होंने ध्वज स्तंभ को तोड़ दिया और बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का भी अपमान किया। विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाते हुए ये भी कहा कि ये बेहद अफसोस की बात है सुरक्षा के लिए मौजूद स्थानीय पुलिसकर्मियों ने शुरू से ही स्थिति को कंट्रोल करने में कोई सक्रियता नहीं दिखाई।

यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर के खिलाफ याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने जताई सहमति; जल्द होगी सुनवाई

नई दिल्ली। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोपपत्र और कार्यवाही को रद करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में इस आदेश को चुनौती दी गई है। जिस पर स्ट ने सहमति जताई है और जल्द ही मामले की अगली सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने 2 दिसंबर को याचिकाकर्ता राज खान द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई की अनुमति दे दी और दोनों पक्षों को सुनने के बाद मामले को अंतिम बहस के लिए स्थगित कर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल और अधिवक्ता तन्वी दुबे द्वारा प्रस्तुत याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि यूपी गैंगस्टर अधिनियम के तहत उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर निराधार है और पिछली एफआईआर के कारण सामने आई है। याचिका में कहा गया कि एफआईआर दर्ज करना कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है और याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम लगाना पक्षपातपूर्ण है तथा यह पुलिस और न्यायिक तंत्र का दुरुपयोग है। इसमें आरोप लगाया गया है कि कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के समक्ष शिकायत दर्ज कराने के बाद व्यक्तिगत प्रतिशोध के कारण कार्यवाही शुरू की गई। याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करना और कार्यवाही शुरू करना प्रथम दृष्ट्या दुर्भावनापूर्ण है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत रंजिश के कारण प्रतिशोध लेना है। इस बात पर जोर दिया गया कि याचिकाकर्ता का उक्त मामले के अलावा कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है तथा गैंगस्टर अधिनियम के तहत कार्यवाही संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के उसके अधिकार का उल्लंघन है। याचिका में अदालत से आरोपपत्र और सभी संबंधित कार्यवाही को रद करने का आग्रह किया गया है तथा दावा किया गया है कि उनके खिलाफ मामला वक्फ प्रशासन के भीतर भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी असहमति को दबाने की एक चाल है।

सजा से 15 दिन पहले बाइडन ने क्यों अपने बेटे को किया माफ

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जाते-जाते अपने बेटे को बड़ा गिफ्ट दिया है। उन्होंने अपने बेटे को सभी अपराधों से दोषमुक्त करार दिया है। जो बाइडन के बेटे का नाम हंटर बाइडन है। पिता के इस कदम का असर यह होगा कि अब हंटर बाइडन को जेल नहीं जाना पड़ेगा। अमेरिका में इस फैसले पर जो बाइडन की कड़ी आलोचना भी हो रही है। मगर उनका कहना है कि मुझे सिर्फ इसलिए निशाना बनाया जा रहा क्योंकि यह फैसला एक पिता ने लिया है। आइए जानते हैं आखिर यह पूरा मामला है क्या? जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन को बंधूक अपराध और कर उल्लंघन के मामले में दोषी ठहराया है। हंटर जो बाइडन के सबसे बड़े बेटे हैं। इस बीच अमेरिका के न्याय विभाग के निष्पक्ष कार्य प्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। दरअसल, इसी न्याय विभाग ने कुछ दिन पहले भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी के खिलाफ रिश्वत का कथिर आरोप लगाया। अमेरिका में इस बात पर बहस छिड़ गई है कि क्या न्याय विभाग राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त है या नहीं।जो बाइडन ने अपने बेटे को एक जनवरी 2014 से एक दिसंबर 2024 तक के सभी अपराधों पर क्षमादान दिया है। यह क्षमादान बिना शर्त प्रदान किया गया है। मतलब यह है कि पिछले 10 सालों में हंटर बाइडन ने जो भी अपराध किए हैं, अब उनमें उन्हें किसी भी सजा का सामना नहीं करना पड़ेगा। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडन अक्सर यह कहते थे कि वह अमेरिका में कानून का शासन बनाए रखेंगे। अपने बेटे को माफ करने में कभी अपनी राष्ट्रपति की शक्तियों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। मगर बाइडन के इस ताजा कदम को यू-टर्न कहा जा रहा है।

बाइडन का भारत के लिए अहम फैसला, 1 अरब डॉलर के एमएच-60आर हेलीकॉप्टर उपकरण बेचने को दी मंजूरी

वाशिंगटन। बाइडन प्रशासन ने सोमवार को 1.17 अरब डालर की अनुमानित लागत पर एमएच-60आर मल्टी-मिशन हेलीकाप्टर इक्यूपमेंट सहित अन्य संबंधित उपकरणों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी ने कांग्रेस को इसकी जानकारी देते हुए कहा है कि प्रस्तावित बिक्री से भारत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताएं उन्नत होंगी, जिससे भविष्य के खतरों से निपटने में मदद मिलेगी। बाइडन प्रशासन के कार्यकाल समाप्त होने से कुछ हफ्ते पहले भारत को प्रमुख रक्षा उपकरणों की बिक्री की मंजूरी का यह फैसला लिया गया है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे।

ब्रेन रोट बना 2024 का वर्ड ऑफ द ईयर

मामला

बीते एक साल मे ब्रेन रॉट शब्द का इस्तेमाल 230 फीसदी बढ़ा है। अगर मामला जटिल लग रहा हो, तो थोड़ा आसान भाषा में समझते हैं।

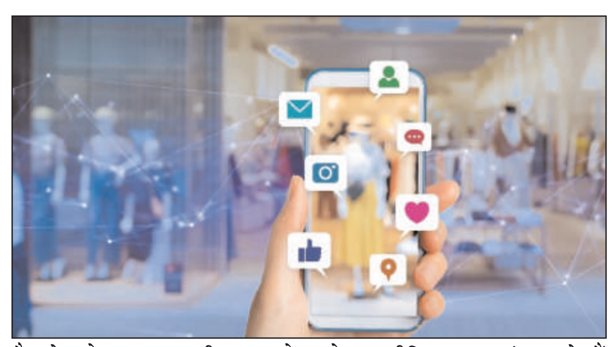

नई दिल्ली।आज के समय में इंटरनेट हमारी जिंदगी का इतना अहम हिस्सा बन चुका है कि बिना इसके जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल है। लेकिन इसी इंटरनेट की दुनिया में रील और शॉर्ट्स नाम के दो प्रेत भी मौजूद है। नाम भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दोनों का काम एक ही है- आपका समय बर्बाद करना। आप सोच रहे होंगे कि हम आज ये ज्ञान क्यों बांटने लगे हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर बिना सोचे-समझे केवल स्क्रॉल करते जाने की इसी निरंतरता के लिए एक टर्म इस्तेमाल किया जाता है- ब्रेन रोट । अब इसी शब्द को ऑक्सफोर्ड ने वर्ड ऑफ द ईयर 2024 घोषित किया है। वो सोशल मीडिया पर एक मीम चलता है ना- जल लीजिए, थक गए होंगे स्क्रॉल करते-करते, तो फिलहाल आपको जल की ही जरूरत है। क्योंकि ये फिजूल का स्क्रॉल आपको मानसिक सड़न दे रहा है। बीते एक साल मे ब्रेन रॉट शब्द का इस्तेमाल 230 फीसदी बढ़ा है। अगर मामला जटिल लग रहा हो, तो थोड़ा आसान भाषा में समझते हैं। क्या आपको सुबह-सुबह उठकर फोन चेक करने की आदत है? क्या फोन चेक करते-करते आप अचानक से सोशल मीडिया पर पहुंच जाते हैं और फिर आधे घंटे बाद आपको याद आता है कि अभी तो आप बिस्तर से भी नहीं उठ पाए हैं? क्या आप कहीं भी बैठे, खड़े या लेटे होकर फोन पर रील या शॉर्ट्स स्क्रॉल करने लगते हैं? अगर हां तो आप ब्रेन रोट का शिकार हैं। दरअसल होता ये है कि सोशल मीडिया पर कंटेंट की भरमार है। आप किसी रील या वीडियो पर औसत के मुकाबले 2 सेकेंड भी अतिरिक्त गुजार देंगे, तो संबंधित एप का एल्गोरिद्म समझ जाएगा कि फलां कैटेगरी की वीडियो आपको पसंद है, भले ही आपको न हो। अब आपकी स्क्रीन पर तमाम ऐसे ही रील और कंटेंट पसर जाएंगे। स्क्रॉल करते-करते आपको भी नहीं पता चलता कि जो कंटेट आप देख रहे हैं, वह आपके काम की है भी या नहीं। ये वही स्थिति है, जिसमें हम बिना कुछ समझे या सोचे कंटेंट को स्क्रॉल किए जा रहे हैं, क्योंकि स्क्रीन पर वही आ रहा है और आप सोशल मीडिया की दुनिया में गोते लगा रहे हैं। आप सोचते हैं कि बस कुछ देर और, बस कुछ रील और... लेकिन ये अंत तब तक नहीं आता, जब तक आपको कोई दूसरा काम नहीं याद आए या मम्मी आकर आपसे ये न कह दें कि कई घंटे से आप इसी में लगे हुए हैं। ब्रेन रोट शब्द इसी मानसिक सड़न को संदर्भित करता है, जिसमें आप लो क्वालिटी कंटेट, रिपीट होने वाले कंटेट को बस कंज्यूम कर रहे हैं, बिना किसी मतलब के। ब्रेन रोट शब्द का इस्तेमाल आज से करीब 170 साल पहले किया गया था। 1854 में लिखी हेनरी डेविड की किताब वाल्डेन में इस शब्द का पहली बार जिक्र किया गया।

क्या भारत को प्रयोगशाला मानते हैं बिल गेट्स पॉडकास्ट में कही ऐसी बात; भड़के लोग

तेलंगाना

ये एनजीओ गेट्स फाउंडेशन द्वारा फंडेड था। ट्रायल के दौरान तेलंगाना और गुजरात के करीब 14 हजार आदिवासी स्कूली छात्राओं को वैक्सीन लगाई गई।

नई दिल्ली।माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स एक नए विवाद में घिर गए हैं। लिंक्डइन के को-फाउंडर रीड हॉफमैन के साथ एक पॉडकास्ट में उन्होंने भारत को प्रयोगशाला की तरह बताया। उनके इस बयान के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग भड़क गए हैं। एक पॉडकास्ट के दौरान बिल गेट्स ने कहा कि भारत उन देशों के लिए एक उदाहरण है, जहां कई सारी समस्याएं हैं, लेकिन बावजूद इसके वह स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। इन समस्याओं के बावजूद भारत में सरकार को भरपूर राजस्व मिल रहा है। बिल गेट्स ने कहा कि 20 साल बाद लोग भारत की परिस्थिति देखकर चौंक जाएंगे। यह एक प्रयोगशाला की तरह है, जहां आप अलग-अलग प्रयासों पर काम कर सकते हैं और जब यह प्रयास सफल हो जाते हैं, तो उन्हें दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी ले जाया जा सकता है। बिल गेट्स का यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। लोगों ने भारत को प्रयोगशाला बताए जाने पर नाराजगी जाहिर की। इसके बाद से 2009 में बिल गेट्स के फाउंडेशन द्वारा भारत में किए गए वैक्सीन ट्रायल को लेकर चर्चा भी शुरू हो गई। दरअसल 2009 में एक एनजीओ PATH द्वारा आईसीएमआर इंडियन कार्उंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के साथ मिलकर सर्वाइकल कैंसर के लिए बनी वैक्सीन का भारत में ट्रायल किया गया था। ये एनजीओ गेट्स फाउंडेशन द्वारा फंडेड था। ट्रायल के दौरान तेलंगाना और गुजरात के करीब 14 हजार आदिवासी स्कूली छात्राओं को वैक्सीन लगाई गई। लेकिन वैक्सीन लगने के कुछ महीनों बाद ही छात्राओं में इसके गंभीर साइड इफेक्ट देखने को मिले और 7 लोगों की मौत भी हो गई। आरोप लगा कि छात्राओं का कंसेंट फॉर्म बिना उनके परिजनों की अनुमति के हॉस्टल वार्डन द्वारा साइन कर दिया गया था। इसके बाद काफी बवाल मचा था, लेकिन PATH ने ऐसी किसी भी संभावना से साफ तौर पर इंकार कर दिया और मौतों की वजह संक्रमण और आत्महत्या बताया था।

प्रॉस्टिट्यूशन को लीगल बताने वाला ऐतिहासिक कानून लागू

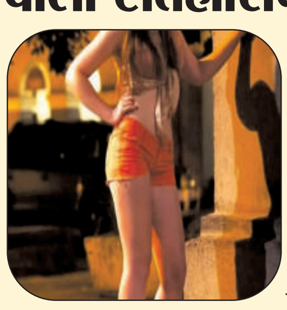

लंदन। बेल्जियम की सरकार ने सेक्स वर्कर्स के लिए हाल ही में एक ऐतिहासिक कानून लागू किया है। इस कानून के तहत देश में सेक्स वर्कर्स के अधिकारों को कानूनी मान्यता दी गई है। अब ये वर्कर्स औपचारिक रोजगार अनुबंध पर हस्ताक्षर करने में सक्षम होंगे और अन्य व्यवसायों के समान श्रम अधिकार प्राप्त करेंगे। अब प्रॉस्टिट्यूशन को किसी दूसरे पेशे की तरह माना जाएगा। इस कानून को कुछ लोग क्रांति बता रहे हैं। नया कानून सेक्स वर्करों के लिए मौलिक अधिकार भी स्थापित करता है, जिसमें ग्राहकों को मना करने, अपनी प्रथाओं को चुनने और किसी भी समय किसी भी कार्य को रोकने का अधिकार शामिल है। नए नियमों के तहत, सेक्स वर्करों को स्वास्थ्य बीमा, मैटरनिटी और सिक लीव, बेरोजगारी सहायता और पेंशन भी मिलेगी। ये कानून काम के घंटे, वेतन और सुरक्षा उपायों पर नियम भी स्थापित करता है, जो उद्योग में उन लोगों के लिए कानूनी सुरक्षा में लंबे समय से चली आ रही कमी को दूर करता है। कानून का मसौदा तैयार करने में शामिल एक वकालत समूह एस्पेस पी के समन्वयक इसाबेल जरामिलो ने कहा, यह एक अविश्वसनीय कदम है इसका मतलब है कि उनके पेशे को आखिरकार बेल्जियम राज्य द्वारा वैध माना जा सकता है। दूसरी ओर नियोक्ता के दृष्टिकोण से भी ये कानून एक क्रांति होगा। उन्हें सेक्स वर्कर को काम पर रखने के लिए राज्य से स्वीकृति के लिए आवेदन करना होगा।

1 महीने जेल में रहेंगे चिन्मय दास, कट्टरपंथियों के खौफ से किसी वकील ने कोर्ट में नहीं रखा कदम

नई दिल्ली। बांग्लादेश में गिरफ्तार इस्कॉन के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत पर सुनवाई अगले महीने के लिए टाल दी गई है। चिन्मय दास की जमानत अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई होनी थी लेकिन उनकी ओर से कोई वकील पेश न होने की वजह से कोर्ट ने सुनवाई दो जनवरी तक के लिए टाल दी।

मंगलवार को वकीलों ने जमानत की सुनवाई के दौरान उनकी ओर से पेश होने से इनकार कर दिया, जिसके बाद चैटोग्राम अदालत ने कार्यवाही स्थगित कर दी। कोर्ट ने अब सुनवाई की अगली तारीख 2 जनवरी 2025 तय की है। जानकारी के लिए बता दें कि चिन्मय कृष्ण दास की सुनवाई करने वाले बांग्लादेशी वकील पर रमन रॉय पर इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हमला किया और अभी उनकी हालत गंभीर है। चिन्मय दास को पिछले हफ्ते बांग्लादेशी हिंदुओं पर बढ़ते हमलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते समय देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया था। दरअसल चिन्मय दास एक रैली में हिस्सा लेने के लिए चटगांव जा रहे थे। उनके खिलाफ राजद्रोह का आरोप लगाया गया है। इसके बाद भारत ने भी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर आपत्ति जताई थी। वहीं इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने भी इस संबंध में एक्स पर एक पोस्ट लिखा, उन्होंने कहा, कृपया वकील रमेन रॉय के लिए प्रार्थना करें। उनकी एकमात्र गलतीअदालत में चिन्मय कृष्ण प्रभु का बचाव करना था। इस्लामवादियों ने उनके घर में तोड़फोड़ की और उन पर बेरहमी से हमला किया, और चले गए। वह आईसीयू में है और अपनी जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे हैं। साथ ही राधारमण दास ने हिंदुओं और इस्कॉन पुजारियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को देखते हुए हिंदुओं और पुजारियों को एक सलाह दी है। हिंदुओं पर हमलों के बीच, इस्कॉन कोलकाता ने पड़ोसी देश में अपने सहयोगियों और अनुयायियों को सलाह दी है कि वे तिलक मिटा दें और तुलसी की माला छिपा लें, अपना सिर ढक लें और भगवा पहनने से बचें। हालांकि, बांग्लादेश के कई वकीलों ने ऐसी किसी भी घटना से इनकार किया है। पिछले महीने भी सोशल मीडिया और कुछ समाचार आउटलेट्स पर दावा किया गया था कि चिन्मय कृष्ण दास का बचाव करने वाले एक वकील की हत्या कर दी गई थी। लेकिन जांच से पता चला कि मारा गया वकील सैफुल इस्लाम एक सहायक सरकारी अभियोजक था और वह चिन्मय दास का बचाव नहीं कर रहा था।

आरके मिशन स्कूल के वार्षिकोत्सव में दिखी स्वर्णिम भारत की झलक

अवधनामा संवाददाता

बलिया। आरके मिशन विद्यालय में वार्षिक समारोह अनुभूति कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इसमें शिक्षा, संस्कृति और रचनात्मकता का अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित पाल सिंह एवं नरेंद्र सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलिया रहे।

मुख्य अतिथि का स्वागत विद्यालय घोष एवं खड़ताल नृत्य के साथ हुआ। विद्यालय के प्रबंधक ने मंच पर उनका अभिनंदन अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ से किया। तदोपरांत दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि ÷परिवार ही प्राथमिक पाठशाला है, जहां विद्यार्थी अपने जीवन के संस्कार और मूलभूत शिक्षा प्राप्त करता है। बच्चों में चारित्रिक गुणों का विकास और उनका सही मार्गदर्शन समाज को मजबूत बनाता है।÷ इस मौके पर मुख्य अतिथि के हाथों विद्यालय की वार्षिक पत्रिका %अनुभूति% का लोकार्पण भी किया गया।

मंच संचालन की जिम्मेदारी विद्यालय की होनहार छात्राओं शौर्या मिश्रा (कक्षा 11) और जानवी गुप्ता (कक्षा 11क) ने बखूबी निभाई। दोनों ने आत्मविश्वास और कुशल शैली में पूरे कार्यक्रम को संयोजित किया। हर सत्र का परिचय, गैलरियों की जानकारी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की घोषणा उनकी प्रस्तुति को प्रभावी बनाती रही। बच्चों और शिक्षकों के सम्मिलित प्रयास से बनी विषयानुकूल गैलरियों ने सभी का मन मोहा। कार्यक्रम में कुल आठ गैलरियां लगाई गईं, जो छात्रों की रचनात्मकता और उनकी सोच को प्रदर्शित कर रही थीं

हिंदी गैलरी और अंग्रेजी गैलरी, जो भाषायी समृद्धि और साहित्य को दर्शाती थीं। गणित गैलरी, जिसमें गणितीय कौशल और तार्किक सोच का प्रदर्शन किया गया। सामाजिक विज्ञान गैलरी, जिसने इतिहास,

संस्कृति और समाज की झलक पेश की। वाणिज्य गैलरी, जो भारत की आर्थिक उन्नति का प्रतीक बनी। संस्कृत गैलरी, जिसमें भारत की प्राचीन भाषा और इसकी महत्ता का प्रदर्शन किया गया। कला गैलरी, जिसमें छात्रों की कलात्मक कृतियों को प्रदर्शित किया गया। फूड स्टॉल्स, जो भारत की विविध खान-पान संस्कृति का प्रतिनिधित्व कर रही थीं।इन गैलरियों ने दर्शकों को न केवल शिक्षित किया बल्कि छात्रों की प्रतिभा और परिश्रम को भी उजागर किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मंच पर प्रस्तुत विभिन्न संस्कृति आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और भारत की सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रबंधक श्री हर्ष श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि ÷हम उत्कृष्ट शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं। ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उनकी प्रतिभा को निखारते हैं। अनुभूति कार्यक्रम ने छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के समन्वित प्रयास से यह सिद्ध किया कि विद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि चरित्र और कौशल निर्माण का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस कार्यक्रम ने स्वर्णिम भारत की एक झलक प्रस्तुत करते हुए सभी को प्रेरित किया। सम्पूर्ण विद्यालय प्रांगण को सुसज्जित करने का श्रेय कला शिक्षिका श्वेता वर्मा का रहा,जिनकी रचनात्मक दृष्टि से सभी परिचित हो सके। पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों ने अपना यथोचित सहयोग किया। अंजनी मैम,नसीम फातमा, मलिका खान , चित्रलेखा शालिनी, रंजना राय, मधु गुप्ता, मनीषा सिंह, कंचन मिश्रा, प्रशांत मौर्या, धर्मेंद्र वर्मा, संतोष सिंह, क्षितिज श्रीवास्तव, संजीव सिंह, सुलक्षणा, कृतिका, उत्कर्ष तिवारी आदि अन्य सभी ने अपना अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के उप प्रधानाचार्य प्रदीप सिंह द्वारा किया गया।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रही हिंसा के विरोध में निकाली गयी आक्रोश प्रदर्शन रैली

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। हिन्दू रक्षा समिति के तत्वावधान में संयोजक विमल सिंह तथा सहसंयोजक डा. संदीप पाण्डेय के नेतृत्व में बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रही हिंसा के विरोध में एक विशाल जनसमुदाय के साथ आक्रोश प्रदर्शन रैली आयोजित की गयी। शान्तिपूर्ण ढंग से आयोजित यह रैली विसर्जन घाट से प्रारम्भ की गयी जो अटाला, सुहट्टी चौराहा, कोतवाली, चहारसू, ओलन्दगंज होते हुए विसर्जन घाट पर पुनः समाप्त की गयी। इस पदयात्रा के प्रारम्भ में विसर्जन घाट पर सभा आयोजित की गयी जिसमें विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष विमल सिंह, भारत विकास परिषद शौर्य के अध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय, अमित वत्स व नीतू सिंह ने अपने विचार रखे। इस पदयात्रा आक्रोश प्रदर्शन में जनसमुदाय ने लोगों को उत्साहित करने के उद्देश्य से वन्दे मातरम, भारत माता की जय और विभिन्न प्रकार के नारे लगाये। कार्यक्रम के अन्त में बांग्लादेश के हिन्दू समुदाय की सुरक्षा और सहायता के लिये आवश्यक कदम उठाए जाएं। इस निमित्त हिन्दू रक्षा समिति के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में नगर मजिस्ट्रेट इन्द्रनन्दन सिंह को दिया गया। पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा, नगर कोतवाल मिथिलेश मिश्र उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख मिथिलेश जी, प्रान्त प्रचारक प्रमुख रामचन्द्र जी, विभाग प्रचारक अजीत जी, जिला प्रचारक रजत जी, जिलाध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह, पूर्व विधायक सुरेन्द्र सिंह, रामसूरत मौर्य, डा. उदयराज सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह मुन्ना, सूर्यांश सिंह, अंजू सिंह, जान्हवी श्रीवास्तव, ब्रह्मेश शुक्ल, नगर प्रचारक मण्डलेश्वर जी, विवेक सिंह, प्रदीप सिंह, मनीष सेठ, डा. अमरनाथ पाण्डेय, राम शर्मा, श्याम मोहन अग्रवाल, पंकज जायसवाल, नीरज श्रीवास्तव, अतुल जायसवाल, रमेश श्रीवास्तव, सुरेश सिंह, अमित निगम, नारायण चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया सेमेस्टर परीक्षाओं का औचक निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

पहली पाली की परीक्षा की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग देखी गई

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने मंगलवार को महाविद्यालय में चल रही सेमेस्टर परीक्षाओं का निरीक्षण किया। परीक्षा की सुचिता को बनाए रखने के लिए कड़े निर्देश दिए। पहली पाली में संपन्न हुई परीक्षा का सीसीटीवी भी देखा। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने जौनपुर जनपद के गुलाबी देवी महाविद्यालय, अब्दुल अज़ीज़ अंसारी महाविद्यालय एवं फरीदुलहक़ महाविद्यालय का परीक्षा के दौरान निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा दिया गए निर्देशों की स्थिति जानी और सीसीटीवी को भी चेक किया। अब्दुल अजीज महाविद्यालय के रसायन विभाग के लैब का भी निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण में परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह भी शामिल रहे। विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षा गाजीपुर, जौनपुर एवं प्रयागराज जनपद के 380 केंद्रों पर संपन्न हो रही है जिसमें गाजीपुर जनपद में 214, जौनपुर जनपद में 165 एवं प्रयागराज जनपद में एक केंद्र समय से सेमेस्टर परीक्षाओं के संपन्न होने के लिए बनाए गए। समय से परीक्षा संपन्न कराने एवं परीक्षाफल घोषित करने के लिए 3 दिसंबर से 31 दिसंबर तक तीन पाली में परीक्षा कराई जा रही है। पहली पाली सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक दूसरी पाली 11:00 से 1:00 तक और तीसरी पाली 2:00 बजे से 4:00 तक आयोजित की गई है।

दीवानी सभागार में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती मनाई गयी

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। भारत के प्रथम राष्ट्रपति एवं भारतीय संविधान को लागू करने वाले संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 141 वीं जयंती मनाई गयी। नवागत जनपद न्यायधीश अनिल कुमार वर्मा, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया। सम्बोधित करते हुए नवागत जिला जज श्री अनिल कुमार वर्मा ने कहा कि वादकारियों को न्याय सुलभ कराने में बार और बेन्च में सामन्जस्य आवश्यक है। बिना आपसी सामन्जस्य से वादकारियों को सुलभ न्याय मिल पाना सम्भव नहीं है। उन्होंने अधिवक्ता समुदाय का आह्वाहन करते हुए कहा कि अधिवक्ता समाज पर वादकारियों का बहुत बड़ा विश्वास होता है अधिवक्ता समाज को चाहिए कि वह वादकारियों के इस विश्वास पर अपनी कार्यकुशलता से खरा उतरे। जिलाधिकारी ने कहा कि देश के पहले राष्ट्रपति के रूप में देश की सेवा करने वाले उन्होंने नव स्वतंत्र राष्ट्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई डॉ0 राजेंद्र प्रसाद जी की आज जयंती है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस विभाग और न्यायपालिका एक दूसरे के पूरक है, दोनो की मंशा एक ही होती है कि निर्दोष को सजा न मिले और दोषी सजा से बच न पाये। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह का समन्वय रखने की अपेक्षा की है। इस अवसर पर अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव, पूर्व अध्यक्ष प्रेम शंकर मिश्र, डीपी सिंह, बृज नाथ पाठक, रमेश चन्द्र उपाध्याय, हिमांशु श्रीवास्तव, प्रशांत पंकज श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश दुबे, बृजेश निषाद, अतुल श्रीवास्तव, विनय उपाध्याय, अरुण कुमार सिन्हा, नरेंद्र सिंह, मंजीत कौर, अश्वनी मिश्रा, धर्मेन्द्र मिश्र, आनन्द आदि अन्य वरिष्ठ अधिवक्तागण व न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित थे।

जनपद स्तरीय मेला तिलहन मेला का हुआ आयोजन

आजमगढ़। कृषि निदेशक महोदय, उप्र एवं जिलाधिकारी महोदय, आजमगढ़ के निर्देश क्रम में कृषि सूचनातंत्र सुदृढ़ीकरण योजना एवं नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल (ऑयल सीड्स) योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय कृषक गोष्ठी, एग्रोक्लाईमेटिक जनपद स्तरीय मेला तिलहन मेला का आयोजन कृषि भवन परिसर सिधारी, आजमगढ़ में आज कृषि विभाग-आजमगढ़ द्वारा विशिष्ट अतिथि श्रीकृष्ण पाल जिलाध्यक्ष भाजपा, आजमगढ़ की मौजूदगी में किया गया। मेले की अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल द्वारा कृषकों को कृषि विविधीकरण अपनाये जाने हेतु जागरूक करते हुए इसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उनके द्वारा कृषि एवं संवर्गीय विभागों द्वारा कृषक हित में चलायी जा रही योजनाओं के लाभ उठाने के लिये प्रेरित किया गया। कृषि वैज्ञानिक रणधीर नायक द्वारा कृषि एवं संवर्गीय उद्योगों को अपनाते हुए शहर में पलायन से बचने का सुझाव दिया गया।

विश्व दिव्यांग दिवस: वितरित किये गये सहायक उपकरण

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जनपद आजमगढ़ में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा जिला मुख्यालय पर स्थित बचपन डे केयर सेन्टर में मुख्य अतिथि कृष्ण पाल जिलाध्यक्ष भाजपा की उपस्थिति में सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 15 दिव्यांगजनों को कान की मशीन एवं 18 दिव्यांगजनो को व्हील चेयर का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त विद्यालय में उपस्थित 47 बच्चों को निःशुल्क यूनिफार्म एवं चाकलेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यालय महिला एवं बाल कल्याण विभाग (जिला प्रोबेशन कार्यालय) के अन्तर्गत संचालित स्पॉन्सरशिप योजना के में अन्तर्गत बचपन डे केयर सेन्टर आजमगढ़ में अध्यनरत 66 बच्चों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री शशांक सिंह, सुरेंद्र लाल गौतम कनिष्ठ सहायक, समन्वयक बचपन डे केयर सेन्टर श्री सुभाष चंद एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अन्य कर्मचारी भी उपस्थिति रहे।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का अयोजन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर शिया इन्टर कालेज के मैदान में विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों के खेल कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का अयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, समाज सेवी विनीत सेठ, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर किया। इसके पश्चात जिलाधिकारी के द्वारा आकाश में गुब्बारा छोडा गया और दिव्यांग छात्र आशीष गौंड के द्वारा ट्रैक पर मसाल लेकर दौड़ लगाई गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे बच्चें जो किन्ही कारणों से दिव्यांगता की श्रेणी में आते है, उनके सर्वांगीण विकास के लिए शासन अत्यन्त संवेदनशील है। उन्होने कई उदाहरणों के माध्यम से बच्चों का उत्साह बढाते हुए उन्हे जीवन में कुछ अलग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होने शासन की तरफ से अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि दिव्यांग बच्चों के शैक्षणिक, बौद्धिक, शारीरिक विकास के लिए सदैव सहयोग देने के लिए तत्पर रहेगे। जिलाधिकारी ने स्वागत गीत गाने वाले बच्चों को शाल पहनाकर सम्मानित किया। उन्होने दिव्यांग बच्चों को चाकलेट भी वितरित किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को समाज में बराबरी का स्थान प्राप्त हो इसके लिए और प्रयास किये जाने की आवश्यकता है, उन्होने जनपद के पूर्व जिलाधिकारी सुहास एल वाई का उदाहरण देते हुए कहा कि बच्चें उनसे प्रेरणा ले और स्वयं के साथ ही अपने अभिभावक और जनपद का नाम रोशन करें। केला दौड़ में वासिफ प्रथम, विक्कि द्वितीय, विराट तृतीय। 50 मीटर बालिका दौड़ में परी सरोज प्रथम, तान्या द्वितीय, 100 मीटर दौड़ में नितेश प्रथम, शिवा शर्मा द्वितीय, गोली चम्मच दौड़ में विक्की प्रथम, समर द्वितीय, आयुष तृतीय। सुलेख में स्वतंत्र प्रथम, महिमा द्वितीय, आकांक्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किए। इस अवसर पर समेकित शिक्षा समन्वयक शशिधर उपाध्याय, लेखा अधिकारी राजीव पाण्डेय, एबीएसए उदयभान कुशवाहा ,सौरभ कनौजिया, विशाल उपाध्याय, अरुण मौर्या, दुर्गेश पटेल और सभी विकास खण्डों से विशेष शिक्षक ज्योति सिंह, विवेक सिंह, संजय मिश्रा प्रमोद कुमार माली, मनोज गुप्ता, शक्ति सिंह, विजय सिंह सुनीता कुशवाहा, आनन्द तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनील सिंह ने किया।

सांसद ने हुजुर हाफिज-ए-मिल्लत मज़ार पर की चादर पोशी

अवधनामा संवाददाता

मुबारकपुर,आजमगढ़। सांसद धर्मेंद्र यादव, विधायक अखिलेश यादव ने हुजुर हाफ्जि ए मिल्लत के दरबार में रविवार को देर रात्रि हाजिरी लगाई और अमन व देश में शांति के लिए मजार पर चादर पोसी कर दुआएं मांगी। और कहा कि हुजूर हाफ्जि ए मिल्लत एक धार्मिक धर्म गुरु के साथ-साथ समाज में एक मिसाल कायम करने वाले सूफी संत थे जिन्होंने ने पूरे विश्व को शिक्षा की दिशाएं दी। इसके उपरांत सांसद मुबारकपुर कस्बे के समाज सेवी समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेताओ में सुमार सुनील कुमार वर्मा के आवास पर पहुंचकर उनके पुत्र सात्विक के विवाह के पूर्व संध्या पर आशीर्वाद दी। मीडिया के एक सवाल के जवाब में श्री यादव ने कहा कि गोलीयों के नोंक पर सरकार ने उप चुनाव जीता है लेकिन जनता हमारे साथ है यह जनता का नहीं लुट का परिणाम है। लोगों में इन दिनों पूरी तरह से भय व्याप्त है। प्रदेश के कई स्थानों पर हालात ठीक नहीं है। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के सवाल पर कहा कि यह देश बाबा साहेब डाक्टर अम्बेडकर के संविधान से चलने वाला है शास्त्री जी से नहीं। यह सरकार पूरी तरह से तानाशाह हो गई है। कोई भी सरकार के खिलाफ मुख खोलने को तैयार नहीं है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद जियाउल्लाह अंसारी,सपा नेत्री सना परवीन, पुर्व जिला पंचायत सदस्य विरेंद्र यादव,डा.गौरव यादव, अनिल यादव आदि उपस्थित थे।

बदलापुर महोत्सव में करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित दो परियोजनाओं का होगा लोकार्पण

अवधनामा संवाददाता

समारोह के पहले दिन आयोजित सामूहिक विवाह समारोह के मुख्य अतिथि होंगे मणिपुर के राज्यपाल: विधायक

जौनपुर (बदलापुर)। सल्तनत बहादुर इन्टर कॉलेज बदलापुर में सात व आठ दिसम्बर को आयोजित दो दिवसीय बदलापुर महोत्सव का एक एक पल यादगार होगा। क्षेत्र वासियों को करोड़ों रुपए की लागत से बन कर तैयार दो बड़ी परियोजनाओं राजकीय बस डिपो तथा ट्रान्सफार्मर रिपेयरिंग कारखाना का लोकार्पण किया जाएगा। परियोजनाओं का लोकार्पण प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालू तथा जिले के प्रभारी मंत्री ए के शर्मा करेंगे। यह जानकारी विधायक रमेश चन्द्र मिश्र ने मंगलवार को सल्तनत बहादुर इन्टर कॉलेज में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान बतायी है। उन्होंने बताया कि महोत्सव के पहले दिन सात दिसम्बर को परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 501 जोड़ी शादी सम्पन्न होगी। समारोह के मुख्य अतिथि असम व मणिपुर के महा महिम राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य होंगे। विधायक मिश्र ने बताया कि सामूहिक विवाह समारोह में शामिल वर - बधू को मन्त्रों चार के माध्यम से काशी, मथुरा व अयोध्या से पधारे साधू संत शुभ आशीष देंगे। समारोह में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में अन्तर्राष्ट्रीय सूफी गायिका ममता जोशी पंजाब, आसामी लोक नृत्य आसाम बीहू, उज्जैन के कलाकारों द्वारा तोप से प्रदर्शन, थारू लोक नृत्य पीलीभीत, मानसी सिंह लखनऊ लोक गायक, सिंगर सौम्या मिश्रा बिहार, के अलावा स्थानीय कलाकार सहित प्रदेश व देश स्तर के नामचीन हस्तियों का जमावणा होगा।

विधायक मिश्र ने आठ दिसम्बर के कार्यक्रम के बारे में बताया कि समय चार बजे से रात दस बजे तक नीलोत्पल मृणाल, प्लेबैक सिंगर वालीवुड मुंबई शब्बीर कुमार, छपरा बिहार की भोजपुरी स्टार खुशी कक्कण,छपरा बिहार भोजपुरी स्टार आर्यन बाबू, प्रयागराज डंडिया नृत्य दीपशिखा, अयोध्या फरवाही लोकनृत्य मुकेश कुमार,कर्मा लोक नृत्य सोनभद्र का भव्य मंचन होगा। इस अवसर पर सन्तोष मिश्रा सुग्गु, अंबुज तिवारी, व अन्य लोग उपस्थित रहे।

जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य को रखें स्वस्थ्य : डॉ. खुशबू

अवधनामा संवाददाता

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

आजमगढ़। रमा चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु निशुल्क कैम्प का आयोजन नगर के नरौली स्थित रमा मल्टी स्पेशियालिटी हास्पिटल एवं ट्रामा सेंटर में किया गया। कैम्प में 74 मरीजों को चिकित्सकीय परार्मश किया गया। इस दौरान स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एमडी डा खुशबू सिंह ने कहा कि इस मौसम में खाने-पीने का विशेष ध्यान रखें साथ ही घरों को भी साफ सुथरा रखें ताकि संक्रमण से बचा जा सकें। गर्भवती महिलाए स्वच्छ पानी और हरी सब्जी का प्रयोग करें व मसालेदार खाने से परहेज करें लापरवाही बिल्कुल ना करें गर्भवती महिलाएं इससे बचने का पूरा प्रयास करें जिससे जच्चा-बच्चा दोनों ठीक रहे। उन्होंने कैम्प का लाभ उठाने वाली महिलाओं से कहाकि अब से यह कैम्प महीने के पहले मंगलवार को आयोजित किया जाएगा। रमा चौरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंधक डा अमित सिंह ने बताया की कुल 74 महिलाओं का निशुल्क जांच व प्रशिक्षण किया गया। हमारा लक्ष्य की हर वह व्यक्ति जो गरीब से गरीब तबके का है उनके घर की गर्भवती महिलाएं इस शिविर में जांच जरूर करवाएं जिससे जच्चा बच्चा दोनों का प्रशिक्षण कर देखा जा सकें कि वह स्वस्थ है। हास्पिटल के व्यवस्थापक अविनाश सिंह ने बताया कि हर महीने की पहले मंगलवार को सुबह 11 बजे से 4 बजे तक सेवाओं का लाभ उठा सकते है। श्री सिंह ने बताया कि रमा हास्पिटल आगामी दिनों में हाईटेक स्तर की सुविधाओं को बढ़ाकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में बढ़ा मुकाम हासिल करेगा। इस अवसर पर व्यवस्थापक अविनाश सिंह, गौरव सिंह, मनीष सिंह, मोनू सिंह, श्रीकांत खरवार, विकास, नागेन्द्र मौर्य, सीमा अनिता गीता सहित आदि स्टाफ मौजूद रहे।

खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बलिया। शिक्षा क्षेत्र दुबहड़ के प्राथमिक विद्यालय बघौली के प्रांगण में मंगलवार को ब्लॉक स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लॉक के संकुल वाइज प्राथमिक एवं जूनियर हाई स्कूल के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस दौरान परिवहन मंत्री के छोटे भाई धर्मेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मानवेंद्र सिंह खंड शिक्षा अधिकारी पंकज सिंह प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, जिलामंत्री डॉ. राजेश पांडेय, ब्लॉक अध्यक्ष अजीत पांडेय व ब्लॉक मंत्री समरजीत बहादुर सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम में कन्या प्राथमिक विद्यालय नगवां एवं प्राथमिक विद्यालय अमृतपाली के बच्चों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्राथमिक एवं जूनियर हाई स्कूल के बालक एवं बालिका की 50 मीटर 100 मीटर एवं 200 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई । जिसके प्रथम द्वितीय एवं तृतीय विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता के विजई टीम के साथ सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भाग लिए टीमों के विजई प्रतिभागियों को भी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। इसके लिए बच्चों में खेलकूद का अभ्यास का होना बेहद जरूरी है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे दमन के विरोध में हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति ने किया प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

बलिया। बांग्लादेश में हिंदूओं तथा वहां के सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा किए जा रहे हिंसा, दमन एवं भीषण अत्याचार के विरोध में शहर के जपनिनगंज स्थित रामलीला मैदान में हिन्दू रक्षा संघर्ष समिति बलिया के तत्वावधान में हजारों हिन्दू हित चिन्तक बन्धु एवं बहनों ने विशाल आक्रोश प्रदर्शन किया।

इस आक्रोश प्रदर्शन में बलिया जिले के सभी खंडों एवं नगरों से लगभग बीस हजार हिन्दू आए हुए थे।

इस आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रमेश जी गोरखपुर ने बांग्लादेश में हो रही हाल की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं और वहां के अल्पसंख्यकों को टारगेट किया जा रहा है। उनके मंदिरों, घरों और कार्यालयों में लूटपाट और आगजनी की जा रही है। संपत्तियां लूटी जा रहीं हैं। बड़े पैमाने पर हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं। हिंदू परिवारों का जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा है। ऐसा न करने पर उनका सामूहिक नरसंहार किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रही घटनाएं पूरे विश्व को व वहां निवास कर रहे हिन्दू समाज को आतंकित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में हिन्दुओं की दुर्दशा के बाद अब बांग्लादेश भी पाकिस्तान की राह पर चलते हुए हिन्दुओं के साथ आतंकवादी व्यवहार अपना रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के प्रयासों ने देश को इस्लामी जिहाद की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। यदि बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ इसी तरह का व्यवहार जारी रहा, तो भारत का समस्त हिन्दू समाज बांग्लादेश के हिन्दू समाज के लिए संघर्ष करने के लिए तैयार होगा।

इसके बाद विभिन्न संगठनों से आए हुए प्रमुखों ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं व अल्पसंख्यकों पर हो रहे भीषण अत्याचार के विषय में अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए भारत के महामहिम राष्ट्रपति को बांग्लादेश के प्रति भारत के कड़े रुख व उचित कार्यवाही की बात कही। इसी क्रम में मंचासीन अतिथियों द्वारा बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तार से अपना आक्रोश व्यक्त किया गया तथा आह्वान किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने व इस्कान बांग्लादेश के प्रमुख स्वामी चिन्मय कृष्ण की बिना शर्त रिहाई के आह्वान किया। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता विनय सिंह ने विषय की विस्तार से प्रस्तविकि रखी।

बौमा कॉनेक्सपो इंडिया 2024 विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला वैश्विक मंच

लखनऊ। भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में क्रांति लाने वाला प्रतिष्ठित व्यापार मेला बौमा कॉनेक्सपो इंडिया 11 से 14 दिसंबर, 2024 तक इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने जा रहा है। यह आयोजन न केवल नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करेगा, बल्कि निर्माण और खनन क्षेत्रों के भविष्य को आकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी उठाएगा। देश की जीडीपी अब निर्माण और शहरीकरण पर निर्भर हो रही है, जिससे उद्योग के लिए चुनौती और अवसर दोनों बढ़ रहा है। बौमा कॉनेक्सपो इंडिया 2024 एक ऐसा मंच बनेगा जहां 100 से अधिक देशों के 75,000+ व्यापारिक आगंतुक और 1,000+ प्रदर्शक भाग लेंगे। यह मंच वैश्विक सहयोग और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिए इस महत्वपूर्ण क्षेत्र को सशक्त बनाने पर चर्चा करेगा।इस संस्करण का थीम ÷बनाएंगे विकसित भारत भारत के विकासात्मक लक्ष्यों के साथ मेल खाता है। भूपिंदर सिंह, सीईओ, Messe Muenchen India ने कहा, 2024 का संस्करण निर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जो वैश्विक नवाचार और भारत की अनूठी ताकतों के बीच सेतु का काम करे, और सहयोग और विकास को बढ़ावा दे। दिमित्रोव कृष्णन, bauma CONEXPO INDIA 2024 के अध्यक्ष और Volvo Construction Equipment के प्रबंध निदेशक ने कहा, भारत का Viksit Bharat 2047 लक्ष्य एक समग्र दृष्टिकोण की मांग करता है– जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की खाई को पाटे, भौतिक और डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करे, और सभी वर्गों और लिंगों के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करे। बुनियादी ढांचा अब सिर्फ निर्माण के बारे में नहीं है; यह जीवन को बदलने और नई संभावनाओं को बनाने का कार्य है।

इंडियन बैंक और यूपीएसआरटीसी के बीच समझौता ज्ञापन का आदान प्रदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के कर्मचारियों के लिए कस्टमाइज्ड कॉर्पोरेट वेतन पैकेज सॉल्यूशन प्रदान करने के लिए इंडियन बैंक ने यूपीएसआरटीसी के साथ एक समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। राज्य के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, इंडियन बैंक के कार्यकारी निदेशक ब्रजेश कुमार सिंह और यूपीएसआरटीसी के एमडी श्री मासूम अली सरवर की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री वेंकटेश्वरलू, विशेष सचिव-परिवहन श्री के.पी. सिंह, यूपीएसआरटीसी के वित्त नियंत्रक अजय जौहरी और यूपीएसआरटीसी के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक श्री राम सिंह वर्मा भी मौजूद थे। इंडियन बैंक के मुख्य महाप्रबंधक, श्री सुधीर कुमार गुप्ता, श्री सुधांशु गौर (एफजीएम - इंडियन बैंक-मेरठ), और नवीन कुमार श्रीवास्तव (एफजीएम-इंडियन बैंक-इलाहाबाद) भी वहां मौजूद थे।

समझौता ज्ञापन के अंतर्गत यूपीएसआरटीसी कर्मचारियों को 1 करोड़ तक का बीमा कवर, मुफ्त सेवाएं, लाउंज एक्सेस के साथ एटीएम कार्ड और अन्य विशेष पेशकश जैसे लाभ दिए जाएंगे। इंडियन बैंक अन्य सरकारी विभागों को भी ऐसी ही डिजिटल सेवाएं देने की योजना बना रहा है। बैंक ने प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में महिला तीर्थयात्रियों के लिए 600 अस्थायी चेंजिंग रूम की स्थापना करने में भी सहायता की है।

शार्प क्यूनेट ज़ेनसेशनल एयर प्यूरीफायर प्रदान करता स्वस्थ और साफ हवा के लिए एक शक्तिशाली सॉल्यूशन

जैसे ही दिवाली की रोशनी हलकी हुई, भारत के कई इलाके, खासकर उत्तर भारत में एयर क्वालिटी में तेजी से गिरावट आ रही है। सर्दी के साथ कोहरा बढ़ रहा है, शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स लेवल अक्सर 300 को पार कर जाता है, जो हेल्दी बेंचमार्क 50 से बहुत ज्यादा है। ये हानिकारक एयर दिवाली के बाद प्रदूषण, वाहन एमिशन और क्रॉप स्टबल बर्निंग की वजह से बन रहा है, जो फाइन पार्टिकुलेट मैटर और हानिकारक टॉक्सिन्स का एक जहरीला मिश्रण बनाता है।

एयर प्रदूषण एक बड़ी ग्लोबल हेल्थ चिंता है, विश्व स्वास्थ्य संगठन इसे हर साल 6.7 मिलियन प्रीमेच्योर डेथ से जोड़ता है। लोग अपना लगभग 90प्रतिशत वक्त इंडोर में बिताते हैं, जहां पॉल्यूटेंट्स जैसे स्मॉग, वीओसी, एलर्जी और सीओ 2 जमा हो जाते हैं, जो इंडोर एयर को बाहर के माहौल से पांच गुना ज्यादा प्रदूषित बना देता है। ये हालात रेस्पिरेटरी बीमारियों, हृदय रोग और कमजोर इम्युनिटी के जोखिम को बढ़ा देते हैं।

नेशनल प्रदूषण कंट्रोल डे (2 दिसंबर) के अवसर पर, क्यूनेट इंडिया लोगों से एक्शन लेने की अपील कर रहा है। एयर प्यूरीफायर इंडोर स्पेसेस को सुरक्षित रखने में एक महत्वपूर्ण टूल हैं, और शार्प-क्यूनेट ज़ेनसेशनल एयर प्यूरीफायर स्वस्थ और साफ हवा के लिए एक शक्तिशाली सॉल्यूशन प्रदान करता है।

शार्प-क्यूनेट ज़ेनसेशनलः एयर प्यूरीफिकेशन में एक गेम-चेंजरः शार्प-क्यूनेट ज़ेनसेशनल एयर प्यूरीफायर इंडोर प्रदूषण से लड़ने में एक एडवांस्ड समाधान है, जो शार्प की पेटेंटेड प्लाज्माक्लस्टर आयन टेक्नोलॉजी, पैसिव फिल्ट्रेशन और एडवांस्ड 7-डिटेक्शन इंटेलिजेंट मोड्स को कॉम्बाइन करता है। यह 530 वर्ग फुट तक के स्पेसेस के लिए एनर्जी-एफिशिएंट और बिल्कुल शांत ऑपरेशन के साथ ताजी, साफ हवा प्रदान करता है।

प्लाज्माक्लस्टर आयन टेक्नोलॉजी प्रकृति की तरह है, जो पॉजिटिव और नेगेटिव आयन जारी करती है, 29 तरह के एयरबोर्न माइक्रोब्स को प्रभावी ढंग से न्यूट्रलाइज करती है, जिसमें एच1एन1 वायरस और ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया शामिल हैं। यह पीएम2.5, धूल, गंध और अन्य पॉल्यूटेंट्स को भी सक्रिय रूप से पहचानता और समाप्त करता है।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय डिप्लोमा प्रोग्राम्स में 2025-26 के लिए प्रवेश सूचना

लखनऊ। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय एजुकेशन में डिप्लोमा प्रोग्राम्स के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है। ये डिप्लोमा प्रोग्राम अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलूरु कैम्पस में चलेंगे।

डिप्लोमा प्रोग्राम्स निम्नानुसार होंगे, पोस्ट ग्रैजुएशन डिप्लोमा इन एजुकेशन - आरंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, पोस्ट ग्रैजुएशन डिप्लोमा इन एजुकेशन - आरंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, पोस्ट ग्रैजुएशन डिप्लोमा इन एजुकेशन - समावेशी शिक्षा, पोस्ट ग्रैजुएशन डिप्लोमा इन एजुकेशन - सीखने में अक्षमता वाले बच्चों को पढ़ाना । प्रवेश 2025 महत्वपूर्ण तिथियाँ आवेदन की आखिरी तारीख 12 जनवरी 2025, साक्षात्कार दिसम्बर 2024 और जनवरी 2025 कक्षाओं की शुरुआत मार्च, 2025 रहेगी।

ये एक साल के पार्ट-टाइम डिप्लोमा का पाठ्यक्रम हैं। इसमें शिक्षा क्षेत्र के सिद्धांतों और उसके व्यावहारिक पक्षों को मान रूप से पढ़ाया जायेगा। कक्षाएँ ऑनलाइन और ऑफ़लाइन दोनों तरीकों से होंगी। इन डिप्लोमा प्रोग्राम्स का मक़सद बेहतर व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की कमी को पूरा करना है, ताकि स्कूल व्यवस्था में काम करने वाले पेशेवरों और शिक्षकों में आवश्यक क्षमता और कौशल विकसित किए जा सकें।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ़ एजुकेशन के निदेशक, अंकुर मदान का कहना है, ÷अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में चलाये जाने वाले एजुकेशन से संबंधित डिप्लोमा प्रोग्राम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित न्यायसंगत और समावेशी समाज के लक्ष्य को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। ये कार्यक्रम शिक्षकों और स्कूल प्रशासकों को मुख्य रूप से आरंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, समावेशी शिक्षा और सीखने में अक्षमता जैसे क्षेत्रों में ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण प्रदान करेंगे।

कुरकुरे ने उत्तर प्रदेश में लॉन्च किया कुरकुरे मसाला मंच

नई दिल्ली। भारतीय परिवारों में पिछले 25 वर्षों से भी अधिक समय से पसंदीदा स्नैक के तौर पर लोगों की जुबान पर छा चुके कुरकुरे ने उत्तर प्रदेश में अपनी अपार लोकप्रियता और राज्य की जनता के साथ अपने गहरे जुड़ाव को और मजबूती देते हुए, अपना नया कैम्पेन -यू.पी. का नंबर 1 टेस्ट्य लॉन्च किया है। अपने अद्भुत मसालेदार फ्लेवर और खास क्रन्च के लिए मशहूर, कुरकुरे उत्तर प्रदेश का पसंदीदा स्नैक है जो इस प्रदेश के अन्य कई करारे और प्रामाणिक स्नैक्स के साथ भी मेल खाता है।

इस बारे में आस्था भसीन, कैटेगरी लीड, कुरकुरे, पेप्सिको इंडिया ने कहा, भारत ऐसा देश है जहां कई तरह की संस्कृतियां हैं और स्वाद के मामले में अलग-अलग क्षेत्रों की निराली पसंद हैं। भारत के नमकीन स्नैक्स वर्ग में प्रमुख स्नैक के रूप में, कुरकुरे ने हम देश की इस विविधता को बखूबी समझते हैं और अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में भी अलग-अलग स्वाद

संस्कृतियां

आस्था भसीन, कैटेगरी लीड, कुरकुरे, पेप्सिको इंडिया ने कहा, भारत ऐसा देश है जहां कई तरह की संस्कृतियां हैं

प्राथमिकताओं के मुताबिक पेशकश करने पर जोर देते हैं। कुरकुरे के सफर में उत्तर प्रदेश एक खास मुकाम साबित हुआ है। हमारा यू.पी. का नंबर 1 टेस्ट्यकैम्पेन, वास्तव में, बोल्ड फ्लेवर्स को पसंद करने की प्रदेश की खूबी और उत्तर प्रदेशवासियों के साथ कुरकुरे के गहरे लगाव का जश्न मनाता है। अब पहले के मुकाबले 65% अतिरिक्त मसाला मंच फ्लेवर के साथ, हम अपने प्रशंसकों के लिए उनकी पसंद को ध्यान में रखकर और भी बेहतरीन पेशकश लेकर

आए हैं। यह दरअसल, प्रदेश वासियों के प्रति आभार जताने और कुरकुरे के हर पैक में अधिक वैल्यू के साथ-साथ खुशियों को शामिल करने का हमारा अंदाज़ है।

राज्य में अपनी मौजूदगी को और मजबूती देने के मकसद से, कुरकुरे ने अपनी नई वैल्यू-पैक्ड पेशकश - कुरकुरे मसाला मंच - 65त अतिरिक्त पेश किया है। पहले के मुकाबले इस बेहतर प्रोडक्ट में अधिक बोल्ड और फ्लेवर से भरपूर स्वाद है जिससे उत्तर प्रदेश के ग्राहकों का खास लगाव है। यह कैम्पेन राज्य में ग्राहकों की स्थानीय स्वाद संबंधी प्राथमिकताओं के अनुरूप, स्वादिष्ट, संतुष्टिदायक स्नैकिंग अनुभव पेश करने की कुरकुरे के वायदे को दोहराता है।

इस कैम्पेन के लिए ब्रैंड ने कई लोकप्रिय प्रादेशिक इंफ्लुएंसर्स के साथ हाथ मिलाया है और कुरकुरे के बेहद खास स्वाद को उभारते हुए इसे राज्य की प्रमुख स्नैक च्वॉयस के तौर पर पेश किया है। ग्राहकों के साथ जुड़ाव कायम करने वाले रोचक डिजिटल कन्टेंट ने यू.पी. का नंबर 1 टेस्ट्यको हर अवसर के अनुकूल ऐसे मनपसंद स्नैक के तौर पर प्रचारित किया है, जो न सिर्फ अपनी खास पहचान को बल्कि ग्राहकों के बीच ब्रैंड की शानदार पहचान को भी और उभारता है।

वाराणसी में सिंजेंटा की पहली I-CLEAN परियोजना का उद्घाटन किया

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण के साथ कदम मिलाते हुए, वाराणसी के बरौरा हाट बाजार को सिंजेंटा इंडिया की I-CLEAN पहल के तहत विकसित किया गया। गुरुवार को उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने इस नए रूप से तैयार किए गए बाजार का उद्घाटन किया। यह बाजार ग्रामीण परिवर्तन का एक मॉडल बनेगा, जहां किसानों, विक्रेताओं और स्थानीय समुदाय के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। मंत्री ने सिंजेंटा को उसकी अनोखी पहल के लिए बधाई दी, और कहा कि यह उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी। बरौरा हाट प्रोजेक्ट I-CLEAN का उत्तर प्रदेश में पहला कदम है, जिसे कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री और एनजीओ हरितिका के सहयोग से पूरा किया गया है । इस परियोजना के तहत 8 नए शेड बनाए गए हैं, जिनमें ठेले हुए प्लेटफॉर्म, शौचालय, सोलर लाइटिंग, बोरवेल, और फर्श की मरम्मत शामिल है। 18 पुरानी दुकानों को भी फिर से बनाया गया है। ये बदलाव जलभराव, सफाई और सुरक्षा जैसी समस्याओं का समाधान करेंगे, खासकर महिलाओं के लिए।

महिलाओं के लिए अलग शौचालय ब्लॉक की सुविधा और बेहतर सुरक्षा के कारण यह बाजार महिला विक्रेताओं और स्वयं सहायता समूहों के लिए अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बना है। सिंजेंटा इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और कंट्री हेड सुशील कुमार ने कहा, ÷हम खुश हैं कि बरौरा हाट एक आर्थिक गतिविधि के केंद्र के रूप में उभर रहा है। आवश्यक सुविधाएं और बुनियादी ढांचा देकर, हम ग्रामीण समुदायों, खासकर किसानों, को विकास और समृद्धि के अवसर देना चाहते हैं।

निसान ने घरेलू बाजार में 5 लाख कारों की बिक्री का आंकड़ा पार किया

गुरुग्राम। निसान मोटर इंडिया ने अपना परिचालन शुरू होने के बाद से अब तक घरेलू बाजार में कुल 5 लाख से ज्यादा कारें बेचने का महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। अब तक कंपनी ने कुल 5,13,241 कारों की बिक्री की है। इसी के साथ, नई निसान मैग्नाइट एसयूवी समेत अपनी कारों की जबर्दस्त मांग के दम पर नवंबर, 2024 में निसान ने कुल 9040 कारों की होलसेल बिक्री की है। इसमें घरेलू बाजार में 2342 कारें और निर्यात बाजार में 6698 कारें बेची गईं।

अक्टूबर, 2024 से तुलना करें तो कुल होलसेल बिक्री 5570 से 62 प्रतिशत बढ़कर 9040 पर पहुंच गई। निर्यात में लगातार बढ़ोतरी का इसमें अहम योगदान रहा। नवंबर, 2024 में निर्यात में सालाना आधार पर 222 प्रतिशत और मासिक आधार पर 173.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। नवंबर, 2023 में 2081 कारों और अक्टूबर, 2024 में 2449 कारों का निर्यात हुआ था। यह प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय बाजार में निसान की लगातार बढ़ती उपस्थिति और 'मेड इन इंडिया' वाहनों के प्रति ग्राहकों के मन में बढ़ते भरोसे एवं विश्वास को दिखाता है।

निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री सौरभ वत्स ने कहा, 'घरेलू बाजार में हमारे ब्रांड ने 5 लाख कारों की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है और यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। यह उल्लेखनीय आंकड़ा उस भरोसे का प्रतीक है, जो बीते वर्षों में ग्राहकों ने हमारी क्वालिटी, रिलायबिलिटी और परफॉर्मेंस पर जताया है। निसान भारत में अपने ऑफिरिंग्स, डीलर्स, पार्टनर्स एवं ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्ध है। हम इस साल की शुरुआत में निसान एक्स-ट्रेल एवं नई निसान मैग्नाइट की लॉन्चिंग के मौके पर की गई अपनी घोषणाओं के अनुरूप आगे बढ़ रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय बाजार को लेकर निसान की प्रतिबद्धता और अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने की दिशा में प्रयास के तहत हमने हाल ही में नई निसान मैग्नाइट की लॉन्चिंग के साथ अपने प्रोडक्ट लाइनअप को विस्तार दिया है।

रेखा रस्तोगी की ज़रीबंध प्रदर्शनी का शुभारंभ, बिखरा बनारसी साड़ियों का जादू

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में बनारसी साड़ियों का जादू बिखरने के लिए रेखा रस्तोगी द्वारा ज़रीबंध एग्जिबिशन का शुभारंभ मंगलवार को हयात रीजेंसी लखनऊ में हुआ। एग्जिबिशन का शुभारंभ आराधना शुक्ला रिटायर्ड आईएएस द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। यह प्रदर्शनी 4 दिसंबर, यानी बुधवार तक रात 8:30 बजे तक चलेगी। इस प्रदर्शनी में 80 वर्षों से बनारसी सिल्क की दुनिया में राज कर रहे रस्तोगी बनारसी सिल्क हाउस की अद्वितीय कृतियां प्रदर्शित की जाएंगी।

रेखा रस्तोगी, जो रस्तोगी बनारसी सिल्क हाउस और शेरोवाली कोठी प्रतिष्ठान की प्रमुख हैं, इस प्रदर्शनी के माध्यम से बनारसी साड़ियों, सूट्स, दुपट्टे और लहंगों को एक नए रूप में पेश कर रही हैं। पारंपरिक बनारसी सिल्क को आधुनिक डिजाइनों के साथ जोड़कर उन्होंने एक ऐसा संग्रह तैयार किया है जो हर उम्र की महिलाओं को लुभा रहा है।

रस्तोगी बनारसी सिल्क हाउस के रेगुलर कस्टमर्स में बॉलीवुड, उद्योग जगत और पॉलिटिकल सर्किल की कई नामी हस्तियां भी शामिल हैं। इनमें हेमा मालिनी, रीता बहुगुणा जोशी, कुमार मंगलम बिड़ला और किर्लोस्कर परिवार जैसी प्रमुख हस्तियां शामिल हैं जो रस्तोगी बनारसी सिल्क हाउस द्वारा डिजाइन की गई बनारसी साड़ियों के मुरीद हैं।

रेखा रस्तोगी ने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ पारंपरिक बनारसी सिल्क को जीवित रखना नहीं है, बल्कि इसे युवा पीढ़ी के लिए भी आकर्षक बनाना है। हम नए फैब्रिक्स और डिजाइनों के साथ प्रयोग कर रहे हैं ताकि बनारसी सिल्क का जादू बरकरार रहे।

बनारसी साड़ियों के शौकीनों के लिए यह प्रदर्शनी एक अनूठा अवसर है, जहां पहुंचकर वे न केवल अपनी मनपसंद बनारसी साड़ियों की खरीदारी कर सकते हैं बल्कि साथ ही बनारसी कला का जश्न मना सकते हैं।

टाटा मोटर्स और टाटा इंटरनेशनल ने पुणे में एडवांस्ड रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटि लॉन्च की

पुणे। भारत में वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी टाटा मोटर्स और टाटा ग्रुप की वैश्विक व्यापार एवं वितरण शाखा टाटा इंटरनेशनल ने आज पुणे में नई रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी (आरवीएसएफ) का उद्घाटन किया है। इस अत्याधुनिक सुविधा का नाम है %रिसाइकल विद रिस्पेक्ट' और इसमें 21000 वाहनों को सुरक्षित तरीके से डिसअसेम्बल करने की वार्षिक क्षमता है। यह सुविधा उन वाहनों के लिये है, जिनका जीवन खत्म हो गया हो और इसमें उन्हें डिसअसेम्बल करने के लिये पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं को अपनाया जाता है। इस आरवीएसएफ का परिचालन टाटा इंटरनेशनल व्हीकल ऐप्लीकेशंस (टीआईवीए) करती है, जो कि टाटा इंटरनेशनल के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह आरवीएसएफ सभी ब्रैंड्स के यात्री एवं वाणिज्यिक वाहनों को स्क्रैप कर सकती है।

इसका उद्घाटन करते हुए, टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री गिरीश वाघ ने कहा, ''टाटा मोटर्स यातायात के भविष्य को आकार देने में सबसे आगे है। कंपनी सफलता के लिये ग्राहकों के साथ भागीदारी करने पर फोकस करती है। हम अपने उत्पादों, सेवाओं तथा डिजिटल समाधानों के माध्यम से मूल्यों की आपूर्ति करते हुए सफलता की दिशा में बढ़ते हैं। यह आरवीएसएफ चक्रीय अर्थव्यवस्था बनाने के लिये हमारी प्रतिबद्धता दिखाती है। हम रिसाइक्लिंग की उन्नत प्रक्रियाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो खत्म होने वाले वाहनों से अधिकतम महत्व प्राप्त करती है और संवहनीयता के लिये हमारे देश के लक्ष्यों में योगदान भी देती हैं। टाटा इंटरनेशनल कई अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में हमारी भागीदार रही है। आरवीएसएफ के साथ इस भागीदारी में एक नया अध्याय जोड़ते हुए हम लंबे समय के इस रिश्ते को मजबूत करने की बात से खुश हैं।''

उद्घाटन में अपनी बात रखते हुए, टाटा इंटरनेशनल व्हीकल ऐप्लीकेशंस के सीईओ श्री राजीव वत्रा ने कहा, ''टीआईवीए और टाटा मोटर्स ने भारत में वाहनों के जीवनचक्र के प्रति सोच को बदलने में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

आईकू ने लॉन्च किया भारत का सबसे तेज़ स्मार्टफोन, आईकू 13

नई दिल्ली। हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने आज भारत के सबसे तेज़ स्मार्टफोन आईकू 13 के लॉन्च की घोषणा की, जो क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट से लैस भारत के पहले स्मार्टफोन में से एक है।

आईकू 13 की कीमत 12GB+256GB वैरिएंट के लिए 54,999 रुपये (इफेक्टिव प्राइस÷ 51,999 रुपये) और 16GB+512GB वैरिएंट के लिए 59,999 रुपये (इफेक्टिव प्राइस÷ 56,999 रुपये) है। यह दो खूबसूरत रंग विकल्पों लीजेंड और नार्डो ग्रे में उपलब्ध होगा। इसके अलावा, आईकू 13, 5 दिसंबर दोपहर 12 बजे से प्री-बुकिंग के लिए उपलब्ध होगा और इसकी पहली बिक्री 11 दिसंबर, 2024 को दोपहर 12 बजे वीवो एक्सक्लूसिव स्टोर्स, आईकू ई-स्टोर और Amazon.in पर होगी। आईकू 13 वीवो एक्सक्लूसिव स्टोर्स और अन्य मेनलाइन स्टोर्स पर भी उपलब्ध होगा। यह आईकू डिवाइस का अनुभव करने और खरीदने की सुविधा को सहज बनाता है।

नया आईकू 13 अपनी अत्याधुनिक तकनीक, असाधारण प्रदर्शन और उन्नत कैमरा क्षमताओं के साथ एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है, जो सभी एक स्लीक और स्टाइलिश डिज़ाइन में मौजूद है। इसमें दुनिया का पहला 2K 144Hz अल्ट्रा आईकेयर डिस्प्ले और एक डायनामिक मॉन्स्टर हेलो है, जो कॉल, मैसेज, गेमिंग और म्यूजिक के लिए रियल-टाइम अलर्ट प्रदान करने के लिए फ्लैश करता है। आईकू 13 लेटेस्ट स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट के साथ 3 मिलियन से अधिक के प्रभावशाली AnTuTu स्कोर को प्राप्त करता है। यह पॉवरफुल चिपसेट आईकू के सुपरकंप्यूटिंग चिप Q2 के साथ आती है, जो 2K सुपर रेजोल्यूशन और 144 FPS गेम फ्रेम इंटरपोलेशन को एक साथ लाता है, जो एक शानदार व्यूइंग एक्सपीरियंस (देखने के अनुभव) देने के लिए इंडस्ट्री स्टैंडर्ड को हासिल करता है। आईकू 13 में एक बेहतरीन कैमरा सेटअप भी है- 50MP सोनी IMX 921 VCS ट्रू-कलर कैमरा, 50MP सोनी IMX 816 टेलीफोटो कैमरा और 50MP अल्ट्रावाइड लेंस।

डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने डीएसपी बिज़नेस साइकिल फ़ंड किया लॉन्च

लखनऊ। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने डीएसपी बिज़नेस साइकिल फ़ंड लॉन्च करने की घोषणा की है, जो बिज़नेस साइकिल के आधार पर निवेश थीम के बाद एक ओपन-एंडेड स्कीम है।

यह फ़ंड निवेशकों को लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों सहित कई बाज़ार पूँजीकरण में निवेश करने का अवसर देता है। निवेश की योजना उन उद्योगों और क्षेत्रों के लिए ऐसेट को गतिशील रूप से आवंटित करने पर केंद्रित है जो शक्तिशाली विकास क्षमता दिखाते हैं, बुनियादी बातों में सुधार करते हैं और आकर्षक मूल्यांकन करते हैं।

डीएसपी बिज़नेस साइकिल फ़ंड उच्च विकास या टर्नअराउंड क्षमता वाले चुनिंदा उद्योगों और कंपनियों के लिए एक रूपरेखा पर संचालित दृष्टिकोण को नियोजित करता है। यह कैश कॉल और अन्य जोखिम प्रबंधन योजनाओं को लागू करते हुए अपसाइकिल के दौरान क्षेत्रों को सक्रिय आवंटन की अनुमति देता है। शक्तिशाली इंडस्ट्री साइकिल की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करके, फ़ंड बाज़ार पूँजीकरण में बिना किसी रुकावट के निवेश का एक नज़रिया देता है, जिससे निवेशकों को कंपनी के आकार की परवाह किए बिना विकास के अवसरों में भाग लेने में सक्षम बनाया जा सकता है।

फ़ंड अपने निवेश की दुनिया को व्यापक क्षेत्रों में वर्गीकृत करता है और उद्योग स्तर पर उनका मूल्यांकन करता है। इसका उद्देश्य उन उद्योगों की पहचान करना है जो महत्वपूर्ण विकास की संभावना के साथ अपनी साइकिल के निचले स्तर पर हैं और बेंचमार्क की तुलना में कम मूल्यांकन पर व्यापार करते हैं। इसके अतिरिक्त, फ़ंड खराब कॉर्पोरेट गवर्नेंस वाली कंपनियों को बाहर करने के लिए समर्पित फ़ॉरेंसिक विश्लेषकों का इस्तेमाल करता है, भले ही वे शक्तिशाली विकास संभावनाएँ दिखाएँ।

इस बदलते मौसम में कैलिफ़ोर्निया आमंड्स के साथ बनाइये अपनी इम्युनिटी को मजबूत

नई दिल्ली। आपके रोजाना के रूटीन में पोषक-तत्वों से भरपूर चीजें शामिल करने की सलाह दे रही हैं, ताकि आपकी इम्युनिटी असरदार तरीके से बढ़ सके। ऐसा ही एक सुपरफूड है कैलिफोर्निया आमंड्स, जिनमें 15 जरूरी पोषक-तत्व होते हैं। बादाम के कई तरह से उपयोग किया जा सकता है और इसे खाकर पेट भरे होने का अहसास होता है। यह किसी भी व्यंजन, स्नैक या आहार में आसानी से मिल जाती हैं और पोषण का पावरहाउस बन जाती हैं।

कैलिफोर्निया आमंड्स में प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स जैसे पोषक-तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो उन्हें रोजाना के संतुलित आहार में शामिल करने के लिये बेहतरीन बनाते हैं। सेहत को उनसे मिलने वाले लाभों के बारे में व्यापक जानकारी है। फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) बादाम को प्राकृतिक रूप से इम्युनिटी बढ़ाने के लिये डाइट में आवश्यक रूप से

शामिल करने पर जोर देती है। इसके अलावा, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) डाइटरी गाइडलाइंस फॉर इंडियन्स बादाम को एक पोषक नट मानती हैं, जिन्हें अच्छी सेहत के लिये रोजाना खाया जा सकता है।

बादाम इम्युनिटी को प्राकृतिक तरीके से कैसे बढ़ाते हैं

इसमें विटामिन 'ई' प्रचुर मात्रा में होता है: बादाम में विटामिन 'ई' बहुत होता है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो पल्मोनरी इम्यून फंक्शन में सहयोग देता है और वायरस तथा बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमणों से सुरक्षा देता है। इसके अलावा, विटामिन 'ई' पूरे इम्यून रिस्पॉन्स को बढ़ाता है।

कॉपर से भरपूरः इम्यून सिस्टम के सामान्य रूप से काम करने के लिये कॉपर जरूरी होता है और बादाम इस जरूरी पोषक-तत्व का बड़ा स्रोत होती हैं।

ज़िंक का स्रोतः ज़िंक शरीर के भीतर की इम्यून सेल्स के विकास तथा कार्यात्मकता में सहयोग देकर इम्युनिटी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। न्यूट्रोफिल्स और नैचुरल किलर सेल्स जैसी यह कोशिकाएं शरीर की सुरक्षा करने वाली पहली पंक्ति बनाती हैं।

आयरन÷ बादाम आयरन का अच्छा स्रोत है, जोकि इम्यून सेल्स को बढ़ाने और लिम्फोसाइट्स को परिपक्व बनाने के लिये जरूरी होता है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो संभल जामा मस्जिद का सर्वे

आजाद समाज पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा गया

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। संभल जामा मस्जिद घटना को लेकर आजाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने कहा है कि संभल जामा मस्जिद का सर्वे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराया जाए।

आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष राहुल चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि बीते 24 नवंबर 2024 को संभल में जामा मस्जिद की सर्वे के

कलेक्ट्रेट पर धरना देते आजाद समाज पार्टी

संभल की घटना सरकार की विफलता का द्योतक

दौरान उप्र सरकार के स्थानीय प्रशासन के गलत मैनेजमेंट के कारण यहां पर घोर अराजकता एवं दंगा हुआ। इस दंगे में चार नवयुवकों की जान चली गई एवं कई आम नागरिक और पुलिस कर्मी भी घायल हुए। आजाद समाज पार्टी मांग करता है कि संभल जामा मस्जिद का सर्वे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराया जाए। ज्ञापन देने के बाद जिलाध्यक्ष श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश में अराजकता का माहौल है, भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। अपराधियों का बोलबाला है। लूट डकैती, चोरी, छीनैती व दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहा है। आगामी चुनावों में जाता मुंहतोड़ जवाब देगी।

घर से किशोरी गायब, पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी

कुशीनगर अवधनामा ब्यूरो। अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के बैरिया गांव निवासी एक व्यक्ति ने मुकामी पुलिस को तहरीर देकर अपने 26 वर्षीय लडकी के घर से गायब होने बात कही है। मुकामी पुलिस ने पीड़ित पिता के तहरीर पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। उक्त गांव निवासी अम्बिका सिंह ने बीते दिनों अहिरौली बाजार थाने में अपनी 26 वर्षीय पुत्री शालू सिंह के घर से अचानक गायब हो जाने की सूचना दी। मुकदमा दर्ज करने में मुकामी पुलिस आनाकानी करते हुए लड़की को तलाश करने की बात कह कर पिता अम्बिका सिंह को वापस भेजते रहे। थक-हार पीड़ित पिता पुलिस अधीक्षक कुशीनगर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अहिरौली बाजार पुलिस ने 11 दिन बाद गुमशुदगी का मुकदमा तो दर्ज कर लिया लेकिन घर से गायब किशोरी का सुराग नहीं लगा सकी है। लड़की के पिता ने पुलिस को दिए तहरीर में लिखा है कि उनकी पुत्री बीते 21 नवम्बर 2024 को सायं 4 बजे से अचानक घर से लापता हो गई। जिसकी काफी खोजबीन के बाद भी कहीं अता पता नहीं लग रहा है।

ग्राम रोजगार सेवकों के 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया

देवरिया अवधनामा संवाददाता। उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार केशव प्रसाद मौर्य के जनपद आगमन पर ग्राम रोजगार सेवक वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष कृष्णमोहन उपाध्याय के नेतृत्व में ग्राम रोजगार सेवकों के 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। किन्तु जाब चार्ट में सिर्फ मनरेगा का कार्य होने के कारण हमारे योगदान की गिनती नहीं की जाती इसलिए जाब चार्ट में मनरेगा के अतिरिक्त अन्य कार्यो को जोड़ा जाना मुख्यमंत्री द्वारा 4 अक्टूबर.2021 को की गयी नई घोषणा के अनुरूप होगा। ग्राम रोजगार सेवक विगत 17 वर्षों से अपना योगदान ग्राम पंचायतों में देते आ रहे हैं, वर्तमान में प्रदेश में लगभग 58194 ग्राम पंचायते सृजित है इन पंचायतों में सीधी भर्ती से नियुक्त ग्राम पंचायत / ग्रा0वि0 अधिकारियों की कुल संख्या लगभग 15000 है अर्थात एक सचिव के साथ औसतन 4 ग्राम पंचायतें है जिसके कारण ग्रा0पं0 के विकास व ग्रामीणों की समस्याओं के निस्तारण में असुविधा होती है। यदि सरकार द्वारा एक सहायक सचिव / ग्राम विकास सहायक का पद सृजित करके संविदा पर नियुक्त ग्राम रोजगार सेवकों को समायोजित कर दिया जाये तो प्रत्येक ग्राम पंचायत में सचिव की उपलब्धता भी हो जायेगी साथ ही साथ ग्राम रोजगार सेवक की लम्बे समय से की जा रही नियमितीकरण की मांग भी पूरी हो जायेगी। उ0प्र0 में ग्राम रोजगार सेवको का मासिक मानदेय 10,000/- रू0 प्रतिमाह ई0पी0एफ0 नियोक्ता अंश सहित निर्धारित है जबकि भारत के कई राज्यों में समूह ग के कर्मचारियों के समान वेतन भुगतान व ग्रेड पे की व्यवस्था है इसलिए उ0प्र0 में भी ग्राम रोजगार सेवको के लिए समूह ग के राज्य कर्मचारियों की भाँति समान वेतन, भत्ते, बोनस इत्यादि दिया जाना चाहिए।

दिव्यांग व्यक्ति की सेवा एक पुनीत कार्य : विजय शंकर

अमेठी अवधनामा संवाददाता। दिव्यांग व्यक्ति की सेवा एक पुनीत कार्य है। इनके सहयोग के लिए समाज को आगे आना चाहिए जिससे ये स्वयं को अभिशप्त न समझें। उक्त वक्तव्य विजय शंकर शुक्ल ने मंगलवार को साधना फाउंडेशन की ओर से अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए दिए।नगर स्थित चाणक्यपुरी मोहल्ले में आयोजित उक्त कार्यक्रम में फाउंडेशन की सचिव साधना त्रिपाठी ने अतिथियों का सत्कार किया दिव्यांगों को अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। कहा कि फाउंडेशन यथा संभव दिव्यांगों की हर क्षेत्र में मदद करने के लिए तत्पर है।उन्होंने समाज के लोगों से अपील की है कि दिव्यांग व्यक्ति को किसी का मोहताज न होना पड़े उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में जिससे जो हो सके वह प्रयास करें।दिव्यांग व्यक्ति की सेवा सही मायने में ईश्वर की सेवा है। सभी उसी परम पिता की संतान हैं यह मानकर हमें मानवता की सेवा करनी चाहिए।गोष्ठी के माध्यम से आज के दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने दिव्यांगों के सहयोग के लिए समाज का आह्वान किया। इस मौके पर शिवमूर्ति गुप्ता राजेश कुमार श्रीनाथ सुनील त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

जब विनाश आता है तो विवेक मर जाता है

अमेठी अवधनामा संवाददाता। श्रीमद भागवत महापुराण कथा के चौथे दिन परशुरामपुर गांव में कथा व्यास आचार्य संतोष जी महाराज ने भगवान के जन्म सहित कई मार्मिक प्रसंगों का वर्णन सुनाया। उन्होंने हिरण्यकश्यप की कथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अहम ब्रह्मास्मि की स्थिति प्राप्त करना आसान नहीं लेकिन हिरण्यकश्यप वरदान प्राप्त करने के बाद खुद को भगवान मानने लगा।जब विनाश आता है तो विवेक मर जाता है। हिरण्याकश्यप के साथ यही हुआ।उन्होंने कहा कि शुकदेव जी कहते हैं यह शरीर सुख भोगने के लिए नहीं मिला है।कष्ट सहकर भगवान का वंदन करना चाहिए। भगवान कृष्ण के जन्म का बृहद वृत्तांत सुनाते हुए कथा वाचक ने लोगों को सम्मोहित सा कर दिया। अद्भुत झूले की झांकी में भगवान कृष्ण को झुलाते हुए बताया कि लोग भगवान कृष्ण जैसा बालक चाहते हैं तो वासुदेव देवकी सा कष्ट भी सहना पड़ता है तपस्या करनी पड़ती है।इस मौके पर राम प्रसाद मिश्र ओम प्रकाश भवानी प्रसाद दीक्षित सतीश शुक्ला सुधांशु शुक्ल दिनेश सिंह कैलाश नाथ तिवारी दिनेश शुक्ल गाड मिश्रा शिवमूर्ति तिवारी मोहन पांडेय रामचंद्र मिश्रा लाल जी तिवारी पवन दुबे कृष्ण कुमार तिवारी श्रीराम टांडा बिंद्रा प्रसाद तिवारी रामराज यादव आदि मौजूद रहे।

डंपर की टक्कर से पिता की मौत, पुत्री घायल

अमेठी अवधनामा संवाददाता। मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार की शाम डंपर की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी वहीं उसकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई।मिली जानकारी के अनुसार मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के कैलाश बगिया निवासी राम सुंदर उम्र 45 वर्ष अपनी बेटी के साथ बाइक से जा रहे थे तभी बगिया बहोरखा गांव के पास डंपर ने टक्कर मार दी जिससे पिता और पुत्री दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिरखाना ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने राम सुंदर को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल बेटी को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय गौरीगंज रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है की घटना के बाद डंपर चालक डंपर लेकर फरार हो गया।

गन्ने की खेत में मिली बच्चे की खोपड़ी, जांच में जुटी पुलिस

खोपड़ी को कब्जे में लेती पुलिस

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। खड्डा थाना क्षेत्र के विशुनपुरा बुजुर्ग गांव से सटे छितौनी जंगल के सरेह में मंगलवार को एक गन्ने की खेत से एक बच्चे की खोपड़ी मिली है। सरेह में बकरी चराने गए बच्चों ने खोपड़ी देख शोर मचाया तो लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर आई पुलिस खोपड़ी को अपने कब्जे में लेकर जांच में जुट गई। खड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम विशुनपुरा निवासी रामप्यारे कुशवाहा द्वारा सूचना दिया गया कि गांव के सिवान में पुरूषोत्तम कुशवाहा पुत्र बसन्त निवासी विशुनपुरा बुजुर्ग थाना खड्डा जनपद कुशीनगर के गन्ने के खेत में एक मानव खोपड़ी का कंकाल पडा हुआ है, इस सूचना पर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंच कर मानव खोपड़ी के कंकाल को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। लोगों में चर्चा है कि दो माह पूर्व विशुनपुरा गांव से एक पांच वर्षीय बालक गायब हो गया था। संदेह है कि बरामद खोपड़ी उस बच्चे की ही हो। हालांकि पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

सरकारी समिति से रात में ट्रैक्टर ट्राली से खाद ले जाने का वीडियो वायरल

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। हाटा तहसील क्षेत्र के भड़कुलवा बतरौली समिति से रात के अंधेरे में एक ट्रैक्टर ट्राली से खाद ले जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। हालांकि कृषि विभाग के जिम्मेदारों का कहना है कि ये खाद दो तीन किसानों का है। उधर वीडियो वायरल होने के बाद जिम्मेदारों में हड़कंप मच गया है।

वायरल वीडियो में रात को एक ट्रैक्टर ट्राली से सहकारी समिति भड़कुलवा बतरौली से जिम्मेदारों की मिली भगत से सैकड़ों बोरी खाद ले जाने का वीडियो कहीं न कहीं कालाबाजारी की तरफ इशारा कर रहा है। बता दें कि एक तरफ जहां किसान खाद को लेकर मारे मारे फिर रहे है तो दूसरी तरफ जिम्मेदारों की मिली भगत से रात में ट्रैक्टर ट्राली से खाद ले जाना संदिग्ध लग रहा है। खाद न मिलने से गेहूं व अन्य फसलों की

समिति से खाद ले जाते वायरल वीडियो का फुटेज

हाटा तहसील क्षेत्र के भड़कुलवा बतरौली समिति का मामला

बोआई में काफी देरी हो रही है। कृषि विभाग का दावा है कि जिले के सभी केंद्रों पर भरपूर मात्रा में खाद उपलब्ध है। लेकिन हाटा क्षेत्र के भड़कुलवा बतरौली समिति से रात में खाद ले जाने का वीडियो वायरल होने पर विभाग में हड़कंप मच गया है। विभाग की खूब किरकिरी हो रही है। इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी डॉ मेनका सिंह से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दो तीन किसानों का खाद एक ही ट्रैक्टर ट्राली से ले जाया जा रहा है। समिति के सचिव को निर्देश दिया गया है कि शाम 5 बजे के बाद खाद वितरण नहीं करती है। सहायक आयुक्त सहकारिता के अधिकारी नीरज कुमार गौंड ने मामले को गंभीरता से देखते हुए जांच का आदेश दिए है। साथ ही वह खुद स्थलीय निरीक्षण कर जांच पड़ताल में जुट गए है, जल्द ही कार्यवाई की बात कह रहे हैं।

छात्रवृत्ति की संशोधित समय सारिणी जारी

अमेठी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि उप्र शासन द्वारा निर्गत शासनादेश एवं आंशिक वर्ग कल्याण कल्याण अनुभाग-2 के अनुपालन में शैक्षिक सत्र 2024-25 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति (कक्षा-11-12) व अन्य दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत शैक्षणिक संस्थानों द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने मास्टर डाटाबेस में पूर्व में सम्मिलित संस्थाओं द्वारा पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम का प्रकार पाठ्यक्रमवार अनुमोदित सीटों की संख्या सक्षम स्तर से पाठ्यक्रमवार निर्धारित शुल्क एफिलिएटिंग एजेंसी/विश्वविद्यालय के नाम आदि अंकित/अपडेट कर नोडल अधिकारी के डिजिटल से सत्यापित कर लॉक किये जाने एवं छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन से लेकर वितरण हेतु संशोधित समय सारिणी निर्गत की गयी है। इस क्रम में उन्होंने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों द्वारा प्रक्रियात्मक कार्यवाही पूर्ण करने हेतु कक्षा-9 से कक्षा-12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं के लिए 31 दिसम्बर 2024 तक एवं सम्बन्धित संस्थान द्वारा फीस का सत्यापन 05 जनवरी 2025 तक तथा छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन 15 जनवरी 2025 तक किया जायेगा।

ढाढा में किसानों का अधिग्रहित भूमि के मुआवजा के लिए तहसील में लगा कांउटर

अवधनामा संवाददाता

हाटा, कुशीनगर। स्थानीय तहसील परिसर में न्यू इंडिया शुगर मिल के हेतू अधिग्रहित भूमि के अवशेष किसानों के बकाए प्रतिकर/मुआवजा हेतू जिला प्रशासन द्वारा अवशेष किसानों के भुगतान हेतू प्रशासन द्वारा सुविधा केंद्र स्थापित कराया गया है। मंगलवार को प्रभारी एसडीएम मोहम्मद जफर ने बताया कि ढाढा चिनी मिल के लिए बर्ष 2009 मे लोक हितों को देखते हुए राज्य सरकार ने 19.804 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण किया था, जहां 5.38 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कराया गया था तथा अवशेष 14.48 हेक्टेयर भूमि को जिला प्रशासन द्वारा बीते रविवार को कब्जे की कार्रवाई की गई जहां अवशेष किसानों को

तहसील में अधिग्रहित भूमि के लिए लगा काउंटर

मुआवजा/ प्रतिकर देने के लिए किसान हित को देखते हुए प्रशासन द्वारा वर्तमान नियमावली के अनुसार उक्त भूमि नगर क्षेत्र में होने के कारण जिलाधिकारी द्वारा दोगुना भुगतान कराया जा रहा है। प्रभारी एसडीएम मोहम्मद जफर ने प्रभावित किसानों से अपील किया है कि तहसील परिसर में बने सुविधा केंद्र पर पहुंच अपने आवश्यक प्रपत्र आधार कार्ड, बैंक पासबुक नोटरी प्रस्तुत कर मुआवजा प्राप्त कर लें। इस दौरान नायब तहसीलदार सुनील कुमार सिंह, प्रभारी कानूनगो संजीवन मिश्र रामेंद्र तिवारी, किशोरी लाल, अमित कुमार सहित अन्य राजस्व टीम सुविधा केंद्र पर तैनात रहे।

परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है पीडीए : केशव

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। मंगलवार को जनपद में पधारे उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या का जिला पंचायत सभागार में जिला पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भव्य स्वागत किया। गोरखपुर से सड़क मार्ग द्वारा आते समय जगह जगह कार्यकर्ताओं ने उप मुख्यमंत्री का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। जिला पंचायत सभागार में पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि अखिलेश यादव का पी डी ए परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सम्मान से समझौता नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं को 2027 के चुनाव के लिए आज से ही एक्शन मोड में आ जाना होगा , उन्होंने कहा कि 100

में 60 हमारा है 40 में बंटवारा है उसमें भी हिस्सा हमारा है। देवरिया कुंभ और देवरहवा बाबा का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देवरहवा बाबा के आशीर्वाद से बाबरी विध्वंश और भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सका, कुंभ में देवरहवा बाबा की मचान को याद दिलाते हुए उन्होंने इस महाकुंभ में 40 करोड़ से ज्यादा लोगों के शामिल होने की बात कही और साथ ही सभी को महा कुंभ में आने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि सपा पति पत्नी भाई भतीजा की पार्टी है वहीं कांग्रेस मां, भाई, बहन की पार्टी है जबकि भाजपा में बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी संगठन और सरकार के शीर्ष पद पर जा सकता है। महाराष्ट्र और उपचुनाव की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के उपचुनाव ने साबित किया है कि मोदी जी योगी जी के नेतृत्व में जनता का विश्वास अडिग है, सपा की दुर्दशा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता कि कुंदरकी में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में ऐतिहासिक मतदान हुआ, अखिलेश यादव के भतीजे महज 14 हजार से जीते और इतिहास बदलते हुए कटहरी में भाजपा के धर्मराज निषाद ने जीत कर धर्म राज की स्थापना कर दिया, इस चुनाव परिणाम ने सपा के लोगों का घमंड तोड़ दिया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से फीडबैक भी लिया। उपमुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से अपनी समस्या को लिखित रूप में मांगते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं का कार्य करते हुए

बूथों पर हो निष्ठावान कार्यकर्ताओं का चयन : सहजानंद राय

आपको भी सूचित किया जाएगा। उन्होंने संगठन पर्व को उत्साह के साथ सम्पन्न करने की अपील की। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ रमापति राम त्रिपाठी ने कहा कि संगठन का एक एक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के निमित्त कार्य करते हैं जबकि अन्य दल निजी स्वार्थ में जन विश्वास के साथ छल करते हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि सभी बूथ और शक्तिकेंद्र के चुनाव अधिकारी अपने अपने बूथों और शक्तिकेंद्रों पर शत प्रतिशत अच्छे और निष्ठावान पदाधिकारियों का चयन करे। सभी बूथ इकाइयों की संरचना अगर ठीक हो गई तो संगठन के तरफ से उप मुख्यमंत्री जी का यही स्वागत होगा।

अहिरौली क्षेत्र में सक्रिय हुए चोर, एक सप्ताह में दो भीषण चोरियां, दहशत में लोग

असना में चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान

अवधनामा संवाददाता

अहिरौली बाजार, कुशीनगर। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए चोर भी सक्रिय हो गए है। रात में पुलिस का पहरा भी है लेकिन उनके आंखों में धूल झोंक कर बड़ी से बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दे दे रहे है। एक सप्ताह के भीतर दो मकानों से हुई भीषण चोरियां से लोग दहशत में है। थाना क्षेत्र के ग्राम असना निवासी त्रिपुरारी मिश्र पुत्र राधेश्याम मिश्रा के घर बीती सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने घर के मेन दरवाजे का ताला तोड़ कर घर में घुस गए। नगदी समेत जेवरात चोरी कर फरार हो गए। त्रिपुरारी मिश्र ने पुलिस को दिए गए तहरीर में बताया है कि घर में रखा हार, अंगूठी, बारह कील, दो अंगूठी, नथिया, टीका, चार पाजेब, पायल झुमका तथा 30 हजार रुपए

पुलिसिया गश्त पर उठ रहे सवाल, ठंड का फायदा उठा रहे चोर

नगदी गायब है। गृहस्वामी अपने भतीजे की शादी में परिवार सहित गए थे। जब गृहस्वामी रात को 12.45 बजे वापस घर लौटे तो देखा कि घर के कमरे का सामान बिखरा पड़ा है। बॉक्स में रखा आभूषण गायब है। इसके बाद वह अवाक रह गए और इस घटना की जानकारी 112 नंबर पर पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई। गृह स्वामी ने स्थानीय थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। अभी हाल ही में बीते 30 नवंबर को भगवानपुर बुजुर्ग में चोरों ने पंचायत भवन का दरवाजा तोड़कर लाखों का सामान चुरा ले गए थे।

किसानों को तत्काल मुआवजा दिया जाए, प्रशासन मुकदमे वापस लेकर किसानों को रिहा करे

भाजपा के विधायकों व पदाधिकारियों ने प्रशासन के साथ की बैठक

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। ढाढ़ा चीनी मिल की एथेनाल फैक्ट्री के लिए अधिग्रहित भूमि विवाद को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, हाटा विधायक मोहन वर्मा, पडरौना विधायक मनीष जायसवाल, खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय, रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड, फाजिलनगर विधायक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा तथा अन्य पदाधिकारीयों का भाजपा प्रतिनिधि मंडल और पुलिस व प्रशासनिक अफसरों के साथ बैठक हुई जिसमें किसान हित और विकास कार्य दोनों प्रभावित न हो पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही केन्द्र और राज्य सरकार किसानों को लेकर पूरी तरह से सजग है और उनकी समस्या को दूर करने के लिए हर कदम बढ़ा रही है। ढाढ़ा चीनी मिल भूमि अधिग्रहण विवाद पर आज हमने प्रशासनिक अधिकारियों से बात की है और कहा है कि प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा दिया जाए और शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेकर गिरफ्तार किसानों को रिहा किया जाए। हाटा विधायक मोहन वर्मा ने बताया बैठक में प्रतिनिधि मंडल ने गिरफ्तार किसानों की रिहाई और उन पर दर्ज मुकदमे वापस करने की मजबूती से मांग किया जिसपर प्रशासन की तरफ त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक सन्तोष मिश्र, अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्र,अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, किसान मोर्चा जिला महामंत्री शत्रुघ्न प्रताप शाही, सन्तोष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

एमपीएसपी के संस्थापक सप्ताह समारोह का शुभारंभ आज

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। पूर्वी उत्तर प्रदेश में नौ दशक से अधिक समय से शैक्षिक क्रांति के अग्रदूत के रूप में प्रतिष्ठित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद (एमपीएसपी) का 92वां संस्थापक सप्ताह समारोह का भव्य शुभारंभ बुधवार इस परिषद के मुख्य संरक्षक, गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होगा। सुबह 9:30 बजे से होने वाले उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के सदस्य प्रो. राजीव कुमार उपस्थित रहेंगे। संस्थापक सप्ताह समारोह का समापन 10 दिसंबर को होगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नोबल पुरस्कार विजेता एवं बचपन बचाओ आंदोलन के प्रणेता कैलाश सत्यार्थी शामिल होंगे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह पूर्वांचल का अति प्रतिष्ठित और सबसे बड़ा अकादमिक कार्यक्रम होता है। सप्ताहभर चलने वाले इस समारोह में विविध प्रकार की अकादमिक और क्रीड़ा प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के मैदान में उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि, मुख्य अतिथि और कार्यक्रम अध्यक्ष के संबोधन के बाद विद्यार्थियों की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस शोभायात्रा में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के दर्जनों संस्थाओं के करीब तीन हजार विद्यार्थी सम्मिलित होंगे। जबकि उद्घाटन समारोह में महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के मैदान में परिषद की 38 संस्थाओं के 10 हजार विद्यार्थियों और 5 हजार शिक्षकों-कर्मचारियों की सहभागिता रहेगी। शोभायात्रा की सलामी मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर लेंगे। शोभायात्रा के दौरान अनुशासन, श्रेष्ठ पथ संचलन के साथ जन जागरण को प्रदर्शित करने वाली झांकियां और नारे मुख्य आकर्षण होंगे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह के लिए बनाई गई संचालन समिति के सदस्य डॉ. नितीश शुक्ला ने बताया कि उद्घाटन समारोह को भव्य बनाने के लिए एक हजार से अधिक शिक्षक, कर्मचारी और स्वयंसेवक मुस्तैद रहेंगे। उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर को परिषद के मुख्य संरक्षक, गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता तथा नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के मुख्य आतिथ्य में होने वाले समापन समारोह में 800 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

- सीएम योगी करेंगे उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता
- मुख्य अतिथि होंगे मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर
- 10 दिसंबर को होगा समारोह का समापन
- नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी होंगे मुख्य अतिथि

हिंदू नरसंहार बंद करो बंद करो, के नारों से गूंजा बहराइच

अवधनामा संवाददाता

- बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर लोगों में दिखा आक्रोश
- हिंदू रक्षा समिति के तत्वाधान में निकाली गई जन आक्रोश रैली, पूज्य संतों ने किया नेतृत्व

बहराइच। जनपद में आज बांग्लादेश में हिंदुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा किए जा रहे अत्याचार के विरुद्ध हिंदू रक्षा समिति के तत्वधान में हजारो की संख्या मे हिन्दु समाज के लोगो ने जन आक्रोश रैली निकालकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को सौपा।जन आक्रोश रैली गेंदघर मैदान से प्रारंभ होकर छावनी चौराहा, घंटाघर चौक, पीपल तिराहा, नगर पालिका होते हुए धरना स्थल पहुंची जहाँ राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा गया। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है कि विभिन्न संचार माध्यमों से विदित है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट ,आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार संपूर्ण हिंदू समाज के लिए अत्यंत पीड़ादायक एवं चिंताजनक है। वर्तमान की बांग्लादेश सरकार तथा अन्य एजेंसियां केवल मुकदर्शक बनी हुई है, जिसके परिणाम स्वरुप हिंदुओं को लक्ष्य बनाकर शारीरिक, आर्थिक, सामाजिक व धार्मिक शोषण तथा अत्याचार की घटनाओं में बाढ़ आ गई है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन में हिंदुओं का नेतृत्व कर रहे इस्कान के सन्यासी चिन्मय कृष्णदास को वहां की सरकार द्वारा कारावास भेजना घोर अन्याय पूर्ण है। ज्ञापन में मांग की गई है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद हो तथा श्री चिन्मय कृष्ण दास को तत्काल कारावास से मुक्त जाए।इस हेतु हर संभव प्रयास करें जिससे पीड़ित हिंदुओं तथा अन्य अल्पसंख्यकों के परिवारों तथा उनके व्यावसायिक ,धार्मिक स्थलों की सुरक्षा एवं उनका संरक्षण प्राप्त हो सके। रैली में शामिल लोग भारत हो या बांग्लादेश हम सब हिंदू एक हैं,हर हिंदू की यही पुकार नहीं सहेंगे अत्याचार,हिंदू का इतिहास है हिंदू सबके साथ है,हिंदू नरसंहार बंद करो बंद करो,बंद करो,तुम जितने मंदिर तोड़ोगे उतनी मानवता छोड़ोगे ,मानवता करती आह्वान हिंदू जीवन जग की शान,हिंसा नहीं सहना है कट्टरपंथियों से लड़ना है,अब हिन्दू चुप नहीं रहेगा,हिंदू हिंसा नहीं सहेगा,हर हिन्दू ने ठाना है बांग्लादेश को कट्टरपंथ से बचाना है आदि स्लोगन लिखी हुई तख्तिया हाथ में लेकर चल रहे थे। जन आक्रोश रैली से पूर्व गेंद घर मैदान में आयोजित सभा को श्री सिद्धनाथ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री रवि गिरी जी महाराज ,श्री सनातन धाम मंदिर हनुमंत पुरम नगरौर के पीठाधीश्वर स्वामी विष्णु देवाचार्य जी महाराज, पंचवटी आश्रम रिसिया के श्री रवि शंकर जी महराज ने संबोधित किया। मंच का संचालन संयोजक धनंजय सिंह ने किया। जन आक्रोश यात्रा में मातृशक्ति सहित विभिन्न धार्मिक सामाजिक संगठनों के लोग व हजारों की संख्या में जनमानस उपस्थित रहा।

रेनुसागर में दो दिवसीय शरद मेला 7 दिसम्बर को

अनपरा/सोनभद्र। दिशिता महिला मंडल के तत्वावधान में हिण्डालको रेनुसागर के आवासीय परिसर में स्थित आदित्य विडला इंटरमीडिएट कालेज में 7 दिसम्बर को दो दिवसीय शरद मेला का भव्य आयोजन किया गया।उक्त आशय की जानकारी देते हुये दिशिता महिला मंडल की अध्यक्षा इंदु सिंह ने देते हुये बताया कि मेले का शुभारंभ 7 दिसम्बर को सायं 5 बजे होगा।यह मेला 8 दिसम्बर तक चलेगा।दिशिता महिला मंडल की अध्यक्षा इंदु सिंह ने रेनुसागर एवं आस-पास के ग्रामीण आँचल में निवास करने वालों से अपील करते हुये कहा कि दिशिता महिला मंडल द्वारा आयोजित शरद मेले भारी संख्या में आयें और लुत्फ उठाइये तथा ढेर सारे इनाम जीत कर जाइये।मेले मेले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को साइकिल द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को ट्राली बैग तीन सेट एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को एयर फायर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एड्स के खात्मे के लिए प्रताप सेवा समिति ने लोगों को किया जागरूक, कैंडिल जलाकर किया आवाह्न

सुल्तानपुर। समाज में एचआईवी/एड्स के विरुद्ध तभी जंग जीती जा सकती है,जब समाज में इस बीमारी के प्रति जागरूकता आएगी,आज एचआईवी/एड्स के फैलाव की स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है इसका मुख्य कारण जागरूकता है,उक्त बाते प्रताप सेवा समिति के सचिव विजय विद्रोही ने बीती शाम रोडवेज बस स्टाप स्थित एड्स जागरूकता कार्यक्रम में कही,सोमवार को समाजिक संस्था प्रताप सेवा समिति शाम को आजाद पार्क स्थित एचआईवी/एड्स में जांच गवां चुके लोगों के लिए कैंडिल मार्च निकालकर उन्हें श्रद्धांजलि दी,संस्था सचिव श्री विद्रोही ने लोगों का आवाह्न करते हुए कहाकि एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता ही सबसे बड़ा फार्मूला है,जीवन में नियमित और संयमित होना तमाम समस्याओ से परे रखता है,उक्त अवसर पर संस्था अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा,जेपी श्रीवास्तव, अनूप कुमार श्रीवास्तव, अर्जुन विश्वकर्मा,राघवेंद्र प्रताप सिंह, अर्चना सिंह, सीमा श्रीवास्तव, ममता तिवारी,सीमा भाष्कर, अरूण सिंह, रीना जायसवाल सहित गणमान्य व समाजसेवी मौजूद रहे।

बांग्लादेश के खिलाफ तिकोनिया पार्क में उमड़ा हिंदू समाज

सुलतानपुर। हर हिन्दू की यही पुकार, नही सहेंगे अत्याचार के लगे नारे, के साथ नगर के तिकोनिया पार्क में जनाक्रोश जनसभा शुरू हुई। सगरा पीठाधीश्वर मौनी महराज भी तिकोनिया पार्क पहुंचे।गौ रक्षा वाहिनी एवं कई संगठनों ने रैली को सफल बनाने के लिए ताकत झोंक दी थी। मौनी महराज ने हिन्दूओं में जोश भरते हुए कहा कि हम सबको एक जुट होकर हिंदू विरोधी ताकतों को शिकस्त देना होगा। उन्होंने आगे भी कहा तभी हम सब देश में ही नहीं समूचे विश्व में सनातन धर्म का झंडा लहरा पायेंगे। वहीं अयोध्या से पधारे हिंदू वादी नेता एवं कथा वाचक ने कहा कि अब वो समय आ गया है कि हम सब एक होकर जो हिंदू हित की बात न करे उसे करारा जबाब देना होगा। इसके बाद रैली के शक्ल में हिंदू वादी संगठनों ने जूलूस निकालाते हुए हिंदुओं को बचाने व बांग्लादेशीयों के खिलाफ ऐक्शन लेने की बात एक शुर कहते हुए शहर के प्रमुख मार्गो पर रैली निकाली। रैली में सगरा पीठाधीश्वर मौनी महराज, डॉ डीएस मिश्रा, शैलेन्द्र सिंह, एम एलसी, लम्भुआ विधायक सीताराम वर्मा, सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, डॉ ए. के. सिंह, भाजपा नेता मोंटी मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष, प्रवीन अग्रवाल एवं हिंदू वादी संगठनों के सैकड़ों लोगों की भागीदारी रही।

युवा बीजेपी नेता एवं समाजसेवी पुलकित सिंह ने भ्रमण का जाना क्षेत्रवासियों का हाल

सुल्तानपुर। विधायक एवं पूर्व मंत्री विनोद सिंह के समाजसेवी पुत्र पुलकित सिंह आज भी क्षेत्र में सक्रिय रहे। इस दौरान वे क्षेत्र के तमाम मांगलिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। शुरुआत उन्होंने दिखौली गांव के रहने वाले राजेश कुमार सिंह के यहां से की। जहां गंगा गार्डन में उनकी बेटी के वैवाहिक कार्यक्रम में वे शामिल हुए और परिवार वालों से मिलकर बधाई दी। यहां के बाद पुलकित दूबेपुर के लौहर पश्चिम गांव पहुंचे और अजय सिंह लीडर की बिटिया के विवाह कार्यक्रम में शामिल हो परिवार वालों को बधाइयां दी। इसके साथ ही पुलकित तुलसीपुर धनजई गांव में उदयभान पांडेय की बिटिया के विवाह कार्यक्रम में शामिल हो परिवार वालों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही उन्होंने तमाम लोगों से मुलाकात की और हालचाल भी लिया।

हत्याकांड का एक-दो दिन में होगा पर्दाफाश

टूंडला। थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदाबाद में विगत दिनों एक युवक की हत्या हो गई थी जिसके हत्याभियुक्तो की तलाश में पुलिस जुटी हुई है लेकिन अभी तक पुलिस को सफ्लता नहीं मिली है पुलिस सूत्रों की माने तो एक-दो दिन में इस हत्याकांड का खुलासा हो जाएगा गांव मोहम्मदाबाद निवासी उस्मान पुत्र हनीफ कीकुछ लोगों ने हत्या कर दी थी उसके शब को जलाने का प्रयास इसलिए किया गया कि कहीं उसकी पहचान ना हो जाए हत्या कर उसके शब को गांव के पास में बने तालाब के किनारे फेंक दिया पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था इसके बाद पुलिस हत्या हत्याभियुक्तों की तलाश में जुट गई लेकिन अभी तक पुलिस को सफ्लता नहीं मिली है थाना प्रभारी अंजीश कुमार की माने तो एक-दो दिन में इस हत्याकांड का खुलासा कर दिया जाएगा।

कक्षा 8 की छात्रा ने एक दिन के लिए सम्भाला प्रधानाध्यापक पद, दिए निर्देश

मिशन शक्ति फेज-2

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। मुख्यमंत्री के निर्देशन पर चल रहे मिशन शक्ति फेज-5 के तहत नगर क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा 'पठानान' में कक्षा- 8 की छात्रा सुमायला को एक दिन के लिए प्रधानाध्यापक बनाया गया। सुमायला 'ने' सुबह प्रार्थना सभा के पश्चात प्रधानाध्यापक से कार्य भार ग्रहण करने के पश्चात शिक्षकों की उपस्थिति को देखा। सभी अध्यापकों से कक्षा वार शिक्षण कार्य करने का आग्रह किया। छात्रा ने रसोई घर का जायजा लेते हुए रसोइयों को साफ सफाई से 'मध्यान्ह' भोजन बनाने का 'निर्देश' दिया। भोजन मानक के अनुसार एवं मीनू के अनुसार बनाने का 'ध्यान रखने का' निर्देश दिया। विद्यालय की स्वच्छता पर ध्यान देते हुए अनुचर को आवश्यक निर्देश दिए। कक्षा-छह में एक पीरियड शिक्षण कार्य भी किया। मीना मंच 'की छात्राओं से बात चीत करते हुए उनके कार्यो की प्रशंसा की'। एक दिन की प्रधानाध्यापिका ने खुद खड़े होकर मध्याह्न भोजन के पहले एक एक बच्चे का साबुन से हाथ धुलवाया। मध्याह्न भोजन खुद चख कर सभी बच्चों को भोजन ग्रहण करने का निर्देश दिया। विद्यालय के छात्र छात्राओं के साथ साथ विद्यालय का स्टाफबहुत खुश 'दिखा'। सुमायला ने बताया कि प्रधानाध्यापिका बन कर आज नया अनुभव पाया। साथ ही साथ इस पद के निर्वहन में कितनी जिम्मेदारियां है, इसका भी एहसास हुआ। अब शिक्षिका बनने की ख्वाहिश है। इसे सच करने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। प्रधानाध्यापक व 'मिशन शक्ति के शहरी क्षेत्र की नोडल' कल्पना राजौरिया ने बताया कि बालिकाओं का मनोबल बढ़ाने के लिए यह नवाचार किया गया है। यदि किसी व्यक्ति में मनोबल आ जाए तो वह अपने आप आधी जंग जीत लेता है। सुमायला को देखकर बाकी बालिकाएं भी उत्साहित हुई। कुछ और बालिकाओं ने भी यह दायित्व संभालने की इच्छा जताई। कुछ और बालिकाओं को भी भविष्य में मौका दिया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष व विधायक के साथ देखा गया साबरमती फिल्म

सोनभद्र। मंगलवार को रावटसगंज नगर स्थित सलीमा हाल में गोधरा कांड को लेकर आधारित फिल्म साबरमती को देखने भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता के नेतृत्व में घोरावल विधायक डॉक्टर अनिल कुमार मौर्य एवं सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने बताया कि गोधरा कांड के पूरी कहानी तथ्य के साथ आम जनमानस के बीच आ चुकी है फिल्म के माध्यम से जिसको हर घर हर व्यक्ति देखकर उसे घटना से व्यक्तिगत रूप हो सकता है वहीं घोरावल विधायक डॉ अनिल कुमार मौर्य ने बताया कि पीएम मोदी व सीएम योगी द्वारा फिल्म देखकर हर व्यक्ति से अपील की कि वह जाकर यह फिल्म देखें और घटना के जाने । सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत वह पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक मिश्रा अजीत चौबे ने बताया कि आम जनमानस के बीच फैलाई गई गलतफहमियां व कई चर्चाओं का समाधान कर रहा या फिल्म। इस मौके पर सुरेश शुक्ला ,सुरेंद्र, घमंडी, बृजेश श्रीवास्तव ,गुड़िया त्रिपाठी, आशीष केसरी ,छोटू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसएसपी ने ली आवश्यक बैठक दिए कड़े दिशा-निर्देश

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण की उपस्थिति में पुलिस लाइन स्थित सभागार में जनपद के समस्त थानों के कोर्ट पैरोकार/कोर्ट मौहर्रिर व अन्य अधिकारियों संग मीटिंग आयोजित की गयी जिसमें समस्त को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण की उपस्थिति में पुलिस लाइन स्थित सभागार में जनपद के समस्त थानों के कोर्ट पैरोकार/कोर्ट मौहर्रिर/रिट सेल/मॉनीटरिंग सेल एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण संग गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी के दौरान द्वारा ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत लम्बित चल रहे मुकदमों में सभी साक्षियों की समयबद्ध कोर्ट में साक्ष्य कराने एवं एमपी/एमएलए कोर्ट से निर्गत सभी आदेशिकाओं को तामील कराकर उपस्थिति सुनिश्चित कराने, सीए/एनआरसी से सम्बन्धित गैर हाजिर चल रहे आरोपियों के विरुद्ध वारण्ट निर्गत कर विधिक कार्यवाही कराने, प्रत्येक कोर्ट के कोर्ट मौहर्रिर द्वारा सम्मन व वारण्ट रजिस्टरों को अद्यावधिक रखने साथ ही कोर्ट में उपस्थित गवाहों का विवरण मॉनिटरिंग सेल को प्रतिदिन अवगत कराने के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए। इसी क्रम में द्वारा गैंगस्टर एक्ट के अभियोगों में लोकसेवकों की गवाही की आदेशिकाओं को समयबद्ध तामील कराकर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया जिससे अभियोगों का शीघ्रता से निस्तारण हो सके। गोष्ठी के दौरान प्रतिसार निरीक्षक, आशुलिपिक, रीडर, जनसम्पर्क अधिकारी एसएसपी फिरोजाबाद एवं अन्य अधिकारी /कर्मचारीगण मौजूद रहे।

खुदीराम बोस की जयंती पर निकाली प्रभात फेरी

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। अमर शहीद खुदीराम बोस की जयंती के अवसर पर आजाद समाज सेवा समिति द्वारा नगर में प्रभात फेरी निकाली। सुबह समय लगभग 8.00 पर प्रतिवर्ष की भांति नगर के दुर्गा मार्केट स्थित सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित किया। तत्पश्चात यह काफिला शहर में स्थित अन्य क्रांतिकारी अमर शहीदो की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा के सामने गोष्ठी भी संबोधित किया। आजाद समाज सेवा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शराफत खान ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि हमें देश को शहीदों के सपनों का भारत बनाने के लिए शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेनी होगी। उपाध्यक्ष विजय यादव ने खुदीराम बोस के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खुदीराम बोस का जन्म 3 दिसंबर 1989 को बंगाल के मिदनापुर हबीबपुर गांव में हुआ था। देश की आजादी की लड़ाई में सबसे कम उम्र के खुदीराम बोस शहीद होने वाले पहले क्रांतिकारी थे। इनके जीवन का महत्वपूर्ण कड़ी यह रहा कि 18 साल 8 महीना 8 दिन की उम्र में इनको फांसी दे दी गई जो आज भी एक इतिहास है। इस अवसर उपाध्यक्ष दिलीप सिंह, महामंत्री मकसूद अंसारी,सचिव रविन्द्र तिवारी ,मीडिया प्रभारी सर्वेश सिंह, रवि दूबे ने भी देश पर मर मिटने वाले शहीदों के जीवन पर प्रकाश डाला। प्रभात फेरी में समिति के अरविंद श्रीवास्तव राजू , महफूज अली बब्बन, किशन चौरसिया, घनश्याम जायसी, मोईद खान, शैलेंद्र रावत, मन्नान भाई, रविंद्र सिंह, अजय सिंह डब्लू ,सरदार सतपाल सिंह, परमात्मा अवस्थी, राजा अब्बास जैदी,मसूद अहमद, वसीम अहमद राजा, शैलेश वर्मा , सुमित यादव सोनू, आशीष मिश्रा महाकाल, सरदार जेपी सिंह, विनोद पांडे, मंजीत सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिंचाई संघ भवन पर शोक सभा की गई

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत नीरज दुबे जिला मलेरिया अधिकारी एवं कमलेश राजपूत सफाई कर्मचारी बढ़पुरा के आकस्मिक निधन पर मंगलवार को सिंचाई संघ भवन पर एक शोक सभा की गई जिसमें कर्मचारियों के द्वारा मृतक आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण कर दिवांगत के परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की ईश्वर से प्रार्थना की गईद्यजिसमें राज कर्मचारी संयुक्त परिषद के संरक्षक दिलीप मिश्रा प्रदीप सक्सैना जिला अध्यक्ष राजेश मिश्रा जिला मंत्री पवन श्रीवास्तव कार्यवाहक जिलाध्यक्ष रिज़वान अहमद वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूरन सिंह ऑडिटर राम तेज यादव आलोक पाराशर मिडिया प्रभारी सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अजय कुमार सिंचाई विभाग के आसाराम शेष कुमार मोहित कुमार सोहेब खान मनोज यादव समीर खान अविनाश दुबे आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनपद में धारा 163 लागू, नई परम्पराओं पर पूर्णतः लगी रोक

- हड़ताल, आन्दोलन, प्रदर्शन आदि पर पूर्णतः प्रतिबन्धः जिलाधिकारी

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। आगामी परीक्षाओं, गुरूनानक जयंती, क्रिसमस डे, नववर्ष एवं गणतन्त्र दिवस आदि आयोजनों, अवसरों एवं त्यौहारों को शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने एवं जनपद में शान्ति व्यवस्था को अनवरत् बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी रमेश रंजन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 को जनपद भर में 28 जनवरी 2025 तक के लिए लागू कर दिया है। यह आदेश 30 नवम्बर 2024 से प्रभावी माना जाएगा। जिलाधिकारी ने अपने आदेश में लिखा है कि जनपद भर में किसी भी नवीन प्रथा एवं परम्परा की शुरूआत नहीं होने दी जाएगी। लोग उन्माद आदि फैलाने के उद्देश्य से एकजुट होकर खड़े होने पर पूर्णतः प्रतिबन्ध रहेगा। साथ ही किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सरकारी सम्पत्ति को भी हानि न पहुंचायी जाएगी। इतना ही नहीं असलाहों के भी लाने-ले जाने पर पूर्णतः प्रतिबन्ध रहेगा। वहीं जिलाधिकारी ने लाउडस्पीकरों एवं डीजे गाड़ियों में लाउडस्पीकर आदि लगाने पर भी स्पष्ट कहा है कि सम्बन्धित सक्षम अधिकारियों से अनुमति प्राप्त होने के पश्चात भी निर्धारित स्थल से 50 मीटर से अधिक लाउडस्पीकरों की ध्वनि प्रसारित नहीं की जा सकेगी। साथ ही अफ्वाह एवं वैमनस्यता फैलाने वालों पर रोक रहेगी। इतना ही नहीं कोई भी व्यक्ति व व्यक्तियों का समूह सार्वजनिक स्थलों पर मादक पदार्थ आदि को सेवन नहीं करेगा और न ही किसी व्यक्ति धर्म या समुदाय के विरूद्ध ऐसी टिप्पणी करेगा जिससे कि शान्ति व्यवस्था भंग होने की सम्भावना हो। शैक्षिक संस्थानों एवं न्यायालय तथा धार्मिक स्थलों से 100 मीटर की परिधि में पटाखे भी चलाने पर प्रतिबन्ध रहेगा। धारा 168 से सम्बन्धित किसी भी आदेश एवं दिशा-निर्देश का उल्लंघन पाए जाने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 208 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध के तहत कार्यवाही की जाएगी। जनपद में लागू धारा 168 से सम्बन्धित उपरोक्त आदेश के सम्बन्ध में विस्तृत रिपोर्ट एवं सम्पूर्ण जानकारी जिलाधिकारी कार्यालय से कार्य दिवस के दौरान कभी भी ली जा सकती है।

कार्यालय नगर निगम फिरोजाबाद

पत्रांक : 824/एस0बी0एम0/ई-निविदा सूचना/2024-25 दिनांक : 03/12/2024

-: पुनः ई-निविदा सूचना :-

स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण के दृष्टिगत नगर निगम फिरोजाबाद में आई0ई0सी0 गतिविधियों हेतु व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार के सम्बन्ध में नागरिकों को जागरूक करने एवं शहर के सौन्दर्यीकरण हेतु शहर के विभिन्न स्थानों पर वॉल पेन्टिंग एवं वॉल राइटिंग कार्य 01 वर्ष (365 दिन) की अवधि तक अनुभवी फर्मो से कराये जाने हेतु ई-निविदा अधिकृत बेबसाइट www.etender.up.nic.in पोर्टल के माध्यम से निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	विवरण	तिथि व समय
1.	ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	04-12-2024, 01:00 PM
2.	ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	04-12-2024, 01:00 PM
3.	ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	12-12-2024, 03:00 PM
4.	तकनीकी निविदा खोली जाने की तिथि/समय	12-12-2024, 04:00 PM
5.	Financial Bid opening	After Approval] the Technical Bid

नोटः- शेष नियम व शर्ते www.etender.up.nic.in एवं https//etender.up.nic.in पोर्टल पर देखी जा सकेगी।

जोनल सैनेटरी ऑफीसर
नगर निगम फिरोजाबाद

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **26.12.2024 को 15.00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुयल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नही किये जायेगे।

निविदा सूचना संख्या	13702024 दिनांक 03.11.2024		
कार्य का नाम	सहायक मंडल इंजीनियर रायबरैली के अधीन वरिष्ठ खंड अभियंता रायबरैली अनुभाग में उपकर का पुनर्वास का कार्य।		
अनुमानित लागत	Rs.2,16,07,450.06	धरोहर राशि	Rs. 2,58,000.00
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह।		
निविदा डालने का प्रारंभ	12.12.2024		
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	26.12.2024 15:00 बजे		
वेबसाईट	www.ireps.gov.in		

नोटः– निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 3719/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **ई-निविदा** प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **दिनांक 26.12.2024** को **15.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुयल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	**निविदा सूचना संख्या** : 13502024 दिनांक 02.12.2024
2	**निविदा संख्या** : 25/ Sr.DEN-I/LKO/2024-25
3	**कार्य का नाम** : वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/प्रथम/लखनऊ के अधीन सी.टी.आर. (से.) = 24.052 ट्रैक किलोमीटर एवं टी. आर. आर.(से.) = 6.99 ट्रैक किलोमीटर (संलग्न सूची के अनुसार।
4	**अनुमानित लागत** : रु. 6,01,03,084.99
5	**धरोहर राशि** : रु. 4,50,500.00
6	**कार्य की समापन अवधि** : स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से ग्यारह माह।
7	**निविदा डालने का प्रारंभ** : 12.12.2024
8	**निविदा बंद होने की तिथि एवं समय** : 26.12.2024, 15:00 बजे
9	**बेबसाईट** : www.ireps.gov.in

नोटः- निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त बेबसाईट पर उपलब्ध है। **3715/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दो दिवसीय दंगल का आयोजन

- दंगल के प्रथम दिन 18 कुश्तियों में धमाकेदार रही कुश्तियों,
- दंगल का उद्घाटन मुख्य अतिथि सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला ने किया

अवधनामा संवाददाता

राठ हमीरपुर। जनपद हमीरपुर के राठ कस्बा स्थित स्वामी ब्रह्मानन्द महाविद्यालय में परम पूज्य स्वामी ब्रह्मानन्द जी महाराज के 130 वे जन्मोत्सव पर महाविद्यालय में बुंदेलखंड का अनोखा दंगल की परंपरा वर्षो से चली आ रही है। स्वामी ब्रह्मानन्द महाविद्यालय में हर साल विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। 4 दिसंबर को स्वामी ब्रह्मानन्द जी महाराज का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इसी क्रम में दंगल का आयोजन किया गया। परम पूज्य स्वामी ब्रह्मानंद जी के 130 वे जन्मोत्सव पर आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय कुश्ती दंगल के प्रथम दिन कुल 18 कुस्ती हुई। प्रथम कुश्ती सूरज देवरिया और विकास सिंह इटावा के बीच हुई जिसमें सूरज देवरिया विजय रहे। रमेश हरियाणा और धर्मेंद्र मसगांव के बीच धर्मेंद्र मसगांव ने जीत दर्ज की। नीरज पाल बांदा और कमलजीत आगरा के मध्य कमलजीत आगरा ने जीत हासिल की। अनिल हरियाणा और आकाश मसगांव के बीच हुए मुकाबले में आकाश मसगांव ने कुश्ती जीती। मोहम्मद शहाबुद्दीन और प्रीतम लीगा के बीच प्रीतम लींगा ने जीत हासिल की। विजयपाल आगरा और शोएब अली लखनऊ के बीच कुश्ती बराबरी पर छुटी। मेघराज कुमार और राजबहादुर देवरिया के बीच मेघराज कुमार ने जीत हासिल की। प्रमोद कबरई और मकसूद देवरिया के बीच हुई कुश्ती में प्रमोद कबरई ने मकसूद देवरिया को पटकनी दी। राजू कानपुर और महेंद्र गुढ़ा के बीच मुकाबले में राजू कानपुर विजई रहे। अनिल गल्हिया और जय सिंह हमीरपुर के बीच अनिल गल्हिया ने जीत हासिल की। भूरा अमूद और आकाश राठ के बीच भूरा अमूंद ने जीत हासिल की। विजय पहाड़ी और जोगेंद्र हरियाणा के बीच कुश्ती बराबरी पर छुटी। प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉक्टर इंद्रपाल सिंह, प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर सुरेंद्र सिंह, मुख्य अतिथि सीडीओ हमीरपुर, विशिष्ट अतिथि एडीएम हमीरपुर, अभिमन्यु कुमार सिंह उप जिलाधिकारी राठ, कोतवाली प्रभारी रामासरे सरोज एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर नरेश कुमार सिंह, डॉ वरुण कुमार सिंह, डॉ एस जी राजपूत, डॉ जितेंद्र सिंह, डॉ दीपक सिंह, डॉ दुर्गेश कुमार, डॉ अमित बिसेन, डॉक्टर ज्योतिर्मय साहू, डा अतुल कुमार शुक्ला, डॉ आर बी शर्मा मीडिया प्रभारी, आर के मिश्रा, रामप्रकाश आदि एवं कर्मचारीगढ़, गोबिंद सिंह, राजकुमार, राम सिंह, धर्मेंद्र सिंह, कैलाश चंद, राजेश चौरसिया, मोहन सिंह, राजेंद्र कुमार झा, भूपेंद्र सिंह, मनीष कुमार, नंदराम, शैलेंद्र सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

विश्व दिव्यांग दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

जिलाधिकारी सम्बोधित करते हुए

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। दिव्यांग बन्धु के सदस्यों एवं जिला प्रशासन के सहयोग से कलेक्ट्रेट परिसर हमीरपुर में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना द्वारा बताया गया कि सभी विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से दिव्यांगजनों को अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाये। उन्होंने दिव्यांगजनों का उत्साहवर्धन किया। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी रामलखन गुर्जर ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में (दिव्यांग पेंशन, कुष्ठावास्था पेंशन, दिव्यांग शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना, दुकान संचालन / निर्माण योजना, कृत्रिम अंग / सहायक उपकरण, कॉक्लियर इम्प्लांट आदि योजनाओं) की जानकारी दी गयी। बताया कि किसी भी प्रकार की कठिनाई आने पर दिव्यांगजन सीधे उनसे सम्पर्क कर सकते हैं। दिव्यांगजनों द्वारा गायन, भजन आदि प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन जलीस खान ने किया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न विकास खण्डों से लगभग 200 दिव्यांगजन, जिला कृषि अधिकारी, ए.आर.एम. रोड़वेज, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रघुनाथ विश्वकर्मा, कमाल ताहा, देवनारायण सोनी, दुर्गेश प्रजापति, सुनील कुमार एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अपने समस्त स्टाफ के साथ उपस्थित रहें।

नगर पंचायत का अतिक्रमण हटाओ अभियान निकला हवा हवाई

अवधनामा संवाददाता

सुमेरपुर। नगर पंचायत सुमेरपुर कस्बे से निकला नेशनल हाइवे 34 मे नेहा नर्सिंग होम चौराहा से लेकर मंडी समिति तक हाइवे के दोनो ओर दुकानदारो ने हाइवे के दोनो ओर सड़क मे अति क्रमण कर रखा है। जिससे कस्बा मे सारे दिन जाम लगा रहता है सबसे ज्यादा जाम कस्बे मे ई रिक्शा द्वारा लगता है कस्बे मे सैकड़ो की संख्या मे रिक्शे लाइन लगाये जाम कि स्थिती पैदा करते है बीच सड़क मे ई रिक्शा वाले घूस कर जाम कि स्थिती पैदा करते है जिससे दिन रात यातायात प्रभावित रहता है कल पी एन सी और नगर पंचायत की टीम ने मिल कर अतिक्रमण हटाने के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति कि गयी है हाइवे के दोनो ओर जो अतिक्रमण हटाया गया था फिर से दूबरा व्यापारियो ने कब्जा जमा लिया है। और रिक्शा वाले और रेडी पटरी वाले दुकान दार फिर से हाइवे को अतिक्रमण करके हाइवे को बाधित कर लिया है कस्बे के लोगो का कहना है कि इस जाम के झाम से छुटकारा दिला पना नगर पंचायत की बस की बात नही है सिर्फ खाना पूर्ति कि जाती है जिससे आम जन मानस मे आक्रोश है।

ठंड से बचाव के संबंध में डीएम की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। ठंड से बचाव के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी श्री घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि ठंड में कोई भी खुले में / रोड पर सोते हुए ना पाया जाए। इसके लिए नियमित रूप से रोस्टर बनाकर रोड पर गश्ती आदि किया जाए। जनपद के सभी रैन बसेरों को सक्रिय रखा जाय तथा सभी रैन बसेरे की सूचना/ प्रचार प्रसार हेतु जरूरी संकेतक बोर्ड बस स्टॉप, जिला अस्पताल ,रेलवे स्टेशन मेंन बाजार आदि पर अवश्य लगवा दिया जाए तथा इसको जीपीएस पर भी टैग करा दिया जाए ताकि आसानी से लोग वहां पर जीपीएस की मदद से पहुंच सके। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी तहसीलों/ नगर निकायों में भी रैन बसेरो को क्रियाशील रखा जाए। सभी रैन बसेरों में महिला एवं पुरुष हेतु अलग-अलग लेटने की व्यवस्था की जाए। रैन बसेरों में फायर सेफ्टी के दृष्टिगत अग्नि से बचाव के उपकरण रखें जाय। वहां पर अलाव/ हीटर आदि की भी उपलब्धता रखी जाए। सुरक्षा के दृष्टिगत रैन बसेरे के पास सीसीटीवी आदि भी स्थापित किए जाएं। वहां पर साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था रखी जाए। रैन बसेरों में ठहरने वाले लोगों के लिए भोजन आदि की व्यवस्था निर्धारित मीनू के अनुसार किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि ठंड के दृष्टिगत जनपद में सभी जरूरतमंद व्यक्तियों में कंबल का शीघ्र वितरण कराया जाए।

सभी गौशालाओं का सत्यापन कर वहां पर ठंड से बचाव की सभी व्यवस्थाएं यथा टीनशेड आदि की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाय। गौशालाओ में चारा पानी आदि की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़कों के गड्डो एवं डिवाइडर आदि की मरम्मत एवं रंग रोगन करा दिया जाय। ब्लैक स्पॉट की लिस्टिंग कर वहां पर जरूरी संकेतक व स्पीड ब्रेकर आदि लगवाए जाएं। नगरीय क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों को क्रियाशील रखा जाए। रोडवेज की सभी बसों में रिफ्लेक्टर /रेडियम स्टीकर आदि लगवा दिया जाए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव ,सीएमओ डॉ गीतम सिंह, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक, एसडीएम मौदहा राजकुमार गुप्ता ,एसडीएम सरीला विपिन कुमार शिवहरे तथा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

शिव प्रसाद यादव ने खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। ज्ञानस्थली कर्वाखेड़ा में चल रहे इंटर स्कूल खेल प्रतियोगिता 2024 प्रतिस्पर्धा में भर्थना ज्ञानस्थली अकादमी तथा ज्ञानस्थली कटरा शमशेर खान के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। मैच रैफरी वासिफ खान सर द्वारा दोनों टीमों के कप्तानों को मैदान पर ले जाकर टॉस कराया गया, जिसमें भर्थना ज्ञानस्थली की टीम ने टॉस जीतकर कटरा शमशेर खाँ ज्ञानस्थली को पहले बल्लेबाजी करने का निमंत्रण दिया। इससे पहले विद्यालय प्रबंधक तथा ज्ञानस्थली विद्यालय समिति के अध्यक्ष शिव प्रसाद यादव ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या चंदा श्रीवास्तव तथा विद्यालय प्रबंधन के मुख्य सदस्य शिवमंगल सिंह वासिफ खान, अमित पांडे जी (पी.टी.आई) ममता यादव, आरती मिश्रा आरती पटेल आदि मैदान पर मौजूद रहे। पहले बल्लेबाजी करने उतरी कटरा शमशेर खाँ ज्ञानस्थली की की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तू चल में आया वाली कहावत चरितार्थ हुई और अंत तक निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 85 रन बनाएं। विपक्षी टीम को 86 रन का संघर्षपूर्ण लक्ष्य दिया। जिसमें लक्ष्य का पीछा करने उतरी भर्थना की टीम की शुरुआत अच्छी रही और 3 गेंद शेष रहते 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया तथा अपना अजेय रथ आगे बढ़ाया। इसी क्रम में खो-खो तथा कबड्डी के मैच भी हुए। जिनमें खो-खो में कटरा शमशेर खाँ ने भर्थना को 12-07 के अंतर से हराया तथा कबड्डी में भर्थना टीम ने कटरा शमशेर की टीम को 49-40 के अंतर से हराया।

विदोखर गांव में बिजली संकट, पलेवा के लिए किसान परेशान

सुमेरपुर। विदोखर गांव में पावर हाउस स्थापित होने के बावजूद किसानों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है। किसानों ने शिकायत की है कि उन्हें रात में तो बिजली दी ही नहीं जाती, और दिन में भी बिजली कटौती के कारण उनकी खेती प्रभावित हो रही है। किसान प्रभुदयाल पाल, रमेश, रमेश पाल, महेश पाल समेत अन्य किसानों ने बताया कि उनके खेतों में पलेवा नहीं हो पा रही है। बिजली की अनियमितता के चलते पलेवा में लगातार देरी हो रही है, जिससे फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। कुछ नलकूपों को 24 घंटे बिजली दी जा रही है, जबकि कई किसानों को सिर्फ दिन में बिजली मिलती है, वह भी बेहद कम समय के लिए। किसानों का कहना है कि दिन भर में भी बिजली की उपलब्धता इतनी कम रहती है कि एक बीघा खेत में पलेवा तक नहीं हो पाता। किसानों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मांग की है कि उन्हें तुरंत पर्याप्त और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

सएमजीआई जेनरो क्रिकेट टूर्नामेंट बीबीए ने जीता

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। 3 दिसंबर से 9 दिसंबर तक आयोजित होने वाले÷जेनरो÷के अंतर्गत ज्योतिबा बाई फुले स्टेडियम में एसएमजीआई के जेनरो, के क्रिकेट मैच आयोजित किये गये। इस टूर्नामेन्ट में एसएमजीआई ग्रुप के सभी विभागों ने प्रतिभाग किया। पहला मैच बी.फार्मा तृतीय वर्ष एवं बी.टी.सी.के मध्य खेला गया जिसमें बी.फार्मा तृतीय वर्ष ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बी.टी.सी.की टीम को 57 रनों का लक्ष्य दिया। बी.टी.सी.ने इस लक्ष्य को पीछे करते हुए 9 विकेट से जीत हासिल की जिसमें नवीन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा मैच बी. फार्मा चतुर्थ वर्ष एवं बी.बी.ए.के बीच खेला गया जिसमें बी.बी.ए.ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 98 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। यह मैच बी.बी.ए.ने 26 रनों से जीता जिसमें महेन्द्र को मैन ऑफ द मैच चुना गया। तीसरा मैच बी.फार्मा द्वितीय वर्ष एवं बी.सी.ए.के बीच खेला गया जिसमें बी.सी.ए. ने 57 रनों का लक्ष्य दिया। यह मैच बी.सी.ए.ने 14 रनों से जीता जिसमें मयंक को मैन ऑफ द मैच चुना गया। चैथा मैच डी.फार्मा तथा नर्सिंग टीम के बीच खेला गया जिसमें डी. फार्मा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 73 रनों का लक्ष्य दिया जिसमें नर्सिंग टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की जिसमें अभिषेक कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। सेमी फाइनल का पहला मुकाबला बी.टी.सी.एवं बी.सी.ए. के बीच खेला गया जिसमें बी.सी.ए.ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 112 रनों का लक्ष्य दिया और यह मैच 48 रनों से जीतकर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। इस मैच में मोहसिन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा सेमी फाइनल बी.बी.ए.तथा नर्सिंग टीम के बीच खेला गया जिसमें नर्सिंग टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 83 रनों का लक्ष्य रखा और यह मैच बी.बी.ए. ने 9 विकेट से जीतकर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। इस मैच में अमन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। फाइनल मुकाबला बी.बी.ए.तथा बी.सी.ए. के बीच खेला गया जिसमें बी.सी.ए. ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 85 रनों का शानदार लक्ष्य रखा था फिर बी.बी.ए. ने 6 विकेट से फाइनल मुकाबला जीतकर जेनरो विजेता ट्राफी हासिल की। इस मैच में प्रांशु को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैन ऑफ द सीरीज़ मोहसिन को चुना गया। एसएमजीआई के चेयरमैन डा.विवेक यादव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को जीत की बधाई दी। इसी क्रम में विजेता तथा उपविजेता टीम को भी ट्राफी के साथ सभी विजेता, उपविजेता खिलाड़ियों को भी डा. विवेक यादव तथा डायरेक्टर डा.उमा शंकर शर्मा द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट किये गये। टूर्नामेंट के दौरान एसएमजीआई के सभी शिक्षक, स्टाफ एवं छात्र मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

इटावा सफारी पार्क में रेस्क्यू से सम्बन्धित जानकारी साझा की गई

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। इटावा सफारी पार्क के समस्त कर्मचारियों के लिए वन्यजीवों के रेस्क्यू प्रशिक्षण के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें निदेशक इटावा सफारी पार्क डा.अनिल कुमार पटेल द्वारा रेस्क्यू के सम्बन्ध में अपने अनुभवों एवं बरती जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया गया। इस मौके पर पशुपालन विभाग के उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा.आर0के.सिंह द्वारा लेपर्ड, टाइगर एवं अन्य वन्यजीवों के रेस्क्यू के लिए प्रयोग किये जाने वाले उपकरणों एवं उनके प्रयोग के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया। इसके साथ ही सफारी पार्क के बायोलॉजिस्ट बी0एन0सिंह, पशु चिकित्सक डा0रोबिन सिंह यादव, डा0 शेलेन्द्र सिंह, रेस्क्यू से सम्बन्धित जानकारी साझा की गयी। बिजनौर में वन्यजीवों के रेस्क्यू में अपनी सेवायें दे चुके शिक्षा अधिकारी कार्तिक द्विवेदी द्वारा भी अपने अनुभवों को साझा किया गया। इस मौके पर सफारी पार्क के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे जिन्हें वर्तमान में सफारी पार्क में वास कर रहे वन्यजीवों के समुचित देखरेख के लिए सावधानियां बरतने के लिए भी प्रशिक्षित किया गया।

अल्लाह ने फ़ातिमा ज़हरा को बहुत बड़ा मर्तबा दिया- मौलाना सदाक़त हुसैन

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। अय्यामे फ़ातमिया की पांच दिवसीय मजलिसों का शुभारंभ शरीफ मंज़िल सैदबाड़ा में राहत अक़ील शक्कन की ओर से किया गया। मजलिस में तसलीम रजा, सलीम रजा ने सोजख्वानी की। मौलाना सदाक़त हुसैन फर्रूखाबाद ने पहली मजलिस में तक़रीर करते हुए कहा अल्लाह ने फ़ातिमा ज़हरा को बहुत बड़ा मर्तबा दिया। जो इंसान अल्लाह, रसूल, अली, हसन, हुसैन से मोहब्बत करेगा तो उसे पहले फ़ातिमा ज़हरा से मोहब्बत करनी होगी। इसी तरह तस्वीह ज़हरा का भी बड़ा मकाम है, इसे पढ़ने से परेशानियां दूर होती हैं। जिसके दिल में फ़ातिमा ज़हरा की मोहब्बत होती है वही यतीमों और मजलूमों की मदद करता है जैसे ईरान फिलिस्तीन के यतीमों की मदद कर रहा है। मौलाना सदाक़त हुसैन ने कहा अल्लाह जिसे कायम रखता है उसे कोई भी मिटा नहीं सकता। रसूल अल्लाह ने फरमाया है कि दुनिया मोमिन के लिए कैदखाना और काफिर के लिए जन्नत है। रसूल अल्लाह की हदीस है। कि अली हक के साथ और हक अली के साथ है। मजलिस में अख्तर अब्बास रिज़वी, आसिफ रिज़वी, ताबिश रिज़वी, सलमान रिज़वी, आबिद रज़ा ने कलाम पेश किए। तनवीर हसन ने नोहाख्वानी की।

अबूझ हाल में बाटी चोखे की दुकान में लगी आग सामान जलकर खाक

चोपन/ सोनभद्र। मंगलवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित एक बाटी चोखे की दुकान में आग लग गई देखते देखते आग विकराल रूप धारण कर ली आग लगने के कुछ देर बाद ही सिलेंडर ब्लास्ट हो गया जिसके बाद लोगों के द्वारा तत्काल पुलिस के साथ ही दमकल विभाग को भी सुचना दी गई मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया तब-तब दुकान में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। जानकारी के मुताबिक सागर निवासी हाइडिल कालोनी चोपन बाटी चोखे की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है दो दिन से दुकान बंद कर अपने गांव किसी कार्य से गया हुआ था जैसे ही इस बात की जानकारी सागर को हुई तो वह दोपहर बाद चोपन पहुंच गया उधर लोगों का कहना था कि मंगलवार की अल सुबह दुकान में आग लगने की सुचना मिली आग कैसे लगी इस पर कोई कुछ भी नहीं बता पाया वहीं दुकान में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया।

वरेण्य विकास ने देश व प्रदेश का नाम किया रोशन

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। निवासी वरेण्य जो कि नोएडा में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे है ने 3 साल 28 दिन की उम्र में 43 सेकंड में सभी यूरोपीय देशों के झंडों को पहचाना और सुनाया और वर्ल्डवाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के लिए विश्व रिकॉर्ड बनाया है। 28 अक्टूबर 2024 को नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत में आयोजित इस स्पर्धा में युवा प्रतिभाशाली वरेन्या विकास जायसवाल ने 3 से 5 आयु वर्ष की इस स्पर्धा में सभी यूरोपीय देशों के झंडों को पहचानने और सुनाने का सबसे कम समय लेकर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। वरेन्या ने सिर्फ़ 43 सेकंड में सटीकता और तेज़ी से प्रत्येक झंडे का नाम बताकर अपने असाधारण ज्ञान और याददाश्त का परिचय दिया। इस असाधारण उपलब्धि ने उन्हें वर्ल्डवाइड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में एक अच्छी जगह दिलाई है।

वरेण्य विकास जयसवाल की असाधारण प्रतिभा वरेन्या विकास जायसवाल की इतनी कम उम्र में सभी यूरोपीय देशों के झंडों को पहचानने और सुनाने की अविश्वसनीय क्षमता उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है। सीखने और अन्वेषण के प्रति उनके जुनून ने उन्हें यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे दुनिया भर के लोगों में विस्मय और प्रशंसा की भावना पैदा हुई है। वरेन्या की उल्लेखनीय स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं ने उन्हें असाधारण उपहार वाले एक अद्वितीय व्यक्ति के रूप में अलग पहचान दिलाई है। वरेन्या विकास जायसवाल की 3 साल और 28 दिन की उम्र में मात्र 43 सेकंड में सभी यूरोपीय देशों के झंडों को पहचानने और उन्हें बोलने की उपलब्धि किसी अचरज से कम नहीं है। यह उनकी अटूट लगन, अथक अभ्यास और जन्मजात प्रतिभा का परिणाम है। छोटी उम्र से ही वरेन्या ने झंडों और देशों में गहरी दिलचस्पी दिखाई, हर विवरण का अध्ययन करने और याद करने में घंटों बिताए। निरंतर अभ्यास और सीखने के प्रति गहरी लगन के माध्यम से वरेन्या ने अपने कौशल को निखारा और एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जो उनकी असाधारण क्षमताओं का प्रमाण है। वरेण्य विकास जायसवाल की इतनी कम उम्र में असाधारण उपलब्धि उन्हें असाधारण प्रतिभा वाले एक सचमुच अनूठे व्यक्ति के रूप में अलग करती है। सीखने के प्रति उनके जुनून, अटूट समर्पण और उत्कृष्टता की अथक खोज ने उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। वरेण्य की उल्लेखनीय स्मृति, संज्ञानात्मक क्षमता और झंडों और देशों के प्रति जुनून ने उन्हें दुनिया भर में पहचान और प्रशंसा दिलाई है। उनकी अविश्वसनीय उपलब्धि सभी उम्र के लोगों के लिए प्रेरणा का काम करती है, जो मानव मन और आत्मा की असीम क्षमता को प्रदर्शित करती है। अंत में, वरेण्य विकास जायसवाल का 3 वर्ष और 28 दिन की आयु में सभी यूरोपीय देशों के झंडों को पहचानने और उनका उच्चारण करने का विश्व रिकॉर्ड उनकी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और सीखने के जुनून का प्रमाण है। उनकी असाधारण उपलब्धि ने दुनिया भर के लोगों के दिलों और दिमाग पर कब्जा कर लिया है।

अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाया गया डॉ.राजेंद्र प्रसाद का जन्म दिवस

सोनभद्र/अवधनामा ब्यूरो। सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा मंगलवार को अध्यक्ष पूनम सिंह की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि अपार जनपद न्यायाधीश अमित वीर सिंह व अन्य न्यायाधीश के साथ भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की मूर्ति पर माला अर्पण कर जयंती अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाया गया। सभागार में सोनभद्र बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष पूनम सिंह एड ने कहा कि प्रथम राष्ट्रपति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद की सफलता के पीछे नियमों का कठोरता से पालन तथा कानून का सम्मान करना प्रमुख था। पूनम सिंह एड ने कहा कि बार और बैंच एक रथ के दो पहिये हैं। एक पहिया छोटा और दूसरा बड़ा होगा तो उससे जनता को न्याय नहीं मिल सकता। बार और बैंच दोनों को आपस में सामंजस्य बनाकर काम करना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता हरगोविंद चौबे एड ने कहा कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस को अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। वक्ताओं ने उनके सिद्धांतों तथा आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। अवसर पर महामंत्री राजीव सिंह गौतम वरिष्ठ उपाध्यक्ष लालता पांडे भोला सिंह यादव अरुण प्रताप सिंह चंद्र प्रकाश द्विवेदी सुरेंद्र पांडे ओमप्रकाश पाठक रमेश राम पाठक महेंद्र शुक्ला अरुण मिश्रा योगेश द्विवेदी ओम कुमार अनिल पांडे अखिलेश पांडे सतीश पांडे गीता गौर सहित आदि लोग मौजूद रहे आदि लोग उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों को शिक्षा दे रही हैं क्रिधा फाउंडेशन

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। मंगलवार को दिव्यांग दिवस पर दिव्यांग बच्चों ने किया रैप ड्रान्स के साथ अन्य कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। क्रिधा फाउंडेशन द्वारा संचालित दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा कार्यक्रम में आज दिव्यांग दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।एनजीओ क्रिधा फाउंडेशन के मुखिया ने बताया कि बगैर किसी सरकारी मदद से दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के साथ थिरेपी भी दी जा रही है। अभिभावक कुछ फीस के रूप में मदद कर देते हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि दिव्यांग जनों के लिए कोई सरकार काम नहीं करती हैं। सभी सरकारों में कमी है कि वह 18 वर्ष होने पर बच्चों को पेंशन व अन्य सहायता प्रदान करते हैं। एक ऐसी पॉलिसी बन जाए कि दिव्यांग बच्चों को शुरुआत से ही मदद हो जाए तो उनका जीवन सुधार जाएगा। अविनाश कुशवाहा पूर्व विधायक क्रिधा फाउंडेशन के मुखिया ने कहा कि हमारा उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि वे अपने जीवन में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बन सकें। हमारे संस्थान में दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के साथ थिरेपी भी दी जाती है, जिससे वे अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को विकसित कर सकें। चौहान (मुखिया क्रिधा फाउंडेशन) इस अवसर पर क्रिधा फाउंडेशन की ओर से दिव्यांग बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। क्रिधा फाउंडेशन के मुखिया ने कहा कि हम दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना है।

डीएम ने दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग का किया वितरण

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। विश्व दिव्यांग दिवस'' के शुभ अवसर पर विकास भवन परिसर, सोनभद्र में कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण का वितरण जिलाधिकारी द्वारा किया गया, कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया, कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी बद्री नाथ सिंह जी के द्वारा 10 दिव्यांगजनो में सहायक उपकरण का वितरण किया गया, इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित दिव्यांगजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के हितों के दृष्टिगत अनेक कल्याणकारी योजना प्रारम्भ किये है जिसके माध्यम से कैम्प लगाकर दिव्यांगजनों को पेंशन/ट्राइसाइकिल/कृत्रिम अंग से सम्बन्धित फार्म भरवाकर उन्हें उपलब्ध कराया जाता है उन्होने कहा कि समाज कल्याण विभाग, दिव्यांगजन विभाग, प्रोबेशन विभाग द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसीलों में कैम्प लगाकर लाभार्थियों को योजनाओं से सम्बन्धित फार्म भरवाकर उन्हे लाभान्वित किया जाये, इस दौरान आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों के कार्ड भी बनाये जाये। इस दौरान शेष नाथ चैहान मुख्य विकास अधिकारी, रमाशंकर यादव जिला समाज कल्याण अधिकारी, सुधान्शु शेखर शर्मा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, राजधारी प्रसाद गौतम उपायुक्त उद्योग, विनय कुमार सिंह अपर सूचना अधिकारी सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर स्वैच्छिक संस्था जन कल्याण ग्रामोद्योग, बहुअरा सोनभद्र द्वारा दिव्यांगजनो की प्रतिभा की प्रदर्शनी का स्टाल लगाया गया। उक्त प्रदर्शनी में कु0उर्मिला, रजाई बनाने की कला, जंग बहादुर द्वारा फास्ड फुड का स्टाल, बबुंदर द्वारा सिलाई बुनाई, श्यामलाल द्वारा चित्रकला इत्यादि का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने दिव्यांगजनो से सीधा संवाद कर उनके द्वारा बनाये जा रहे सामग्री और आय के सम्बन्ध में जानकारी ली और दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विद्या देवी निर्देशित करते हुए कहा कि इसी तरह से अन्य दिव्यांगजन को भी प्रोडक्ट बनाने हेतु प्रेरित किया जाये जिससे कि वह अपनी आय बढ़ाकर रोजगार से जुड़ सकें। कार्यक्रम का संचालन कमलेश कुमार (दृष्टिबाधित), विजेन्द्र कुमार, आर्थोपैडिक दिव्यांग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कुमारी संन्ध्या, दृष्टिबाधित द्वारा गीत गायन की प्रस्तुति की गयी, पवन,दृष्टिबाधित द्वारा कविता, आशीष गुप्ता द्वारा टेक्नालाजी के बारे बताया गया, सुनील कुमार द्वारा पक्षी, टेऊन इत्यादि की आवाजे निकाली गयी। कार्यक्रम के अन्त में निजामुद्दीन, प्रबन्धक, जन कल्याण ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, बहुअरा द्वारा समस्त दिव्यांगजनो को कप-प्लेट सेट वितरित किया गया।

जन शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करें: केशव मौर्य

चकमार्गों से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया जाए : उपमुख्यमंत्री

- उपमुख्यमंत्री ने की विकास कार्यों की समीक्षा दिए आवश्यक निर्देश

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में आज देवरिया के विकास भवन स्थित गांधी सभागार में विकास कार्यक्रमों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन समस्याओं के त्वरित एवं वास्तविक निस्तारण पर विशेष रूप से ध्यान दें तथा जनप्रतिनिधियों से समन्वय व संवाद स्थापित रखते हुए जन समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को शासन की मंशानुरूप आमजन तक पहुंचाये। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आईजीआरएस से प्राप्त जन समस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकता का विषय है। सभी समस्याओं का समयबद्ध व सन्तुष्टिपरक निस्तारण किया जाए और न्यूनतम दस प्रतिशत निस्तारित समस्याओं की जमीनी हकीकत जांची जाये। जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कार्मिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन नियमित अंतराल पर विभिन्न राजस्व प्रकरणों की कार्यवाही की समीक्षा करें। यदि कोई अराजक तत्व पत्थर नसब के बाद पत्थर हटाता है, तो उसके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उपमुख्यमंत्री ने चकमार्गो से अवैध कब्जे हटाने के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अतिक्रमणमुक्त चकमार्गों को मनरेगा से आवागमन योग्य बनाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने आज दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांगजनों को बधाई एवं शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जनपद में 235 दिव्यांगों को आवास प्रदान किये जा चुके हैं। जनपद में 18,519 दिव्यांग पेंशन के लाभार्थी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध हैं। दिव्यांगजनों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने हर घर नल जल योजना की गहन समीक्षा की। बताया गया कि जनपद में 350 से अधिक ग्राम पंचायतों में नल से जल की आपूर्ति प्रारंभ हो चुकी है। जिस पर उपमुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत के प्रत्येक घर में नल से जल की आपूर्ति हो। साथ ही उन्होंने कहा कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई सड़कों को अनिवार्य रूप से पूर्व की स्थिति में लाया जाए। धान खरीद की समीक्षा में बताया गया कि अब तक जनपद में 10,804 मीट्रिक टन खरीद की जा चुकी है। खरीद के लिए 114 धान क्रय केंद्र बनाए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि धान खरीद में बिचौलियों को हतोत्साहित करते हुए उन्हें संपूर्ण क्रय प्रक्रिया से दूर रखा जाए। विद्युत विभाग की समीक्षा में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2023 के पश्चात किसान हित मे नलकूप के बिजली बिल राज्य सरकार ने पूर्णतया माफ कर दिया है। अधीक्षण अभियंता विद्युत यह सुनिश्चित करें कि बिजली बिल समय से उपभोक्ताओं को मिले तथा ओवरबिलिंग किसी भी दशा में न हो। उन्होंने जनपद में खाद की उपलब्धता, किसान सम्मान निधि आयुष्मान कार्ड, निराश्रित गो-आश्रय स्थल की भी समीक्षा की।

खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक आज अपराह्न 03.00 बजे उनके कार्यालय कक्ष में की गयी। बैठक में सौरम बाबू, आयुक्त, खाद्य तथा रसद, कामता प्रसाद सिंह, अपर आयुक्त, राममूर्ति पाण्डेय, अपर आयुक्त (वि.), सत्यदेव, अपर आयुक्त, धीरेन्द्र प्रताप सिंह वरिष्ठ लेखाधिकारी खाद्य तथा रसद तथा निदेशक, डा. आशीष अग्रवाल डायरेक्टर मे. इन्जेन टेक्नोलॉजी, प्रा.लि. कानपुर उपस्थित रहें। बैठक में सर्वप्रथम मंत्री द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था के अन्तर्गत भारतीय खाद्य निगम के डिपो से उचित दर विक्रेताओं की दुकान तक खाद्यान्न प्रेषण में प्रयुक्त किये जाने वाले वाहनों में जी.पी.एस. सिस्टम व वाहनों की ट्रैकिंग की समीक्षा की गयी। निदेशक, डा. आशीष अग्रवाल डायरेक्टर मे. इन्जेन टेक्नोलॉजी द्वारा जीपीएस सिस्टम व वाहनों की ट्रैकिंग का प्रस्तुतिकरण किया गया तथा जनपद व मुख्यालय स्तर पर वाहनों की ट्रैकिंग की जानकारी दी गयी।

आबकारी विभाग ने 4243.43 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त किया

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। आबकारी विभाग द्वारा माह नवम्बर, 2024 में 4243.43 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियाँ सुनिश्चित की गयी हैं, जबकि गत वर्ष इसी अलोच्य अवधि में 3788.26 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ है। इस प्रकार नवम्बर माह में गत वर्ष की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष के नवम्बर माह मे 455.17 करोड़ रुपये का अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है।

उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 58,310 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के नवम्बर माह तक राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य 36500 करोड़ के सापेक्ष 30574.30 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्त हुआ है।

ऊर्जा मंत्री ने मऊ में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का किया प्रचार-प्रसार

- लोग सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी का लाभ लेकर सोलर रूफटॉप लगवाये
- सौर ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण में सहायक और आर्थिक रूप से लोगों के लिए फायदेमंद
- सरकार हर घर को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने मंगलवार को मऊ जनपद में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को इस योजना के महत्व और लाभों के बारे में जानकारी दी। उत्तर प्रदेश में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन राज्य को स्वच्छ और हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर करेगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हर घर तक स्वच्छ ऊर्जा पहुंचाने की दिशा में यह योजना एक बड़ा कदम है। सौर ऊर्जा न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि यह आर्थिक रूप से भी आमजन के लिए फायदेमंद है। सरकार हर घर को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। लोगों को सरकार की ओर से रूफटॉप सोलर लगवाने के लिए सब्सिडी दी जा रही है, जिसका लाभ लेकर लोग अपने बिजली के बिलों को कम करके आर्थिक रूप से सक्षम बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त आसान किस्तों पर ऋष्ठा और बिजली बिलों में बचत के साथ-साथ अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में बेचकर आय अर्जित करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

ए0के0 शर्मा ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने 13 फरवरी, 2024 को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली घर का शुभारंभ किया था और पूरे देश में इसके तहत एक करोड़ घरों को सोलर रूफटॉप से जोड़ने का लक्ष्य है। प्रदेश में 25 लाख घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाये जाने हैं। इस योजना का लाभ लेकर लोग 25 वर्षों तक बिजली के बिलों के भार से मुक्त हो सकते हैं।

मनरेगा कार्मिकों के मानदेय का जल्द होगा भुगतान

अवधनामा ब्यूरो

- प्रशासनिक मद मे 148 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गयी
- रोजगार सेवकों समेत मनरेगा कार्मिकों को जल्द मिलेगा मानदेय

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दिशा-निर्देशन में ग्राम रोजगार सेवकों एवं मनरेगा कार्मिकों के हितों की रक्षा के लिए लगातार काम किया जा रहा है। ग्राम रोजगार सेवकों समेत मनरेगा कार्मिकों को उनका मानदेय समय से मिले यह सुनिश्चित किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री द्वारा लगातार निर्देशित किया जाता है कि मनरेगा योजना के अंतर्गत मनरेगा श्रमिकों का भुगतान समय से हो, सामग्री मद का भुगतान हो या फिर प्रशासनिक मद का भुगतान हो सभी प्रकार के भुगतान समय से किये जाएं।

मनरेगा योजना के अंतर्गत प्रशासनिक मद में 148 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है, जानकारी दे दें कि मनरेगा योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य सरकार को प्रशासनिक मद के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केन्द्रीय सहायता की पहली किस्त का दूसरा भाग का भुगतान किया गया है। इस धनराशि के जारी होने से गांवों में योजना के अंतर्गत कार्यरत ग्राम रोजगार सेवकों समेत मनरेगा कार्मिकों के बकाये का भुगतान किया जा सकेगा जिससे कार्मिकों की आर्थिक परेशानियां भी दूर हो सकेंगी। इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार से यूपी मनरेगा के लिये प्रशासनिक मद हेतु केन्द्रीय सहायता की पहली किस्त के दूसरा भाग के रूप में कुल 1,48,31,93,000 करोड़ रुपए जारी किये गये हैं। प्राप्त धनराशि के भुगतान हेतु राज्य स्तर पर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। आयुक्त, ग्राम्य विकास, जी.एस. प्रियदर्शी द्वारा अवगत कराया गया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रशासनिक मद के लिए केन्द्रांश की करीब 148 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है।

बौद्ध भिक्षुओं को स्थलों का कराया भ्रमण

- पर्यटन विभाग भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों के बारे में देश-विदेश में रोड शो एवं व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहा है: जयवीर सिंह

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भगवान बुद्ध से जुड़े कई विश्वविख्यात पर्यटन स्थल हैं। इन स्थलों पर विभिन्न देशों के बौद्ध अनुयायी वर्षपर्यन्त दर्शन के लिए आते रहते हैं। इसी क्रम में 29 नवम्बर से 02 दिसम्बर तक मलेशिया से पधारे एक बौद्ध अनुयायियों के दल ने आनन्द बौद्ध वृक्ष, जेतवन विहार, कच्ची और पक्की कुटी, महेथ, गोल्डन टेम्पल आदि स्थानों का भ्रमण किया। इसके अलावा कपिलवस्तु में पिपरहवा स्तूप, गनवरिया, कपिलवस्तु संग्रहालय, बुद्धाथीम पार्क आदि को भी देखा। पर्यटन विभाग भगवान बुद्ध से जुड़े तीर्थ स्थलों को सजाने संवारने का निरन्तर कार्य कर रहा है। इसके साथ ही विदेशों में रोड शो एवं प्रचार प्रसार करके बौद्ध भिक्षुओं को उ.प्र. आने के लिए आमंत्रित भी कर रहा है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उ.प्र. की पावन धरती भगवान बुद्ध की कर्मस्थली रही है। उन्होंने अपने उपदेश के लिए उ.प्र. चुना था और यहीं पर उनका महापरिनिर्वाण भी हुआ था। इसलिए उ.प्र. बौद्ध धर्म का एक अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में जाना जाता है। पर्यटन विभाग मिशन के तहत पूरे देश और दुनिया में बौद्ध स्थलों का प्रचार प्रसार कर रहा है। इसके साथ ही विभिन्न देशों के बौद्ध अनुयायियों, टूर टेऊ्रेल आपरेटर्स आदि को बुद्ध सर्किट के अंतर्गत आने वाले स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है।

जयवीर सिंह ने बताया कि मलेशिया से आये हुए बौद्ध भिक्षुओं ने लखनऊ से श्रावस्ती के लिए प्रस्थान किया। इसके अलावा कुशीनगर में महापरिनिर्वाण स्तूप, सभागार स्तूप, मेडिटेशन पार्क, श्रीलंका बुद्धिष्ट टेम्पल आदि का भ्रमण किया। सारनाथ में धामेक स्तूप, चौखंडी स्तूप, मूलगंध कुटी विहार, बोधि वृक्ष, संग्रहालय को देखा। साथ ही भगवान शिव की नगरी काशी में विश्वनाथ मंदिर और गंगा आरती का दर्शन किया। अतिथियों ने क्रूज से गंगा भ्रमण का आनंद लिया। इसके अलावा काशी के अध्यात्मिक स्वरूप एवं प्राचीनता की विविधिताओं से रूबरू हुए।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास करने वाला राज्य हैं। अभी हम घरेलू पर्यटन के मामले में देश में पहले स्थान पर हैं।

अजय राय ने स्व. हीरालाल रावत के परिजनों से की मुलाकात

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को कलियाखेड़ा पहुंच कर स्वर्गीय हीरालाल रावत के परिजनों से मुलाकात की। अजय राय ने हीरालाल रावत के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए पार्टी की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। श्री राय ने लखनऊ विकास प्राधिकरण की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाने की भी बात कही। उन्होंने सरकार से मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिये जाने की मांग की। पार्टी ने आरोप लगाया कि कलियाखेड़ा में लविप्रा अधिकारियों के किसानों के घरों के अधिग्रहण के लिए लगाए निशान से सदमे में आकर कलियाखेड़ा के किसान हीरालाल रावत की आकस्मिक मौत हो गयी। कलियाखेड़ा में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए श्री राय ने आरोप लगाया कि जिस तरह सरकार संवेदनहीन है उसी तरह उसके विभाग और अधिकारी भी संवेदनहीन हैं। अगर कोई विकास की योजना है भी तो जमीन का अधिग्रहण सभी पक्षों से वार्ता कर जमीन का उचित मुआवजा देकर ही किया जाना चाहिए। मगर प्रदेश में वार्ता जैसी कोई चीज नहीं रह गयी है।

हजरत फातिमा जहरा (स.अ.) की याद में मजलिस ओ मातम का सिलसिला जारी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब (स.) की बेटी हजरत फातिमा जहरा (स.अ.) की शहादत की याद में शहर में मजलिस ओ मातम का सिलसिला जारी है।

तंजीमुल मकातिब गोलागंज में आज पहली मजलिस को मौलाना मोहम्मद मोहसिन तकवी ने खिताब किया। इससे पहले मौलवी कौकब अली ने कुरआन की तिलावत की,उसके बाद मौलवी गमख्वार हुसैन, मौलवी मोहम्मद हसनैन हसनी और मौलवी ज़फ़र अली ने अशहार पेश किया। मजलिस को संबोधित करते हुए मौलाना ने कहा कि इस्लाम वह पहला अकेला मजहब है जिसने बेटियों को उसका हक दिया है और औरत का रुतबा बताया है। मौलाना ने कहा कि इस्लाम ने दुनिया में न्याय कायम करने की हिदायत दी है और किसी के ऊपर भी जुल्म नहीं करने दिया बल्कि जुल्म की मजम्मत की है। अंत में मौलवी अयाज रिजवी और मौलवी रेहान अब्बास ने नौहाख्वानी की और जामिया इमामिया के बच्चों ने सीनाजनी की। रौजाए जैनबिया टिकैतराय तालाब में मंगलवार को मौलाना तफसीर हुसैन,मौलाना मोहम्मद अस्करी, मौलाना आगा एजाज मेहदी,मौलाना दानिश जैदी और मौलाना फैज अब्बास मशहदी ने मजलिसों को खिताब करते हुए उनकी फजीलत और अजमत पर रौशनी डाली। इमामबाड़ा उम्मुल बनीन मंसूर नगर में सोमवार को मौलाना जैगम अब्बास जैदी ने मजलिस को खिताब किया। इसी तरह हौजाए इल्मिया जामेअतुत्तबलीग मुसाहबगंज में मौलानामीसम जैदी ने मजलिस को खिताब किया। इमामबाड़ा जन्नतमाब तकी साहब अकबरी गेट मेंमंगलवार से तीन दिवसीय मजलिसों का आगाज हो गया। मजलिस को मौलाना शफीक आब्दी ने खिताब किया। कल की मजलिस को मौलाना अफजाल हुसैन शाम 7 बजे खिताब करेंगे। हौजए इलमिया अबूतालिब (अ.स.) निकट यूनिटी डिग्री कॉलेज, हरदोई रोड मे हज़रत फातिमा जहरा (अ.स.) की शहादत की याद में मंगलवार से तीन दिवसीय मजलिसों का सिलसिला शुरू हो गया। यहां मजलिस को मौलाना वसी उल हसन ने खिताब किया। मस्जिद वली उल अस्र मुफ्तीगंज में आज से 9 मजलिसों का दौर शुरू हो गया। सिलसिला शुरू होगा। मजलिस को मौलाना अफजाल हैदर ने खिताब किया। मजलिस का आगाज कारी रियाज अली ने तिलावते कुराने पाक से किया।

छोटे इमामबाड़े में ताबूत की जियारत शुक्रवार को

छोटा इमामबाड़ा हुसैनाबाद में 6 दिसंबर को कैंडल जलाकर जनाबे फातिमा (स) के ताबूत की जियारत कराई जाएगी। इससे पहले मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी रात 8.30 बजे मजलिस को खिताब करेंगे। बुधवार को मौलाना जैगम गरवी रात 8.30 बजे और शुक्रवार को मौलाना मोहसिन शाम 4 बजे मजलिस को खिताब करेंगे।

इमामबाड़ा सिबतैनाबाद हज़रतगंज में दो मजलिसें आज से

लखनऊ। हज़रत फातिमा जहरा (स) की शहादत के गम में अयातुल्लाह सैय्यद अली खामेनाई के दिल्ली स्थित कार्यालय की ओर से इस साल भी इमामबाडा सिबतैनाबाद हज़रतगंज में 4 व 5 दिसंबर को दो दिन मजलिसों का आयोजन शाम 7 बजे किया गया है। पहली मजलिस को मौलाना नजीबुल हसन ज़ैदी और दूसरी मौलाना कल्बे जवाद संबोधित करेंगे। यह मजलिसें कार्यालय मजलिसे-ए-उलेमा-ए-हिंद द्वारा आयोजित की जाएंगी। मजलिस के बाद नज़रे हज़रत फातिमा ज़हरा (स.अ) का भी इंतजाम किया गया हैं।

अय्यामे अज़ा ए फ़ातिमिया के सिलसिले से शब की पहली मजलिस को हुसैनिया अमानत अली साहब आलमपुर में ख़िताब करते हुए हुज्जतुल इस्लाम आलीजनाब मौलाना सैय्यद शबीहुल हसन क़िब्ला लखनऊ

पशुधन मंत्री ने 15 वृहद गो-संरक्षण केन्द्रों का किया शिलान्यास

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को पशुपालन निदेशालय में निराश्रित गोवंश संरक्षण के लिए 11 जनपदों के 18 वृहद गो-संरक्षण केन्द्रों का वर्चुअल लोकार्पण व 7 जनपदों के 15 वृहद गो-संरक्षण केन्द्रों का शिलान्यास किया। प्रदेश के आगरा, ललितपुर, हरदोई में 2-2, अमरोहा, महोबा में 3-3 और अमेठी, जालौन, एटा, सुल्तानपुर, जौनपुर और बरेली में 1-1 वृहद गो-संरक्षण केन्द्रों का शत-प्रतिशत निर्माण पूरा हो चुका है। इन केन्द्रों के निर्माण में प्रदेश सरकार ने प्रति केन्द्र 160.12 लाख रुपये की धनराशि व्यय की। इसके अलावा आगरा में 4, हापुड़ में 3, हरदोई, मिर्जापुर में 2-2, पीलीभीत, बाराबंकी और शाहजहांपुर में 1-1 वृहद गो-संरक्षण केन्द्रों का शिलान्यास भी वर्चुअली हुआ। सभी 33 वृहद गो-संरक्षण केन्द्रों के निर्माण की लागत 5238.96 लाख रुपये है और हर केन्द्र में लगभग 400 गोवंश संरक्षित हो सकते हैं। इस मौके पर पशुधन मंत्री ने क्षेत्रीय विधायकों, ग्राम प्रधानों, जिलाधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी और केयरटेकरों से गोवंश के रखरखाव और सहयोग पर बात की। उन्होंने संबंधित जनपदों के मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों को केन्द्रों पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने और ठण्ड से बचाव की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 7,463 गो-आश्रय स्थलों की स्थापन की जा चुक है, जिसमें कुल 12,14,972 निराश्रित गोवंश संरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि पशुपालकों और किसानों की आय में बढ़ोत्तरी सरकार का मुख्य उद्देश्य है और इस दिशा में विभाग निरन्तर सार्थक और सराहनीय काम कर रहा है। पशुओं के स्वास्थ्य व उत्पादकता के दृष्टिगत टीकाकरण नियमित हो रहा है और विभाग की सभी योजनाओं का लाभ किसानों और पशुपालकों को दिया जा रहा है।

कांग्रेस नदीम खान सहित सभी मानवाधिकार नेताओं के साथ खड़ी है

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज आलम ने एपीसीआर के राष्ट्रीय सचिव और मानवाधिकार नेता नदीम खान को दिल्ली पुलिस के उत्पीड़ित करने और फंसाने का आरोप लगाते हुए निंदा की है। श्री आलम ने कहा कि कांग्रेस नदीम खान सहित सभी मानवाधिकार नेताओं के साथ खड़ी है और उनके उत्पीडन की साजिश में शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करती है। अपने बयान में श्री आलम ने कहा कि हेट स्पीच, भीड़ हिंसा और नागरिकों पर पुलिस फायरिंग जैसी घटनाओं पर नदीम खान और उनका संगठन एपीसीआर लगातार पीड़ितों के सवाल उठा रहे हैं और उन्हें कानूनी मदद कर रहे हैं। नदीम खान ने देश भर में कई बेगुनाहों को भाजपा सरकारों के फर्जी मुकदमों से बरी कराया है। श्री आलम ने कहा कि संभल की निचली अदालत के पूजा स्थल अधिनियम उल्लंघन कर संविधान विरोधी निर्देश देने के बाद हुए प्रदर्शन में शामिल बेगुनाह मुस्लिम युवाओं की पुलिस के हत्या पर सवाल उठाते हुए जेल भेजे गये बेगुनाहों की कानूनी मदद की बात की थी, जिससे भाजपा सरकार उनकी आवाज दबाने के लिए उन्हें फंसाने की साजिश रच रही है।

संक्षिप्त समाचार

आरडीएसओ अस्पताल में ' इंटरनेशनल डे ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटीज' कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ। आरडीएसओ अस्पताल मे 'इंटरनेशनलडे ऑफ पर्सन्स विथ डिसएबिलिटीज'पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे डॉ. सतीश कुमार ने दिव्यांगजन को नई पॉलिसीज में जोड़कर एवं उनके लिए हर जगह सुविधाएं जोड़कर उन्हें कैसे सबल बनाया जा सकता है इस बारे में बताया। एसीएमएस महोदया डॉ. ज्योत्सना ने बताया के समाज को यह समझना चाहिए की दिव्यांगजन में कुछ ऐसी क्षमता होती है जोकि वो अन्य लोगों से बेहतर कर सकते है। कार्यक्रम में डॉ.अनुज कुमार सिंह, डॉ. मेराज अहमद, डॉ मृदुल शुक्ला, डॉ. पंकज श्रीवास्तव एवं निदेशक/भंडार ए. के. सोनी भी मौजूद रहे।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नवंबर 2024 में बिक्री की 4,72,749 यूनिट

लखनऊ। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज नवंबर 2024 महीने के लिए अपनी समग्र बिक्री की घोषणा की। माह के दौरान कंपनी ने 4,72,749 इकाइयों की बिक्री की । इसमें 4,32,888 इकाइयों की घरेलू बिक्री और 39,861 इकाइयों का निर्यात शामिल है। उल्लेखनीय है कि एचएमएसआई की इस वित्तीय वर्ष में अब तक बिक्री (अप्रैल-नवंबर 2024) 42,28,837 इकाई है । इसमें 38,67,427 घरेलू बिक्री और 3,61,410 निर्यात इकाइयाँ शामिल हैं। नवंबर 2024 के बिक्री आंकड़ों की मुख्य विशेषताएं बताते हुए कंपनी ने जानकारी दी कि होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में एक्टिवा ई और क्यू सी 1 को पेश करके मोबिलिटी के अगले युग की शुरुआत की।क्यू सी1के साथ-साथ आइकॉनिक एक्टिवा ब्रांड को बिल्कुल नए इलेक्ट्रिफाइड अवतार में पेश करना भारत में सस्टेनेबल मोबिलिटी के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण क्षण है। इसके लिए बुकिंग 1 जनवरी, 2025 से शुरू होगी और डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू होगी।

वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर दी गई श्रद्धांजलि

लखनऊ। उर्दू के वरिष्ठ पत्रकार और लखनऊ वर्किंग जर्नलिस्टस यूनियन के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय कुतुबुल्लाह के निधन पर पत्रकार संगठनों ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। स्वर्गीय कुतुबुल्लाह आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय पार्षद भी थे। आईएफडब्ल्यूजे के अध्यक्ष के. विक्रम राव, यूपी वर्किंग जर्नलिस्टस यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी व महामंत्री प्रेमकान्त तिवारी, यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार सिंह और लखनऊ वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन के अध्यक्ष शिव शरण सिंह व महामंत्री विश्वदेव राव ने स्वर्गीय कुतुबुल्लाह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से उर्दू पत्रकारिता में बड़ा स्थान रिक्त हो गया है। वे यूनियन के जरिए पत्रकारों के हितों के लिए काम में आगे रहते थे।